# HRCI an USUS The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

**v**o 36]

**मद्दे बिल्ली, शनिवार,** सितन्बर 4, 1982/भाव 13, 1904

No. 36]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 4, 1982/BHADRA 13, 1904

इस भाग में भिन्स पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सर्व Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

भाग II-कण्ड 3-उप-कण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रता मंत्रालब को छोड़कर) मारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए साविधिक ग्रावेश और ग्रिधिमूचनाएँ

Statutory Order and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विक्रि, 🔻 घर और कम्पनी कार्य मंत्रालय

ानधि कार्य विभाग)

्राक्ली, 16 **प्रगस्त**, 1982

का॰ आ॰ 3054'—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के श्रनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री बीरेन्द्र नाथ बनर्जी, एडबोकेटे र ज प्रान्तिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के प्राधीन एक स्रावेदम इस बात ने ... दिया है कि उसे कलकत्ता व 24 परगना व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियमत किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का ब्राक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[स 5(60)/82-म्या०]

के० सी० डी० गगवानी, संक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY A  $|\mathbf{F}^{(1)}|^2 \mathbf{S}$ 

(Department of Legal A irs)

New Delhi, the 16th August, 1982

SO. 3054.—Notice is hereby given by Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Birendra Nath Banerjee, Advocate for appointment as a Notary to practise in Calculta & 24 Panganas

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(60)/82-Judl.] K. C. D GANGWANI, Competent Authority

# गृह भंत्रालय

(भारत के महापंजीकार का कार्यालय)

नई दिल्ली, 17 ग्रगस्त, 1982

का श्वार 3055 - जनगणना सिधिनियम, 1948 (1948 की संव 37) की द्वारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त णिकतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय प्रशासनिक सेवा (सब राज्यक्षेत्र) के अधिकारी श्री भोमेश सैगल को 1981 की जनगणना के लिए तारीख 21 जुलाई, 1982 के श्रपराक्ष से श्रगले आदेशों तक जनगणना कार्य निदेशालय, लक्षद्वीप में निदेशक के पद पर एसह्वारा नियुक्त कन्ती है।

[सं० 11/91/79-प्रशा०-I]

पी० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार स्त्रीर पदेन जनगणना

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (Office of the Registrar General Indi

New Delhi, the 17th August, 198

SO. 3055.—In exercise of the power Section (1) of Section 4 of the Census' 1948), the Central Government hereby

(3101)

Saigal of the Indian Administrative Service (Union Territory Cadre) as Director of Census Operations, Lakshadweep for the 1981 Census, with effect from the afternoon of the 21st July, 1982, until further orders.

[No. 11/91/79-Ad. I] P. PADMANABHA, Registrar General and Ex-officio Census Commissioner for India.

नई दिल्ली, 23 प्रगम्त, 1982

का० आ० 3056 — तारीख 19-51975 के प्रांध्र प्रदेश प्रशासिक अधिकरण प्रादेश, 1975 [जी० एस० आ१० 285 (ई)] के पैरा 3 में प्रवत्त शिक्तथों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रपति, उडीमा विष्ठ न्याथिक रोवा (विष्ठ प्राखा) के मैवा-निष्क प्रधानारी, श्री के० एम० मिश्र की कार्यभार संभातने की तारीख में अधि प्रदेश प्रशासिक प्रधिकरण के सदस्य के अप में निष्युक्त बरने हैं।

[सं० 21013/2/81-ए५० भ्रार०] जी० विश्व भार० मूर्ति, अवर गर्जिव

New Delhi, the 23rd August, 1982

S.O. 3056.—In exercise of the powers conferred by paragraph 3 of the Andhra Pradesh Administrative Tribunal Order, 1975 [G.S.R. 285(F), dated the 19th May, 1975] the President is pleased to appoint Shri K. M. Mishta, retired officer of the Orissa Superior Judicial Service (Senior Branch), as Member of the Andhra Pradesh Administrative Tribunal with effect from the date he takes over charge of office.

[F. No. 21013/2/81-SR]. G. V. R. MURTHY, Under Secy.

# वित्त मंत्रालय

# (राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 18 मई, 1982

#### आयकर

का० आ० 3057.—मर्वमाधारण की जानकारी के लिए प्रधिमूचित किया जाता है कि बिह्न प्रधिकारी, प्रयात भारतीय ममाज विकास अनुसंधान परिषव, ने निम्निलिखित संस्था को, भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के प्रयोजनों के लिए निम्निलिखित शर्तौ पर प्रनुमोदन किया है, भ्रथतिः—

- (i) यह कि श्री भारदा महाविद्यालय भैक्षणिक न्याम, साले म द्वारा इ.स. छूट के प्रधीन संप्रहीत निधि का उपयोग प्रतन्यत सामाजिक विज्ञान में प्रमुसंधानकी प्रोप्ति के लिए किया जाएगा।
- (ii) यह कि महाविद्यालय इस छुट के अधीन इस प्रकार संग्रहील निधि को पत्रक लेखा रखेगा और इस छुट के प्रधीन संग्रहीत निधि और वह रीति जिसमे निधि का उपयोग किया जाना है, नियमित रूप में दिशित करते हुए लेखा विवरण के साथ अपने किया कलायो की वाधिक विवरणी परिषद को भेजेगा।
- (iii) श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की श्रारा 35 (1) (iii) के श्रश्नीन प्राप्त किए गए दान में श्र युक्त किसी निधि को धारा किए (1) (व) में विहित रीति से यिनिहित किया जाएगा श्रन्तर्गंत सरकारी बचन पत्नों में श्रिनिधान, प्रनसूचित निक्षेप, युव्टीव श्रार्टक में विनिधान, पांडलक सैक्टर में निक्षेप, श्रांक पर श्रीर सरकारी कंपनियों श्रादि में

५~प्यत्यंक वर्ष के लिए प्रपत्ती कुल प्राय ग्रीर् प्रपत्ते वार्षिक सपरीक्षित लेखा की एक प्रति श्रीर श्रपनी श्रास्तियां तथा वासित्व दिश्वत करते हुए तुलन पत्न की एक प्रति 30 जून तक विष्ठित प्राधिकारी को भेजेगा श्रीर इन दस्तावेजों में में प्रत्येक की एक प्रति सबद्ध श्रायकर श्रायकत को भेजेगा।

#### सस्या

श्री शारदा महाविद्यालय शैक्षणिक न्यास, गालेम

यह प्रधिसूचना इसके जारी किए जाने की नारीख से प्रभावी होगी ग्रीर तीन वर्ष की श्रवधि के लिए विधिमान्य होगी।

[सं० 4616/फा०सं० 203/124/81-प्राई दी ए ll]

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 18th May, 1982

#### INCOME TAX

- S.O. 3057.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research, the prescribed authority for the purposes of clause (iil) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions:—
  - (i) That the funds collected by Sri Sarda College Educational Trust, Salem under this exemption shall be utilized exclusively for promotion of research in Social Sciences.
  - (ii) That the College shall maintain a separate accounts of the funds so collected by them under this exemption and shall send to the Council an Aunual Report of its activities alongwith the Statement of Accounts regularly showing specifically the funds collected under this exemption and the manner in which these funds are utilized.
  - (iii) Any unutilized funds, out of the donations acceived under section 35(1) (iii) of Income-tax Act, 1961, will be invested in the manner prescribed in Section 13(1)(d) which includes, investment in Govt. Saving Certificates, deposit in Scheduled Bank, investment in U.T.I., deposits with the Public Sector Companies, deposits in Post Office and Govt. Companies etc.
  - (iv) That the College shall submit to the Prescribed Authority by 30th June, each year a copy each of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance-sheet showing its assets and liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.

# INSTITUTION

Sri Sarda College Educational Trust, Salem.

This notification takes effect from the date of its issue and is valid for a period of three years.

[No. 4616/F. No. 203/124/81-ITA,II]

नई दिल्ली, 22 मई, 1982

#### आध्कर

का० आ० 3058.— मर्वमाधारण की जानकारी के लिए प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित्र प्राधिकारी, प्रधान भारतीय प्राय्विकान प्रनुसंधान परिषद नई दिल्ली ने निम्निलियन संस्था को प्राय-कर नियम, 1962 के नियम 6 (ii) के साथ पिटत, प्राय-कर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा प्रनुसंधान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक प्रनुसंधान सगम" प्रवर्ग के प्रधीन, निम्निलियन गर्नो पर प्रनुसोदन किया है, प्रधीन, :--

- (i) यह कि प्रतिष्ठान चिकित्सा अनुसद्यान के लिए प्राप्त राशियों का ृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह िक प्रतिष्ठान प्रयो वैज्ञानिक अनुसक्षान सबंधी किया कलापों की वार्षिक विवरणी परिषद को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे रुप मे प्रस्तुन करेगा जो इस प्रयोजन के लिए प्रक्षिकयिन किया जाए और उसे सुचिन किया जाए
- (iii) यह कि प्रतिष्ठान कुल प्रास्तियों प्रौर दियत्वो सहित लेखा का वार्षिक सपरीक्षित विवरण परिषदका प्रति वर्ष 31 मई तक भेजेगा प्रौर इसके घतिरिक्त इसकी एक प्रति सम्बद्ध प्राय-कर प्रायुक्त की भेजेगा

#### सस्या

डा० अगसे विकित्सा प्रविध्धान, ब्रह्मवनगर, महाराष्ट्र

यह प्रधिसूचना 31-3-1982 में 30-3-1984 तक दो वर्ष की अर्थाध के लिए प्रभावी है।

> [सं० 4647 (फा॰ सं॰ 203/87/82-प्राईटी ए॰ 11 New Delhi, the 22nd May, 1982

#### INCOMES TAX

- S.O. 3058.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "Scientific Research Association" in the field of Medical Research subject to the following conditions:—
  - (i) That the Foundation will maintain a separate account of the sums received by it for medical research.
  - (ii) That the Foundation will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
  - (iii) That the Foundation will furnish a copy of the annual audited statement of accounts along with total assets and liabilities to the Council by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

#### INSTITUTION

Dr. Agashe Medical Foundation, Λhmedanager, Maharashtra.

The notification is effective for a period of two years from 31-3-1982 to 30-3-1984.

[No. 4627/F. No. 203/87/82-ffA.II]

#### नई दिल्ली 24 मई, 1982

# आयकर

का 3049 .-- मर्थमाधारण की जानकारी के लिए श्रिधमूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी श्रयीत भारतीय समाज विज्ञान श्रनुसंधान परिषद ने निम्नलिखित संस्था की श्रायकर, श्रिधित्यम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के प्रयोजनी के लिए निम्नलिखित गर्ती पर श्रनुसोदित किया है,

अर्थात.--

- (i) यह कि कृषिम टैक्स ट.इल्स प्रतिष्ठान, मुम्बई, द्वारा इस छुट के प्रधीन सप्रशीन निधि का उपयोग श्रनत्यन: स.माजिक विज्ञान में ग्रनुसंधान की प्रोन्नति के लिए किया जाएगा।
- (ii) यह कि प्रतिष्टान इस छुट के अंधीन संग्रहीत निधि का पृथक लेखा रखेगा।

- (iii) यह कि प्रतिल्टान प्रत्येक वर्ष के लिए इस छूट के प्रधीन संब्रहीन निधि और यह गील जिसमें निधि का उपयोग किया जाता है दिशिक करने हुए अपने वार्षिक संपरीक्षित लेखा की एक प्रति और वार्षिक रिपोर्ट की एक प्रति परिषद को भेजेगा।
- (iv) आयकार अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) (ii) के अधीन प्राप्त किए गए दान से अनुप्रयुक्त किसी निधि को धारा 13(1) (घ) में खिहित रीति से विनिष्ठित किया जायमा जिसके अल्यमेन सरकारी बचन पत्नों में विनिधान, अनुमूचिन बैंक में निक्षेप यू० टी० आई० में विनिधान पिक्लक सैक्टर कपनियों में निक्षेप, डाक धर और सरकारी कंपनियों आदि में निक्षेप भी है।

#### संस्था

कृतिम टेक्सटाइल्स यनुसंधान प्रतिष्टान, सुम्बई

यह अधिसूचन। 1-4-1982 से प्रभावी है और एक वर्ष की भविधि के लिए विधिसान्य होगी।

् [सं० 4632फा० स० 203/210/81-प्राईटी एII]

### New Delhi, the 24th May, 1982 INCOME TAX

- S.O. 3059.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research, the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of subsection (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 subject to the following conditions:—
  - (i) That the funds collected by the Manmade Textiles Foundation, Bombay under this exemption shall be utilized exclusively for promotion of research in Social Sciences.
  - (ii) That the Foundation shall maintain a separate account of the funds collected by them under this exemption.
  - (iii) That the Foundation shall sent to the Council an Annual Report and Audited Statement of Accounts regularly showing the funds collected under this exemption and the manner in which these funds are utilized.
  - (iv) Any unutilized funds, out of the donations received under Section 35(1)(iii) of Income-tax Act, 1961,

will be invested in the manner prescribed in Section 13(1)(d) which includes investment in Govt. Saving Certificates, desposit in Scheduled Bank, investment in U.T.L., deposits with the Public Sector Companies, deposits in Post Office and Govt. Companies etc.

#### INSTITUTION

Man Made Textiles Research Foundation, Bombay.

This notification takes effect from 1-4-82 and is valid for one year.

[No. 4683/F. No. 203/210[81-ITA. II]

#### **भ्रायक**र

कार आर 3060.—सर्वमाधारण की जानकारी के लिए प्रधिसूचित किया जाता है। के बिहित प्राधिक री, प्रथित् भारसीय समाज विज्ञान धनुसंधान परिषद में निम्नानिखित संस्था की, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के प्रयाजनों के लिए निम्निलिखित शर्तों पर अनुमोदिन किया है, अर्थान् -

- (i) यह कि मनिपाल प्रयध सम्थान, मनिपाल द्वारः इस छूट के प्रद्यीन संग्रहीन निधिका उपयोग अनन्यत सामाजिक विज्ञान में अनुसंक्षान की प्रोन्नित के लिए किया जाएगा।
- (ii) यह कि संस्थान इस छूट के प्रश्लीन इस प्रकार सग्रहन निधि का पृथक लेखा रखेगा और इस छूट के अधीन संप्रहित निधि और वह रोति जिसमें निधि का उपयोग किया जाता है, नियमित उप से विशित करने हुए लेखा विवरण के साथ ग्रपने त्रिया कलाड़ों की वार्षिक विवरणी परिषद को भेजेगा।
- (iii) आयकर अधिनियम, 1961 की धारः 35 (i) (iii) के अधीन प्राप्न किए गए बान से अनुप्रमुक्त किसी निधि की धारा 13 (1) (य) में बिहित रोति से बिनिहित किया जाएगा जिसके अस्तर्गत सरकारी बचत पत्नों से विनिधान, अनुसूचित बैक में निक्षेप, यू०टी० श्राई० में विनिधान पिक्तिक सैंबटर कंपनियों में निक्षेप, डाक घर और सरकारी कंपनियों आदि में निक्षेप श्रादि भी है।
- (iv) यह कि संस्थान प्रत्येक वर्ष के लिए अपनी कुल आय और अयम की दांगत करते हुए अपने व पिक सक्तीकित लेखा की एक प्रति और अपनी आस्थियां तथा दामिस्य विभिन्न करते हुए तुलन पत्र की एक प्रति 30 जून तक विहित अधिकारी की भेजेगा और इन दस्तावेओं की प्रत्येक की एक प्रति सम्बद्ध आयकर आयक्त की भेजेगा;

#### सस्था

मनिपाल प्रबंध, संस्थान, मनिपाल

य इश्रधिसूचना इसके जारी किए जाने की तारीख से प्रभावी होगी भौर तीन वर्ष की भवधि के लिए विधिमान्य होगी।

> [स॰ 4632 /फा॰ सं॰ 203/153/81-प्राई॰ टी॰ ए॰ II] एम॰ जी॰ सी॰ गोयल, प्रवर सचिथ

## INCOME TAX

- S.O. 3060.—It is hereby notified for general infromation that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research, the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions:—
  - (i) That the funds collected by the Manipal Institute of Management, Manipal under this exemption shall be utilized exclusively for promotion of research in Social Sciences.
  - (ii) That the Institute shall maintain a separate account of the funds so collected by them under this exemption and shall send to the Council an Annual Report of its activities along with the Statement of Accounts regularly showing specifically the funds collected under this exemption and the manner in which these funds are utilized.
  - (iii) Any unutilized funds, out of the donations received under section 35(1)(iii) of Income-tax Act, 1961, will be invested in the manner prescribed in Section 13(1)(d) which includes investment in Govt. Saving Certificate, deposit in scheduled Bank, investment in U.T.L., deposits with the Public Sector Companies, deposits in Post Office and Govt. Companies etc.
  - (iv) That the Institute shall submit to the Prescribed authority by 30th June each year a copy each of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets and liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.

#### INSTITUTION

Manipal Institute of Management, Manipal.

This notification takes effect from the date of its issue and is valid for a period of three years.

[No. 4633/F. No. 203/153/81-ITA.II] M. G. C. GOYAL, Under Secy.

नई विरुखी, 23 जून, 1982

#### आय-कर

का॰आ॰ 3061 — केन्द्रीय सरकार, घाय-कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए "हरिजन सेवक संघ" को निर्धारण वर्ष 1982-83 से 1984-85 के अन्तर्गत भाने वाली घवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ भ्रिधमुचित करती है।

[सं० 4757/फा०स० 197/12/82 म्रा.क.(ए 1)]

# New Delhi, the 23rd June, 1982 INCOME-TAX

S.O. 3061.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Harijan Sevak Sangh" for the purposes of the said section for the period covered by the assessment years 1982-83 to 1984-85.

[No. 4757/F. No. 197/12|82-IT(AI)]

का अविव 2 — केन्द्रीय सरकार, ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए "दि डिवाइन लाइफ सोसाइटी" की निर्धारण वर्ष 1982-83 के अन्तर्गत ग्रामे वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ ग्रिधिस्चित करती है।

[सं० 4758 /फा॰ सं० 197/55/82 भा० क (ए ा)]

S.O. 3062.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Divine Life Society" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment year 1982-83.

[No. 4758/F. No. 197/55]82-lT(AI)]

का. आ. 3063 — केन्द्रीय सरकार, आंय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 10 की उपभारा (23-ग) के लण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ''केन्द्रीय राहत निधि'' को निर्धारण वर्ष 1978-79 से 1981-82 के अन्तर्गरा आने बाली अविध के लिए उक्त भारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4759/फा.सं. 197/109/79-आ.क.(ए1)]

S.O. 3063.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Divine Lift Society" for the purpose of the said secfor the period covered by the assessment years 1978-79 to 1981-82.

[No. 4759/F. No. 197/109]79-IT(AI)]

का. आ. 3064 · किन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए ''विकलांग व्यक्ति संगम'' को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1982-83 के अन्तर्गरा आने वाली अविध के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4760/फा.सं. 197/122/80-आ.क.(ए1)]

S.O. 3064.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Association of the Physically Handicapped" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1982-83.

[No. 4760/F. No. 197/122[80-IT(AI)]

का०आ० 3065.—केन्द्रीय सरकार, घाय-कर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (25 ग) के ख़ब्द (4) द्वारा प्रदत्त मिक्कियों का प्रयोग करते हुए "मिल स्वाम। संगम राहत निधि सोसाइटी" को निर्धारण वर्ष 1477-78 के झन्तर्गन थाने वाली घवधि के लिए उवत धारा के प्रयोजनार्थ घिधसूचित करती है।

[सं০ 4761/फा০ स० 197/128/81-आ०का०(ए० 1)]

S.O. 3065.—In exercise of the powers conferred by caluse (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government horeby notifies "The Millowners' Association Relief Fund Society" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment year 1977-78.

[No. 4761/F. No. 197/128|81-IT(AI)]

नई दिल्ली, 28 जून, 1982

#### आय-कर

का०आ० 3066. -- केन्द्रीय सरकार, ग्राय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के अण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए "स्लम एण्ड करल डेवलपमेंट सोमाइटी" को निर्धारण वर्ष 1978-79 से 1981-82 के अन्तर्गत ग्राने वाली अलिध के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिमुलित करती है।

[सं० 4773/फा०सं०197/69/81 भार क० (ए०1)]

# New Delhi, the 28th June, 1982 INCOME-TAX

**s.o.** 3066.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Slum & Rural Development Society" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1978-79 to 1981-82.

[No. 4773/F. No. 197/69|81-IT(AI)].

# नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1982

का०आ० 3067.—केन्द्रीय सरकार, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) हारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, "पिरोजशा गोवरेज फाउडेशन" को उक्त धारा के प्रयोजनार्थं निर्धारण वर्षे 1982-83 के प्रन्तर्गन प्राने वाली घनिध के लिए प्रधिस्चित करती है।

[सं० 4784/फा०सं० 197/57/82-ग्रा०क०(ए०1)] मिलाप जैन, ग्रवर सचिव

#### New Delhi, the 6th July, 1982

**S.O.** 3067.—In exericse of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Pirojsha Godrej Foundation" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment year 1982-83.

[No. 4784/F. No. 197/57/82-II(AI)]
MILAP JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1982

#### आय-कर

क(०आ० 3068.—केन्द्रीय सरकार, म्राय-कर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त सभितयों का प्रयोग करने हुए, "किस्ड्रन्स फिल्म सोसाइटी, इंडियां" को निर्धारण वर्ष 1976-77, 1977-78, 1980-81, 1981-82 मौर 1982-83 के मन्तर्गत माने वाली भ्रवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोज-नार्थ श्रिधसूचित करती है।

[सं० 4815/फा॰ सं॰ 197/108/78-मा॰क॰ (ए॰1)]

# New Delhi, the 17th July, 1982 INCOME-TAX

S.O. 3068.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereb notifies "Children's Film Society, India" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1976-77, 1977-78, 1980-81, 1981-82 and 1982-83.

[No. 4815/F. No. 197/108]78-IT(AI)]

का अा 3069. — केन्द्रीय सरकार, प्राय-कर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ''श्री सन्तर्थग निवासिनी देवों न्यास, नामिक" को निर्धारण 1976-77 से 1982-83 के प्रस्तर्गत अनि वाली घविष्ठ के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[स॰ 4816/फा॰ सं॰ 197/49/81 श्रा॰ फ॰ (ए॰ 1) बी॰ बी॰ श्रीनिवासन, उप सचिव

S.O. 3069.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shree Saptashrung Niwasini Devi Trust, Nasik" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1976-77 to 1982-83.

[No. 4816/F. No. 197/49|81-IT(Al)] V. B. SRINIVASAN, Dy. Sccy.

# (केम्ब्रीय उत्पाव , शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड)

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1982 सं. 204/82-सीमा-शुल्क

का. जा. 3070 — केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केरल राज्य राज्य के, जिला त्रिबेन्द्रम के, सेलम ताल्लुक में कल्लर भाण्डागार स्टेशन के रूप में घोषित करता है।

> [फा. सं. 473/124/82-सीमा-श्ल्क-7] एन. के. कपूर, अवर सिुचय, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और सीमा-शुल्क होड

CENTRAL BOARD OF EXCISES AND CUSTOMS
New Delhi, the 4th September, 1982
NO. 204/82-CUSTOMS

S.O. 3070.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of Excise and Customs hereby declares Kallar in Nedumangad Taluk of Trivandrum District in the State of Kerala, to be a warehousing station.

[F. No. 473/124/82-CUS-VII] N. K. KAPUR, Under Secy. Central Board of Excise and Customs

# (केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड) नई दिल्ली, 15 जून, 1982

आयकर

का ं आ ं 3071, किन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, भायकर श्रीधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 126 द्वारा प्रवत्त मिन्ति का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर भपनी अधिसूचना सं 1 (फा० सं 55/233/63-भाई टी०) तारीचा 18 मई, 1964 से उपावद्य भनुसूची में निम्नलिखित संगोधन करती है।

भ्रनुसूची में, क्रम संस्थाक 42 च (v) के पश्चात् निम्मलिखित जोड़ा जाएगा।

1 2	3	4	
"(VI) केन्द्रीय सरकार के आठ सेवकों भिन्न ऐसे वैतनिक सी० कर्मचारियों के मभी मामले जो भारतीय		(निरीक्षण)अ सीवार्ड सिर्ल बंगाल की	ाई०ए०सी० गिगुड़ी ५० बाबत
नागरिक हैं भीर		भाई० ए० व	सी० के०

1 4	a		4
सिक्किम में	तैनात	कृत्यीं के	पासन वे
है		स्तिए नियु	क्त किया
		गया है।	
5		6	
 प्रपील सहायक ग्राय	———————— करम्रायुक्त/भ्रायकर	− — भाषकर प्रायुक्त,	·——— पश्चिमी
भायु <del>ग्त</del> , ग्रपील)	जिसमें स्तम्भ 3	बंगाल-13, कलक	ना"
में निर्दिष्ट	<b>ग्रा० कर ग्र</b> धि०		
के विनिष्चय के	विश्व अपील सुनने		
	की गई है।		

यह अविश 1 जुलाई, 1982 में प्रभावी होगा।

[सं० 4678 (फा० सं० 188/1/82-आईटी (एआई)] मिलाप औन, अवर सचिव

# CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 15th June, 1982 INCOME-TAX

S. O. 3071.—In exercise of the powers conferred by section 126 of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following amendments in the schedule annexed to its Notification No. 1 (F. No. 55/233/63-IT) dated the 18th May, 1964 from time to time.

In the schedule after Sl. No. 42F (V) the following shall be added:-

1	2	3	4	5	6
other ment	ses of salaried employees than Central Govern- Servents, who are Indian as and posted in Sikkim.	Siliguri.	I.A.C. who has been appointed to perform the functions of an I.A.C. in respect of C-Ward, Siliguri, West Bengal.	Appellate Assistant Commissioner of Incometax/Commissioner of Incometax/Commissioner of Incometax (Appells) who has been invested with power to hear appeals against the decision of the I.T.O., referred to in Col. 3.	C.I.T., West Bengal- XIII Calcutta.

This order shall toke effect from 1st July, 1982.

[No. 4678 (F. No. 188/1/82-1T(Al)] MILAP JAIN, Under Sccy.

# (आर्थिक कार्य विभाग) (वैकिंग प्रमाग)

नई दिल्ली, 20 भगस्त, 1982

का० आ० 3072.—बैंककारी विनिधमन अधिनिधम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रवरत किन्त्यों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिकारिश पर एलवृह्वारा चोषणा करती है कि उक्त प्रिधिनियम की धारा 10ख की उपधारा (1) और (2) के उपबंध बनारस स्टेट बैंक लिमिटेंड, नारागसी पर 30 स्वस्था, 1982 तक प्रथवा उसके प्रयोग पूर्णकालिक प्रष्ठ्यक्ष सथा मुख्य कार्यपासक प्रधिकारी की सियिक्स होने नक, इनमें से जो भी पहले हो, सब तक लागू नहीं हागे।

[संख्या 15/5/82-बी० ग्रॉ० III] एन०डी० वज्ञा, ग्रथर सन्बिन

# (Department of Economic Affairs)

# (Banking Division)

New Delhi, the 20th August, 1982

S.O. 3072.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of Reserve Bank of India, declares that the provisions of subsections (1) and (2) of section 10B of the said Act, shall not apply to the Benaras State Bank Ltd. Varanasi, till 30th November, 1982 or till the appointment of the next whole-time Chairman and Chief Executive Officer, whichever is earlier.

[No. 15/5/82-B.O.JII]
N. D. BATRA, Under Secy.

# (ज्यय विभाग)

# नई विल्ली, 7 मई, 1982

का० आ० 3073—राष्ट्रपति, संविधान के प्रतुच्छेद 77 के खण्ड (3) के प्रतुसरण में वित्तीय णक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 का ग्रीर संशोधन करने के लिए निम्तिकतितिस्त नियम बनाते हैं, प्रयत्ः--

- इन नियमों का संक्षिप्त नाम वित्तीय मिक्तयों का प्रत्यायोजन (प्रथम संभोधन) नियम, 1982 है।
- वित्तीय मिन्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 की प्रतृसूची 1 के स्थान पर निम्नलिखन प्रमृत्नुची 1 रखी जाएगी, प्रयति:——

# " अनुसुची

(नियम 3 (च) देखिए)

# विमागाध्यकों की सूची

# कृषि मंत्रालय

- (क) कृषि और सहकारिता विभाग
- 1. लेखा नियंत्रक, नई दिल्ली
- परियोजना प्रधिकारी, प्रविल भारतीय मुद्रा और भूमि उपयोग सर्वेकण संगठन, नई दिल्ली।
- 3. निवेशक, मात्स्यकी अन्वेषण परियोजना, बम्बई
- निदेशक, केन्द्रीय मात्स्यकी, समुद्री ग्रीर इंजीनियरी प्रशिक्षण संस्थान कोचीन ।
- 5. निदेशक, समेकित मात्स्यकी परियोजना, कोजीन ।
- निदेशक, मात्स्यकी अंदरगाहों का विवान-पूर्व सर्वेक्षण, बंगलीर
- 7. प्रध्यक्ष, बन-धनुसम्धान ग्रारेर महाविद्यालय, वेहरावून ।
- निवेशक, ट्रैक्टर प्रशिक्षण तथा परक स्टेशन बुदनी ]
- (क्षेत्रक, द्रैक्टर प्रशिक्षण केन्द्र, हिसार)
- 10. निदेशक लोक विकास निदेशालय, राजी
- 11. निदेशक, विल्ली-चिड्डियाघर ।
- 12. महा प्रबंधकः, दिल्ली दुन्ध योजना, नई दिल्ली ।
- 13. निदेशक, भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून ।
- 14. मुख्य कार्यपालिक भ्रधिकारी, लागिग प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना, देहरानून
- 15. निदेशक, केन्द्रीय भेड़-प्रजनन कार्म, हिसार ]
- निवेशक, केन्द्रीय कुक्ट उत्पादन भीर प्रजानंत्र प्रशिक्षण संस्थान, हेतर घट्टा बंगलीर.
- 17. तिदेशक, काजू विकास निवेशालय, कोचीन ।
- 18. निवेशक, कपास विकास निवेशालय, मुन्बई ।
- 19. निदेशक, जूट विकास निदेशालय, कलकत्ता ।
- 20. निवेशक, निलहन विकास निवेशालय, हैवराबाव।
- 21. निदेशक, गन्ना विकास निदेशालय, साहिबाबाद गाजियाबाद ।
- 22. निदेशक, तम्माक् विकःस निदेशालय, मद्रास ।
- 23. निदेशक, मिलेट, (अव र, बाजरा भावि) विकास निदेशालय, महास।
- 24. निदेशमा, दाल विकास निदेशालय, लखनऊ।
- 25. निदेशक, च।वल विकास निदेशालय, पटना ।
- 26. नारियल विकास निदेणालय, एर्नाकुलम, कोचीन, कोको, भ्राकनिट भीर मसाला विकास निवेशालय कालीकट की बाबत उपसचिव (फसल) कृषि भ्रीर सहकारिता विभाग ।
- 27. पावप संरक्षण सलाहभार, पादप संरक्षण, संगरोध ग्रीर भण्डार-करण निवेशालय, फरीदाबाद।

- 28. निदेशक, कृषि विमानन निदेशालय, सफदरजंग, एयरपोर्ट नई विल्ली।
- 29. निदेशक, (प्रशासनिक), विस्तार निदेशालय, नई दिल्ली।
- 30. झासुक्त, उर्वरक विकास, फरीदाबाद।
- 31. प्राधिक ग्रीर सांक्रियकी सलाहकार, ग्राधिक ग्रीर सांक्रियकी सलाहकार निदेशालय, नई दिल्ली।
- 32. ग्रध्यक्ष, कृषि की मत ग्रामोग, नई दिल्ली। (ख) खाद्य विभाग:
- मुख्य निदेशक, चीनी निदेशालय, नई दिल्ली।
- 2. निवेशक, राष्ट्रीय चीनी संस्थान, कानपुर।

# सिविल पूर्ति मंत्रालय

- भ्रष्ट्यक्ष, भावी विपणन भ्रायोग, बम्बई।
- 2. मुख्य निवेशकः, बनस्पति, वनस्पति क्षेल भौर वमा निवेशालय, नई विल्ली।

#### बाणिज्य मंत्रालय

# (क) चाणिज्य विभाग

- मुख्य नियंत्रक आयात और निर्मात, नई दिल्ली।
- महानिवेशक, वाणिज्यिक प्रासूचना घौर सांवियकी, कलकत्ता।
- पश् सम्पत्ति का अभिरक्षक, मुम्बई।
- लेखा-नियंत्रक, वाणिज्य मंत्रालय।
- 5. विकास आयुक्त, सांताभुज निर्यात असंस्करण क्षेत्र, बम्बई।
- 6 विकास अध्युक्त, कोडला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांबीधाम।

# (ख) वस्त्र विभाग

- विकास प्रायुक्त प्रथिल भारतीय हस्त्रिशिल्प बोर्ड, नई विल्ली।
- 2. ह्यकरचा विकास, प्रायुक्त, नई दिल्ली ।
- वस्त्र प्रायुक्त, वस्यई।
- 4. पटसन **चायुक्त, कलकत्ता**।
- संदाय ऋ।युक्त, नई दिल्ली।

# संचार मंत्रालय

- महानिदेशक, समुद्रपार संचार सेवा।
- 2. निदेशक, मानीदर संगठन।

# शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय

# (क) शिक्षाविभागः

- निवेशक, केन्द्रीय हिन्दी निवेशालय, नई विरुली।
- 2. अध्यक्ष, वैज्ञानिक और तकनीकी ग्रन्थविली ग्रायोग, नई दिल्ली।
- निदेशक, प्रोह शिक्षा निदेशालय, नई दिल्ली।
- 4. लेखा-नियंत्रक, शिक्षा भीर संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली।
- 5. निवेशक, भारतीय भाषा केन्द्रीय संस्थान, मैसर् । ·
- निवेशक, उर्व प्रोन्नति ब्यरो, नई दिल्ली।

# (मा) संस्कृति विभागः

- महानिदेशालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई- दिल्ली।
- निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकता।
- निदेशक, राष्ट्रीय समहालय, नई विल्ली।
- 4. निरेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वक्षण, कलकता।
- निवेशक, भारत का राष्ट्रीय अभिलेखाकार, नई विल्ली।
- परियोजना अधिकारी, राष्ट्रीय मांस्कृतिक सम्पति संरक्षण अनुसंघान प्रयोगणाला, लखनऊ।
- 7. विशेष कार्य प्रधिकारी, राष्ट्रीय मानव संप्रहालय, भोपाल।
- तिदेशक, राष्ट्रीय नम कला संग्रहालय, नई विल्लों।

# ऊर्जा महालय

# (क) विश्वास विभागः

- सदस्य-सचिव, उलार क्षेत्रीय विद्युत बोर्ड, नई वित्ली।
- 2 सदस्य-सचिव दक्षिण क्षेत्रीय विद्युत बोध, बगलौर।
- सदस्य-मिष्य पण्चिम क्षेत्रीय विद्युत बोर्ड, मृश्यर्ध ।
- 4. सदस्य-मचिव, पूर्व क्षेत्रीय विद्युत बोर्छ, पटना।
- प्रस्थिक, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण।
- निवेशक, विश्वत पढित प्रशिक्षण सस्थान, बगनौर।
- ग्रज्ञीक्षक इंजीनियर, क्षेत्रीय विद्युत-छारा विंगेषण केन्द्र, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विद्युत कोई, शिलांग।

# (ख) कोयला विभागः

- 1. कोयला नियंत्रक, कलकरा।
- 2 संवाय ग्रायुक्त, धनबाद ग्रीर कलकक्ता।

# इलैक्ट्रौनिक विभाग.

 निदेशक (तकनीकी) सुचना भ्रायोगना भौर समृह इलैक्ट्रानिक भ्रायोग।

#### विवेश मंत्रालय

मुख्य पारपत्न भ्रधिकारी।

## वित्त मंत्रालाय

# (क) स्राधिक कार्ये विभागः

- लेखा नियंत्रक, आर्थिक कार्य और ध्यय विभाग।
- प्रशासक, पुनर्वास थिल्लीय प्रशासन बुनिट, नई क्ल्ली।
- महाप्रबन्धक, करेंसी नोट प्रेस, नासिक रोड।
- (भिदेशक, प्रापात जोखिम बीमा योजना, नई दिल्ली।
- बीमा-नियंत्रक शिमला।
- भारत का राष्ट्रीय बचत ग्रायुक्त।
- 7. महाप्रबंधक, भारत संस्कार टकसाल, ब्रलीपुर रोड, कलकत्ता।
- इंचार्ज सिल्बर रिफाइनरी, कलकत्ता।
- महाप्रबन्धक, भारत संरकार टकसाल मुम्बई।
- 10 मास्टर, भारत मंन्कार टकसाल, हैवराबाद।
- महाप्रबंधक तथा पदेन स्टाम्प नियन्नक, इण्डिया सिक्योरिटी प्रेस, नासिक रोड ।
- 12. महाप्रबंधक, सिक्योरिटी पेपर मिल, होशगाबाद।
- 13 महाप्रबंधक, बैंक नोट प्रेस, देवास ।
- 14. महाप्रबन्धक, इण्डिया सिक्योरिटी प्रेस, नागिक।
- (सा) व्यय विभाग
- लेखा महानियंत्रकः
- महानियंत्रिक, रक्षा लेखाः
   (ग) राजस्व विभाग
- ग्रध्यक्ष, समपहुत सम्पत्ति अपील अधिकरण, नई विल्ली
- 2. ग्रायकर मायुक्त (जिसके मन्तर्गत प्रपील भायुक्त है)
- 3. निरीक्षण निदेशक (अन्बेषण)।
- निरीक्षण निदेशक (अनुसंधान, भाषियकी और प्रकाशन)
- 5 निरीक्षण निवेशक (प्रकाशन ग्रीर जन सम्पर्क)
- निरीक्षण निवेशक (प्रायंकर धौर लेखा परीक्षा)
- 7. निदेशक, सगठक भौर पद्धति सेनाएँ (ग्राथकर) नई दिल्ली।
- श्रित क्षेत्रक (प्रशिक्षण), भारतीय राजस्य सेवा (प्रश्यक्ष कर) स्टाफ कालेज, नागपुर

- 9 तम्कर प्रीर विदेशी मृद्रा छलमाधक (मम्पित्त समपहरण) प्रिधितियम 1976 के प्रयीन कृत्या के निर्वहन के लिए नियुक्त निरीक्षणकार्य अधिकारी, नई दिल्ली/मुम्बई/मद्रास/कलकता/अष्टमदाबाद।
- 10 मुख्य ने खा नियत्नक, केन्द्रीय प्रन्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली।
- निदेशक, रस्त और श्राभूषण संब्रहालय, नई दिल्ली।
- 12 ग्रह्मक्ष, निपटान आयोग (प्रायकर प्रोर धनकर)
- 13 निदेशक, प्रवर्तन निदेशालय ।
- 14 केन्द्रीय उत्पाद-सुम्क कलकटर श्रहमदावाद, इपाहाबाद, बंगलीर, बड़ीदा, मुस्बई-1 भीर 2, भुवनेश्वर, कलकला, चण्डीगढ, गुण्टूर, विल्ली, हैदरावाद, इंदौर, जयपुर, कानपुर, मद्रास. मद्दरे, मेरठ, नागपुर, पटना पूर्ण, शिलांग श्रोर पश्चिमी बंगाल।
- 15 सीमा-भुल्क कलक्टर, मुम्बई, कलकत्ता, कोचीन, ग्रौर भवास।
- 16 निरीक्षण निवेशक (सीमाशृहक घौर केन्द्रीय उत्पाद शृह्क)।
- 17 प्रशिक्षण निदेशक (सीमाणुल्क भीर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क)।
- 18 निवेशक, संस्थितकी और ब्रासूचना।
- 19 निवेशक, संगठन भौर पद्धनि सेवाएं।
- 20. मुख्य रसायनज्ञ, केम्द्रीय राजस्य नियंत्रण प्रयोगशाला, नई विल्ली।
- 21. भारकोष्टिक ग्रायुक्त, ग्वालियर ।
- 22 मुख्य कारखाना नियंत्रका।
- 23. मुख्य लेखा नियंत्रक, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क घीर सीमा-गुल्क बोर्ड ।
- 24 निवेशक, राजस्य ग्रीर ग्रासूचना ।
- 25 प्रकासन निदेशक।
- 26. निवेशक निवारक सनियाए।
- 27 रिजिस्ट्रार, सीमाशुल्क, उपादशुल्क ग्रीर स्वर्ण (नियंत्रण) ग्रापील ग्राधिकरण।
- 28 निरीक्षण निवेशक (भन्वेषण) नई दिल्ली।

# स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संत्रालय

#### स्वास्ट्य विभाग :

निदेशक, साधारण स्वाग्ध्य सेवाएं।

#### गृह मंत्रालय

- 1. निवेशक, श्रासूचना अयूरो।
- निदेशक, नरदार बल्लम भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस ग्रकावमी, हैदरा-बाद।
- 3 महारिजस्ट्रार भौर भारत का पदेन अनगणना झायुक्त
- महानिवेशकः, केन्द्रीय रिअर्थ पुलिस बला।
- 5 मापायी अल्पसस्यक श्रायुक्त, इलाहाबाद।
- समन्वय निदेशक (पुलिस बै-तार)
- 7 महानिदेशक, सिविल सुरक्षा।
- पुलिम महानिरीक्षक, भारत-तिभ्यत सीमा पुलिस ।
- महानिदेशक, असम रादफल्स
- 10. महानिवेशक, सीमा सुरक्षा बल।
- 📭 📑 महासिरीक्षक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, सैक्टर 1,2,3 झीर 4 ।
- 12 निवेशक, पुलिस अनुसंधान और विकास व्यूपी

- 13 महानिदेणक, केन्द्रीय औद्योगिक मुरका अल।
- 14 महािदेशक, पिछड़े वर्ग कल्याण पार्य ।
- 15 आयुक्त, अनुस्चित जाति श्रीर अनुसुचित जनजाति ।
- 16. मचिव, उत्तर-पूर्वीय परिषद।
- 17 निवेशक, श्रपराध विज्ञान भौर न्याय-विज्ञान, संस्थान, नई विल्ली ।
- १९ महा प्रबन्धक, ध्रक्षुथूम एकक।
- 10 समन्त्रध निदेशक (पुलिस कम्प्यूटर्)
- 20 मुख्य नियन्नकः।
- 21. निदेशक केन्द्रीय न्याय-विभान प्रयोगशाला, नई दिल्ली
- 22 सदाय संभव, जेल सुधार समिति, नई दिल्ली।
- 23 महानिवेशक, सीमा मुरक्षा बल,
  - (i) पूर्वीमीमान्त, कलकत्ता।
  - (ii) पश्चिमी सीभान्त, जालंधर छाधनी ।
  - (iii) उत्तर-पश्चिमी सीमान्त, श्रीनगर ।

#### संघ राज्य क्षेत्र

# (भः) भ्रत्डमान भौर निकोबार हीपः

- 1. मुख्य धन नियन्न ह
- 2. मुख्य मचिव
- विकास धायुक्त
- उप-ग्रायुक्त, पोर्ट व्लैबर
- 5. मुख्य इंजी नियर, लोक निर्माण विभाग प्रन्थमान
- G वित्तीय सचिव व मुख्य बेतन भौर लेखा अधिकारी
- 7 उप-भ्रायुक्त, निकोबार हीप ।

# (ख) गोवा, दमन और दीय:

- 1. मुख्य सचिव
- 2. लेखा निदेशक
- 4. कलाकाटर, दमन
- विकास ग्रायुक्त
- 5. कशफटर, गोवा
- सचिव, उद्योग भीर श्रम
- 7. न्याधिक मायुक्त
- उप-राज्यपाल का मचिष
- मुख्य विद्युत इजीतियर
- 10. मुख्य इजीनियर, लोक निर्माण विभाग
- 11. शिक्षा निदेशक
- 12. राजम्ब मचिव

# (ग) दादरा भ्रौर न(गर हवेसी

- 1. कलभटर, बादरा भीर नागर ध्रवेली
- (घ) चण्डीगर्ड
  - 1. मुख्य इंजीनियर, राजधानी परियोजना
  - ु. निदेशक, स्नातकोत्तर संस्थान
  - आयुक्त पंजाब, इंजीनियरिंग महाविद्यालय और पदेन निदेशक, कक्नीकी शिक्षा
  - 4. नियंक्षण, मुद्रण भौर लेखन मामशी
  - पुलिस महानिरीक्षक
- (इ) दिल्लीः
  - 1. पुलिस प्रायुन्न
  - मृद्ध्य मचित्र
- (ब) पाण्डिचेरी
  - मुक्त्य सिवव
- 609 GI/82-2

- (ভ) থ্ৰুমণাৰৰ স্বল
  - । मुख्य मध्यव।
- (त्र) मिजोरम
  - मुख्य सचित्

# कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

- निदेशक, लाल बहादुर गाम्स्त्री प्रशासनिक अशादमी, मंसूरी
- निदेशक, केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरंग्
- निवेणक, सचिवालय प्रणिक्षण भौर प्रबंध संस्थान
- 1. धध्यक्ष, कर्मचारी सवन ग्रायोग
- केन्द्रीय मतर्कता प्रायुक्ता

## उद्योग मंत्रालय

- (क) घोद्योगिक विकास विभाग।
  - सचिव (तकनीकी विकास) भौर महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली।
  - 2 विकास धायुक्त, लघु उद्योग, नई दिल्ली।
  - 3 शध्यक्ष, श्रीद्योगिक भागत श्रीर कीमन अपूरो, नई दिल्ली।
  - भाषिक समाहकार, नई दिल्ली।
  - महानिवेशक, भौद्योगिक भाकास्मिकवाएँ, नई विल्ली
  - 6 पेटेंण्ट, डिजाइन और व्यापार चिन्ह महानियंत्रक, मुम्बई।
  - 7. मीमेण्ट नियंत्रक, नई दिल्ली।
  - मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर
  - नमक मायुक्त, जयपुर ।
  - 10 मुद्ध्य लेखा नियंत्रक, उद्योग मंत्रालय ।

# (ब) भारी उद्योग विभाग :

संदाय श्रायुक्त, कलकत्ता ।

# सूचना और प्रसारण भंत्रालय

- महानिदेशक, भ्राक्षाणवाणी ।
- 2. मुरुष सूचना प्रक्षिकारी ।
- 3 मृ्ष्य निर्माक्षा, फिल्म प्रभाग, मुम्बाई।
- 4 निवेशक, प्रकाशन प्रभाग ।
- 5 निदेशक, विज्ञापन और दृष्य प्रचार ।
- 6 निवेशक, क्षेत्रीय प्रचार ।
- 7 भारत के समाचार पत्नों का रजिस्ट्रार ।
- 8 निदेशक, गील भीर भाटक प्रभाग ।
- 9 प्राध्यक्ष, केन्द्रीय फिल्म सेसर बोई, मुम्बई ।
- 10 निदेशक, धनुसंवान भीर निर्वेश प्रभाग ।
- मुख्य लेखा भ्रधिकारी (लेखा नियंक्षकः) ।
- 12. महा सिवेशक, दूरदर्शन ।

# सिंचाई मंत्रालय

- ग्राध्यक्षा, केन्द्रीय जल ग्रामीग ।
- 2 निदेशक, केन्द्रीय जल और विचृत सनुसंधान स्टेणन ।
- 3 ऋष्यक्ष, गंगा बाक नियंत्रण आयोग ।
- 4 महा प्रबंधक, फरक्का बराज परियोजना ।
- विलीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी, फरक्का वराज परि-योजना ।
- मिचन, गोबाबरी जल विवाद ग्रिथिकरण।
- 7. सचिन, माही नियंत्रण बोर्ड ।
- वित्तीय सलाहकार, भाही नियंत्रण बोर्ड ।
- 9. सचिव, वाणसागर नियंत्रण परियोजना ।
- 10. स(अव, फरक्का बराज नियंत्रण बोर्ड।
- 11. निदेशक, राध्द्रीय बाब ग्रायोग, नई दिल्ली ।
- 12. निदेशक, मुद्रा ग्रीर धानु ग्रनुसंधान केन्द्र ।

# श्रम मंत्रालय

- ा. निवेशक, क्षम ब्यूरो, जण्डीगढ़ ।
- महा निवेशक, खान सुरक्षा, धनब(द ।
- लोह् अयस्क खान, बीड़ी, चूना पत्थर भीर डोलासाइट खान, फल्याण निधि कल्याण आयुक्त, अबलपुर ।
- 4 भन्नक, चुना पत्थर भौर डोलामाइट खान, बीड़ी कल्याण निधि, कल्याण श्रायुक्त, इलाहबाद ।
- लौह भयस्य खान, खुना परथर भीर डालामाइट खान, वंडि, कस्याण निधि कल्माण आयुक्त, भुवनेस्थर
- 6. श्रम्रकः, च्ना पत्थर श्रीर डोलामाइट खान, बीड़ी, कल्याण निधि कल्याण श्रायुक्त, भीलवाड़ा !
- लौत अयरक खान कल्याण निधि, कल्याण आयुक्त, पणजी गोबा।
- लीह अथस्क खान, अञ्चल, चृना पत्थर और डालासाइट खान, बीड़ी भ्रत्थाण निधि, कल्याण आय्क्त बंगलीर।
- 9. महानिदेशक, कारखाना सेवा सलाह, मुम्बई ।
- 10. श्रध्यक्ष, माध्यस्थम बोर्ड (संयुक्त परामर्शीतंत्र), नई दिल्ली ।
- प्रशिक्षण निवेशक, रोजगार धीर प्रशिक्षण महानिवेशालय मुख्यालय, नई दिल्ली ।
- निर्देशकः, रोजगार कार्यालयः, रोजगार ग्रीर प्रशिक्षण महानिदेशालय मुख्यालयः, नई दिल्ली ।
- निवेशक, साधारण कर्मचारिवृध्य प्रशिक्षण ग्रीर ग्रनुसंधान, संस्थान कलकना ।
- 14 निदेशक, ७७व प्रशिक्षण संस्थान, हैदर(बाद ग्रीर मद्रास ।
- 15 निदेशक, फारगेन प्रशिक्षण संस्थान, बंगलीर ।
- 16. क्षेत्रीय निदेशक, शिक्षुता प्रणिक्षण, कलकत्ता, मुम्बई, भद्राम भौर कानपुर ।

# विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

# (क) विधायी विभाग:

1. मुख्य निर्वाधन ध्रायुक्त

# (स्त्रः) कम्पनी कार्यविभागः

- 1. सचिव, एकाधिकार सथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार भागोग ।
- क्षेत्रीय निर्देशक, कस्पनी विधि बोर्ड, मुस्यई, मद्रास, कानपुर श्रीर कलकत्ता ।
- भदस्य मचिव, उच्च शक्ति-प्राप्त विशेषज्ञ समिति ।
- अन्वेषण निर्देशक, एकाधिकार और अवरोधक व्यापारिक व्यवहार आयोग, नई किल्ली ।
- रिजस्ट्रार एकाधिकार और श्रवरोधक आपारिक व्यवहार श्रायोग नई दिल्ली ।

# (ग) विधि-कार्यविभागः

1. ६६५४, मायकर प्रपील मधिकरण ।

# योजना भंत्रालय

# साविधकी विभागः

- 1. निदेशक, केन्द्रीय मांकियकी संगठन, नई दिल्ली ।
- 2. निवेशक, संगणक केन्द्र, नई दिल्ली ।
- निदेशक, क्षेत्र सिन्धा प्रमाग, गण्डीय तमूना मर्बेक्षण संगठन, नई दिल्ली ।
- निवेणक, सर्वेक्षण, डिजाइन और अनुसंधान प्रभाग ।

# ग्रामीण पुननिर्माण मंत्रालय

 कृषि विषणत संलाहकार, विषणत ग्रीर मिरीक्षण निदेशालय, नागपुर ।

# विज्ञात और प्रोद्यौगिकी विभाग

- महासर्वेक्षक, भारतीय सर्वेक्षण, वेहराइन ।
- 2. निवेशक, नेशनल एटलम एण्ड येमेटिक थेपिंग संगटन, कलकचा ।
- उ लेखा-नियंत्रकः ।

#### पर्यावरण विभाग

- ि विशेषन, भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण, कलकक्षा ।
- 2 निदेशक, भारतीय बनस्पन्नि विज्ञान सर्वेक्षण, कलकत्ता ।
- 3 योजना अधिकारी, राष्ट्रीय प्राकृति इतिहास संग्रहालय नई दिल्ली।

# नौबहन और परिवहन संत्रालय

- महानिदेणकः, नौजहनः, मुम्बई ।
- 2. महानिदेशक, प्रकाश गृह एवं प्रकाश पोत ।
- 3 अध्यक्ष, घन्तराज्यीय परिवहन भाषोग ।
- अध्यक्ष, वाणिज्यिक समुद्रीय विभाग, मुम्बई, कलकत्ता और मद्रास।
- 5 मुख्य इंजीनियर प्रीर प्रणासक, श्रन्डमान, लक्षडीप बन्दरगाह संकर्म।
- 6 मुख्य इंजीनियर श्रीर प्रणासक, श्रन्तर्देशीय जल परिवहन निदेणालय।
- 7 लेखा-नियंत्रक ।

# समाज कल्याण मंत्रालय

- निदेशक, राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान, नई दिल्ली ।
- 2. निर्देणक, राष्ट्रीय दृष्टि-विकलांग संस्थान, देहराइन !

# इस्पात और खान मंत्रालय

# (कः) स्त्रान विभागः

- महानिवेशक, भारतीय भूवज्ञानिक सर्वेक्षण, कलकला ।
- निवेशक भारसाधक, एयर बोर्न सिनरस सर्वे एक्सलोरेशन विश भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, अगलौर ।
- नियंत्रक, भारतीय खान म्यूरो, नागपुर ।
- लेखा-नियंत्रकः, इस्मात श्रीर खान मंत्रालयः, नई दिल्ली ।
- लेखा नियंत्रक, भारतीय भृवैज्ञानिक सर्वेक्षण ।
- 6 उप सहानिदेशक, भारतीय भूतैज्ञानिक सर्वेक्षण केन्द्रीय मुख्यालय (कलकत्ता) पश्चिमी क्षेत्र (जयपुर), उत्तरी क्षेत्र (लखनऊ) मध्य क्षेत्र (नागपुर), दक्षिणी-क्षेत्र (हैदराबाद), पूर्वी क्षेत्र, (कलकत्ता), पूर्वीचर क्षेत्र (शिलांग) भारसाधक, प्राप्त मोर मिनरल एक्सप्लोरेशन एण्ड मैरीन जियोलाजी डिबीजन ।
- (बा) इन्पान विभाग .
  - 1 लीह् ग्रीट इस्पाट नियंत्रक, कलकत्ता ।

# पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

#### (क) प्रत्वीस विभागः

- 1 मुख्य प्रणासक, वण्डकारण्य, विकास प्राधिकरण, कारापुट ।
- वित्तीय सलाहकार ग्रौर मुख्य लेखा ग्रधिकारो, दण्डकारण्य पिर-योजना, जयगुर ।
- 3 मुख्य महालेखक, माता समूह, पारगमन केन्द्र, रक्षक मध्य प्रदेश ।
- मुख्य कार्यपालक, मुख्य विभवमित व्यक्ति पुनर्वाम प्रातिकरण, जम्मू।
- मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, पुनर्वास पुनरहचर संगठन, माना, मध्य प्रदेश ।

# (बा) पूर्ि विभाग :

- महा मिदेशक, पूर्ति और व्ययन ।
- 2. मुख्य लेखा नियंत्रक ।
- तिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकला।

# पर्यटन और नागर विमानन संत्रालय

- नहानिदेणक पर्यटन ।
- 2 महा निवेशक, नागर विमानन ।
- 3. महानिदेशक, मौसम धिजान ।
- मुख्य श्रायुक्त, रेल सुरक्षा, लखनऊ ।
- अ(य<sub>्</sub>क, रेल सुरक्षा :---
- (i) विधाण-पूर्वी सिकल, कलकता ।
- (ji) मुख्य सर्काल, म्म्बर्द ।
- (iii) पूर्वीत्तर सर्किल, मोरखपुर ।
- (iv) पश्चिमी गर्किन, मुम्बई !
- (v) पुर्वी भक्तिन, कनकत्ता ।
- (∨i) उत्तरी सर्किल, लखनऊ ।
- (vii) दक्षिणी मिकल, वरालीर ।

# निर्माण और आवास मंत्रालय

- मनकंता, केन्द्रीय डिजाइन सगठन शीर विश्वन मुख्य इर्जानियरी का छोड़बार केन्द्रीय लाक निर्माण विभाग के सभी मृख्य इजीनियर ।
- 2 महानिदेशक (निर्माण) केब्रीय लोक-निर्माण विभाग ।
- 3 मूलण निदेशक ।
- व लंखन-मामग्री नियवन ।
- प्रकाणन नियत्नकः ।
- ८ सम्पदा निदेशक ।
- 7. निर्देशका, राष्ट्रीय निर्माण सगठन ।
- 8 प्रध्यक्ष, नगर भीर ग्रामीण सगठन ।
- सलाप्रकार लोक स्थास्थ्य घीर बातावरणीय इजीनियरी सगठन

[स० का० 1(1)-इ-2(ए)/80] बी० सी० चित्रारी श्वर सचावित

टिप्पण —-विनीय मिनियों का प्रथायोजन नियम, 1978 का क्षिमुचन। संव कार प्रांत 2131 द्वारा भारत के राजपत, भाग 2, खण्ड 3, उनक्षण्ड (ii) में प्रकाशिक्ष किया गया । तत्यस्चान निम्नलिखिक्ष द्वारा संगादन किया गया .--

- (i) अधिमृजना स०का०%० 1887 नारीख 9-6-1978
- (ii) अधिमूचना स० का० ४० 294? नारीख 1-9-1979
- (iii) ষায়নুখনা ন০ কা০ খ০ 2611 নাৰীকা 4-10-1980
- (iv) अधिमूचना स० का० घ० 2164 नारीय 15-8-1981
- (V) प्रधिमूचना स० कार्भ० 2304 तारीख 5-4-1981

# (Department of Expenditure)

New Delhi, the 27th May, 1982

- S.O. 3073.—In pursuance of clause (3) of article 77 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules further to amend the Delegation of Financial Powers Rules, 1978, namely:—
- 1. These rules may be called the Delegation of Financial Powers (First Amendment) Rules, 1982.
- 2. In the Delegation of Financial Powers Rules, 1978, for Schedule I, the following Schedule I shall be substituted namely:—

# "SCHEDULE I [See rule 3(f)]

# HADS OF DEPART

# LIST OF HEADS OF DEPARTMENTS MINISTRY OF AGRICULTURE

- (A) Department of Agriculture and Cooperation:
  - 1. Controller of Accounts, New Delhi.
  - Project Officer, All India Soil and Land and Use Survey Organisation, New Delhi.

- 3. Director, Exploratory Fisheries Project, Bombay.
- 4. Director, Central Institute of Fisheries Project, Nautical Bombay and Engineering Training, Cochin.
- 5. Director, Integrated Fisheries Project, Cochin.
- Director, Pre-investment Survey of Fishing Harbours, Bangalore.
- President, Forest Research Institute and College, Dehradun.
- 8. Director, Tractor Training and Testing Station, Budni.
- 9. Director, Tractor Training Centre, Hissar.
- 10. Director, Directorate of Lac Development, Ranchi.
- 11. Director, Delhi Zoological Park, New Delhi.
- 12. General Manager, Delhi Milk Scheme, New Delhi.
- 13. Director, Forest Survey of India, Dehradun.
- Chief Executive Officer, Logging Training Centre Project, Dehradun.
- 15.Director, Central Sheep Breeding Farm, Hissar.
- Director, Central Training Institute for Poultry Production and Management, Hessarghatta, Bangalore.
- Director, Directorate of Cashewnut Development, Cochin.
- 18. Director, Directorate of Cotton Development, Bombay.
- 19. Director, Directorate of Jute Development, Calcutta.
- Director, Directorate of Oilseeds Development, Hyderabad.
- Director, Directorate of Sugarcane Development, Sahibabad. Ghaziabad.
- 22. Director, Directorate of Tobacco Development, Madras.
- 23. Director, Directorate of Millets Development, Madras.
- 24. Director, Directorate of Pulses Development, Lucknow,
- 25. Director, Directorate of Rice Development, Patna.
- Deputy Secretary (Crops), Department of Agriculture and Cooperation in respect of Directorate of Coconut Development, Ernakulam, Cochin, Directorate of Coco, Aracanut and Spices Development Calicut.
- Plant Protection Adviser, Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, Faridabad.
- Director, Directorate of Agricultural Aviation, Safdarjung Airport, New Delhi.
- Director (Administration), Directorate of Extension, New Delhi.
- 30. Commissioner, Fertilizer Promotion, Faridabad.
- 31. Economic and Statistical Adviser, Directorate Economics and Statistical Adviser, New Delhi.
- Chairman, Agricultural Prices Commission, New Delhi.
- (B) Department of Food:
  - 1. Chief Director, Directorate of Sugar, New Delhi.
  - 2. Director, National Sugar Institute, Kanpur.

# MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

- 1. Chairman, Forward Marketing Commission, Bombay.
- Chief Director, Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils and Fats, New Delhi.

#### MINISTRY OF COMMERCE

- (A) Department of Commerce:
  - 1. Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.
  - Director General, Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta.
  - 3. Custodian of Enemy Property, Bombay.
  - 4. Controller of Accounts, Ministry of Commerce.
  - Development Commissioner, Santa Cruz Export Processing Zone, Bombay.
  - 6. Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham.

# (B) Department of Textiles:

- Development of Commissioner, All India Handicrafts Board, New Delbi.
- Development Commissioner for Handlooms, New Delhi.
- 3. Taxtile Commissioner, Bombay.
- 4. Jute Commissioner, Calcutta.
- 5. Commissioner of Payments, Calcutta.

#### MINISTRY OF COMMUNICATIONS

- Director General Overseas Communications Commissions Service.
- 2. Director, Monitoring Organisation.

#### MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE

#### (A) Department of Education :

- 1. Director, Central Hindi Directorate, New Delhi.
- Chairman, Commission for Scientific and Technical Terminology, New Delhi.
- 3. Director, Directorate of Adult Education, New Delhi.
- Controller of Accounts, Ministry of Education and Culture, New Delhi.
- Director, Central Institute of Indian Languages, Mysore.
- 6. Director, Bureau for Promotion of Urdu, New Delhi.

#### (B) Department of Culture.

- Director, General Archeological Survey of India, New Delhi.
- 2. Director, National Library, Calcutta.
- 3. Director, National Museum, New Delhi.
- 4. Director, Anthropological Survey of India, Calcutta.
- 5. Director, National Archives of India, New Delhi.
- Project Officer, National Research Laboratory for Conservation of Cultural Property, Lucknow.
- Officer on Special Duty, National Museum of Man, Bhopal.
- Director, National Gallery of Modern Art, New Delhi.

# MINISTRY OF ENERGY

### (A) Department of Power:

- Member Secretary, Northern Regional Electricity Board, New Delhi.
- Member Secretary, Southern Regional Electricity Board, Bangalore.
- Member Secretary, Western Regional Electricity Board, Bombay.
- 4. Member Secretary, Eastern Regional Electricity Board, Patna.
- 5. Chairman, Central Electricity Authority.
- 6. Director, Power Systems Training Institute, Bangalore.
- Superintendent Engineer, Regional Load Despatch Centre, North-Eastern Regional Electricity Board, Shillong.

#### (B) Department of Coal.

- 1. Coal Controller, Calcutta.
- 2. Commissioners of Payments, Dhanbad and Culcutta.

## DEPARTMENT OF ELECTRONICS

1. Director (Technical), Information Planning and Group Electronics Commission.

# MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

1. Chief Passport Officer.

# MINISTRY OF FINANCE

- (A) Department of Economic Affairs:
  - Controller of Accounts for Department of Economic Affairs and Expenditure.

- Administrator, Rehabilitation Finance Administration Unit, New Delhi.
- 3. General Manager, Currency Note Press, Nasik Road.
- Director, Emergency Risks Insurance Scheme, New Delhi.
- 5. Controller of Insurance, Simla.
- 6. National Savings Commissioner for India.
- General Manager, Government of India Mint, Alipore Road, Calcutta, Incharge Silver Refinery, Calcutta.
- 8. General Manager, Government of India Mint, Bombay
- 9. Master, Government of India, Mint, Hyderabad.
- General Manager and Ex-Officio Controller of Stamp., India Security Press, Nasik Road.
- 11. General Manager, Security Paper Mill, Hoshangabad.
- 12. General Manager, Bank Note Press, Dewas.
- 13. General Manager, India Security Press, Nasik.

#### (B) Department of Expenditure:

- 1. Controller General of Accounts.
- 2. Controller General of Defence Accounts.

#### (C) Department of Revenue:

- Chairman, Appellate Tribunal for Forefeited Property, New Delhi.
- Commissioners of Income Tax (including Commissioners Appeals).
- 3. Director of Inspection (Investigation).
- Director of Inspection (Research, Statistics and Publication).
- Director of Inspection (Publication and Public Relations).
- 6. Director of Inspection (Income-Tax and Audit).
- Director of Organisation and Methods Services (Income-Tax), New Delhi.
- 8. Director (Training), Indian Revenue Services (Direct Taxes) Staff College, Nagpur.
- Officers on Special Duty, Competent Authorities appointed to perform functions under the Smugglers and Foreign Exchange, Manipulators (Forefeitule of Property) Act, 1976, New Delhi/Bombay/Madras/Calcutta/Ahmedabad.
- Chief Controller of Accounts, Central Board of Direct Taxes, New Delhi.
- Director of Gems and Jewellery Museum, New Delhi.
- 12. Chairman, Settlement Commission (Income Tax and Wealth Tax).
- 13. Director, Enforcement Directorate.
- Collectors of Central Excise, Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Baroda, Bombay-I and II, Bhubaneshwar, Calcutta, Chandigarh, Delhi, Gantur, Hyderabad, Indore, Jaipur, Kanpur, Madras, Madurai, Meerut, Nagpur, Patna, Poona, Shillong and West Bengal.
- 15. Collectors of Customs, Bombay, Calcutta, Cochin and Madras.
- 16. Director of Inspection (Customs and Central Excise).
- 17. Director of Training (Customs and Central Excise).
- 18. Director of Statistics and Intelligence.
- 19. Director of Organisation and Methods Services.
- 20. Chief Chemist, Central Revenue Control Laboratory, New Delhi.
- 21. Narcotics Commissioner, Gwalior.
- 22. Chief Controller of Factories.
- Chief Controller of Accounts, Central Board of Excise and Customs.
- 24. Director of Revenue and Intelligence.

- 25. Director of Publication.
- 26. Director of Preventive Operations.
- Registrar, Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal.
- 28. The Director of Inspection (Special Investigation), New Delhi.

# MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

#### Department of Health:

1. Director General Health Services,

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

- 1. Director, Intelligence Bureau.
- Director, Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hyderabad.
- Registrar General and Ex-Officio Census Commissioner for India.
- 4. Director General, Central Reserve Police Force.
- 5. Commissioner for Linguistic Minorities, Allahabad.
- 6. Director of Coordination (Police Wireless).
- 7. Director General Civil Defence.
- Inspector General of Police, Indo-Tibetan Bouder Police.
- 9. Director General, Assam Rifles.
- 10. Director General, Border Security Force.
- Inspector General, Central Reserve Police Force, Sectors I, II, III and IV.
- Director, Bureau of Police Research and Development.
- 13. Director General, Central Industrial Security Force.
- 14. Director General, Backward Classes Welfare.
- Commissioner for Scheduled Castes and Scheduled Tribes.
- 16. Secretary, Northern Eastern Council.
- Director, Institute of Criminology and Forensic Science, New Delhi.
- 18. General Manager, Tear Smoke Unit.
- 19. Chief Controller of Accounts.
- 20. Director, Coordination (Police Computers).
- Director, Central Forensic Science Laboratory New Delhi.
- 22. Membei Secretary, Committee on Jail Reforms, New Delhi.
- 23. Inspectors General, Border Security Force:
  - (i) Eastern Frontier, Calcutta.
  - (ii) Western Frontier, Jullundur Cantonment.
  - (iii) North-Western Frontier, Srinagar.

# UNION TERRITORIES

- (a) Andaman and Nicobar Islands:
  - 1. Chief Conservator of Forests.
  - 2. Chief Secretary.
  - 3. Development Commissioner,
  - 4. Deputy Commissioner, Port Blair.
  - Principal Engineer, Andaman Public Works Depart ment.
  - Finance Secretary-cum-Chief Pay and Accounts Officer.
  - 7. Deputy Commissioner, Nicobar Islands.
- (b) Goa, Daman and Diu:
  - Chief Secretary.
  - 2. Director of Accounts.

- 3. Collector of Daman.
- 4. Development Commissioner,
- 5. Collector of Goa.
- 6. Secretary, Industries and Labour.
- 7. Judicial Commissioner.
- 8. Secretary to the Lt. Governor.
- 9. Chief Electrical Engineer,
- 10 Chief Engineer, Public Works Department.
- 11. Director of Education.
- 12. Revenue Secretary.
- (c) Dadra and Nagar Haveli:
  - 1. Collector, Dadra and Nagar Haveli.
- (d) Chandigarh:
  - 1. Chief Engineer, Capital Project.
  - 2. Director, Post Graduate Institute.
  - 3. The Professor, Punjab Engineering College and Ex-Officio Director of Technical Education.
  - 4. Controller of Printing and Stationery,
  - 5. Inspector General of Police.
- (c) Delhi:
  - 1. Commissioner of Police.
  - 2. Chief Secretary.
- (f) Pondicherry:
  - 1. Chief Secretary,
- (g) Arunachal Pradesh:
  - 1. Chief Secretary.
- (h) Mizoram:
  - 1. Chief Secretary.

Department of Personnel and Administrative Reforms.

- 1. Director, Lal Bahadur Shastri Academy of Administration, Mussooric.
- 2. Director, Central Bureau of Investigation.
- Director, Institute of Secretariat Training and Management.
- 4. Chairman, Staff Selection Commission,
- 5. Central Vigilance Commissioner.

# MINISTRY OF INDUSTRY

- (A) Department of Industrial Development:
  - Secretary (Technical Development) and Director General of Technical Development, New Delhi.
  - Development Commissioner for Small Scale Industries, New Delhi.
  - Chairman, Bureau of Industrial Costs and Prices New Delhi.
  - 4. Fconomic Advisor, New Delhi.
  - Director General of Industrial Contingencies, New Delhi.
  - Controller General of Patents, Designs and Trade Marks, Bombay.
  - 7. Cement Controller, New Delhi.
  - 8. Chief Controller of Explosives, Nagpur.
  - 9. Salt Commissioner, Jaipur.
  - 10. Chief Controller of Accounts, Ministry of Industry.
- (B) Department of Heavy Industry,
  - 1. Commissioner of Payments, Calcutta.

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

- 1. Director General, All India Radio.
- 2. Principal, Information Officer.
- 3. Chief Producer, Films Division, Bombay.
- 4. Director, Publications Division.
- 5. Director, Advertising and Visual Publicity.
- 6. Director of Field Publicity.
- 7. Registrar of News papers for India.
- 8. Director, Song and Drama Division.

- 9. Chairman, Central Board of Films Censors, Bombay.
- 10. Director, Research and Reference Division.
- 11. Principal Account Officer (Controller of Accounts).
- 12. Director General, Doordarshan.

#### MINISTRY OF IRRIGATION

- 1. Chairman, Central Water Commission.
- 2. Director, Central Water and Power Research Station.
- 3. Chairman, Ganga Flood Control Commission.
- 4. General Manager, Farrakka Barrage Project.
- Financial Adviser and Chief Accounts Officer, Farrakka Barrage Project.
- 6. Secretary, Godawari Water Dispute Tribunal.
- 7. Secretary, Mahi Control Board,
- 8. Financial Adviser, Mahi Control Board.
- 9. Secretary, Bansagar Control Project.
- 10. Secretary, Farrakka Barrage Control Board.
- 11. Director, Rashtriya Barh Ayog, New Delhi.
- 12. Director, Soil and Material Research Station.

#### MINISTRY OF LABOUR

- 1. The Director, Labour Burcau, Chandigarh.
- 2. Director General, Mines Safety, Dhanbad.
- Welfare Commissioner Iron Ore Mines, Becdi, Limestone and Dolomite Mines, Welfare, Funds, Jabalpur.
- Welfare Commissioner, Mica, Limestone and Dolomite Mines, Beedi, Welfare Fund, Allahabad.
- Welfare Commissioner, Iron Ore Mines, Limestone and Dolomite Mines, Beedi, Welfare Fund, Bhubaneshwar.
- Welfare Commissioner, Mica, Limestone and Dolomite Mines, Beedi, Welfare Fund, Bhilwara.
- Welfare Commissioner, Iron Ore Mines Welfare Fund, Panaji Goa.
- 8. Welfare Commissioner, Iron Ore Mines, Mica, Limestone and Dolomite Mines, Beedi, Welfare Fund, Bangalore.
- 9. Director General, Factory Advice Service, Bombay.
- Chairman, Board of Arbitration (Joint Consultative Machinery), New Delhi.
- Director of Training, Directorate General of Employment and Training Headquarters, New Delhi.
- Director of Employment Exchanges, Directorate General of Employment and Training Headquarters, New Delhi.
- Director, General Staff Training and Research Institute, Calcutta.
- Director, Advanced Training Institute, Hyderabad and Madras.
- 15. Director, Foreman Training Institute, Bangalore.
- Regional Directors of Apprenticeship Training, Calcutta, Bombay, Madras and Kanpur.

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

- (A) Legislative Department:
  - 1. Chief Election Commissioner,
- (B) Department of Company Affairs:
  - Secretary, Monopolies, Restrictive Trade Practices Commission.
  - Regional Directors, Company Law Board, Bombay, Madras, Kanpur and Calcutta.
  - 3. Member Secretary, High Powered Expert Committee.

- Director of Investigation, Monopolies, Restrictive Trade Practices Commission, New Delhi.
- Registrar of Restrictive Trade Agreements, Monopolies. Restrictive Trade Practices Commission, New Delhi.
- (C) Department of Legal Affairs:
  - 1. President, Income Tax Appellate Tribunal.

#### MINISTRY OF PLANNING

#### Department of Statistics:

- 1. Director, Central Statistical Organisation, New Delhi.
- 2. Director, Computor Centre, New Delhi
- Director, Field Operations Division, National Sample Survey Organisation, New Delhi.
- 4. Director, Survey Design and Research Division.

# MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

 Agricultural Marketing Adviser, Directorate of Market ing and Inspection, Nagpur.

# Department of Science and Technology

- 1. Surveyor General Survey of India, Dehradun.
- Director of National Atlas and Thematic Happing Organisation, Calcutta.
- 3. Controller of Accounts.

# Department of Environment

- 1. Director, Zoological Survey of India, Calcutta.
- 2. Director, Botanical Survey of India, Calcutta.
- Planning Officer, National Museum of Natural History, New Delhi.

# MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

- 1. Director General of Shipping, Bombay,
- 2. Director General of Light Houses and Light Ships.
- 3. Chairman, Inter-State Transport Commission.
- 4. Principal, Mercantile Marine Department, Bombay. Calcutta and Madras.
- Chief Engineer and Administrator, Andaman, Lakshdweep Harbour Works.
- 6. Chief Engineer and Administrator, Directorate of Inland Water Transport.
- Controller of Accounts.

# MINISTRY OF SOCIAL WELFARE

- The Director, National Institute of Social Defence, New Delhi.
- 2. The Director, National Institute for the Visually Handicapped, Dehradun,

# MINISTRY OF STEEL AND MINES

- (A) Department of Mines:
  - 1. Director General, Geological Survey of India, Calcutta.
  - 2. Director-in-Charge, Air Borne Mineral Survey Exploration Wing, Geological Survey of India, Bangalore.
  - 3. Controller, Indian Bureau of Mines, Nagpur.
  - Controller of Accounts, Ministry of Steel and Mines. New Delhi.
  - 5. Controller of Accounts, Geological Survey of India.
  - Deputy Directors General, Geological Survey of India, Central Headquarters (Calcutta), Western Region (Jaipur), Northern Region (Lucknow), Central Regional, (Nagpur), Southern Region (Hyderabad), Eastern Region (Calcutta), North-Eastern Region (Shillong), Incharge of Off-Shore Mineral Exploration and Marine Geology Division.

(B) Department of Steel

Liron and Steel Controller, Calcutta.

#### MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

- (A) Department of Rehabilitation:
  - Chief Administrator, Dandakaranya Development Authority, Koraput.
  - Financial Adviser and Chief Accounts Officer, Dandakaranya Project, Jagdalpur.
  - Chief Commandant, Mana Group of Transit Centres. Mana, Madhya Pradesh.
  - Chief Executive, Chhamb Displaced Persons Rehabilitation Authority, Jammu.
  - Chief Mechanical Engineer, Rehabilitation Reclama tion Organisation, Mana, Madhya Pradesh.
- (B) Department of Supply:
  - 1. Director General Supplies and Disposals.
  - 2. Chief Controller of Accounts.
  - 3. Director General, National Test House, Calcutta.

#### MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

- 1. Director General of Tourism.
- 2. Director General of Civil Aviation.
- 3. Director General of Meteorology.
- 4. Chief Commissioner of Railway Safety, Lucknow.
- 5. Commissioner of Railway Safety:-
  - (i) South Eastern Circle, Calcutta.
  - (ii) Central Circle, Bombay
- (iii) North Eastern Circle, Gorakhpur.
- (iv) Western Circle, Bombay
- (v) Eastern Circle, Calcutta.
- (vi) Northern Circle, Lucknow.
- (vii) Southern Circle, Bangalore.

# MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

- All Chief Engineers in Central Public Works Department except Chief Engineers, Vigilance, Central Design Organisation and Electrical.
- 2. Director General (Works), Central Public Works Department.
- 3. Director of Printing.
- 4. Controller of Stationery.
- 5. Controller of Publications.
- 6. Director of Estates.
- 7. Director National Building Organisation.
- 8. Chairman, Town and Country Planning Organisation.
- Adviscr, Public Health and Environmental Engineering Organisation.

[No. F. 1(1)-EII(A)/80] V. C. TEWARI, Under Secy.

NOTE: The Delegation of Financial Powers Rules, 1978 published vide Notification No. S.O. 2131 appearing in Part II, Section (3), Sub-Section (ii) of the Gazette of India dated July 22, 1978 Subsequently amended by:

- (i) Notification No. S.O. 1887 dated 9-6-1979
- (ii) Notification No. S.O. 2942 dated 4-9-1979
- (iii) Notification No. S.O. 2611 dated 4-10-1980
- (iv) Notification No. S.O. 2164 dated 15-8-1981
- (v) Notification No. S.O. 2304 dated 5-9-1981.

समाहर्तालय : केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, इन्बीर

**अधिम् चनः सं**० 10/82

इन्दौर, 24 जुलाई, 1982

का(०आ) ० 3074. — मध्यप्रदेश समाहर्मालय इंदीर के सर्वश्री एच० पी० साधी, प्राधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्य समूह 'ख' निवर्तन की ब्राय् प्राप्त करने पर 31-5-82 के अपराह्म से शामिल सेवा से निवृत्त हुए।

मध्यप्रदेश समाहतालय इंदौर के सबश्री के० बी० प्रधान, अधीक्षक भेन्द्रीय उत्पाद णुल्क समृह 'ख' निवर्तन की श्रायु प्राप्त करने पर 30-6-82 के अप राव्ह से शासकीय सेवा से निवृष्ण हुए।

[प० म० 11(3) 9-गोप /82/3958]

#### (Central Ecise Collectorate, Indore)

NOTIFICATION NO. 10/82

Indore, the 24th July, 1982

- S.O. 3074.—Shri H. P. Sanghi, Superintendent, Central Excise, Group 'B' of M.P. Collectorate, Indore having attained the age of superannuation has retired from Govt service in the after-noon of 31st May, 1982.
- 2. Shri K. V. Pradhan, Superintendent, Central Fxcise, Group 'B' of M.P. Collectorate, Indore having attained the age of superannuation has retired from Govt. service in the after-noon of 30th June, 1982.

[C. No. II(3)9-Con. [82]3958]

ग्रधिमूचना सं० 11/82

**इन्दीर**, 16 श्रगस्त, 1982

का॰आर॰ 3075 -- मध्यप्रदेश समाहर्तालय, इन्धौर के सर्व श्री एम॰ रणीद सथा बी॰ बी॰ द्विवेदी, श्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद णुल्क समृह 'खं निर्वतन की श्रायु प्राप्त नारने पर 31-7-82 के उपरान्ह से शासकीय सेवा से निव्ना हुए।

[प० सं० 11(3) 9-गोप/82/140] एम०के० धर, समाहर्ता

NOTIFICATION NO. 11/82

Indore, the 16th August, 1982

S.O. 3075.—S/Shri M. Rashid and B. V. Dwivedi, Superintendent, Central Excise, Group 'B' of MP. Collectorale, Indore, having attained the age of superannuation have retired from Govt. service in the afternoon of 31st July, 1982.

[C. No. II(3)9-Con[82|4582]

S. K. DHAR, Collector.

केन्द्रीय उत्पाद शुरुक समाहर्तालय : कलकत्ता अधिसूचना सं० 3-के० उ०/1982 कलकत्ता, 14 जुलाई, 1982 केन्द्रीय उत्पाद शुरुक

का०आ०3076 — केन्द्रीय उत्पाद णुल्क नियमावली, 1944 के नियम 5 द्वारा प्रवत्त गक्ति का प्रयोग करने हुए मैं इसके द्वारा समाहर्तालय की प्रधिसूचना सं० 1-के०उ०/1981 दिनांक 27-2-81 में निम्नलिखित संणोधन करना हू ।

उपरोक्त श्रशिमूचना में संलग्न विवरण के कालम 1 के नियम 173(10)" के लिए 173-जी10" पहें।

[मी०सं० IV (त) 1/कि०ड०/82] बी०एन० रंगवानी, समाहर्ता

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE

# NOTIFICATION NO. 3-CE|1982 Calcutta, the 14th July, 1982

#### CENTRAL EXCISF

S.O. 3076.—In exercise of the powers conferred upon me by rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I hereby make the following amendment in this Collectorate Notification No. 1/CE/1981 dated 27-2-81 namely:—

In the statement annexed to the said Notification against column 1 for rule "173(IA)" read "173-G(IA)".

(C. No. IV(8)[1-CE|82]

B. N. RANGWANI, Collector.

# विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 प्रगम्त, 1982

का आ 3077 — राजनियक तथा को मर्ला सिधिकारी (श्रीयथ एव शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41) के खंड 2 की धारा (क) के स्रनुपालन में केन्द्र सरकार, इसके द्वारा भारत के राजदूताबास, विस्नतियाना (नाआस) में महासक श्री रणवीर सिक्न बाटा को तस्काल में की समी एजेन्ट का कार्य करने के लिए प्राधिकत करनी है।

[फाइल म॰ टी०-4330/2/82]

# MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 10th August, 1982

S.O. 3077.—In pursuance of the clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948) the Central Government hereby authorise Shri Ranvir Singh Batta, Assistant in the Embassy of India, Vientiane (Laos) to perform the duties of a Consular Agent with immediate effect.

[File No. T-4330/2/82]

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1982

का० आ० 3078 ---राजनियक तथा कोंसली प्रशिकारी (भाष एव श्वक) अधिनियम, 1948 (1948 का 41) के खंड 2 की धारा (क) के अनुपालन में केन्द्र मरकार, इसके द्वारा भारत के राज्यतावाम, भवन में सम्बंधक, श्री जें० एम० भट्टी को सत्काल से कोंमली एजेंन्ट का कार्य करने के लिए प्राधिक्ष करती है।

[फाइन स० टी०-4330/2/82] बी० एस० निद्दार, श्रवर मंचित्र ।

New Delhi, the 11th August, 1982

S.O. 3078.—In pursuance of clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948) the Central Government hereby authorise Shri J. S. Bhatti, Assistant in the Embassy of India, Aden to perform the duties of a Consular Agent with immediate effect.

[File No. T-4330/2/82] B. S. NIDDAR, Under Secy.

#### वाणिज्य मंत्रालय

(मुख्य नियंत्रक अयात-नियति का कार्यालय)

आदेश

नई विल्ली, 11 भ्रगस्त, 1982

का०आ० 3079.~-थी नन्देश्वर प्रसाद श्रीवास्तव, 259, धौला कुश्रां फ्लैट, रिज़ रोड़, नई दिल्ली को एयर कन्डिणनर के साथ होन्डा मिबिन 4, डोर सेंदन ए/एम, 1982 माइल कार के आयान के लिए 38,000 रुपये मात्र के लिए एक सीमा शुल्क निकाशी मख्या पी/जे/ 0.390830 दिनाक 18-5-82 प्रदान किया गया था।

प्रावेदक ने उक्त सीमा शृतक निकासी परिमाट की प्रतृत्विप के लिए इस प्राधार पर प्रावेदन किया है कि सूल सीमा शृतक निकासी परिमाट को गया है। प्राने यह कताया गया है कि मूल सीमा शृतक निकासी परिमाट किसी भी सीमा शृतक प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं कराया गया था प्रीर इस प्रकार उसके किसी भी सूख्य का बिल्कुल ही उपयोग नहीं किया गया है।

2 प्रपने नर्क के समर्थन में लाइ रेंसधारी ने दिल्ली के नोटरी पिंडलक के सामने विधिवत् प्रपथ लेकर एक प्रपथ पक्ष दिख्ल किया है। नदन्-सार, सन्तुष्ट हूं कि मूल सीमा गुल्क निकासी परिमट रेख्या पी/जे/0390830, एन/एमपी/83/एच/82 दिनांक 18-5-82 धावेदक से खो गया है/ग्रस्थानस्थ हो गया है। समय-समय पर यथा रेबोधित धायान नियंत्रण धादेश 1955, दिनांक 7-12-55, की उपधार. 9 (मीसी) के प्रस्तांत प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग कर श्री नत्वेश्वर प्रसाद श्रीवास्य को जारी किए गए मीमा शुल्क निकासी परिमट संख्या पी/जे/0390830/एन/एमपी/83/एच/82, दिनांक 18-5-82 को एनद् द्वारा रह किया जाना है

3. श्री एन०पी० श्रीवास्तव को सीमा गुरुक निकासी परिमट की अनुलिपि अलग से जारी की जा रही है।

[मि० मं०जीए-17/82-83/की एसएस/1819]

ए.स०६० थासस, संधुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-नियान

#### MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

# ORDER

New Delhi, the 11th August, 1982

S.O. 3079.—Shri Nandeswar Prasad Srivastav, 259, Dhaula Kuan Flat, Ridge Road, New Delhi was granted a CCP No. P/J/0390830 dt. 18-5-82 for Rs. 38,000 only for the import of Honda Civic 4 door Sedan A/M, 1982 model car with Air-Conditioner.

The applicant has applied for issue of a Duplicate copy of the above mentioned CCP on the ground that the original CCP has been lost. It has further been stated that the original CCP was not registered with any Custom Authority and as such the value of the CCP has not been utilised at all.

- 2. In support of his contention, the licensee has filed an affidavit, duly sworn before the Notary Public, Delhi, 1 am accordingly satisfied that the original CCP No. PJJ0390830, NIMP [83] H [82] dated 18-5-82 has been lost or misplaced by the applicant. In exercise of powers conferred under subclause 9(cc) of the Import Control Order 1955 dated 7-12-1955 as amended from time to time, the said original CCP No. PJJ0390830 NIMP [83] H [82] dated 18-5-82 issued to Shri Nandeswar Prasad Srivastav, is hereby cancelled.
- 3. A duplicate copy of the CCP is being issued to Shri N. P. Srivastav separately.

[F. No. GA17|82-83|BLS|1819]M. E. THOMAS, Jt. Chief Controller of Imports & Exports,

# पेट्रोलियम, रसायन ग्रौर उर्वरक मंत्रालय

(येद्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1982

का० आ० 3080—यत पेट्रोलियम श्रीर खिनज पाईपलाईन (मूमि में उपयोग के श्रीधकार का श्रर्जन) श्रीधिनयम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत मरकार के पेट्रोलियम, रसायन श्रीर उर्वरक मवालय (पेट्रोलियम विभाग) की श्रीधसूचना का० श्रा० स०/1272 तारीख 6 मार्च, 1982 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रीधसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिद्धिट भूमियों के उपयोग के श्रीधकार को पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए श्राजित करने का श्रीपना श्राक्षय पोषित कर दिया था।

भौर यतः समक्ष प्राधिकारी ने उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के मधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

भीर मागे, यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस प्रधिसूचना से संलग्न ध्रनुसूची से विनिर्दिट भूमियो में उपयोग का मधिकार मर्जित करने का विनिष्चय किया है।

मब, प्रत. उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मिक्त का प्रयोग करने कृष् केन्द्रीय सरकार एनद्वारा घोषिन करनी है कि इस प्रश्निस्चना में संलग्न प्रनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाईन बिछाने के लिए एनदुद्वारा प्रजित किया जाता है।

धीर प्रागे उस धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहिन होने के बजाय तेल धौर प्राकृतिक गैस प्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस नारीख को निहिन होगा।

# अनुसूत्रि(

एन० के० सी० थी० से एन० के० सी० एन० तक पाइप लाईन बिछाने के लिए।

	राज्य . गुजरान	िजिला भीर तालुका :	मेहस	ाणा
गॉव	सर्व नं०	हेक्टेग्नर	एमारई	सेन्टीभर
धनपुरा	263	0	03	60
		(村の 120	16/67/8	1-प्रोड <b>ः</b> [1]

# MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZER

# (Department of Petrolcum)

New Delhi, the 6th August, 1982

S.O. 3080.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, (Department of Petroleum), S.O. 1272 dated 6-3-82 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Lund) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central 609 GI/82—3.

Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances

#### **SCHEDULE**

Pipeline from D.S. No. NKCV to NKCN

State: Gujarat District & Taluka: Mchsana

Dhanpura 293 0 03 60	Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
	Dhanpura	293	0	03	60

[No. 12016/67/81-Prod.II]

का० आ० 3081—यतः पेट्रोलियम भीर खिनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के भ्रधिकार का भ्रजन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के भ्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन भीर उर्वरक मंत्रालय (वेट्रोलियम विभाग) की भ्रधिस्वना का० थ्रा० मं० 1271/पारीख 8-3-82 द्वारा केश्रीय सरकार ने उस अधिस्वना में मलग्न अनुसूची में विनिद्धित भूमियों के उपयोग के भ्रधिकार को पाइप साईगों को बिछाने के प्रयोजन के लिए भ्रमित करने का भ्रपना भाषाय थीविन कर विया था।

भीर यतः समक्ष प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपकारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे वी है।

भौर भागे, यतः केन्द्रीय सरकार में उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रक्षिसूचना में संलग्न धनुसूची में विनिर्दिष्ट भुमियों में उपयोग का प्रधिकार भूमित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, श्रनः उक्त श्रिप्तियम की धारा 6 की उपधारा (1) हारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एमक्द्रारा घोषिन करती है कि इस श्रिष्ठ्यका में संलग्न श्रनुसूची में विनिदिग्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिष्ठकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एसद्द्रारा श्रिजन किया जाता है।

भीर भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त यक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वेती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल भीर प्राकृतिक गैंस भायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### ग्रनुसूची

कूप नं० एस० पी० ढी० से एन० के० डी० जी० तक पाइप लाईन विछाने के लिए ।

राघ्य : गुजरास	जिला	ग्रमदाबाद	तालुकाः वि	ारमगा <b>म</b>
गॉव	सर्वे नं०	हेक्टेंघर	 १. एम्रारई	सेन्टीग्रर
भटारीया	17	0	12	24
		<del></del>		

[मं॰ 12016/67/81-प्रो**ढ़ []** 

S.O. 3081.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, (Department of Petroleum) S.O. 1271 dated 6-3-82 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention

to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore in exercise of the power confered by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
Pipeline from D.S. No. SPD to NKDG.

State : Gujarat	at District: Ahmedabad		Taluka ; Viramga;		
Village	Survey No.	Hestare	Are	Centiare	
Bhataria	17	0	12	24	

[No. 12016/67/81-Prod. I]

नई दिस्सी, 13 भगस्त, 1982

का॰ आ॰ 3082.— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में बन्धई से पुणे तक पट्टोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए पाईप लाईन हिन्दुस्तान पेट्टोलियम कार्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

भीर भनः यह प्रतीन होना है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध भनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का भ्रधिकार भजित करना भावश्यक है।

मतः म्रख पेट्रोलियम भीर खितिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोंग के म्रिक्षित्तर का भर्जन) भिर्धिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त मिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का मिश्रिकार भिर्णित करने का भ्रपना भागय एततुद्वारा धोषित किया है।

बशर्ते कि उकत भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन विछाने के लिए धाक्षेप मक्षम प्राधिकारी, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेणन लिमिटेड, बस्बई पूण पाईप लाईन्स प्रोजेक्ट, प्युग्नेल रिकाय-नरीज, कारिडार रोड, बस्बई को इस ग्रिअसूचना की नारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रौर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अमुसूची

# पाईप-लाईन वाशी से सानपाडा तक

नासुका : ठाणे	ে ঠাণী জিলা: ठাণী		लुकाः ठाणे जिलाः ठाणे		ाणे	राज्य : महाराष्ट्र		
गांव	खसरा नम्ब	— — — ार	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल				
			71-41	हेस्टर	ऐयर			
वाशी		भाग		00	70			
11	4	1)	₩ <del>-</del>	00	22			
,,	6	11		0.0	75			
11	17	**		00	14			
<b>नु</b> र्भें	726	"		00	05			
33	739		<b>→</b>	00	18			
1)	740	11		00	16			
,,	741	,,,		0.0	04			
jj	742	11		0.0	02			
11	796	11		00	42			
मानपाडा	29	,,,		00	10			
"	30	,,		00	03			
11	36	"	~-	00	13			
11	37	,,		00	04			
11	38	,,		00	09			
,,	39	"		00	12			
1)	40	"		0.0	15			
n	41	11		00	18			
11	42	n		00	02			
,,	46	) T		0.0	05			
,,	47	11		00	09			
,,	50	11	_=	00	20			
"	58	n		00	06			
) <b>)</b>	77	11		00	02			

[कमांक 12016/27/82 प्री॰ I]

New Delhi, the 13th August, 1982

S.O. 3082.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra though Pipeline and that said Pipeline is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay.

And whereas, it appears to Central Government that for laying pipeline it is necessary to acquire the Right of User in respect of the lands appended to herewith in schedule.

Now therefore, in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3 (i) of Pttroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) AO 1962 (50 of 1962) Central Government notify their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above.

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipe-line through above mentioned londs may prefer an objection within 21 days of the publication of this notification before the competent authority Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay Pune Pipeline Project, Fuels Refinery, Corridor Road, Bombay-74.

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself or through any lawyer appointed by him.

राष्य . महाराष्ट्र

#### **SCHEDULE**

Pipeline From Vashi to Sanpady.

Taluki	•	Th	11.4

District . Thans, Mahari shtra

Village	Surv	cy No./	Hissa	Are i	
<b>.</b> .	Gul		No.	——- Н	 R
Vashi	3	Pa <sub>1</sub> t	_	00	70
,,	4	,,	-	00	22
••	6	**		00	75
,,	17	**		00	14
Turbe	726	1,	<b>-</b>	00	05
,,	739	19	_	00	18
,	740	,,	_	00	16
,,	741	**	_	00	04
• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	742	71		00	02
,,	796	11	_	00	42
Sanp-da	29	,,		00	10
"	30	1)		00	03
,,	36	11	_	00	13
,,	37	11		00	04
,,	38	"	_	00	09
11	40	,	_	00	1:
••	41	,,	_	00	18
,,	39	**	_	00	12
1,	42	,,	<b>→</b>	00	02
,,	46	1,	_	00	05
,,	47	,,	<b>—</b>	00	09
"	50	,,	_	00	20
13	58	,,,		00	06
.,	77	1,		00	02

[No. 12016/27/82-Prod. I]

कां आ। 3083. -- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावभ्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में बंबई से पूणे तक पेट्रोलियम पवार्थों के परिवहन के लिए पाईप लाईन हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेणन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

भीर यत. यह प्रसीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतव्याबद्ध प्रनुसूत्री में वर्णित भृमि में उपयोग का प्रजिकार मर्जित करना भाष्ययक है।

श्रन. ग्रब पेट्रोलियम ग्रीर खानिज पाईप लाईन(भूमि में उपयोग के अधिकार का भर्जन) मधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्न मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजिन करने का अपना आशय एतव्द्वारा घोषित किया है।

बगर्ने कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए बाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, हिन्दस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, बम्बई पुणे पाईप लाईन्स प्रोजेक्ट प्युग्नेल रिफाय-नरीज कारिडार रोड बम्बई को इस भिधमूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा ग्राक्षेत्र करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टन यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सूनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

पाईप-लाईन कुकशेत से शिरवणे नक तालुका . ठाणा, जिला : ठाणा,

 गा <b>व</b>	 खसरानम	 बर	हिस्सा	को <b>प्र</b> प	र हल
			नम्बर्	 हेक्टर	~ <del>-</del> ऐयर
——- कूकशेत	169 再	भाग		00	18
1)	170	11		0.0	21
11	181	"		00	04
सोनखार	2	11		0.0	32
11	3	1)	₩~	0.0	02
n	4			00	10
"	5	11		00	16
11	e	11	→ ~	00	10
11	10	"		00	30
**	11	) <b>5</b>		0.0	32
n	99	21		0.0	14
11	1088	n		00	06
<b>मिरव</b> णे	3	"		00	02
n	4	*1		00	13
"	5	n		00	08
11	6	17		00	13
n	7	,		00	20
n	8	11	_~	00	02
1)	22	1)		00	02
11	76	"	_~	. 00	05
11	77	3)		00	17
**	78	1)		00	14
"	80	"		0.0	04
,,	81	11		00	16
n	100	17		00	03
••	179	1)		00	18
n	181	,,,		0 0	16
"	182	1)		00	19
1)	184	11		0.0	05
11	185	11	<b></b>	0.0	14
11	197	"		00	21
11	188	1)		0.0	11
n	195	n		00	27
n	196	1)		00	04
"	199	**		00	12
n	201	11		00	08
13	202	"		00	13
17	209	11		00	07
PI	218	1)		0.0	02
"	230	"		0.0	50
"	237 239	"		0 0 0 0	07 11
)) ))	242	"		00	02
3)	244	'n	<b></b>	0.0	03
11	277	"		00	13
1)	289	17		00	17
"	295 297	)1		00 00	09 05
"	301	11 11		00	03
,,,	317	 11		00	05

[新典] 野 12016/27/82-財 []

S.O. 3083.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra through Pipeline and that said Pipeline is to be laid through agency of Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay.

And whereas, it appears to Central Government that for laying pipeline it is necessary to acquire the Right of Uses in respect of the lands appended to herewith in schedule.

Now, therefore, in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3(i) of Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) AO 1962 (50 of 1962) Central Government notify their intention to acquire the Right of User in the lands referred to above.

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipeline through above mentioned lands may prefer an objection within 21 days of the publication of this notification before the competent authority Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay Pune Pipeline Project, Fuels Refinery, Corridor Road, Bombay-74.

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself or through any lawyer appointed by him.

SCHEDULE

Pipeline From Kukshet to Shirvane

Tq: Thane,	Dist : Than	c (Mah	(Maharashtra State)		
Village	Survey No.	Hissa —→ No.	Агеа		
	G. No.	1101	Н	R.	
Kukshet	Part				
17	169 ,,		00	18	
11	170 ,,	_	00	21	
,,	181 ,,	_	00	04	
Sonkhar	2 ,,	_	00	32	
,,	3 ,,		00	02	
19	4 ,,		00	10	
,1	5 ,,		00	16	
**	6 ,,	_	00	10	
,,	10 ,,	_	00	30	
,,	11 ,,	_	00	32	
,,	99 ,,		00	14	
,,	108B ,,	_	00	06	
Shirvane	3 ,,	_	00	0.2	
,,	4 ,,		00	13	
**	5 "		00	08	
,,	6 ,,		00	13	
,,	7 ,		00	20	
**	00	_	00	02	
**	76	_	00	02	
<b>B</b> +	76 ,, 77 ,,		00	0.5	
**	70	_	00	17	
**	78 ,,	_	00	14	
19	80 ,,	_	00	04	
,,	81 ,,	_	00	16	
,,	100 ,,	_	00	03	
**	179 ,,	_	00	18	
**	181 ,,	_	00	16	
31	182 ,,		00	19	
,,	184 ,,	-	00	05	
,,	185 ,,	_	00	14	
një.	188 ,,		00	11	
**	195 ,,	-	00	27	
,,	196 ,,	_	00	40	
17	197 ,		00	21	

				-
(1)	(2)	(3)	(4	<b>(</b> )
Shirvane	199 Part		- 00	12
**	201 ,,		00	08
••	202 ,,	_	00	13
••	209 ,,		00	07
,,	218 ,,		00	02
,,	230 ,,	_	00	50
**	237 ,,	-	00	07
,,	239 ,,	_	00	11
,,	242 ,,		00	02
**	244 ,,	_	00	03
**	277 ,,		00	13
,,	289 ,,		00	17
,,	296 ,,	_	00	09
,,	297 ,,		00	05
.,	301 ,,	_	00	03
,,	317 ,,	-	00	05

[No. 12016/27/82-Prod. II]

का० आर० 3084.—यतः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में बंबई से पूणे तक पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए पाईप लाईन हिन्दुम्नान पेट्रोलियम कार्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चहिए ।

भीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

श्रतः श्रव पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रिष्ठकार का श्रर्जन) श्रिष्ठिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रयत्त पक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिष्ठकार श्रर्जित करने का श्रपना श्राणय एनद्दुरारा घोषिन किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए ग्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, हिन्दुस्थान पेट्रो-लियम कारपोरेणन लिमिटेड बम्बई पूणे पाईप लाइन्स प्रोजेक्ट प्युद्धाल रिफायनरीज कारिडार रोड बम्बई को इस ग्रधिसूचना की लारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा प्राक्षेप करने वाला हर अयक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो यह किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

L.A. Case No. 1/82

**धनुसूची** पाइप लाईन वास्सई से दहिधली तक

तालुकाः माबल, जिल्लाः		पूर्ण,	राज्यः महारा		
गोव	खसरा नम्बर	हि्स्सा नम्बर		— श्रेन	
		-	<del>हे</del> क्टर	ऐयर	
वाभ्सई	10 का भाग	<u> </u>		11	
n	13 ,,		0.0	04	
)1	14 ,,		0.0	20	
11	16 ,,	<b>-</b>	0.0	11	
11	17 ,,		0.0	15	
"	18 ,,		00	13	
11	20 ,,	****	00	09	

1	2	3	4	5	1	2
वाक्सई			00	18	Waksai	159 P
,	159 ,,		00	20	)) Davelsau	163 ,,
11	163 "		0.0	16	Devghar	43 ,, 44 ,,
देवधर	43 ,,		0.0	18	71 77	44 ,,
1)	44 ,,		0.0	27	,,	60 ,,
11	48 ,,		.00	29	**	64 ,,
11	60 ,,		0.0	16	11	65 ,,
,,	64 ,,	<b>-</b> -	00	35	**	69 ,,
"	65 ,,		00	11	Karla	70 ,, 81 ,,
	69 ,,		00	42	1,	61 ,, 161 ,,
))	70 ,,	<b>~</b> -	00	20	,,	163 ,,
 कार्ला	81 ,,		00	31	•	165 ,,
	161 ,,		00	24	17	166 ,,
11	100		00	42	***	167 ,,
"	10.		00	35	**	168 ,,
"					Dahivli	206 ,, 25
"	166 "	~-	0.0	24	Dativali	G. No.
11	167 ,,		0.0	33		
"	168 ,,		00	21		
"	206 ,,	<del></del>	00	16		
वहिषली	25 "	3/4	00	32	₩7. ¥7.	2005 <del>7</del> 2
	गद मं० (६४.६५)				न्तार ज्यार	3085 यत .

[ক্ৰমাক 12016/26/82/মী০ I]

S.O. 3084.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra through Pipeline and that said Pipeline is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation Limited. Bombay.

And whereas, it appears to Central Government that for laying pipeline it is necessary to acquire the Right of User in respect of the lands appended to herewith in schedule.

Now, therefore, in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3(i) of Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) AO 1962 (50 of 1962) Central Government notify their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above.

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipeline through above mentioned lands may prefer an objection within 21 days of the publication of this motification before the competent authority Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay Pune Pipeline Project, Fuels Refinery, Corridor Road, Bombay-74.

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself or through any lawyer appointed by him.

SCHEDULE
Pipline From ; Waksai To Dhahivali.
Taluka-Maval, Distt. Pune State—Maharastra.

1/!11a ==	Survey No.	Hissa		rea
Village	Gut No.	No.	Н.	R,
1	2	3	4	5
Waksai	Part			
,,	10 ,,	_	00	11
.,	13 ,,	_	00	04
,,	14 ,,	_	00	20
**	16 ,,		00	11
,,	17 ,,	_	00	15
,,	18 ,,	_	00	13
67	20 ,,	_	00	09
~ >>	34 ,,		00	18

1	2	3	4	5
Waksai	159 Purt		00	20
,,	163 ,,		00	16
<b>Dovgh</b> ar	43 ,,	_	00	18
21	44 ,,	_	00	27
,,	48 ,,		00	29
<b>9</b> 1	60 ,,	_	00	16
,,	64 ,,	_	00	35
11	65 ,,	_	00	11
"	69 ,,	_	00	42
<b>31</b>	70 ,,	_	00	20
Karla	81 ,,	_ <del>-</del>	00	31
11	161 ,,	<del></del> -	00	24
,,	163 ,,	_	00	42
	165 ,,	_	00	35
11	166 ,,		00	24
,,	167 ,,	_	00	33
,,	168 ,,	_	00	29
17	206 ,,		00	16
Dahiv li	25			
	G. No. 64 & 65	3/4	00	32

[No. 12016/26/82/Prod. 1]

का० आ० 3085.—यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्राथम्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में बंबई से पूणे तक पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए पाइप लाइन हिन्तुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

भौर यत: यह प्रतीन होता है कि ऐसी लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए एनपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार धजति करना प्रावध्यक है।

भतः श्रम पेट्रोलियम श्रौर खनिज पाष्ठप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रिधिकार का श्रर्जन) भिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (i) द्वारा प्रदश्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधकार भ्राजित करने का भ्रापना श्राक्षय एनद्द्वारा घोषित किया है।

बातों कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए बाओप सक्षम प्राधिकारी, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरंणन लिमिटेड, बम्बर्ड पूणे पाइप लाइन्स प्रोजेक्ट प्युग्नेल रिफाय-नरीज कारिडार रोइ बम्बर्ड को इस ग्रिधसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा भ्राक्षेप करने वाला हर ध्यक्ति विनिर्विष्टन: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

धनुसूची

(तुगांसीं से वलवन तक)

गाथ : सुगार्ली,	तालुकाः मावल	जिलाः पूर्णे	राज्यः महाराष्ट्र		
गांय	स्त्रसरानम्बर	हिस्सा न <b>स्व</b> र	भोद	—- फिल	
			देवटर	एयर	
1	2	3	4	5	
<del>नु</del> गार्ली	7 का भाग		00	20	
,,	8 ,,		00	16	
,,,	9 ,,		00	09	
,,	10 ,,		00	16	
1*	11 ,,		00	04	

,,

,,

٠,

,,

٠,

----

3122	THE GAZ	EILEOFIN	IDIA : 3	EPIEM.	DEK 4, 1982/BI 	HADKA 13, 1904	[PART ]]-	-3EC. 3	(11)]
1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
नुगोर्ली	12 ,,		0.0	22		42		00	0.5
"	13 "		0.0	0.9	71	4.2		90	16
1)	79 "		0.0	22	1)	4.4		00	13
"	80 ,,		0.0	16	"	4 =		00	11
n	81 ,,		0.0	13	"	E 0		00	20
"	82 "		00	0.9	1)	E 1		00	20
	83 ,,		0.0	20	11			00	16
"	84 ,,		0.0	31	n	a =		00	31
11	85 "		00	07	n	6.6		00	13
	86 ,,		00	0 5	D	70		00	05
11	116 ,,		0.0	18	"	90			
,,	118 "		0.0	09	11	0.7		00	13
"	117 ,,		0.0	16	n	0.4	<del></del>	00	38
,	120 ,,		00	29	<i>D</i>	0.5		00	18
Ð	1 2 OU ,,		0.0	24	11	100		00	2 2
77	101		0.0	0.5		189 ,,			16
11	7.04		0.0	79		[	कमाक 12016/2	.6   82 पो	o [I]
11			00	35	E () 200#	Wheren It owners	m to Cantual Co	<b>77.</b>	AL.
IJ	1.45		00	40		Whereas It appear ry to lay a pipelin			
,,	147 ,, 148 <b>Ų</b> ,,		00	13	Products from	m Bombay to Pune	in the State of	f Mahara	ashtı
11	1.40		0.0	15		eline and that said I of Hindustan Petr			
,,	1.50		00	13	Bombay.				
17			00	11	And when	eas it appears to (	Central Govern	ment the	at f
.,. <u></u> -	152 ,,		00	29	laying pipeli	ne it is necessary t	o acquire the l	Right of	Us
वाक्सई	132 "		00	17	in respect of	f the lands appende	d to herewith	in sched	ule.
"	133 .,		00	17	Now, ther	refore, in exercise o	of the powers v	ested in	the
"	134 "		00	04		Section 3(i) of Petr			
1)	135 "		00		1962) Centra	of Right of User al Government not	ify their intenti	on to a	cqui
);	139 "			31		f user in the lands			
0	140ए "		00	21	Any perso	on having his intere	st in the lan	ds refer	red
11	141 ,,		0.0	09	above havin	g any objection for	laying the Pi	peline th	rou
11	144 ,,		00	48		oned lands may p publication of this			
11	145 ,,	<b>-</b>	00	13	petent author	ority Hindustan Pet	roleum Corpor	ation Li	imite
11	148 ,,		00	11	Bombay Pi Road, Bomb	une Pipeline Proje 19v-74	ct, Fuels Refi	nery, Co	ornd
11	149 ,,		00	04	•	•			
"	150 ,,		0.0	13	All perso	ons having any obje o be heard in perso	ction may also on either himse	state w	heth
"	160 ,,		0.0	13	any lawyer	appointed by him.	on time, mino	01 (11	1 O U
प्रसोली	23 "	<del></del>	00	37		SCHED	ULE		
11	24 ,,		0.0	27	ba 11 1				
"	47 ,,	<del></del>	00	59	•	From: Tungarli To			
11	49		00	40	Taluk '-N	M v 1, Dist : Pune,	St to : Mahar	shtrø.	
n	60 ,,		0.0	59		Survey No.	Hissa	Ar	ea
. 1)	63 "		00	04	Village	Gut No.	No.		
लोणावला	144ए "	<del></del>	00	2 4				H.	R
"	144 वीं,,		0.0	0.5	1	2	3	4	5
"	144 1		0.0	18		7 Part		00	2
"	145 ,,		0.0	04	Tungarli	0		00	1
,,	169 "		0.0	20	"	9 ,,		00	0
वलवन	<b>14</b> ,,		0.0	37	27 98	10 ,,		00	1
33	15 "		0.0	04	23	11 ,,	_	00	0.
11	33 "		00	20	,,	12 ,,	_	00	22
						Th		1 11 1	11

0.0

38 "

40ए "

 $4.10^{\circ}_{-n}$ 

41 मी,,

,,

0.4

.,

,,

٠,

<u></u> _				_ <del></del> _
1	2	3	4	5
Tungarli	85 ,,		00	07
,,	86 ,,		00	05
,,	116 ,,	-	00	18
,,	118 ,,	_	00	09
<b>y1</b>	117 ,,	_	00	16
**	120 ,,	_	00	29
"	120A ,,	_	00	24
7.0	121 ,,	<del></del>	00	05
,,	131 ,, 132 ,,	-	00 00	79 35
••	1.47		00	40
"	147 ,, 148 <b>A</b> ,,	=	00	13
	149 ,,	_	00	15
,,	150 .,	_	00	13
Wa ksa i	152 ,,	_	00	11
,,	132 ,,	_	00	29
9,	133 "		00	17
,,	134 ,,	_	00	17
,,	135 ,,		00	04
**	139 ,,	_	00	31
"	140A ,,	-	00	21
**	141 ,, 144 ,,	-	00 00	09 48
,	146	_	00	13
**	148 ,,		00	11
"	149 ,,		00	04
,,	150 ,,	_	00	13
,,	160 ,,	_	00	13
Varsoli	23 "		00	37
,,	24	_	00	27
11	47 ,,	_	00	59
**	49 ,,	-	00	40
31	60 ,, 63 ,,	_	00	59
Lonav. la	63 ,, [44 <b>A</b> ,,	_	00	04
	44B ,,		00	24 05
**	.44 ,,	<u></u>	00	18
31 31	45 ,,	_	00	04
11	69 ,,	_	00	20
۷، lvt n	14 ,,	_	00	37
"	15 "		00	04
**	33 ,,		00	20
**	34 ,,	_	00	11
**	35 ,,	-	00	04
**	38 ,, 40 A ,,	<b>-</b>	00 00	05
**	40 A ,, 41 A ,,	_	00	04 05
,,	41B .,	_	00	18
,,	42 ,,	_	00	05
**	43 ,,	_	00	16
,,	44 ,,	_	00	13
13	45 ,,	_	00	11
,,	50 ,,	_	00	20
17	51 ,,	_	00	20
п	52 ,,	<del>-</del>	00	16
**	65 ,, 66 ,,	<del>-</del>	00 00	31 13
**	70	_	00	05
,,	80 ,,		00	13
"	83 ,,		00	38
,,	94 ,,	-	00	18
••	95 ,,	_	00	22
",	189 ,,		00	16
		[No. 12016/26/8	32 (Pr	od.II]

का॰ आ॰ 3086.-यनः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रायम्यक है कि महार्राष्ट्र राज्य में बंबई से पूणे तक पेट्रॉलियम पदार्थी के परिवहन के लिए पाईप लाईन हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

भीर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतव्याबद्ध भनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का भिधकार प्रजित करना आवश्यक है।

जतः अब पेट्रोलियम भीर खिनज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के भ्रधिकार का भर्जन) भ्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश्त शिक्षियों का प्रयोग करने हुए केस्ट्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का भ्रधिकार भ्रजित करने का भ्रपता भाषय एतद द्वारा घोषित किया है।

बन्नतें कि उक्त भूमि में हितबन्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, बस्बई पूणे पाइप लाइन्स प्रोजेक्ट, फयुग्नेल रिफाय-नरीज, कॉरिडार रोड, बस्बई को इस प्रधिसुचना की नागिख से 21 दिनों के भीवर कर सकेगा।

भीर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यक्साी की मार्फतः

भ्रनुसूची पाटप लाईन कसबै से ग्राटई तक तालुका : ठाणे, जिला: टाणे, राज्यः महाराष्ट्

गांव	स्त्रमरान	म्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल	
			4.44	नेक्ट र	ऐयर
1	2		3	4	5
भसके शहाबाज	365 का	 भाग		00	14
77	372	11		00	14
,,	374	**	0.0	0.0	02
17	375 <b>B</b>	D.			03
"	376	,,		00	23
#1	377 <b>A</b>	n	, –	00	02
11	377B	17		00	07
n	377 <b>C</b>	17		00	02
<i>n</i>	387	71		00	08
11	388	,,	<b>-</b> -	00	02
,,	389	<b>,</b> ¶		00	37
73	390	17		00	06
n	391A,	,		00	41
1.	488	"		00	12
n	489	11		00	02
णाहब(ज	29	11		00	09
"	30 <b>A</b>	11		0.0	08
,,	33 <b>A</b>	,,		00	23
,,	36	,		00	27
77	37	,,		00	12
,,	38	,,		0.0	09
<b>)</b>	40B,	,		0.0	05
j.	53	,		0.0	82
1.0	1 0 0 <b>D</b>	,,	<b>→-</b>	0.0	06
, <del>,</del>	193	p		00	20
"	194	"		00	38

1	2		3	4	5		SCHEDHLE	ı		
शहाबाज	195 <b>A</b>			- 00	08	Pipeline Fron	n Kasbo Shahabaz to	Shahabaz.		
	195 <b>B</b>	<i>D</i>		00	04	Tq. Than,	Dist : Thoma,	Maharashtra		
"	188	1)		00	02					
))	189	,,		00	0.5	Village	Survey No./Gutt No.	Hissa	A	ırea
"	198	,,		00	27	Ü	,	No.		- •
11	200			00	13					
77	201	,,		00	32	Kasbe Shahabaz	Part	_	Н	R
17	488	"		00	09					
11	489	D		00	04	**	365 "	_	00	14
,, तलोजा	308	"		00	42	17	372 ,,	_	00	14
तलाजा कामोधे	76	"		00	06	"	374 ,,	-	00 00	02 03
		1)				**	375B ,, 376 ,,	_	00	23
)! <b>3</b>	77	7)		0.0	06	)) ))	377A,		00	02
बैलपाडा	5	• •		00	5.5	,,	377В "	_	00	07
11	6	"		00	10	**	377K,	_	00	02
11	8	"		00	23	11	387 ,,	_	0p	08
71	17	<b>3</b> I		0 0	24	17	388 ,,	-	00	02
17	29	J1		00	0 4	,,	389	_	00 00	37 06
n	30	1)		00	02	**	390 ,, 391 A ,,		00	41
,,,	31	"		00	05	12	488 ,,	_	00	12
<b>)</b> 1	32	n		00	08		489 ,,		00	02
11	33	77	<b>-</b>	00	16	Shahabaz `	29 ,,	_	00	09
11	37	11		0.0	02	1,	30A ,,	_	00	08
n	38	71		00	04	11	33A ,,	-	00	23
17	39	);		00	31	n	36 ,,		00 00	27 12
सदाई	129	11		00	11	<b>51</b>	37 38		00	09
,,	130	11		00	07	17	38 ., 40В ,,	_	00	05
17	131	n		00	50	11	53 ,,	_	00	82
"	132	73		0.0	16	,,	162 ,,		00	06
						,,	188 ,,		00	02
						"	189 .,	_	00	05
		i	<b>कमीक</b> 1201	6/28/82/AL	0 1]	11	193 ,,		00 00	20 38
a o 1006	Whorana	it oppose	to Central (	Governmen	t that		194 ,, 195A ,,	_	00	08
			for transpo				195B ,,		00	04
			n the State	_			198 "	_	00	27
			peline is to			,,	200 ,,		00	13
			leum Corpo			,,	201 ,,	-	00	32
ombay.						17	488 ,	-	00	09
A 1							489 ,,	-	00	04
			entral Gover acquire the			Taloia	308 ,,		00	42
			to herewith			Kamothe	76 ,,	_	00	06
respect or	110 111143	пррописо	to herewith	111 50/1040		,,	77 ,,		00	06
Now, there	efore, in ex	xercise of	the powers	vested in	them	Belpada	5 ,,		00	55
			eum and M			**	6 ,,	-	00	10
		,	n Land) A			,,	8 ,,		00	23
			their inten		quire	11	17 ,,		00 00	24 04
2 Wight Of	neel iii (D)	e lands fe	ferred to ab	ωνς,		"	29 ,, 30 ,,		00	02
Any person	n having l	his interes	t in the las	nds referre	d to	**	21	_	00	05
			aying the F			"	32 ,,	-	00	08
ove mentic	ned lands	may pref	er an objec	ction withi	n 21	**	33 ,,	-	00	16
-	_		otification b			1)	37 ,, 38	-	00 00	02 04
etent author	ur Hindu	oton Dates	1011mm Carma	unstiam Tim	- 4 - 4		4.84		101	114

petent authority Hindustan Petroleum Corporation Limited.

Bombay Pune Pipeline Project, Fuels Refinery, Corridor

All persons having any objection may also state whether

they want to be heard in person either himself or through any

Road, Bombay-74.

my lawyer appointed by him.

[No. 12016/28/82-Prod. 1]

00

00

00

Aada icc

,,

का० आर० 3087 --- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित मे यह धावश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में बंबई से पूर्ण तक पेटोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए पाईप लाईन हिन्दस्तान पेटोलियम कापॉॅंग्सन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

श्रीर यत यह प्रतीन होता है कि ऐसी लाईनो को विछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध भन्मूची में वर्णित भिम में उपयोग का भ्रधिकार ग्रजित करना श्रावण्यक है।

भन भव पेट्रोलियम भीर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के भ्रधिकार का ग्रर्जन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (i) इतरा प्रदान शिवतमी का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयाग का भ्रधिकार ऋजित करने का सपना भागय एतद्दारा चोषित किया है।

बगर्तों कि उक्त भूमि में हितबद कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइम बिछाने के लिए घाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, हिन्दुस्तान वेटोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, बम्बर्ड पणे पाइप लाइन्स प्रोजेस्ट प्यमील रिकायनरीज कॉरिक्टॉर रोड बस्बई को इस अधिमूचना की नारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिद्धिष्टन यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन।

अम्स ची पाइप लाईन खार घर से प्रासुडगांव तक चिक्रम प्राप्ताक

र किए । सन्दर्भक्त

तालुका : पनवेस,	সিল	र।ज्यः महाराष्ट्र			
गोब	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल		
		1114	हेक्टर	ऐयर	
 स्वार घर	79 का भा	ग	00	55	
,	89		0.0	0.6	
J.1	91 ,		0.0	38	
71	92 ,,		0.0	21	
11	95 ,,		0.0	25	
14	9.5		0.0	31	
11	113 "		00	30	
**	117	<b>——</b>	0.0	16	
11	118		0.0	04	
*1	128 ,,		0.0	07	
,	129	wer seri	00	() 5	
31	130		0.0	04	
17	131 n		00	0.4	
,,	132		0.0	33	
11	191		0.0	0.4	
11	133		0.0	18	
,,,	192 ,		0.0	28	
11	194		0.0	06	
11	196 ,,		0.0	1 6	
11	199 ,,		0.0	33	
*1	205 ,,		0.0	41	
,,	206 ,,		.00	29	
**	208 <b>A</b> "		0.0	03	
11	208 <b>B</b> "		0.0	07	
21	208 <b>B</b> ,		0.0	39	
,,	210		0.0	0.4	
ř1	213		0.0	06	
,,	214 "	_	00	37	
•••		_			

गांव	धासरा सम्बर	हिस्सा ——	क्षेत्रफल		
		<b>तस्त्र</b> र	 हेक्टर	 ऍयर	
- भ्राग्धार	215 का भीग	´	0.0	0.4	
"	233A ,,		0.0	27	
"	234A ,,		00	1, 1	
n	235 ,		O O	0 6	
11	236 "		00	0.4	
i.	238 "		0.0	10	
"	256 ,,		00	5.5	
कालस्थोली	1		00	20	
) 1	3 ,,		0.0	07	
11	4 ,,		00	3 1	
7)	5 ,,		00	0 6	
**	12 ,,		00	20	
1.1	13 ,,		00	0 4	
11	17 ,,		0.0	1.5	
1	18		0.0	0 6	
11	20 "		0.0	1.3	
11	21 ,,		0.0	3 2	
•	2 2 ,,		0.0	37	
*1	23		0.0	0.5	
11	25 ,,		0.0	1.3	
tr	95 ,,		0.0	3 3	
***	96 ,,		0.0	1 2	
1	97		00	43	
н	98 .,		00	0 4	
***	119 ,,		0.0	52	
11	128A		0.0	0.6	
1.1	129 <b>A</b> ,,		0.0	1 4	
प्रामुक्तगाव	1 काभीग	<b>⊸</b> -	0.0	3.5	
11	2 "		0.0	27	
**	7 ,,	<b></b>	00	0.6	
**	4.2 ,,		00	10	
1.7	4.4 ,,		0.0	0.5	
**	45 ,,		0.0	22	
**	46		0.0	2 7	
11	47 ,,		0.0	0.4	
**	49 ,,	<b>→</b>	0.0	1	
Ji	50 ,,		0.0	0.6	
11	5 2 ,,		0.0	0 9	
11	53 ,,		0.0	4(	
71	59,		0.0	80	
11	68 11		00	1 4	
)1	78 ,,		0.0	10	
"	79		0.0	79	

S.O. 3087.—Whereas it appears to Central Government that

it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra through Pipeline and that said Pipeline is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay.

And whereas, it appears to Central Government that for laying pipeline it is necessary to acquire the Right of User in respect of the lands appended to herewith in schedule.

Now, therefore, in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3(i) of Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) AO 1962 (50 of 1962)

Central Government notify their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above,

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipeline through above mentioned lands may prefer an objection within 21 days of the publication of this notification before the competent authority Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay Pune Pipeline Project, Fuels Refinery, Corridor Road, Bombay-74.

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself or through any lawyer appointed by him.

#### SCHEDUI F

Taluka         Panvel,         Distr. Raighad,         Mah rashtrestee           Village         Survey No./Gut No.         Hiss∃ No.         Area No.           Rhorgh r         79 Per t         —         00         55           39         —         00         55           39         —         00         38           92         —         00         21           95         —         00         30           113         —         00         30           1117         —         00         30           1118         —         00         04           128         —         00         04           131         —         00         04           131         —         00         04           131         —         00         04           131         —         00         04           131         —         00         04           131         —         00         04           131         —         00         04           132         —         00         04	Pip	eline From : Kharghar to	Asudgeo	n	
No.   H   R	Taluka Pan	ivel, Distt. Ra	ighad, M	Iah rast	tr^.
H   R   R   R   R   Po   Po	Village	Survey No./Gut No.		Are	ea
			140.	Н	R
91	Khaighar	79 Part	_	00	55
95	**		_	00	06
95	,,,		-		
95	17		_		
113	13	• •	_		
117 00 16 118 00 04 128 00 07 129 00 05 130 00 04 131 00 04 131 00 04 132 00 33 191 00 04 192 00 18 192 00 28 194 00 06 199 00 16 199 00 16 199 00 33 205 00 41 208A , 00 03 208B , 00 03 209B 00 04 213 , 00 04 213 , 00 04 214 00 37 233A 00 27 233A 00 04 235 00 04 235 00 04 235 00 04 235 00 04 236 00 05 238 00 07 238 00 07 238 00 07 238 00 07 238 00 07 238 00 07 238 00 07 238 00 10 238 00 15 238 00 06 238 00 07 238 00 07 238 00 07 238 00 07 238 00 07 238 00 07 238 00 07 238 00 07 238 00 07 239 00 06 239 00 07 230 00 07 231 00 07 232 00 07 233 00 06 234 00 07 235 00 07 236 00 07 237 00 07 238 00 07 239 00 07 230 00 07 230 00 07 231 00 07 232 00 07 233 00 07 234 00 07 235 00 07 236 00 07 237 00 07 238 00 07 239 00 07 230 00 07 230 00 07 230 00 07 230 00 07 231 00 07 232 00 07 233 00 07 234 00 07 235 00 07 236 00 07 237 00 07 238 00 07 239 00 07 230 00 07 230 00 07 231 00 07 232 00 07 233 00 07 234 00 07 235 00 07 236 00 07 237 00 07 238 00 07 238 00 07 238 00 07 239 00 07 230 00 07 230 00 07 230 00 07 230 00 07 230 00	11		_		
118	17		_		
128	**		-		
129	••		_		
130	**		-		
131	**	.,	_		
" 132 "       — 00 33         " 191 "       — 00 04         " 133 "       — 00 18         " 192 "       — 00 28         " 194 "       — 00 06         " 196 "       — 00 16         " 199 "       — 00 33         " 205 "       — 00 41         " 208A "       — 00 03         " 208B "       — 00 07         " 209B "       — 00 93         " 210 "       — 00 04         " 213 "       — 00 04         " 214 "       — 00 37         " 233A "       — 00 04         " 233A "       — 00 06         " 236 "       — 00 06         " 238 "       — 00 06         " 238 "       — 00 06         " 238 "       — 00 06         " 236 "       — 00 06         " 237 "       — 00 06         " 238 "       — 00 06         " 238 "       — 00 11         " 237 "       — 00 07         " 238 "       — 00 10         " 239 "       — 00 07         " 230 "       — 00 07         " 27 "       — 00 06         " 20 "       — 00 07         " 20 "       — 00 07 <t< td=""><td>**</td><td></td><td></td><td></td><td></td></t<>	**				
191	13				
133 — 00 18 192 — 00 28 194 — 00 06 196 — 00 16 199 — 00 33 10 205 — 00 41 11 208B — 00 07 12 213 — 00 06 12 214 — 00 06 13 233A — 00 04 14 233 — 00 04 15 233 — 00 06 16 238 — 00 07 17 209B — 00 06 18 215 — 00 06 18 216 — 00 07 19 217 — 00 06 11 238 — 00 06 11 238 — 00 07 11 21 — 00 37 11 21 — 00 37 11 31 — 00 06 11 31 — 00 06 11 31 — 00 06 11 31 — 00 06 11 31 — 00 06 11 31 — 00 06 11 31 — 00 06 11 31 — 00 06 11 32 — 00 06 11 32 — 00 06 11 32 — 00 06 11 32 — 00 06 11 32 — 00 06 11 32 — 00 06 11 32 — 00 06 11 32 — 00 06 11 32 — 00 06 11 32 — 00 06 11 32 — 00 06 11 32 — 00 06 11 32 — 00 06 11 32 — 00 07 11 31 — 00 06 11 32 — 00 06 11 32 — 00 07 11 32 — 00 06 11 32 — 00 06 11 32 — 00 07 11 32 — 00 06 11 32 — 00 07 11 32 — 00 06 11 32 — 00 07 11 32 — 00 07 11 32 — 00 07 11 32 — 00 07 11 33 — 00 06 11 32 — 00 07 11 32 — 00 07 11 32 — 00 06 11 32 — 00 07 11 32 — 00 07 11 32 — 00 07 11 33 — 00 06 11 32 — 00 07 11 32 — 00 07 11 33 — 00 07 11 34 — 00 07 11 35 — 00 07 11 35 — 00 07 11 36 — 00 07 11 37 — 00 07 11 38	**				
192	11	111	_		
194	19	102			
196 .,	,,	104			
199	77	106	_		
205 — 00 41 206 — 00 29 208A , — 00 03 208B , — 00 07 209B , — 00 04 213 — 00 06 214 — 00 04 215 — 00 04 233A — 00 04 234A , — 00 11 235 — 00 06 238 — 00 06 238 — 00 06 238 — 00 06 238 — 00 07 238 — 00 10 238 — 00 10 238 — 00 10 239 — 00 10 240 — 00 15 250 — 00 06 27 — 00 06 28 — 00 06 29 — 00 07 21 — 00 07 22 — 00 06 23 — 00 06 24 — 00 15 25 — 00 06 26 — 00 06 27 — 00 06 28 — 00 07 29 — 00 07 20 — 00 31 21 — 00 06 22 — 00 32 23 — 00 06 24 — 00 31 25 — 00 06 26 — 00 32 27 — 00 32 28 — 00 37 29 — 00 37 20 — 00 37 21 — 00 37 22 — 00 37 23 — 00 05	**	100	_		
206	**	205			
208A ,		307	_		
208B ,, 00 07 209B ,, 00 93 210 ,, 00 04 213 ,, 00 06 214 ,, 00 37 233A ,, 00 27 234A ,, 00 04 235 ,, 00 06 236 ,, 00 04 238 ,, 00 10 238 ,, 00 10 256 ,, 00 55 Kalambili 1 ,, 00 37 4 ,, 00 31 00 06 12 ,, 00 06 13 ,, 00 06 13 ,, 00 06 12 ,, 00 06 13 ,, 00 06 18 ,, 00 06 19 , 00 15 00 06 00 32 00 37 00 37 00 05 00 05	,,				
" 209B " — 00 93 " 210 " — 00 04 " 213 " — 00 06 " 214 " — 00 04 " 233A " — 00 027 " 234A " — 00 11 " 235 " — 00 06 " 238 " — 00 10 " 238 " — 00 10 " 256 " — 00 55  Kalambili 1 " — 00 31 " 3 " — 00 07 " 4 " — 00 31 " 12 " — 00 06 " 13 " — 00 04 " 17 " — 00 15 " 18 " — 00 06 " 20 " — 00 13 " 21 " — 00 06 " 22 " — 00 32 " 22 " — 00 37 " 23 " — 00 37 " 23 " — 00 05 " 23 " — 00 05	,,	208A			
210 — 00 04  213 — 00 06  214 — 00 37  215 — 00 04  233A — 00 27  234A — 00 01  236 — 00 04  238 — 00 04  238 — 00 10  238 — 00 10  256 — 00 55  Kalambili 1 — 00 55  Kalambili 1 — 00 07  4 — 00 31  5 — 00 06  11 — 00 07  12 — 00 06  13 — 00 04  17 — 00 15  18 — 00 06  19 — 00 15  19 — 00 06  10 — 00 15  11 — 00 06  12 — 00 32  13 — 00 32  14 — 00 32  15 — 00 35  17 — 00 37  21 — 00 37  22 — 00 37  23 — 00 05  10 05		3000			
213 — 00 06 214 — 00 03 215 — 00 04 233A — 00 27 234A — 00 11 235 — 00 06 238 — 00 10 238 — 00 10 256 — 00 55 Kalambili 1 — 00 31 3 — 00 07 4 — 00 31 5 — 00 06 12 — 00 06 13 — 00 04 17 — 00 15 18 — 00 06 18 — 00 06 20 — 00 13 20 — 00 32 21 — 00 32 22 — 00 37 23 — 00 05 23 — 00 05 25 — 00 05	,	510	_		
214		212			
215 — 00 04 233A — 00 27 234A — 00 11 235 — 00 06 236 — 00 04 238 — 00 10 256 — 00 15 3 — 00 07 4 — 00 31 5 — 00 06 12 — 00 06 12 — 00 06 13 — 00 04 17 — 00 15 18 — 00 06 17 — 00 15 18 — 00 06 20 — 00 13 21 — 00 32 22 — 00 32 23 — 00 37 23 — 00 05 25 — 00 13		214			
233A — 00 27 234A — 00 11 235 — 00 06 236 — 00 04 238 — 00 10 256 — 00 55 Kalambili 1 — 00 20 3 — 00 07 4 — 00 31 5 — 00 06 12 — 00 06 13 — 00 04 17 — 00 15 18 — 00 06 18 — 00 06 20 — 00 13 21 — 00 32 22 — 00 32 23 — 00 37 23 — 00 05 25 — 00 13	,,	315			
" 234A " — 00 11 " 235 " — 00 06 " 236 " — 00 04 " 238 " — 00 10 " 256 " — 00 55  Kalambili 1 " — 00 07 " 4 " — 00 31 " 5 " — 00 06 " 12 " — 00 06 " 13 " — 00 04 " 17 " — 00 15 " 18 " — 00 06 " 20 " — 00 15 " 21 " — 00 06 " 22 " — 00 32 " 22 " — 00 32 " 23 " — 00 35 " 25 " — 00 36					
" 235 " — 00 06 " 236 " — 00 04 " 238 " — 00 10 " 256 " — 00 55  Kalambili 1 " — 00 07 " 4 " — 00 31 " 5 " — 00 06 " 12 " — 00 06 " 13 " — 00 04 " 17 " — 00 15 " 18 " — 00 06 " 20 " — 00 15 " 21 " — 00 32 " 22 " — 00 32 " 23 " — 00 32 " 23 " — 00 37 " 23 " — 00 05 " 25 " — 00 13		234A			
236 — 00 04 238 — 00 10 256 — 00 55 Kalambili 1 — 00 20 3 — 00 07 4 — 00 31 5 — 00 06 12 — 00 20 13 — 00 04 17 — 00 15 18 — 00 06 20 — 00 15 18 — 00 06 20 — 00 32 21 — 00 32 22 — 00 37 23 — 00 05 25 — 00 13		226			
238 — 00 10 256 — 00 15  Kalambili 1 — 00 20 3 — 00 07 4 — 00 31 5 — 00 06 12 — 00 04 13 — 00 04 17 — 00 15 18 — 00 06 20 — 00 15 20 — 00 32 21 — 00 32 22 — 00 37 23 — 00 05 25 — 00 13	21	726			
"     256 "     —     00 55       Kalambili     1 "     —     700 20       "     3 "     —     00 07       "     4 "     —     00 31       5 "     —     00 06       "     12 "     —     00 20       "     13 "     —     00 04       "     17 "     —     00 15       "     18 "     —     00 06       "     20 "     —     00 13       "     21 "     —     00 32       "     22 "     —     00 37       "     23 "     —     00 05       "     25 "     —     00 13	,,	720			
Kelambili       1         700       20          3         00       07          4         00       31          12         00       20          13         00       20          17         00       15          18         00       06          20         00       13          21         00       32          22         00       37          23         00       05          25         00       13		256	_		
""       3       ""        00       07         ""       4       ""        00       31         5       ""       00       06         ""       12       ""        00       20         ""       13       ""       -       00       04         ""       17       ""        00       15         ""       20       ""       -       00       06         ""       21       ""       -       00       32         ""       22       ""       -       00       37         ""       23       ""       -       00       05         ""       25       ""       -       00       13		1			
"       4 "       —       00 31         5 "       —       00 06         "       12 "       —       00 20         "       13 "       —       00 04         "       17 "       —       00 15         "       18 "       —       00 06         "       20 "       —       00 13         "       21 "       —       00 32         "       22 "       —       00 37         "       23 "       —       00 05         "       25 "       —       00 13		2			
3       —       00       06         12        —       00       20         13        —       00       04         17        —       00       15          18        —       00       06          20        —       00       13          21        —       00       32          22        —       00       37          23        —       00       05          25        —       00       13	,,		_		
12       00     20       13       00     04       47     17       00     15        18       00     06        20       00     13        21       00     32        22       00     37        23       00     05        25       00     13		5 ,,			
13       "       -       00       04         47       17       "       -       00       15         18       "       -       00       06         "       20       "       -       00       13         "       21       "       -       00       32         "       22       "       -       00       37         "       23       "       -       00       05         "       25       "       -       00       13	` 1+	12 ,,			
"     17     "     —     00     15       "     18     "     —     00     06       "     20     "     —     00     13       "     21     "     —     00     32       "     22     "     —     00     37       "     23     "     —     00     05       "     25     "     —     00     13	17	13 ,,	-		
"     18 "     —     00 06       "     20 "     —     00 13       "     21 "     —     00 32       "     22 "     —     00 37       "     23 "     —     00 05       "     25 "     —     00 13	47	17 .,			
"     20     "     —     00     13       "     21     "     —     00     32       "     22     "     —     00     37       "     23     "     —     00     05       "     25     "     —     00     13	**		_		
" 21 " 22 " 00 32 " 22 " 00 37 " 23 " 00 05 " 00 13	**		_		
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$	**		_		
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$	**				
$\frac{25}{25}$ $-$ 00 13	**		_		
ΛF	,,		-		
		95 "	_	00	33

e the	Right	Village	Survey No./Gut No.	Hissa No.	Are	a
eferr	ed to				Н	— R
ne th	rough	Kalambili	96 Part		00	12
with	in 21 com-	**	97 ,,	_	00	43
	nited.	,,	98 ,,	-	00	04
Co	rridoi	"	119 ,,		00	52
		**	128 A ,,		00	06
te wi	hether	**	129 A ,,	_	00	14
or th	rough	Asudgaon	1 ,,	<b>→</b>	00	35
			2 ,,	-	00	27
		"	7 ,,	_	00	08
		"	42 ,,		00	10
rast	tre	,,	44 ,,	_	00	05
. 10 M		,,	45 ,,	_	00	22
Arc	a	"	46 ,,	_	00	27
		"	47 ,,	_	00	04
H	R	"	49 ,,	_	00	17
- 00	55	"	50 ,,	_	00	06
00	06	11	52 ,,	_	00	09
00	38	11	53 ,,		00	40
00	21	11	59 ,,	_	00	80
00	25	,,	68 ,.	_	00	14
00	31	,,,	78 ,,	_	00	10
00	30	19	79 ,,	_	00	24
W	3.5		<del></del>			

[No. 12016/28/82-Prod.II]

कार आर 3088 -या: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होना है कि लोक किन में यह व्यावश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में बंबई से पूर्ण नक पेटोलियम पदार्थी के परिवहन के लिए पाईप लाईन हिन्दस्तान पेटोलियम कापौरेशन बारा बिछाई जानी चाहिये।

भीर यन यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबक अनुमुत्री में वर्णिय भिम में उपयोग का जिल्लार प्रजित करना ग्रावश्यक है।

श्रवः श्रवः पेटोलियम श्रीर खनिज पाईप लाईन (भ्रमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) मिधिनियम , 1962 (1962 का 50) की धारा 3 श्री उपधारा (i) तरा प्रदश्त मिकित्यों का प्रयोग करते क्षण केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का प्रधिकार अजित करने का प्रपता प्राणय एतद-क्षारा डोपिन किया है।

वशर्ते कि उक्त भूमि में हिलबट्ध कोई व्यक्ति उन भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, हिन्दूरमान पेटो-लियम कारपोरेशन लिमिटेड, बस्बई पूर्ण पाइप लाइन्स प्रोगेक्ट पर्यक्रेल रिफाइनरीच कारिडार रोड, बम्बई को एस प्रधिसुचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

शौर ोसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति किनिदिष्टन, यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई क्यक्तिगत हो या किसो विधि ब्यवसायों की मार्फत ।

अनुसूची पारप-पाईन कील्डेबार से विद्याने तक

ताशुका पलवेल,	जिला. व	र जिया १	गहारा <b>द</b> न्	
गाव	 स्वसर नम्बर	 हि <b>≭</b> मा	क्षेत्र	 फिल
		नम्बर	<del>-</del>	
	_		हेसटर	गेयर
काल्हेखार			0.0	06
"	17		0.0	22
ч	18 ,,		0.0	22
11	28 "		0.0	0.2
- "	34 "		00	37

 गाब	खसरानम्बर	-— हिस्सा	क्षेत्रप	— — - रुष	गाव		नम्बर	हिस्सा	 अमेस	— <del>-</del> मिल
		नस्थर	चे <del></del> हेक्टर	 ऐवर				नम्बर	च⊸ <b>⊸</b> हेक्टर	 ऐयर
कोरु <b>हेख</b> । र	37 का भाग		00	22	- — — भ्राजिबली	 51	का भाग		00	01
"	41 "		0.0	37	13	52	11		00	01
	7 4		0.0	0	21	53	,,		0.0	10
11	75 ,, 7 <b>7</b> ,,		0.0	03	11	60	21	]	0.0	16
Į!	T.13		00	16	17	62	17		0.0	35
13	78 ,,		00	11	11	68	1)		00	24
पन्मल	186 ,,		0.0	0.5	"	70	,,		0.0	15
7.7	187		0.0	29	11	71	11		00	1.5
1,	296 "		0.0	27	"7	72 74	11		0.0	07
11	198 ,		0.0	37	'' नावडे <b>बा</b> र	61	11		00	06
11	760 ,		00	38	भ्राम्बेल बार	190	)1 )1		00	03 27
पालिदे#३	1	- ~	U(f	0.5	71	287	,,		0.0	18
ı	4 ,,	<del></del> -	0.0	1.5	,,	295	11		0.0	09
•	9 <b>A</b> ,,	<del>-</del>	0.0	16	11	296	11	<b></b> -	Oθ	17
"	7 ,,		0.0	0.1	n	301	11	7 1	0.0	12
**	16 ,		0.0	0.3	11	302	11		0.0	02
17	17 n		0.0	0.9		304	11		0.0	0.7
٠,	19 <b>A</b> , 21 <b>A</b> ,,	_	0.0	19				[क्रमाक 120	16/29/82-	शो०-∐
*1	f a		90 00	35 09						•
11	32 i,		0.0	1) 4						
किन्नले	7 1 ,,	- ~	0.0	0.1				s to Central		
2)	75 ,,		0.0	26	It is necessary Products from					
,,	76		0.0	04	through Pipeli	ne and	that said I	ipeline is to	be laid t	through
**	77 .,	~-	0.0	0.6	the agency of Bombay.	n rilla	ustan Peti	orann Corp	oramon r	.1m) <b>c</b> a
<b>†1</b>	78 ,	74	0.0	20						
1,	84		0.0	26	And where: laying pipeline			Central Gove o acquire th		
t)	8.5	→-	0.0	18	in respect of					
7 1	86 ,,	, –	0.0	2 4	Now, theref by virtue of S	ore, in	exercise of	the powers	vested i	n them
***	128 ,,		0.0	0.4	line (Acquisio	n of R	ight of Us	er in Land)	AO 196	52 (50
11	129		0.0	15	of 1962) Cer quire the Righ					
7.1	130 ,,		0.0	07 22						
,	131 n 133 n	<b>-</b> >-	กบ	12	Any petson above having			st in the lar laying the		
7)	135 "		0.0	30	above mention days of the pu	ned land	is may pro	efer an obje	ection wit	hin 21
!! <del>:</del> *	0.1		0.0		tent authority	Hindus	tan Petrol	eum Corpo	ration 1	_imited.
बोल	91 100	5-	0.0	23 04	Bombay Pune Road, Bombay		ie Project,	Fuels Ref	inery, C	Qrrid01
1)	101	<b></b>	0.0	10	-		any object	tion may als	o state v	vhether
11	102 "	Ļ	0.0	0.7	they want to b	e heard	in person of	ither himself	f or throu	gh any
) T 1)	115		0.0	10	lawyer appoint	ец ву п	1111.			
"	116 ,,		0.0	10			SCHED	ULE		
j1	132		0.0	14	Pine	Line fr		khar to Aa	jivali	
"	137	<b></b>	0.0	06	Taluka Panve		Distt. Ra		Mahara	ıshtra.
,,,	139 ,	<b>~</b> -	0.0	10			No /Gut	No Hiesa N	Jo Area	
17	140		0.0	10	Village	Surve	.5 140./Gut	No Hissa N		
11	141		0.0	08					H	R.
$\mu$	142		0.0	0.1	··	15	Part		00	06
"	144		0.0	0.3	Kolhekhar	17	rart	_	00	22
11	146		0.0	14	» »	18	11	_	00	22
11	153		0.0	0.2	"		1)	name t	00	02
11	154		0 0 0 u	1.4 37	,,	34 37	**		00 00	. 37 . 22
11	157		00	12	11	37 41	**	_	00	37
7)	158 ,,		17.17		11		**			•

	Survey No.	Hissa No.	Ars	: 1	Village	Survey No.	Hissa N	o.	Arca
	Gut No.		Н	R		Gut No.		H	
Camothe	75 Part		00	03	Aabelkhar.	287 Part	- —		18
) T	77 ,,	_	00	16	••	295 .,	-	00	09
,,	78 ,,	_	00	11	21	276 ,,		00	17
Panvel	186 ,,	_	00 00	05 29	••	301 ,,	_	00 00	42 02
21	187 ,, 296 ,,		00	27	,,	302 ,, 304 ,,		00	07
	296 ,, 198 ,,	<del></del>	00	37					
,, ,,	760 ,,	-	00	38			[No.12016/29/8	32Рго	a. Ij
Palı Devad	1 ,,	_	00	05					
,,	4 ,,	_	00	15					
**	9 A "	_	00 00	16 01	Wie Mie	3089यन केर्स्ट(य	संस्थात को सहस्र	र्कास क्षेत्र	ा के कि
17	7 ,, 16 ,,		00	03		उठ8 <i>5</i> पः। नःग्राप प्राथम्यक है कि मह		-	
17	17 ,,	_	00	09					
"	19 A ,	_	00	19	-	ों के परिवहन के लिए 		दुस्तान पर्	द्रालयम
)) ))	21 A ,,	_	00	35	कापरिशन द्वारा	' बिछाई जानी चारि	हय ।		
11	52 ,,	_	00	09		2 . 3- 4 6			
Chikhle	74 .,		00	01		बह्पतीन होता है कि 			
"	75 ,,	-	00	26	•	उद्घ ग्रनुसूर्ज। मे वर्णित	भूमि में उपयोग का	प्राधकार	য়াস্ব
,,	76 ,,	_	00	04	करना आवश्यम	5 <b>f</b> l			
Chikhle.				0.		<u></u>		<b>.</b> .	
,.	77 ,,	_	00 00	06 20		पेट्रोलियम भौर खनिज			
,,	78 ,, 84 ,,	_	00	26 26		र्जन ) ग्रिधिनियम, ।			
91	0 <b>E</b>	_	00	18		(1) द्वारा प्रदत्त श			
,,	0.6		00	24	सरकार ने उस	में उपयोग का द्राधि	कार ग्रर्जित कर	ने का	ग्रपन
	128 ,,	_	00	04	भागय एतवद्वार	ाधोषित किया है	1		
••	129 ,	_	00	15					
••	130 ,,	~ .	00	07	वसर्दिकः	उक्त भूमि मे हितकड	कोई व्यक्ति, उस	भूमि ह	के र्न, वे
**	131 ,.		00	22	पा <b>इ</b> प ल। <b>इ</b> न	विद्याने के लि <i>□</i>	ग्राक्षेप सक्षम प्र	क्षिकारी	हिन्द
.,	133 ,,	<b>~-</b>	00	12	स्तान पेट्रीलियम	। कारपोरेशन लिमिटेड	r, <b>स</b> म्बर्ड पूर्णे पाइप	ं ला <b>ध्य</b> स	प्रोजे <del>न</del> ट
•	135 .,	-	00	30		। कारपोरेशन लिमिटेड रीज कारिड,र राड ब			
•	135 ., 91 .		00 00	30 23	पशुमेल रिफायन	रीज कारिकार राज ब	।स्वर्डको इस अधिसू		
Borle .,	135 ., 91 . 100	- -	00 00 00	30 23 04	पशुमेल रिफायन		।स्वर्डको इस अधिसू		
Borle	135 ., 91 . 100 101		00 00 00 00	30 23 04 10	पश्चमेल रिफायन से 21 दिनों	रीज कारिक,र राक ब के भीतर कर सकेगा	स्वर्षको इस अधिसू ।	(चनः, क्तं।	तारी ब
Borle	135 ., 91 . 100 101 102 .,	- - -	00 00 00	30 23 04	पयुमेल रिफायन से 21 दिनों भौर ऐसा	रीज कारिडार राड ब के भीतर कर सकेगा आक्षेप करने वाला ह	स्मार्डको इस अधिसू । इर व्यक्ति विनिर्दिष्ट	(चन, र्का * ट यह भी	नारी <b>ड</b> किथन
Borle	135 ., 91 . 100 101	- - -	00 00 00 00	30 23 04 10 07	पयुभेल रिफायन से 21 दिनों भौर ऐसा करेगा कि क्या	रीज कारिक,र राक ब के भीतर कर सकेगा प्राक्षेप करने वाला । बह यह चाहता है 1	स्मार्डको इस अधिसू । इर व्यक्ति विनिर्दिष्ट के उसकी सुनवाई	(चन, र्का * ट यह भी	तारी <b>क</b> किथन
Borle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132	- - -	00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10	पयुभेल रिफायन से 21 दिनों भौर ऐसा करेगा कि क्या	रीज कारिडार राड ब के भीतर कर सकेगा आक्षेप करने वाला ह	स्मार्डको इस अधिसू । इर व्यक्ति विनिर्दिष्ट के उसकी सुनवाई	(चन, र्का * ट यह भी	नारी <b>ड</b> किथन
Borle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132		00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14	पयुभेल रिफायन से 21 दिनों भौर ऐसा करेगा कि क्या	रीज कारिक,र राक ब के भीतर कर सकेगा प्राक्षेप करने वाला । बह यह चाहता है 1	स्मार्डको इस अधिसू । इर व्यक्ति विनिर्दिष्ट के उसकी सुनवाई	(चन, र्का * ट यह भी	नारी <b>ड</b> किथन
Borle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137	- : : : : : : : : : : : : : : : : : : :	00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10	पयुभेल रिफायन से 21 दिनों भौर ऐसा करेगा कि क्या	रीज कारिक,र राक ब के भीतर कर सकेगा प्राक्षेप करने वाला । बह यह चाहता है 1	सम्बर्धको इस अधिसू । इर व्यक्ति विनिर्दिष्ट के उसकी सुनवाई : ।	(चन, र्का * ट यह भी	नारी <b>ड</b> किथन
Borle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 .,		00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10	पयुभेल रिफायन से 21 दिनों भौर ऐसा करेगा कि क्या	रीज कारिक,र राक व के भीतर कर सकेगा प्राक्षेप करने वाला ह बह यह चाहता है कि व्यवसायी की मार्फन अनुसूच	ाम्बर्डको इस अधिसू । इर व्यक्ति विनिर्विष्ट के उसकी सुनवार्ड ।	(चन, र्का * ट यह भी	नारी <b>ड</b> किथन
Borle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 ,, 141 .,	- : : : : : : : : : : : : : : : : : : :	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08	पत्रुभेल रिफायन से 21 दिनों भौर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि	रिज कारिड,र राड ब के भीतर कर सकेगा प्राक्षेप करने वाला है बह यह चाहता है कि व्यवसायी की मार्जन अनुसूच ग्रेड्ग से पा	सम्बर्धको इस अधिसू । इर व्यक्ति विनिर्दिष्ट के उसकी सुनवाई । । ।	(चन, र्का * ट यह भी	नारी <b>ड</b> किथन
Borle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 141 ., 142	- : : : : : : : : : : : : : : : : : : :	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08	पयुभेल रिफायन से 21 दिनों भौर ऐसा करेगा कि क्या	रिज कारिड,र राड ब के भीतर कर सकेगा प्राक्षेप करने वाला है बह यह चाहता है कि व्यवसायी की मार्जन अनुसूच ग्रेड्ग से पा	ाम्बर्डको इस अधिसू । इर व्यक्ति विनिर्विष्ट के उसकी सुनवार्ड ।	(चन, र्का * ट यह भी	तारी <b>क</b> गेक्श्यन होया
Borle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 ,, 141 .,	- : : : : : : : : : : : : : : : : : : :	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08	पशुभेल रिफायन से 21 दिनो भीर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि नालुका पनके	रिज कारिक,र राक क के भीतर कर सकेगा प्राक्षेप करने वाला ह बह यह बाहता है कि व्यवसायी की मार्फन अनुसूच शेक्स से पा त, जिला	ास्मर्कको इस अधिस् । इर व्यक्ति विनिर्विष् के उसकी सुनवार्कः । । पे पेजे तक रायगढ,	्चनः की टियह भी व्यक्तिगम	तारी <b>क</b> ो कथन हो या
Borle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 ., 141 ., 142 ., 144 .,	- : : : : : : : : : : : : : : : : : : :	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08 01	पशुभेल रिफायन से 21 दिनो भीर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि	रिज कारिड,र राड ब के भीतर कर सकेगा प्राक्षेप करने वाला है बह यह चाहता है कि व्यवसायी की मार्जन अनुसूच ग्रेड्ग से पा	सम्बर्धको इस अधिसू । इर व्यक्ति विनिर्दिष्ट के उसकी सुनवाई । । ।	्चनः, क्रां ट्रयह भी व्यक्तिशन	तारी <b>ड</b> ो कथन हो य
.; Borle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 ., 141 ., 142 144 ., 146 ., 153	- : : : : : : : : : : : : : : : : : : :	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08 01 03 14 02 12	पशुभेल रिफायन से 21 दिनो भीर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि नालुका पनके	रिज कारिक,र राक क के भीतर कर सकेगा प्राक्षेप करने वाला ह बह यह बाहता है कि व्यवसायी की मार्फन अनुसूच शेक्स से पा त, जिला	ास्मर्कको इस अधिस् । इर व्यक्ति विनिर्विष् के उसकी सुनवार्कः । । पे पेजे तक रायगढ,	्चनः कं। ट यह भी त्र्यक्तिगम गज्य क्षेत्रफ	तारी <b>ड</b> ो कथन हो य
Borle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 141 ., 142 144 ., 146 153 154 157	- : : : : : : : : : : : : : : : : : : :	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08 01 03 14 02 12 37	पशुभेल रिफायन से 21 दिनो भीर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि नालुका पनके	रिज कारिक,र राक क के भीतर कर सकेगा प्राक्षेप करने वाला ह बह यह बाहता है कि व्यवसायी की मार्फन अनुसूच शेक्स से पा त, जिला	प्रमार्ड को इस अधिस् हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट के उसकी सुनवार्ड । । ग्रेंग नक रायगड, 	्चनः की टियह भी व्यक्तिगम	तारी <b>ड</b> ो कथन हो य
Sporte	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 ., 141 ., 142 144 ., 146 ., 153 154 157 158	- : : : : : : : : : : : : : : : : : : :	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08 01 03 14 02 12 37	पशुभेल रिफायन से 21 दिनो भीर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि नालुका पनके	रिज कारिड,र राड ब के भीतर कर सकेगा श्राक्षेप करने वाला ह वह यह चाहता है कि अवसायी की मार्जन अनुसूच शेड्ग में पा त. जिला 	प्रमार्ड को इस अधिस् हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट के उसकी सुनवार्ड । । ग्रेंग नक रायगड, 	्चनः कं। ट यह भी त्र्यक्तिगम गज्य क्षेत्रफ	तारी <b>ड</b> ो कथन हो य महाराष्ट्र —— इल ~-
Gorle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 ., 141 ., 142 144 ., 153 154 157 158 51 .,	- : : : : : : : : : : : : : : : : : : :	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08 01 03 14 02 12 37 12 01	पशुभेल रिफायन से 21 दिनो भीर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि नालुका पनके	रिज कारिक,र राक क के भीतर कर सकेगा प्राक्षेप करने वाला ह बह यह बाहता है कि व्यवसायी की मार्फन अनुसूच शेक्स से पा त, जिला	प्रमार्ड को इस अधिस् हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट के उसकी सुनवार्ड । । ग्रेंग नक रायगड, 	्चनः कं। ट यह भी त्र्यक्तिगम गज्य क्षेत्रफ	तारी <b>ड</b> ो कथन हो य महाराष्ट्र —— इल ~-
Borle	135 91 100 101 102 115 116 132 137 139 140 141 142 144 145 153 154 157 158 51 52	- : : : : : : : : : : : : : : : : : : :	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08 01 03 14 02 12 37 12 01	पशुभेल रिफायन से 21 दिनो  ग्रीर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि  नालुका पनथे  गोध	रिज कारिड,र राड ब के भीतर कर सकेगा आक्षेप करने वाला ह नह यह नाहता है कि अवसायी की भार्जन अनुसूच शेड्ग से पा त, जिला 	प्रमार्थ को इस अधिसू  ।  हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट  के उसकी सुनवाई  ।  पेजे तक  रायगढ,  हिस्सा  नम्बर	्चनः की ट यह भी रुपिन्तगम भोस्रक  हेक्टर	तारी <b>ड</b> हो अ सप्ताराप्त् ———————————————————————————————————
Aajivali	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 ., 141 ., 142 144 ., 153 154 157 158 51 ., 52 ., 53 .,	- : : : : : : : : : : : : : : : : : : :	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08 01 03 14 02 12 37 12 01	पत्रुभेल रिफायन से 21 दिनो  भौर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि  नालुका पनथे	रिज कारिड,र राड ब के भीतर कर सकेगा आक्षेप करने वाला ह बह यह चाहता है वि व्यवसायी की मार्जन अनुसूच शेड्ग से पा त. जिला खसरा नम्बर	प्रमार्थ को इस अधिसू  ।  हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट  के उसकी सुनवाई  ।  पेजे तक  रायगढ,  हिस्सा  नम्बर	्चनः की ट यह भी रुपिन्तगम भोस्रक  हेक्टर	तारी <b>व</b> हो स्थान हो स 
Aajivali	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 ., 141 ., 142 144 ., 146 ., 153 157 158 51 ., 52 ., 53 ., 60 .,	- : : : : : : : : : : : : : : : : : : :	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08 01 03 14 02 12 37 12 01 01 10	पशुभेल रिफायन से 21 दिनो  ग्रीर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि  नालुका पनथे  गोध	रिज कारिड,र राड ब के भीतर कर सकेगा प्राक्षेप करने वाला ह जह यह जाहता है वि व्यवसायी की मार्जन अनुसूच गोड्ग से पा त, जिला खसरा नस्बर 2 42 का भाग	प्रमार्थ को इस अधिसू  ।  हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट  के उसकी सुनवाई  ।  पेजे तक  रायगढ,  हिस्सा  नम्बर	र यह भी  र यह भी  रगज्य  शेलक	तारी <b>व</b> हो य महाराष्ट्र 
Borle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 ., 141 ., 142 144 ., 153 154 157 158 51 ., 52 ., 53 ., 60 ., 62 .,		00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08 01 03 14 02 12 37 12 01 01 16 35	पशुभेल रिफायन से 21 दिनो  ग्रीर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि  नास्का पनके	रिज कारिड,र राड ब के भीतर कर सकेगा आक्षेप करने वाला ह बह यह चाहता है वि व्यवसायी की मार्जन अनुसूच शेड्ग से पा त. जिला खसरा नम्बर	प्रमार्थ को इस अधिसू  ।  हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट  के उसकी सुनवाई  ।  पेजे तक  रायगढ,  हिस्सा  नम्बर	राज्य - सेल्लक हैक्टर  - 00	नारी <b>ड</b> मे कथन हो य स्वाराण्ड 
Aajivali	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 ., 141 ., 142 144 ., 146 ., 153 157 158 51 ., 52 ., 53 ., 60 .,		00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08 01 03 14 02 12 37 12 01 01 10	पशुभेल रिफायन से 21 दिनो  ग्रीर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि  नालुका पनको  नालुका पनको  गोच	रिज कारिड,र राड ब के भीतर कर सकेगा प्राक्षेप करने वाला ह जह यह जाहता है वि व्यवसायी की मार्जन अनुसूच गोड्ग से पा त, जिला खसरा नस्बर 2 42 का भाग	प्रमार्ड को इस अधिस् ।  हर व्यक्ति विनिर्दिष् के उसकी मृतवार्ड ।  ।  प्रेजे तक  रायगड,  हिस्स।  नम्बर	राज्य कें स्थाप्तिगाम स्यापितिगाम स्थाप्तिगाम स्थाप्तिगाम स्थाप्तिगाम स्थाप्तिगाम स्थाप्ति स्थाप्तिगाम स्थाप्ति स्यापिति स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप्ति स्यापिति स्थापिति स्यापिति स्यापिति स्यापिति स्यापिति स्यापिति स्यापिति स्यापिति स्यापिति स्यापिति स्यापिति स्यापिति स्यापिति स्यापिति स्यापिति स्यापिति स्यापिति स्ति स्यापिति स्	तारी <b>क</b> थाने हो य स्रोताराण जिल्ला -
Sorle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 ., 141 ., 142 144 ., 153 154 157 158 51 ., 52 ., 53 ., 60 ., 62 68		00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08 01 03 14 02 12 37 12 01 01 16 35 24	पशुभेल रिफायन से 21 दिनो  ग्रीर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि  गामुका पनके  गाम	रिज कारिङ,र राङ ब के भीतर कर सकेगा प्राक्षेप करने वाला ह वह यह चाहता है कि अवसायी की मार्फन अनुसूच प्रोड्ग में पा त. जिला 	प्रमार्ड को इस अधिस् ।  हर व्यक्ति विनिर्दिष् के उसकी मृतवार्ड ।  ।  प्रेजे तक  रायगड,  हिस्स।  नम्बर	राज्य कें।  राज्य कें  स्रोत्रक	नारीक हो य भाषाराण 
Sorle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 141 ., 142 144 ., 153 154 157 158 51 52 53 60 62 68 70 71 72		00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08 01 03 14 02 12 37 12 01 01 16 35 24 15 15 07	पत्रुभेल रिफायन से 21 दिनो  भौर ऐसा  करेगा कि स्या  किसी विधि  नालुका पनके  नालुका पनके  गोध  1  भेडग  """ ""	रिज कारिड,र राड ब के भीतर कर सकेगा आक्षेप करने वाला ह नह यह नाहता है कि अवसायी की मार्जन अनुसूच शेड्ग में पा त, जिला वसरा नम्बर 2 42 का भाग 110 , 114 ,, 115 ,,	प्रमार्ड को इस अधिस् ।  हर व्यक्ति विनिर्दिष् के उसकी मृतवार्ड ।  ।  प्रेजे तक  रायगड,  हिस्स।  नम्बर	स्वनः की  इ. यह भी  श्रेप्तनगम  सेलकः	नारी <b>ड</b> महाराह्य महाराह्य जिल ~ ग्रीयर 5 - 0. 2 1 0
Borle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 141 ., 142 144 ., 153 154 157 158 51 52 53 60 62 68 70 71		00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08 01 03 14 02 12 37 12 01 01 16 35 24 15 15	पशुभेल रिफायन से 21 दिनो  ग्रीर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि  नालुका पनको  नालुका पनको  गोच  1  गोउ	रिज कारिड,र राड ब के भीतर कर सकेगा आक्षेप करने वाला ह जह यह चाहता है वि व्यवसायी की मार्जन अनुसूच गेड्ग से पा त, जिला 	प्रमार्ड को इस अधिस् ।  हर व्यक्ति विनिर्दिष् के उसकी मृतवार्ड ।  ।  प्रेजे तक  रायगड,  हिस्स।  नम्बर	राज्य कें।  राज्य कें  स्रोहनगम  राज्य कें  स्योहनगम  राज्य कें  स्रोहनगम  राज्य कें  स्रोहन	नारी <b>क</b> नारी <b>क</b> नारी <b>क</b> नारीक
Borle  Aajivali	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 141 ., 142 144 ., 146 153 154 157 158 51 52 53 60 62 68 70 71 72 74 .,		00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08 01 03 14 02 12 37 12 01 01 16 35 24 15 15 07 06	पशुभेल रिफायन से 21 दिनो  ग्रीर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि  नालुका पनवेत्  नाजुका पनवेत्  गोच  1  गोडग	रिज कारिड,र राड ब के भीतर कर सकेगा आक्षेप करने वाला ह जह यह जाहता है वि व्यवसायी की मार्जन अनुसूच गेड्ग से पा त, जिला 	प्रमार्ड को इस अधिस् ।  हर व्यक्ति विनिर्दिष् के उसकी मृतवार्ड ।  ।  प्रेजे तक  रायगड,  हिस्स।  नम्बर	स्वनः कं।  ट यह र्भ  श्रेष्ठमानगम  सेक्ष्रमानगम  हेक्टर  4	नारी <b>क</b> में कथन हो या महाराष्ट्र 
Borle	135 ., 91 . 100 101 102 115 116 132 137 139 140 141 ., 142 144 ., 153 154 157 158 51 52 53 60 62 68 70 71 72		00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	30 23 04 10 07 10 10 14 06 10 10 08 01 03 14 02 12 37 12 01 01 16 35 24 15 15 07	पशुभेल रिफायन से 21 दिनो  ग्रीर ऐसा करेगा कि क्या किसी विधि  नालुका पनको  नालुका पनको  गोच  1  गोउ	रिज कारिड,र राड ब के भीतर कर सकेगा आक्षेप करने वाला ह जह यह चाहता है वि व्यवसायी की मार्जन अनुसूच गेड्ग से पा त, जिला 	प्रमार्ड को इस अधिस् ।  हर व्यक्ति विनिर्दिष् के उसकी मृतवार्ड ।  ।  प्रेजे तक  रायगड,  हिस्स।  नम्बर	राज्य कें।  राज्य कें  स्रोहनगम  राज्य कें  स्योहनगम  राज्य कें  स्रोहनगम  राज्य कें  स्रोहन	नारी <b>क</b> नारी <b>क</b> नारी <b>क</b> नारी <b>क</b> नारीक

ष	खसरा नम्बर	हिम्सा सम्बर	क्षेत्रफल	
 1	2	3	4	5
-	-		हेकर हेकर	 ऐयर
गार	57 काभाग		0.0	0.7
1)	6.2 ,,	·	0.0	16
11	58 ,		0.0	67
11	66 ,		0.0	0.8
1	68 ,,		0.0	09
11	77 ,	~-	0.0	0.1
*	78 ,		0.0	0.2
11	79 ,,		0.0	0.8
11	82	-4	0.0	0.8
11	83 ,, 86 ,,	• -	0.0	03
11			0.0	03 06
11	0.0	_	00	16
. 1	93 ,,		00	01
,	122		00	0.5
"	125 ,	<del>-</del> -	0.0	02
11	139 "	~ .	0.0	10
,,	141 ,,		00	1 2
"	143 ,		0.0	07
1)	144 ,,		0.0	07
1)	145 ,,	•	0.0	15
n	146,		0.0	04
,,	147		00	0.4
1	151 ,,		0.0	10
11	152 ,,		0.0	0.9
11	155,		0.0	0.7
17	177	-	00	07
11	179 ,,		0.0	0.5
11	180 ,,		0.0	03
11	181		0.0	11
1	185 ,,	•	00	10 15
" हिपे	58 ,,		00	03
"	59 ,,		00	35
,	72 ,,		0.0	0.2
प्रे <b>जे</b>	81 ,,		0.0	0.8
J	85 ,,		0.0	18
n	105 "		0.0	06
11	108 ,,		0.0	27
,,	124 ,,		0.0	i 9
11	125 ,,		0.0	0.7
,,	131 ,,	<del>-</del> -	0.0	23
,,	132 ,,		0.0	1.0
,,	134 ,,		0.0	10
1)	136 ,,		0.0	1.4
,,	140 ,,		0.0	04
"	141 ,,		0.0	21
11	$\begin{array}{ccc} 142 & & \\ 173 & & \end{array}$	_	0 0 0 0	02
17		_	00	07 07
"	175 .,		00	26
11	180 ,,		00	10
,,	181 ,,		00	0.5

S.O. 3089.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra through Pipeline and that said Pipeline is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay.

-\_\_\_\_

And whereas, it appears to Central Government that for laying pipeline it is necessary to acquire the Right of User in respect of the lands appended to herewith in schedule.

Now, therefore, in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3 (i) of Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) AO 1962 (50 of 1962) Central Government notify their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above.

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipeline through above mentioned lands may prefer an objection within 21 days of the publication of this notification before the competent authority Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay Pune Pipeline Project, Fuels Refinery, Corridor Road, Bombay-74.

All person having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself or through any lawyer appointed by him.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Shendung to Poyenje Taluka Panvel, Dist. Raigad, Maharashtra

Village	Survey No./ Gut No.	Hissa No.	Area	- 
	Gui No.	110.	H R	
Shendung	42 Part		00	04
,,	110 .,	_	00	29
	114 ,,		00	18
*1	115	_	00	06
	116	_	00	04
,	117 ,,	_	00	03
,,	118 ,,	_	00	04
*1	121 ,,		00	20
**	128	_	00	05
Bhirgir	57 ,,	-	00	07
	62 ,,		00	16
**	58 ,,	-	06	67
,,	66 ,	_	00	08
**	68	_	00	09
"	77	_	00	01
"	78 ,,		00	02
**	79		00	08
**	82 ,,		00	08
	83 ,,		00	03
1)	86 .,	_	00	06
,,	87	_	00	06
,,	92 ,,	_	00	16
,,	93 ,,	_	00	01
27	122 ,		00	05
"	125		00	02
,,	139 ,		00	10
13	141	_	00	12
,,	143	_	00	07
,,	144 ,,		00	07
,,	145	_	00	15
	146 ,,		00	04
.,	147 .,	_	00	04
"	151	_	00	10
	152		C <b>O</b>	09
"	155	_	00	07
_ ''	155 ,,		VV	V/

Village	Su	vey No./	Hissa No.	A	ic!		अ	नु <i>सर्चा</i> (	-	
		Gutt No.	140.	Н	R		पाइप-नाइन कसवे ख	ालापूर से मील	<del>रक</del>	
Bhing r	177	Port		co ·	07	नालुः	का खासापुर जिला	रायगद्ध राज्य . म	म्हाराहर	
,,	179	31	- •	00	05					<del>-</del>
**	180	**	_	00	03	ग्स	खासरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफ	প
,,	181	**		00 00	11 10				तेकटर हेक्टर	 ऐयर
23	186 187	13		00	15	~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~				्षर ——
,,		•				1	2	3	4	5 
Mohipe.	58	,,	-	00	03	कसबे खालापू	र ७ क भाग		0.0	16
**	59	,,	_	00 00	35 02	"	7	-	0.0	23
"	72	,,	_	00	02	11	8		0.0	16
Doumnia	84			00	09	, ))	प्रडी	-	0.0	06
Poyenje	85	,, ,,	_	00	18	J1	ьl		0.0	11
"	105	"	_	00	06	11	6.2	·	0.0	29
,,	108	13	_	00	27	11	6.4		0.0	22
33	124	,,	_	00 00	19 07	11	6.8		0.0	26
"	125 131	**	_	00	23	,,	69 ,,		0.0	22
,,	132	,,		00	10	2)	7.4		0.0	07
>> >>	134	,,		00	10	11	75	<u> </u>	0.0	18
,,	136	,,		00	14	17	77		00	34
**	140	,,		00	04 21	"	78 "		0.0	03
,,	141 142	31		00	02	,,	103 0		0.0	41
33	173	"	_	00	07	"	104 "		0.0	3 I
**	175	**	_	00	07	7.1	130 ,,		0.0	32
"	178	,,	_	00	26	7.7	132 ,,		0.0	25
22	180	,,	-	00	10	11	133 ,,		0.0	1.2
**	181	_ "		00	05	1)	68	<b>-</b>	0.0	UΒ
			[No. 12016/29	/82-11]F	Prod	1)	70 .,		0.0	19
						71	71 ,,		0.0	20
met oblito "	3000	यत. केन्द्रीय सर	कार को यह प्र	र्तान हो	ता है	"	73 ,,		00	29
कि लोकदित है	ने यह ह्या ने यह ह्या	वश्यक है कि म	नहाराष्ट्र राज्य में	बनर्घ र	भंपूणे	17	76 ,,	<del>-</del>	00	09
नक पेटो <b>लि</b> यम	पदाधीं के	परिवहन के लि	एए पाइप साइन वि	हेन्दुस्तान	पेट्रो-	;7	77		00	1 5
लियम कार्पेरिशः	न क्रारा ब	।छाई जानी चाहि	तम् ।			17	79 "		011	0.8
					_	मऽ	81 ,,		00	15
भीर यतः	यह प्रतीत	होता है कि ऐसी	। साइनों को बिछा	निके प्र	<b>योजन</b> -		88 .,		0.0	09
को लिए एस्दर	নৰৱ সনু	सूर्वा मे वर्णित	भूमि में उपगीग	का अ	धिकार	,,	89 ,,	- <b>-</b>	0.0	09
भूजित करना व	प्रावण्यकः है	<del>हे</del> ।				.,	90 ,,		00	10
						1,				<i>(</i> ) (7)
দ্মদ: দ্মৱ	पद्गिलयम	ग्रीर खनिज	पाइप लाइन (भृ	[मिमें व	उपयोग	हलख्दं	8 ,,		0.0	37
के ग्राधिकार व	्र. हा श्रजंन)	र्म्माधनियम, 1	962 (1962	का 50	) का	11	16 ,,		0.0	22
धारा ३ की	उपधारा -	<ul><li>(1) द्वारा प्रदेश</li></ul>	<b>न शक्तियो का</b> प्र	योग कर	ने हुए	11	17 ,,		00	19
केल्कीय संरकार	ने उसमे	े <del>उ</del> पयोग का ध	धिकार प्रजित क	रने का	घपना	13	18 ,,		0.0	() 4
भागम एतद्द्वारा						11	21 "		0.0	15
आसत देत्रीका	, .,, , ,					21	22 ,,		00	$\frac{22}{26}$
			- 6 - 5	c	<b>⊸</b> .=	1)	23 "	<del></del>	00	11
ग्रणतें कि	उक्त भूरि	म म हिनबद्ध न	तोई व्यक्ति उस	भाम क	न।च <del>किस्स्य</del>	23	25 ,,	<del></del>	0.0	04
पाइप लाइन बि	ाछाने के वि	लगुम्राक्षेप सक्षम	प्राधिकारी हिन्दुस	तान पेट्रॉ - रिक्न-	।लयम <del>रि</del> ं•क	17	26 .,		vn	0.4
≖ਦਰਜੀਤੇਗਰ ਕਿ	मेटेच सम्ब	र्ष्टपणे पाइप सा	इन्स प्रोजस्ट प्रयुक्त	<b>र</b> ारफाय	नराज		0.3		00	23
कॉरिडार रोड	बस्बर्दको	। इस फ्रधिसूचन	र्कानसीख 2	1 स द	ብ ነ ማኮ <sup>*</sup>	हल बुद्रक	23 ,,		0.0	17
भीतर कर सके	पा ।					117	24 ,,		0.0	15
						11	37 42	<del></del>	0.0	32
ਗੀਤ ਜੇਸ਼ਾ	ग्राक्षेप क	रने वाला हर ब्य	ामित विनिर्विष्टम <sup>्</sup>	यह भी	कथन	"		<b></b> -	0.0	23
असर पुना <del>कोल</del> कि क्या	स्त्रस्य	चाहना है कि	उसकी मुनवाई	व्यक्तिग	न हों।	)1	43 ,,		0.0	0.2

करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो

या किसी विधि व्यवसाधी की मार्फन।

गांत्र	खासर(नम्बर	ें हिस्सा नम्बर	<b>জী</b> থ <b>দল</b>		
			रूक्ट <sup>र</sup>	ए <b>यर</b>	
ह्ल बुद्क	49 का भाग		00	1 ;	
11	50 ,,		co	1	
1)	51 ,,		0.0	3 (	
,,	67 ,,	<del></del>	0.0	13	
)1	71 "	_~	()()	0	
1)	72 "		0.0	1.5	
श्राजोशी	5 ,,		00	0	
11	8 ,,		0.0	1	
11	16 ,,	<del>-</del> -	0.0	1:	
शील	10 ,,		U	0.8	
11	13 ,,		00	1.4	
11	14 ,,		0.0	1.3	
11	17 ,,	_ <b>-</b>	0.0	23	
17	20 "	<del></del>	00	23	
n	21 ,		0 ()	27	
,,	22 ,	<b></b>	0.0	27	
n	34 ,,		0.0	U G	

(\* माक 12016/31/82-प्रॉर**ा**)

S.O. 3090.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra through Pipeline and that said Pipeline is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation I imited, Bombay.

And whereas, it appears to Central Government that for laying pipeline it is necessary to acquire the Right of Uses in respect of the lands appended to herewith in schedule.

Now, therefore, in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3 (i) of Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) AO 1962 (50 of 1962) Central Government notify their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above.

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipeline through above mentioned lands may prefer an objection within 21 days of the publication of this notification before the competent authority Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay Pune Pipeline Project, I uels Refinery, Corndor Road, Bombay-74.

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself of through any lawyer appointed by him.

#### **SCHEDULE**

Pipe line From: Kasbe Khalapur to Sheel

Taluka : Khalopur, Dist. Raigad.

Village	Surve	y No./Gut	No. Hissa	Area		
			No.			
				H =	R	
Kashe Khal	apur. 6 P	art		00	16	
11	7	11		00	23	
"	8	11		00	16	
"	Pardi	**		00	06	
17	61	"	_	00	11	
,,	62	12	_	00	29	
	64	,	_	00	22	
".	68	,	_	00	26	
**				~	-	

1	2		3	4	5
Kisbe Khilapui	67	Part		00	22
71	74	٠,		00	07
,,	75	12	_	00	18
**	77	21		00	34
**	78	,,	.,	00	03
1)	103	,,	_	00	41
31	104	,,	_	00	31
,,	130	,,	_	00	32
11	132	.,	_	00	25
**	133	7)	_	00	12
Madh	68	,,	_	00	06
**	70	**	_	00	19
**	71	,,	_	00	20
,,	73	,,	_	00	29
**	76	,,	_	00	09
1)	77	,,	_	00	15
17	79	11	_	00	08
	81		_	00	15
1,	88	**		00	09
**	89	,,	_	00	09
"	90	**	_	00	10
,, Halkhurd,	8	11	_	00	37
	16	17	_	00	22
11	17	**	_	00	19
19	18	11		00	04
**	21	**		00	15
19	22	**		00	22
21	23	"		00	26
**	25	17	_	00	11
11	26	*,	_	00	04
11		11	_	00	
Hal Budruk	23	11	_		23
*11	24	**	_	00	17
19	37	"		00	15
311	42	"		00	32
**	43	11	_	00	23
**	44	"	_	00	02
**	49	*1	_	00	17
**	50,	,,	$\rightarrow$	00	15
**	51	13	_	00	36
11	67	11	_	00	13
1)	7 I	*17	-	00	01
**	72	**	-	00	15
Aajoshi	5	,,		00	04
11	8	,,		00	15
**	16	٠,		00	13
Shect	10	**	-	00	08
**	13	17		00	14
57 57	14	31		00	13
••	17			00	23
**	20	**	_	00	23
21		••	•	00	27
**	21	1.	_		
**	22	**	_	00	27
	34	**		00	_ 06
			[No. 12016/31/8 <b>2</b> -	Prod.	[]

का० आ० 30 91. — यन. केन्द्रीय संश्कार को यह प्रतीत होता है कि काकहित से यह प्रावण्यत है कि सहाराष्ट्र राज्य से वंश्वई से पूर्ण तक पेट्रो- विश्वम पदार्थों के परिवहन के लिए पाईप लाईन हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपीरेशन द्वारा शिखाई जानी चाहिये।

वासरा नम्बर

43 का भाग

51 ,

54

57

60

1 ,,

2 ,,

3 ,

\_\_\_

हिस्सा तस्बर

अंब **फ**ल

द्रेक्टर

0.0

00

00

0.0

00

00

ሰብ

0.0

0.0

एयर

04

01

10

0.4

15

22

09

11

0.9

1

गांव

शिवानी

वणवे

श्रीर यन यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एत्वपाबढ़ अनुसूची में वर्णित भृमि में उपयोग का श्रधिकार श्रिजन करना श्रावण्यक है ;

प्रत प्रव पेट्रीलियम ग्रीर खनिज पाइण लाईन (भूमि में उपयोधः के भिक्षकार का श्रर्जन) प्रधिनियम , 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का ग्रिधकार भिज्ञत करने का श्रपना ग्राणय एनद्दारा घोषिन किया है;

बण में कि उनन भूमि में हिनकड़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नोचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, हिन्दुस्तान पेट्रो- लियम कार्योरणन लिमिटेड, बस्बई पूणे पाईप लाइन्स पोजेक्ट ्यूअल रिफायनरीज, कार्रिडार रोइ, बस्बई की इस अधिसूचना की नारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

न्नीर ऐसा भ्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्यावह जाहता है कि उसकी स्नथाई व्यक्तिगत हो या किसी विजि व्यवसायी की मार्फन ।

	<b>ग</b> ्र	र्ची			"	4	"		0.0	04
पाइप	लाईन नगडार्ला से	नडोदं तक			"	52	, ,	<del></del>	0.0	0.5
					11	14	'1	<b>-</b>	0.0	26
तालुगा 	· खालापुर , जिला 	रायगर्, राज्य -			£1	25	17		00	07
गाम	ख्यरा नम्बर	हिस्सा नस्बर	8	भेन्नफण	11	27	11		0.0	18 07
					F1	32	*1		00	
			देक्टर	एयर	1)	46 47	,,		00 00	04 04
—— - नगडोली	 59 का <b>स</b> ांग		00	06	,,	48	11		00	09
	_		00	06	"	50	71		00	0.5
,,			00	0.7	,,	51	11		00	16
11			00	07	***	., 1	"		(7.0	1 11
,,	63 ,,	-	00	22	निम्बोडं	30	, ,	<b>-</b>	0.0	02
"	64 "	<b></b>	00	13	1+	34	**		0.0	14
,,	83 ,,		00	73	,,,	36	1)	<b>→</b> ~	0.0	20
"	84 ,,		0.0	07		37	17		0.0	23
,,	85 ,,		0.0	2 2		4.1	,,		0.0	38
"	90 ,,		0.0	18	11	56	,,		0.0	22
,,	91 ,,		0.0	07	11	58	,,	~	0.0	0.7
,,	9.2 ,,		0.0	13	**	5.9	,,		00	10
11	95 ,,		0.0	0.9	*7	62	11		υ0	27
11	96 ,,	-	0.0	1.2	11	63			0.0	16
11	107 ,,		0.0	37	7.7	64	11	~-	00	14
1)	111 "		0.0	15						
,,	113 ,,		0.0	<b>2</b> 2	<b>स</b> डोदे	26	, ,		0.0	1.4
11	114 ,,		0.0	1.1	71	28	11		0.0	23
11	118 ,,		0.0	38	71	43	,,		0.0	57
11	120 ,,	<del></del>	0.0	23	J r	48	A		0.0	18
शि <b>ख</b> ले	5 ,,		0.0	1.5	71	54	,,	_	0.0	06
n	5 ,,		0.0	15	11	68	17		0.0	0.5
n	6		0.0	0.1	,,,	69	11		0.0	23
11	10		0.0	07	,11	70	17		00	05
11	11		0.0	02		7 4	"	- <del></del>	0.0	18
**	12 ,,		0.0	0 <b>7</b>	,,,	75	1)		00	09
"	3 1		0.0	0.7	17	78	11		0.0	37
"	35 ,,		0.0	04	17	79	11		00	32
"	41,		0.0	11						
,,	42 ,,		0.0	0.2				[कमांक 120	) 1 6/3 1/8 2 <b>-पो</b>	•-!I]

**S.O. 3091.**—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleom Products from Bombay to Pune in the State of Maharash ta through Pipeline and that said Pipeline is to be laid thio, go the agency of Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay.

And whereas, it appears to Central Government that for laying pipeline it is necessary to acquire the Right of User in respect of the lands appended to believith in schedule

Now, therefore, in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3 (i) of Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) AO 1962 (50 of 1962), Central Government notify their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipeline through above mentioned lands may prefer an objection within 21 days of the publication of this notification before the competent authority Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay Pune Pipeline Project, Fiels Refinery, Corndor Road Bombay-74.

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself of through any lawyer appointed by him.

SCHEDULE

Pipeline f. om Nagdoli to Nadode Talnka: Kalapur.

•	Dist Raigro	d. Maharashtra		
Vill-ge	Survey No. G No.	Hissu No.	Area	
	2		Н	R
N gdoli	59 P rt		00	06
,,	60 ,,	_	00	06
	61 ,,	_	00	07
••	62 ,,	****	00	07
11	63 ,,	-	00	22
**	64 ,,	-	00	13
**	83 ,,	_	00	73
,,	84 ,,		00	07
,,	8.5 ,,		00	22
11	90 ,,	_	00	18
11	91 ,,	-ine	00	07
,,	92 ,,		00	13
,,	95 ,,	-	00	09
11	96 ,,	_	00	12
19	107 ,,	_	00	37
**	111 .,	-	00	15
,,	113 .,	-	00	22
1)	114 .,	_	00	11
,,	118 ,,	-	00	33
**	120 ,,	-	00	23
Shikhli	4 .,	-	00	15
11	5 ,,		00	15
*,	6 .,		00	01
*1	10 ,,		00	07
••	11 ,,		00	02
17	12 ,,		00	07
11	34 .,	-	00	07
**	35 ,,		00	04
**	41 ,,		00	11
••	42 ,,	~	00	0.5
11	43 .,	~-	00	18
,,	51 ,,	Series -	00	04
**	54 ,.	~-	00	01
*1	55 ,,		00	10
51	56 ,,		00	04
**	57		00	1.5
17	600 ,,	<del>_</del>	00	22

1	2	:	3		4	5
- — Wanwe		 Prt			00	07
11	2			_	00	11
*'	3	7.7				09
**	, 4	• •			00	
**	14	11			00	04
17	15	11			00 00	26
**	27	7.5			00	<b>0</b> 7
**	32	• 1			00	07
"	32 46	••			00	04
**	47	11		• -	00	01
**	48	**			00	04
1)	50	**			00	09
**	50 51	**		~	00	0.5
,,	52	11			00	16
Nimbode	30	**			00	05
	34	11			00	02
7,7	36	**		_	00	14
**	37	,,			00	20
**	41	11			00	23
**	56	,,			00	38
11	58	"			00	22
••	59	•••		_	00	07
11	62	,,			00	10
**	63	""		-	00	27
,,	64	**			00	16
,, Nadod <b>e</b>	26	,,			00	14
	28	"			00	23
,,	43	,,			00	57
17	48	**			00	18
**	54	11			00	06
**	68	"			00	05
71	69	**			00	23
**	70	**			00	05
**	74	17			00	18
17	75	,,			00	09
"	78	*1			00	37
**	79	17			00	32
_'''						

का आ 3092-- यत केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लॉकहित में यह पावण्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में बम्बई से पूणे तक पेट्रोलियम पदार्थी के परिवहत के लिए पाईन लाईन हिन्दुस्तान पेट्रालियम कार्योग्णन द्वारा बिछाई जानी चाहिया।

INo. 12016/31/82-Prod.

ग्रीर यस यह प्रतीत होता है कि ऐसा लाईनो को बिछाने के प्रयोजन के लिए एस्थ्याबद्ध प्रमुद्ध में वर्षित भूमि से उपयोग का अधिकार प्रजित करना श्रावश्यक है।

मतः भव पद्गोलियम भ्रीर खितिश पाइप लाइन (भूमि में उत्थाल के श्रीधवार का श्रीत) भ्रीधिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त एक्तियों का प्रयाग करते हुए के लीय सरकार ने उसमें उपयोग का भ्रिधकार भ्रीत । करने का स्वतना भ्राणिय एनद्वारा भ्रीयि क्या है।

बणमें कि उक्त भूमि में हिनवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नी वें पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेणन लिमिटेड, बम्बर्ड पूर्णे पाइप लाइरस प्रोजेक्ट प्रमुखेल रिफायनरीज-लाई में करिडोंग रोष्ट बम्बर्ड को इस प्रधिसूचना की नारीख में 21 विनों के भीतर कर सकेगा।

ع للأن المحاصلة المعطالة للانتيان المانيين

श्रीर ऐसा आक्षेप करने याला हर व्यक्ति यिनिदिष्टम यह भा कथन करोगा कि क्या यह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसार्य, को मार्फत ।

अनुमूची पृष्ठप-लाईन भक्षावरे से नौयगात्र तक नालका मध्यल, गांव महावरे, जिला पुणे

गांव	77 खासरी नम्बर	हिस्सा नम्बर	— - —		
			हेक्टर- एर	इर	
— —— मृहावरे			00	4.5	
"	91 "		0.0	21	
11	93 "		0.0	13	
n	η4 "	-1-1	0.0	0.1	
JI.	96 "	<b>→</b>	0.0	11	
17	102 "	- <del></del>	00	2.2	
11	101		0.0	28	
11	110		0.0	26	
"	111 "		0.0	0.8	
11	112		0.0	33	
11	113 "		0.0	27	
J1	111 "		0.0	01	
11	125 "		0.0	01	
11	80 "	<b></b> -,	0.0	14	
J+	85 "	<b>→-</b>	0.0	49	
बलक	86 कः भाग		0.0	14	
11	87 "		0.0	26	
वडिवले	10 क(भाग		0.0	23	
31	15 "		0.0	20	
"	16 "		0.0	16	
n	17 "	···-	0.0	23	
13	18 "		00	03	
n	23 "		0.0	0.3	
11	24 "		0.0	21	
11	25	~=	0.0	37	
tr	27 "		50	0.5	
"	28 "		0.0	19	
नायगोव	81 का भाग		00	0 6	
Ш	86 "		0.0	5 1	
D	87 "		0.0	12	
33	88 "		0.0	16	
"	89 ''		0.0	26	
71	135	<del>-</del>	0.0	4 3	
17	136		0.0	0.8	
"	148 "		0.0	22	
*)	149 "		0.0	21	
		 [क्रमाक 120	16/32/82-9		

S.O. 3692.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra through Pipeline and that said Pipeline is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation Limited. Bombay.

And whereas, it appears to Central Government that for laying pipeline it is necessary to acquire the Right of User in respect of the lands appended to herewith in schedule

Now, therefore, in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3 (i) of Petroleum and Minerals Pipe-

lines (Acquisition of Right of User in Land) AO 1962 (50 of 1962) Central Government notify their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above.

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipeline through above mentioned lands may prefer an objection within 21 days of the publication of this notification before the competent authority Hindust in Petroleum Corporation Limited Bombay Pune Pipeline Project, Fuels Refinery, Comidor Road, Bombay-74.

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself or through any lawyer appointed by him.

#### **SCHEDULE**

Village: Mundaw re to Naigaon

Tq: Mawal Dist: Pune, Mahari shtia State

Villago		ey No.	Hissa No.	Aieï	
	<b>G</b> .	No.		Н	R
Mundaw re		 Virt	<del>-</del>	00	 45
,,	91	**		60	21
19	93	1,		00	13
,,	94	,,		00	01
**	96	11		00	11
,,	102	11		00	22
**	101	71	-	00	28
**	110	••		00	26
11	111	.,	_	00	-80
**	112	**	_	00	33
**	113	,,		00	27
**	114		-	00	01
**	125	**		00	01
,,	80	**	-	00	14
11	85	••		00	49
W. lak	86	33	-	00	14
,,	87	**		00	26
Wadivale	10	••		00	23
11	15	**	_	00	20
11	16	,	_	00	16
••	17	**	-	00	23
11	18	**		00	03
,	23	• •	_	00	03
**	24	**	<del></del> -	00	21
**	25	**		00	37
**	27	**		00	05
,	28	17	_	00	19
Naig on	18	,-	_	00	06
••	86	• •		00	54
11	87	**	_	00	12
,,	88	11		00	16
,,	89	,,	_	00	26
19	135	11	- 4	00	43
,,	136	11	_	00	08
**	148	11	-	00	22
17	149	,,	_	00	21

का० आरं० 3093---पन केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि महा १२८३ राज्य में बम्बई में पूर्ण तक पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहत के लिए पार्डप लार्डन हिन्द्रस्तान

पेट्रोलियम कार्पोरेशन द्वार, बिछाई जानी चाहिये।

भीर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को तिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार भ्राजित करना आवस्यक है।

[No. 12016/32/82-P od. I]

प्रताप्त प्रदेशितयम और खितज पाइप लाइन (भूमि में उपया के अधिकार का अर्जन) अधिनयम, 1962 (1962 का 50) को धार उ की उपधारा (1) द्वारा अदल मिक्तियों का प्रयोग करते हुए केर्द्राय सरकार ने उसमें उपयाग का अधिकार अजित करने का अपना आणय एतद् द्वार घोषित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हितबड़ काई व्यक्ति, यस भूमि के ने जे पाइप लाइन बिए ने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकार , हिन्दुस्तान पेट्रालियम कारपारेणन लिभिटेड, बस्बई पूर्णे पाइप लाइन्स प्राजेस्ट प्यूबेन रिफायनर ज. कारिडॉर रोड, बस्बई काइम प्रधिसूचना के नारीख से 21 दिनों के भीना कर सकेती।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने बाला हर व्यक्ति विनिदिष्टन यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगन हा या किसी विधि व्यवसाधी की माफन ।

अनुसृष्यी गाथ : शिलाटने, नालुका माथल, जिला पूर्णे, राज्य . महाराष्ट्र

गाव	खासरा न०	हिस्स। नबर	क्षेत्र	क्षेत्रकल	
		•	हेस्टर -	- <u>ग</u> ्यर	
 गिलाटने	<u>-</u>		00	11	
11	5 "		0.0	1 9	
11	6 "		0.0	26	
1)	7 <b>"</b>		0.0	15	
1	8 "		0.0	01	
11	10 "		0.0	03	
11	165		0.0	18	
11	187 "		0.0	18	
11	188 "		0.0	12	
1)	189 ''		0.0	09	
11	190		0.0	12	
***	192 "		0.0	0.9	
1	193		υn	0.4	
	195		0.0	2.1	
1	197	-	0.0	0.5	
	198		0.0	17	
11	149		0.0	0.1	
	200	_	0.0	0.7	
7	201	<b></b> •	0.0	16	
j.	205		00	0.1	
	215		0.0	13	
11	2+6	-	0.0	0.1	
	_ [ 4	-	0.0	21	

S.O. 3093.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra though Pipeline and that said Pipeline is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation Timited, Bombay.

And whereas, it appears to Central Government that for laying pipeline it is necessary to acquire the Right of User in respect of the lands appended to herewith in schedule.

Now, therefore, in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3 (i) of Petioleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Use) in I and) AO 1962 (50

of 1962) Central Government notify their intention to acquire the Right of user in the land, referred to above.

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipeline through above mentioned lands may prefer an objection within 21 days of the publication of this notification before the competent authority. Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay Pune Pipeline Project, Fuels Refinery, Corridor Road, Bombay-74.

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself or through any lawyer appointed by him.

#### **SCHEDULE**

Village	Surve	y No.		$\Lambda_{ m rea}$	
	Güt	N	H sta No.		 R
Shilatane	4 P	 'art		00	 14
• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	5		_	00	19
**	6	11	_	00	26
7.1	7	••		00	15
••	8	,,	_	00	01
,,	10	**	_	00	03
	165	13	_	00	18
1,	187	••	_	00	18
.,	188	,,		00	12
1.8	189	*3	_	00	09
13	190	.,	_	00	12
••	192	, .		00	09
,,	193	**	_	00	04
*1	195	,,		00	21
••	197	**	_	00	05
,,	198	,,		00	17
**	199	**		00	01
11	200	**		00	07
• •	201	.,	-	00	16
	205			00	01
• •	215	**		00	13
- •	216	,,	_	00	04
••	219	**		00	24
- ———		- ~			

[No. 12016/32/82 Prod-II]

नई दिल्ली, 16 प्रश्नमन, 1992

कार अर्थ 3094.— यत निर्माय सरकार का यह प्रतीत होता है कि लाकहित से यह प्रावश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य से गर्थ में गुण तक पेट्रॉलियम पदार्थ के परिवहत के लिए पाईप लाईन हिन्दुन्तान पेट्रॉलियम कारपारेशन द्वारा बिकाई जानी जाहिए।

श्रीर यत यह प्रवीत होता है कि ोर्यः लाईनो का विछाने के प्रयोजन के लिए एतदराबद श्रमुसूर्यः में बर्णिन भूमि में उपयोग का श्रीधकार श्रीजन करना अवस्थक है।

अत अप पेट्रालियम और खानिज पहुप लाइन (भूमि में उपयाग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा अकी उपयाग (1) द्वारा अदल शिकार जीता करते का असा, अस्म एनद् द्वारा वे उसमे उसमेग का अधिकार जीता करते का असा, अस्म एनद् द्वारा वोषित किया है।

बशर्ति उक्त भृमि में हितबह कोई व्यक्ति उर भृमिकेतं वे पाइप लाइन बिछाने के लिए बाक्षेप सज़न प्राधिकारी, हिन्दुस्तान पेट्टीलियम कारपोरेशन जिमिटेश, बम्बई पुणे पाइप लाइन्स प्रोजेक्ट प्रयुक्तेल रिफायनरीज कॉरिकोर रोड बम्बई को इस श्रिध्सूचना की नारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने बाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टन यह भी कथन करेगा कि क्या बह यह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची
पाइप-लाईन देवद से विखुने लक---सालुका . पनवेल जिला रायगड, राज्य महाराध्द

गॉन	<b></b>	£	भेवफल	
	स्त्रमरा नम्बर	हिस्सा नम्बर -	.= हे <b>स्ट</b> र	 ऐयर
देवद	17 का भाग		0.0	1.5
11	21	<del></del>	0.0	37
11	25 "		0.0	18
11	26 "		0.0	2.2
1)	{1 ''		0.0	1 1
11	71 "		0.0	0.7
	72		0.0	15
विचुने	17 का भाग		60	0.7
. "	20 "		0.0	15
11	21 ''		0.0	0.7
"	26		0.0	0.7
11	27 "		0.0	0.7
<b>,</b> , ,	28 "		0.0	()
"	62 ''		0.0	2 6
"	6.3		0.0	2
71	64		0.0	1
11	65		0.0	0
11	68 "	<b></b>	0.0	0.
11	56		0.0	1
1)	7 4		0.0	U
**	7 5		0.0	0
णि <b>व-</b> धर	75 का भाग		0.0	0
91	79 ''		0.0	0
*1	80 "	<del>-</del>	0.0	0
) ;	81 ,,		0.0	1
,,	87		0.0	1
J1	84 ''		0.0	1
11	90 ''		0.0	1
17	129		0.0	()
11	149 ''	~	0.0	σ
1)	150		0.0	()
*11	151	-	0.0	0
11	168	<del></del> -	0.0	4
11	192 "	<b></b>	0.0	0
11	193 "		0.0	2
11	195		0.0	0
11	206		0.0	0
13	207		0.0	2
ब,रबाई	<b>∤क</b> िभाग		0.0	0
,,	4		0.0	1
11	$1.2^{l}3$ "		0.0	1
*1	12/8		0.0	1

वि	<b>धा</b> सर। नम्बर		हिस्सा नम्बर	ସମ ନୋକୀ ମ	
11	<b>W</b> 17117		।१८००मा नास्त्रा	न नामा =ार न हे <b>म</b> इंग	ारेयर
— । रवाई	12/9	काभाग		0.0	09
11	13	11		0.0	01
11	23	r1		0.0	29
"	26	11		0.0	1.1
11	27	11	- ,	0.0	13
,	.3 4	i	· -·	0.0	11
71	3.5	1		10	1 5
11	36	11		0.0	29
TI .	.37	11		0.0	20
11	5.5	<i>y</i> •		0.0	0.2
11	57	17		0.0	15
11	<del>6</del> 0	17		0.0	0.4
11	66	,		0.0	1.1
**	68	*1		0.0	29
1	69	11		0.0	16
1	70	,	-,	0.0	04
0	79	17		0.0	45
r	42	*1		0.0	0.4
"	y ŋ	11		0.0	04
17	102	11		0.0	68

[क्रमाक 12016/30/82/प्रो०-I]

अंसफल

5.0, 3094.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra though Pipeline and that said Pipeline is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay.

And whereas, it appears to Central Government that for laying pipeline it is necessary to acquire the Right of User in respect of the lands appended to herewith in schedule.

Now, therefore, in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3(i) of Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) AO 1962 (50 of 1962) Central Government nonly their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above.

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipeline through above mentioned lands may profer an objection within 21 days of the publication of this notification before the competent authority Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay Pune Pipeline Project, Fuels Refinery, Corridor Road, Bombay-74.

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either nimself or through any lawyer appointed by him.

SCHEDULE
Pipeline From: Deved to Shivker.

Taluk : Panvel, District . Raiged. Mich rashire.

--

Village	Survey No.	Hissa	Area	
	Gat No.	Nυ.		
			H	R
Deva d	17 Part		00	15
**	21		00	37
11	25	_	00	1.8
**	26		00	22
**	41	_	00	11

Village	Surve	y No./Gut No.	Hissa Nie	ARE	\		3095 - ∼यन चंन्द्रीय स			
			No.	- Н	R.		यह द्यावस्यक है कि मह			
	-	_		_	-	·	त्यों क परिवाहन के लिए 		श्रुस्तान पर्	झालयम
Dev d	71	Part	_	00	07	क्षपारशन हा	र। बिछाई जीर्ना चाहिसे	ı		
1 -	72	**	_	00	15	ਜੂ∖, ਤਾ	यह प्रतात होता है कि	3 <del>- 2 - 2 - 2 - 2 - 2 - 2 - 2 - 2 - 2 - </del>		
/Inchande	17		_	00	07					
	0	••	_	00	15		पः । यद् अनुसूर्चः। में विणितः भ	प्रमास उपयोग क	। श्रीधकार	भ्राज्य <b>ा</b>
,,	21	,	-	00	07	भागनी फ∣बाध	रक है।			
,,	26	,	-	00	Q7	<b></b>	ोट्रालियन ग्रीर खनिज	m = = = = = ( \= ' \= '	·- +	we1r ÷
•	_7	•		00	07					
• •	28		_	00	09		अर्जन) अधिनियम 196			
**	62	•		00 00	26 22		(1) द्वारा प्रदत्त मिस्याः २००७			
••	63 64	••	_	00	18		प्रोग का अधिकार अर्जित	करन का ग्राना	श्रामा प्	ख् <b>डा</b> र
"	65	**	_	00	07	मोपित किय।	<b>F</b> 1			
**	66	11	-	00	11	सलाई कि	: उक्क स्ट्रीय के विकास क	r£ +==== → += +=	Ster Ser of ke	-inore
**	68	**		00	03		उक्त भूमि में हिन <b>बढ़ क</b>			
1.4	7 <b>4</b>	••	_	00	08		पे के लिए प्राक्षेप सक्षम 			
,,	75	**	_	00	09	कारपारशनार	समिटड अस्मही पूर्ण पाटप	ल≀इन्स प्राजक्टा	म्युधाल वि	″फायन-
					00		र रोड बस्बई को इस अ	धमूचना की लाग	किया में 2	। दिन
Shivk#r	75	•		00	09	के भीतर कर	सकेग(।			
• •	79	1	_	00 00	05 09	_ <b>a_</b> .a		5 4 6 5		
,	80 81	,	_	00	11		ा ग्राक्षप करने बाला हर			
11	87			00	10		प। <b>मह</b> ्यह चाहना <b>है</b> कि	उसकी सुनवाई	<b>व्यक्तिग</b> त	हो य
**	89	,,	_	00	14	किसी विधि व	ध्यनसार्वाको मार्फन ।			
12	90		_	00	14					
, .	129	21	_	00	07		अनुसूची			
**	149	71	-	00	09					
19	150	**	-	00	08		षाक्ष्य-लाईन रास से	धारती तक		
				00	0.5	ন <b>ৌস</b> ।	<b>काला</b> ग्रं जिला र	विगष्ट राष्ट्	<sup>ह</sup> य महारा	œ
,	151	•	-	00 00	05 46	<u>-</u>				
••	16 <b>8</b> 192	**	_	00	03				<del>ti</del> ta	म्प्र-न
	1 93	**	_	00	23	गवि	स्वयम् सम्बद	विस्सान स्यर		
••	195	••		00	03				द्रस्ट∙	_ û
,,	206	••	-	00	0.2					
,,	207	**	_	00	27	गम	59 <sup>त</sup> का भाग	_ <del>_</del>	0.0	52
				00	0.5		102	<del></del>	0.0	0.5
Barveec	3	**		00 00	06 12	,	107		0.0	3 9
• •	4 12,3	**	_	00	15		11		0.0	
	12/8	•		00	11	,	11,			11
**	12/9	**		00	09	,		- <del>-</del>	0.0	1 1
**	13	4.2	_	00	01		115		0.0	23
**	23	**	-	00	29	<b>स</b> र्ग ग्रिक्स	ा का भाग		0.0	0.4
,,	26	**	-	00	11		1,	<del>-</del> -	0.0	18
11	27	13		00	13	,	35		δo	01
			_	00	11				0.0	38
,,	34	**		00	1.5	,	3.6		1117	
"	3.5	••	_	00	15	,	36			0.1
	35 36	••	<u> </u>	00	29	,	17		0.0	
19	35 36 37	••	<del>-</del> -	00 00	29 20	,	17 19	 	0.0	
17	35 36 37 55	••	- - 	00	29 20 02	,	17 39 41	 	0.0	1 5
19 19 19 12 22	35 36 37	••	- - - -	00 00 00	29 20	,	17 38 41 1'	  	00 00 00	15 07
17	35 36 37 55 57	** ** ** ** ** **	- - - - -	00 00 00 00 00	29 20 02 15 04 11	, ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	17 38 41 12 41	   	0.0	15 07
17 14 17 12 27	35 36 37 55 57 60 66 68	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	- - - - -	00 00 00 00 00 00	29 20 02 15 04 11 29	,	17 38 41 1'	   	00 00 00	15 07 53
9 9 9 9	35 36 37 55 57 60 66 68	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	    	00 00 00 00 00 00 00	29 20 02 15 04 11 29 16	,	17 38 41 12 41	    	0.0 0.0 0.0 0.0	15 07 53
9 9 9 9 9	35 36 37 55 57 60 66 68 69 70	** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** **	-	00 00 00 00 00 00 00 00	29 20 02 15 04 11 29 16 04	,	17 38 41 41 41 97		0.0 0.0 0.0 0.0	1 5 0 7 5 3 1 5
9 9 9 9 9 9	35 36 37 55 57 60 66 68 69 70	** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** **	-	00 00 00 00 00 00 00 00 00	29 20 02 15 04 11 29 16 04 45	,	17 38 41 41 41 97		00 00 00 00 00	15 07 53 15 01
9 9 9 9 9 9 9 9 9 9	35 36 37 55 57 60 66 68 69 70 79		-	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	29 20 02 15 04 11 29 16 04 45	,	17 38 41 41 41 97 10 103		00 00 00 00 00 00	15 07 53 15 01 26
11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11	35 36 37 55 57 60 66 68 69 70 79 92	*** *** *** *** *** ** ** ** ** ** ** *	-	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	29 20 02 15 04 11 29 16 04 45 04	,	17 38 41 41 41 97 103 101 "		0.0 0.0 0.0 0.0 0.0 0.0 0.0	15 07 53 18 01 26 18
11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11	35 36 37 55 57 60 66 68 69 70 79			00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	29 20 02 15 04 11 29 16 04 45	,	17 38 41 12 41 97 103 104		0.0 0.0 0.0 0.0 0.0 0.0 0.0 0.0	7.2 1.5 0.7 5.3 1.5 0.1 2.6 1.8 2.0 1.5

खासरः नम्बर - 149 के (भाग 151 155 '	ाहस्सी नेस्कां =  	 हैनट <sup>र</sup> - - 00	 _ क् <sub>थि</sub> र
151		0.0	
_			} }
155		0.0	0.5
	<del></del> -	0.0	0.1
6 का भाग		0.0	43
1		0.0	0.4
13	¬ <b>-</b>	0.0	, ;
19 '		0.0	14
3.0		0.0	1.1
იი		0.0	2.2
68		0.0	1.2
(, 0)		0.0	40
70	<del></del>	0.0	I b
71		0.0	18
7		0.0	1.3
1 वहां भी ग		0.0	() 4
, ,		0.0	18
3		0.0	, 1
11		0.0	2.3
1		0.0	0.2
		0.0	<i>4</i> 7
		0.0	0.7
.,		0.0	26
•			24
,	<del></del>		15
			11
,			0.7
			1.5
			11
			12
			11
			3 3
			15
			44
	— <del></del>		0.4
	<del></del>		77.4 7.6
	1.3 1.9 3.0 6.6 6.8 7.0 7.1 7 1 聚作 भीग 7 1.3 1.5 3.0 3.3 3.4 3.5 3.4 4.5 4.6 2 枣1 भाग 3 '''  4.7 4.7 4.7 4.7 4.7 4.7 4.7 4.7	1.8 1.9 2.0 6.6 6.8 6.9 7.0 7.1 7 1 秋( भाग	13

S.O. 3095.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtia though Pipeline and that said Pipeline is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation I imited, **Bombay** 

[अमाक 13016/30/९ -पोर-II]]

And whereas, it appears to Central Government that for laying pipeline it is necessary to acquire the Right of User in respect of the lands appended to herewith in schedule.

Now, therefore, in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3 (i) of Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Uset in Land) AO 1962 (50 of 1962) Central Government notify their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipeline through above mentioned lands may prefer an objection within 21 days of the publication of this notification before competent authority, Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay Puno Pipeline Pioject, Fuels Refinery, Coiridor Road, Bombay-74

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself or through any lawyer appointed by him.

#### SCHEDULE

Pipeline From Recs to Dharri

Village	Survey No./	Hissa Nv.	ΑŖJ	3 1
	Gat No		— Н	R
Rees	59A Pert		00	- 5
	102 .,	_	00	0:
••	107	-	00	2
.,	111 .	- -	0)	11
``	112		00	1
•	118		00	2.
	1 .			
Lodhivalı	4 .,	_	00	0
••	35 ,,		00 00	1 ·
	36	-	00	38
**	37	_	00	0
**	38	_	00	2:
**	41 ,		00	1:
**	4.7		00	0
**	44	<del>_</del>		
**	97	_	00 00	5.
••	102	_		13
• •	102 .,	_	00	0
••		_	00	20
33	104		00	1
	105 ,,	_	00	2
••	110 ,,		00	1:
**	111	_	00	0
••	112	_	00	1.
Nedhal	149		00	3.
••	151	_	00	0
••	155 ,,	_	00	0
Szrang	6 Peit	_	00	.1
	12	_	00	04
••	13		00	2.
	19	=	00	2
••	IO	_	00	1
**	66	-	00	2.
**	68	÷ -	00	1.
**	69	-	00	20
,,	70		00	1
**	71		00	4
•	72		00	1.
Asioti	1 .,	-	00	0
	2 .,		00	1
**	3 .,		00	2
	11 .,		00	2
••	12	~	00	0.
**	13 ,.	- •	00	2
**	15 .,	•	00	0
.,	30	-	00	2
, ,	32	_	00	2:
**	34	_	00	1.
••	35		00	1

45

46

00

00

00

07

15

11

[भाग ][क्राण्ड 3(ii)] भा			भारत का राजपन्न मितस्वर 4, 1982/मात्र 13, 1904							<del></del>	
Village		e / No.	Hissa			गं।व	खसरा	न <i>म्बर</i>	(हम्प) सम्बर	ধ্যুদ্রগদ	
	G it No.	No.	No.	Н	<b>R</b>				1164.	है≉टर	ऐसर
Dharni		Part		00	42	 ত্রাক্রী <b>অ</b> র্হ	241	का भाग		0.0	04
11	1	,	_	00	11	***	244	11	~~	0.0	10
**	4	17	_	00 00	33 18	1	245	,	~ .	() ()	05
**	10 11	**		10	44	,	246	,	<u></u>	0.0	0.7
**	14	**	_	00	01	,	262	11		0.0	18
,,	15	**		00	26		264	,,		0.0	2.5
						,,	265	,		0.0	J 1
		۸]	vo. 12016/30/8	2.Prod.	1(]	1	266			0.0	04
						,	268			0.0	0.1
					_		273			0.0	0.1
	कां आं 3096यन केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीन होता है कि						274			0.0	34
लोकतिन में यह भावश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में बंबई से पुणे तक					,	276	11		0.0	16	
पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिये पाईप लाईन हिन्दुस्तान येट्रोलियम				लयम	· ·	279			υU	02	
कार्पोरियान द्वारः	। बिछाई ज	भी चाहियं।				,	369	17		0.0	20
भीर यन	ਸਵਾ ਚਰੀ:	ਸ਼ਾਈ ਜ਼ਰੂਟੀ ਇ	क ऐंसी लाईनी	क्या क्रिया	जे के	,	370	,		0.0	18
			के इसा आक्रमा मे अणिन भूमि			साणें	324			0.0	0.3
श्रुधिकार अजि	,		1 11-21 1/11	3141.	וייד ו		325	'		00	13
आन्तातः आस		414-41, (3 1				11	327	,		00	01
भ्रतः भ <b>य</b>	पंदोलियम	ग्रीर खनिज प	।।ईप लाईन (भृ	मिमें इ	यस्य ।	11	330	11		00	42
			62 (1962 新)			12	331			0.0	17
			थों क। प्रयोग कर	,		11	332	,		0.0	01
			प्रजित करने का	•		,	337	,,		0.0	12
एनद्द्वारा धार्							341	.,		00	25
•						,	343	,,		00	
			कोई ध्य <b>भि</b> त, उस	•			361	.,	<b></b>	00	
			सक्षम प्राधिक		,	,,	364	i.		0.0	
			गुणे पाईप लाईन			,,	365	19		0.0	
			इम ग्रधिस्चना	की भारी	स्त्र से	,	366	,,		. 00	
2.1 दिनों के	भीतर कर	सकेगा।				'7	367			. 00	_
और ऐस	ग भाक्षेप क	रने वाला हर	व्यक्ति विनिद्धिटन	यह भी	कथन	11	383			0.0	
			उसकी सुनवाई व			 खाउनाले	32		_	0.0	
किसी विधि			5			omerst t	3.1			- 01	
	,					,	34			- 01	
		अनुसुच	î:			,,	35			0.0	
						,,	53			- 00	
	ď	ल ० ए० के वन०	15/82			"	5.5			- 00	-
			में कारक के बक				5 6		-	- 0(	

"

[零माक 12016/42/82-Xfo-l]

() ()

0.0

प्रमु० गुमु० गायल, निदेशक

09

36

1 I

गईपलाईन टाकबे खुर्द में खड़काले तक

तालुकाः मध्यल	जिता पृणे	राज्य मैहाराष्ट्र			
—— — — गाव	 ख्रुसर(नेम्बर	- क्रिम्स। नम्बर	- क्षेत्रफल		
		ग्राम	है <del>ग</del> टर	- <b></b> प्रेयर	
1	2	3	4	5	
— टाकये <b>खु</b> र्द	69 <b>का भा</b> ग		0.0	01	
,,	70		0.0	0.5	
11	76 ,,		0.0	0.2	
"	77 .,	- •	UΠ	57	
11	81,		0.0	3.1	
"	$2 \ 1 \ 2$	<del>-</del>	0.0	20	
1	219 ,		0.0	19	
11	239		0.0	0.1	
—					

S.O. 3096.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra though Pipeline and that said Pipeline is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay.

57

69

70

And whereas, it appears to Central Government that for laying pipeline it is necessary to acquire the ight of User in respect of the lands appended to herewith in schedule.

Now, therefore, in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3 (i) of Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) AO 1962 (50 of 1962) Central Government notity their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above.

above having	having his interest any objection for la	aying the Pipe	line th	rough	Village	Sur	rvey No.		Hırsa N⇒		Area
days of the pu	ed lands may prefeablished and and an edge of this potential and the profession of this potential and the prefeat of the prefe	ification before	the e	ompe-					.,.	H	R
	Hindustan Petroleu Pipeline Project, Hue				Takaye Khurd	2 <b>74</b>	.,		_	00	34
Bombay-74.		,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,			,,	276	,,		-	0)	16
					15	279	,,		_	00	02
All persons	having any objection	n may also s	late w	hethei	11	369	,,		_	0)	20
any lawyer apr	be heard in person sointed by him.	eitner nimsell	וט דו	ii Ou <b>gn</b>	11	370	••		-	00	18
		L.A. Case	No. I	5/8 ?	**	324				00	03
				.,	17	325	,,			00	13
	SCHEDU	ĹĖ			**	327	,,			00	01
701 11 27 I -	776 . A /- 176df	1			11	330	**		_	60	42
	ve Khurd (o Khadi	care State : Miha	-achtn		••	331	,,		_	00	17
Tal: Maval,	Dist; : Pune	State : Mitha	Lazuti	_	••	332	• •		_	00	01
Village	Gut No.	Hissa	ΑR	,EA	,,	337	• •		_	00	12
		No.			17	341	<b>3</b> 1		_	00	25
			H	R	2.5	343	••			00	24
Takave Khurd	69 Part	- <u>-</u>	00	01	**	361	31		_	00	54
11	70 ,,		00	05	**	364	••		_	00	40
• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	76 ,,	_	0)	02	1)	365	• •		-	00	03
"	77 ,,	_	00	57	••	366	**		_	00	57
11	81 ,,		00	34	11	367 383	21		_	00	03
**	212 ,,	.—	00	20	",	נחנ	**			0)	26
,,	219 ,,		00	19	Khadkale		Part		_	00	03
,,	239 ,,		00	01	11	33▲	11		_	00	53
11	241 ,,	_	00	04	11	34	**		_	00	36
* )	244 ,,	_	00	10	••	3.5	**			07	46
11	245 ,,	-	00	05	**	53			_	00	09
13	246 ,,	_	00	07	**	55	,,		—	00	22
,,	262 ,,	_	00	18	11	5 <del>6</del>	,,		-	00	55
,,	264 ,,	_	00	25	1,	57	**		-	00	0.5
**	265 ,,		00	11	, ,	69	,,		-	00	36
1)	266 ,,	_	00	04	,,	70	,,	_		00	11
**	268 ,,	_	00	01				[No. I	2016/42/8	–– ~ 2-Prod	_ ·
	273 ,,		00	01					GOYAL.		•

# नागरिक पूर्ति संजालय

## भारतीय मानक तस्त्रा

नई दिल्ली, 1982-08-10

कालआल 3097.——भारत के राजपन्न भाग II, खंड 3, उपखड (ii) दिनांक 1969-10-04 में क्रकाणित तत्कालीन ग्रीखोगिक विकास श्रांगिक ब्यापार तथा करपनी मामलो का महालय (ग्रीखोगिक विकास विभाग) (भारतीय मानक संस्था) ग्रीधेमूचना संख्या एग श्रो 4005 विनाक 1969-09-16 के ग्रांजिक क्रय में सशोधन थरने हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा श्रीधेसूचित किया जाता है कि रेड जिक श्राक्साइड काम का वायु शुष्क प्राहमर हेने के लिए तैयार मिश्रित रग रोगन के मानक चिक्क में कुछ संशोधन किया गया है। मानक चिक्क की यह संशोधित डिजाइन तत्संबधी भारतीय मानक के शोषेक ग्रीर डिजाइन के शाबिक विवरण महित नीचे ग्रनुसूची में दी गई है।

भारतीय मानक संस्था प्रमाणन जिल्ल (अधिनियम 1952) श्रीर उसके श्रधीन बने नियम श्रीर विवियम के कार्मी के लिए यह मानक जिल्ल 1981-93 16 में लाग् होगा।

		<b>भन्</b> सची	
	उत्पाद/उन्पाद की श्रणी	तरमंबंधी भारतीय मानक की पत्र संख्या धौर शीर्यक	मानक चिह्न के डिगाइन का शास्त्रिक विवरण
$\overline{(1)}$ $\overline{(2)}$	(3)	(4)	(5)
	रेड जिक झाक्साइड कोम का वायु मुख्क प्राइमर देने के लिए, तैयार मिश्रिन रंगरोगन	IS 2074-1979 रेड जिक भ्राक्साइड क्षोम का बाय जल्क प्राइमर देने के लिए, लयार मिश्रिक रग रोगम की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक सत्या का मोनोग्राम जिससे  ISI जब्द होने है स्तम्भ (2) मे दिखाई  गई योली भीर भन्पात से तैयार किया  गया है और जैसा डिजाइम से दिखाया  गया है उस मोनोग्राम के जपर की भोर  भारताय सानक की संख्या श्रीर वर्ष  श्रीकृत किया गया है।

[स<del>च्</del>यासी एम डी/।३ : ँ०]

#### MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

#### INDIAN STANDARDS INSTITUTION

#### New Delhi 1982-08-10

S.O. 3097,—In partial modification of the then Ministry of Industrial Dovelopment, Internal Trade and Company Affairs (Deptt. of Industrial Development) (Indian Standards Institution) notification number S. O. 4005 dated 1969-09-16, published in the Gazette of India, P rt-II, Section-3, Sub-Section (ii) dated 1969-10-4, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark for ready mixed paint, air drying, red oxide-zinc chrome priming, h s been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design are given in the following Schedule.

This Standard M rk for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1981-03-16:

#### SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Ddesign of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. IS	S: 2074-79		IS: 2074—1979 Specification for re dy mixed paint, air drying, re-oxide-7inc chrome priming (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13:9]

का॰आ॰ 3098.--भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) के नियम 1955 के नियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा ध्रिधसूचि किया जाता है कि जिन भारतीय मानक चिन्हों की डिजाइन उसके शाब्दिक विवरण तथा तत्संबंधी भारतीय मानकों के शीर्षक सिंहन नीचे अनसची में विष् गए है न भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न ग्रिधिनियम 1952 ग्रीर उसके ग्रिधीन धने नियमो ग्रीर विनियमों के निर्मित्त यह मानक चिह्य प्रत्ये क के ग्रागे दी गई तिथियों से लागू होंगे

#### अन सची

			अनु सूचा		
• जम जम संख्या	मानक चिन्ह की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सबंधी भारतीय मानक की संख्या _ ग्रीर शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन को शाब्दिक विवरण	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
IS	S: 804–67	संपीड़ित इस्पान की श्रायमाकार टंकियां	IS: 804-1967 मंपीड़ित इस्पात की ग्रायताकार टकियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें  1S1 शब्द होते हैं स्तम्भ (2) दिखाई गई शैली और ग्रनुपात में तैयार किया गया है और जैसे डिजाइन मे दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की भीर भारतीय मानक की संख्या भीर वर्ष दिया गया है।	
<b>2</b> :]	IS 1748-81	ग्रफाइट भूषाओं के माइज	IS: 17481981 ग्रफाइट भूषाझों के माइजों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI जब्ब होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई ग्रैली ग्रीर श्रन्पात में तैयार किया गया है उस मीनोग्राम के उत्पर की ग्रीर भारतीय मानक की संख्या ग्रीर वर्ष दिया गया है।	1982-02-01
з. І	S: 4704-68	वांत भरने की रजत वंगग्रमल- गम मिश्रधातु	IS: 4704—1968 दांत भरने की रजस वंग प्रमलगम मिश्रधातु की विणिष्टि	-117	1982-03-01
4. I;	S : 7181-74	जल, गैस, झौर मल निकास क्षतिष ढलाई वाले लोहे के दोह फ्लैजदार पाइप	ज $1S$ : 71811974 जल, गैस भीर रे मल निकास क्षैतिज ढलाई वाले लोहे के बोहरे फ्लैजदार पाइपो की विशिष्टि	·-,,-	1982-03-01

S. O. 3098:— In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standard standard in Standard Marks) Rules, 1955 the Indian Standard distribution, hereby, notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto connexed, have been specified.

These St index Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder shall come into force with effect from the dates shown against each:

## **SCHEDULE**

SI. Design of the No. Standard Mark	Product/Cl ss of Product	No. and Title of the Relevent Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS: 804—67	Rectangular pressed steel tank	IS: 804—1967 Specifics tion for rectangular pressed steel tank (first revision)	The monogram of the Indian Strn ndards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	
2. IS : 1748—81	Sizes of graphite crucibles	IS: 1748—1981 Specific tion for sizes of graphite crucib- les (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	- 1982-02-01
3. IS : 4704—68	Silver-tin dentalamalgum alloy	IS: 4704—1968 Specification for silver-tin dontal amal- gum alloy		1982-03-01
4. IS : 7181—74	Horizontally cost iron double flanged pipes of w. ter, gas and sewage	IS: 7181—1974 Specification for horizont lly costiron double flinged pipes for wa- ter, gas and sewage	-do-	1982-03-01

[No. CMD/13:9]

का०आ० 3099.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम 3 के भ्रनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा भिर्मिषत किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस नीचे भ्रनुसूची में विष्, गए ब्यौरों के भ्रनुसार निर्धारित की गई है भीर ये फीस उनके सामने विखाई गई निथियों से लागू होंगी।

#### अनुसूची

क्रम उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी संख्या	तस्संबंधी भारतीय मानक की पद संख्या धौर शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने का मुक्क	लोभूँ होने की सिथि
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
<ol> <li>श्रायसाकार संपीडिन इस्पात की टंकियां</li> </ol>	lS: 804–1967 मायताकार संपीड़ित इस्पात की टंकियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	₹∘ 15.00	1982-03-01
2. ग्रफाइट भूषाझों के साहज	IS: 1748-1981 ग्रफाइट भूषाम्रों के स् साइजों की विशिष्टिट (पहला पुनरीक्षण)	गलन क्षमता ग्रक	<ol> <li>रु० 0.01 प्रति इकाई 'ए' झाकार वाले टोंटीवार झुके हुए झौर ऊपर से डालने वाली भूषाझों के लिए; झौर</li> <li>रु० 0.03 अति इकाई बेसिननुमा झौर, टोंटीदार बेसिन ममा भूषाझों के लिए</li> </ol>	1982-0201
<ol> <li>दोत भरने की रखत वैग ग्रमलगम मिश्रधातु</li> </ol>	IS: 4704-1968 दांत भरने की रजत वंग श्रमलगम मिश्रधातु की विशिष्टि	एक तिल्याल	<ol> <li>र० 5.00 प्रति इकाई, पहली 1000 इकाइपों के लिए</li> <li>र० 2.00 प्रति इकाई, 1001 वीं भौर इससे ऊपर भी इकाइपों के लिए</li> </ol>	1982-03-01

п	F	T'Y			,	
	धान		खंग्ह	31	111	ì
	11111			~ 1		,

भारत का राजपत . सितम्बर 4, 1982/भार 13, 1904

3143

				1002/112 10, 1001	02.5
1	2	3	4	5	6
निव बारे		7181—1974 जल, गैस ग्रौर म नेकास क्षैतिज ढलाई वाले लोहे के बोह स्लैजदार पाइपों की विशिष्टि	•	उ≎ 1,00 _	1982-03-01
			<del></del>		मिं सी एम की/13:10

[स॰ सी एम की/13: 10]

S.O. 3099.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regultions, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against e'ch:

**SCHEDULE** 

Sl. No.	Product/Cl ss of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	D. te of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	tectangul'r pressed steel ank	IS: 804—1967 Specific <sup>2</sup> tion for rectangular pressed steel tank (first revision)	One Tonne	Rs. 15.00	198 <b>2</b> -03 <b>-01</b>
2. S	izes of graphite crucibles	IS: 1748—1981 Specifice tion for sizes of graphite crucib- les (first revision)		(i) Re 0.01 per unit for 'A' shape, spouted tilting type and top pour type crucibles and (ii) Re 0.03 per unit for basin type and spouted basin type crucibles	1982-02-01
	ülver-tin dentalamalgum lloy	IS: 4704-1968 Specification for silver-tin dental am lgum alloy	_	(i) Rs 5.00 per unit for the first 1000 units and (ii) Rs 2.00 per unit for the 1001st unit and above	1982-03-01
b	Iorizontally cost iron dou- le flanged pipes for water, as and sewage	IS: 7181-1974 Specification for horizontally cost iron double flanged pipes for water, g s and sewage	One Tonne	Re 1,00	1982-03-01

[No. CMD/13: 10]

कारकार 3100--निम्मितिकत क्रमुसूची के स्तम्म 1 से 4 में जिन अधिमूचनाओं के स्वौरे दिए गए हैं, उनका आंशिक संशोधन स्वरूप भारतीय मानक संस्था की भीर से एनद्वारा प्रधिमूचित किया जाता है कि स्तम्भ 5 भीर 6 में दिए गए विभिन्न उत्पादों से संबंधित मृहर लगाने का गुल्क स्तम्भ 7 भीर 8 में उल्लेख के ग्रनुसार पुनरीक्षित किया गया है। मुहर लगाने का पुनरीक्षित शुल्क दिनांक 1981-10-01 से लागू होगा।

# घनुसूची

कम संख्य		भारत के राजपत्न की संख्या का संदर्भ	ग्रधिसूचना का संदर्भ	उत्पाद	विधिष्टिकी संख्या घीर शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मृहर लगाने का मुस्क
(1)	) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
		क भाग II खंड 3, उपसंड (ii) दिनांक	एस भ्रो 1231 दिनांक 1975-04-03	जस्ता फासफेट तकमीकी	IS: 1251-1973 जस्ता फास- फेट तकनीकी की विभिष्ठि (पहला पुमरीक्षण)	एक मीटरी टन	₹० 15.00
2.	"	1975-04-19	***	६थाइलीन डाइ- ब्रोमाइड	IS: 1311-1966 इथाइलीन बाइब्रोमाइड की विशिष्टि	100 प्राम	₹∘ 2.50
3.	11	भाग II खंड 3 उपखंड (ii) दिनाम 1975-03-02	एस झो 2452 दिनांक 1975-07-07	मिषाहल ब्रोमाहड	IS: 1312-1967 मियाइल ब्रोमाइड की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक भीटरी टन	<ol> <li>६० 25.00 प्रति     इकाई पहली 1000     इकाइयों के लिए, और</li> <li>६० 15.00 प्रति इकाई     1001वीं इकाई भीर     इससे ऊपरकी इकाइयों     के लिए</li> </ol>

1	2	3	4	5	6	7	8
4.	उद्योग एवं नाग- रिक पूर्ति मंत्रालय	भाग II खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1975-04-19	स झो 1231 विनांक 1975-04-03	2, 4-डी सोडियम लवण	IS: 1488-1969 2-4 की सीडियम लवण की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	100 ग्राम	र∘ 7.00
5,	17	"	एस झो 1232 दिनॉक 1975-04-03	मालाथियोन तकनीकी	IS: 18321978 मालाथियोन तकनीकी की विकिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	100 प्राम	<b>হ</b> ০ 4.00
ė.	1)	भाग II, खंब 3, उपखंड (ii), दिनाँक 1975-04-19	एस भ्रो 1232 दिनोक 1975-04-03	स्थिरीकृत मिथक्सी इथाइल पारा क्लोराइड सान्द्र	IS: 2127-1962 स्थिरीकृत मिथांक्सी इथाइल पारा क्ली- राइड सान्त्र की विणिष्टि	1 0 0 ग्राम	क्० 5.00
7	,,	"	"	जिंरोम, तकनीकी	r IS: 3900-1975 जिं राम, तकनीकी की विभिष्टि (प्हला पुलरीकाण)	एक मीटरी टन	<b>ষ</b> ৹ 7.00
8	उद्योग एवं नाग- रिक पूर्ति मंत्रालय (ग्रीग्रोगिक' विकास विभाग)	भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1975-11-01	एस झी 4702 दिनकि 1975-09-23	िंघराम, तकनीकी	IS: 4320-1967 थिराम तक नीकी की विशिष्टि	.एक मीटरी टन	रु० 7,00 .
g	. उद्योग एवं नाग- रिक पूर्ति मंत्रालय	भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) विनोक 1981-05-16	एम फ्री 1497 विनाम 1981-04-23	फैनी ट्रांधियान तकनीकी	IS: 5280 – 1969 फेनी ट्राधिः यान तकनीकी की विशिष्टि	• 100 ग्राम	<ol> <li>१८०० १०० १०० १०० १०० १०० १०० १०० १०० १००</li></ol>
							[सं० सो एन जो/13 : 10]

S. O. 3100.—In partial modification of the notifications, details of which are given in Col. 1 to 4 of the following Schedule the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fees pertaining to various products referred to in Col. 5 and 6 have been revised as mentioned in Col. 7 and 8 thereof. The revised rate of marking fees shall come into force with effect from 1981-10-01:

## **SCHEDULE**

<b>S</b> l. N No.	Name of the Ministry	Reference to Govt, of India Gazette	Reference Notification No.		IS: No. & Title of the Specification	Unit	Marking fee per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
Įr	Ministry of idustry and ivil Supplies.	Part II, Section-3, Sub-Section(ii) dated 1975-04-19	S.O. 1231 dated ) 1975-04-03	Zinc phosphide, technical	IS: 1251-1973 Specification for Zinc phosphide, tech- nical (first revision)	One Tonne	Rs. 15.00
2.	-do-	-do-	-do-	Ethylene dibromid	e IS: 1311-1966 Specification for Ethylene dibromide.	100 kg	Rs. 2.50
3.	-do-	Part-II, Section-3, Sub-section (il dated 1975-08-02	S.O. 2452 dated ) 1975-07-07	Methylbromide	IS: 1312-1967 Specification for Methylbromide (first revision)	One Tonne	(i) Rs. 25.00 per unit for the first 100 units; and (ii) Rs. 15.00 per unit for the 101st unit and above

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
Ind	inistry of ustry and il Snpplies	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated	S.O. 1231 dated 1975 04-03	2, 4-D-Sodium salt	IS: 1488-1969 Specification for 2, 4-D-Sodium salt (first revision)	100 kg	Rs. 7.00
	-	1975-04-19					
5.	-do-	÷do-	S.O. 1232 dated 1975-04-03	Malathion, technical	IS: 1832-1978 Specification for Malathion, technical (first revision)	100 kg	Rs. 4.00
6.	-do-	-do-	-do-	Stabilized methoxy ethyl mercury chloride concentrate	for Stabilized methoxy	100 kg	Rs. 5.00
7.	-do-	-do-	-do-	Ziram, technical	1S: 3900-1975 Specification for Ziram, technical (first revision)	One Tonne	Rs. 7.00
Ind (Do Ind	nistry of ustry and eptt, of ustrial evelopment)	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1975-11-01	S.O. 4702 dated 1975-09-23	Thiram, technical	IS: 4320-1967 Specification for Thiram, technical.	One Tonne	Rs. 7.00
	nistry of vil Supplies.	Part-II, section-3, Sub-section (il) dated 1981-05-16	S.O. 1497 dated 1981-04-23	Fenitorthion, technical.	18: 5280-1969 Specification for Fenitorthion, technical		(i) Rs 20.00 per unit for the first 500 units; (ii) Rs. 10.00 per unit for the 501st to 1000 units; and (iii) Rs.2.00 per unit for the 1001st unit and above.  [No. CMD/13: 10]

का० आ० 3101 — निम्नलिखित धनुसूची के स्तम्भ 1 से 4 में जिन घरिसूचनाओं के ब्योरे विये गये हैं, उनके घरिक संशोधन स्वरूप भारतीय मानक संस्था की धोर से एसद्वारा घरिसूचित किया जाता है कि स्तम्भ 5 और 6 में विये गये विभिन्न उत्पादों से मम्बन्धित मृहर लगाने का शुल्क का स्तम्भ 7 धीर 8 में उल्लेख के घनुसार पुनरीक्षण किया गया है। मृहर लगाने का पुनरीक्षित शुल्क दिनांक 19811001 से लागू होगा।

# अनुसूची

क्रम मंत्रालयकानाम संख्या	भारत के राजपन्न की संख्या का संदर्भ	ग्रधिमूचना का संदर्भ	उत्पाद	विशिषिष्ट की संख्या भीर मीर्षक	इकार्द	प्रति इकाई लगाने का शुल्क
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. भौद्योगिक विकास मंत्रालय	भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) विनोक 1972-12-09	एस मी 4057 दिमांक 1972-11-23	की एच सी तकनीकी झौर परिष्कुत	IS: 5601969 की एच सी तकतीकी भीर परिष्कृत की विशिष्टि (दूसरा पुन०)	एक मीटरी टन	<ol> <li>र० 3.00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाइयों के लिये,</li> <li>र० 1.50 प्रति इकाई 2001वीं से 4000 तक की इकाइयों के लिये,</li> <li>र० 1.00 प्रति इकाई 4001वीं सौर इससे उपर की इकाइयों के लिये</li> </ol>
2 ,,	,,		डीडीटी, तक्तनीकी	IS : 563 1963 डी डी टी तकनीकी की विशिष्टि (दूसरा पुत्ररीक्षण)	एक मीटरी टन	<ol> <li>६० 3.00 प्रति इकाई पहली 2000 इकाइयों के लिये,</li> <li>६० 1.00 प्रति इकाई 2001वीं धौर इससे ऊपरकी इकाइयों के लिये।</li> </ol>

2 1	10
21	40

THE GAZETTE OF INDIA: SEPTEMBER 4, 1982/BHADRA 13, 1904

[PART 11-SEC. 3(ii)]

(	1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
3.	मौद्योगिक विकास विज्ञन एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय	भाग II, खांड 3, उपखंड (ii) दिनाक 1974-10-05	एसधी 2581 विनांक 1974-09-23	ताम्रधानसी- क्लोराइड तकतीर्क	IS: 14861969 ताम्न भाक्ती क्लोराइड तकनीक की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	ं एक मीटरी टम	ক৹ 7,00
4,	उद्योग तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय	भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) विनांक 1975-05-31	एस क्यो 1684 दिनांकः 1975-05-21	फिनाइल पारा एसिटेट नकनीकी	IS : 2126-⊶1973 फिनाइल पाराएसिटेट तकमीकी की विभिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक कि०	ग्रा० 30 पैसे
5.	उद्योग एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय (ग्रोद्योगिक विकास विभाग)	भाग II, खंड 3 उपखंड (ii) दिनांक 1976-07-10	एस घो 2471 दिनांक 1976-06-21	डाइक्लोरोवास तकनीकी	IS: 49291978 डाइक्लोरोवास तकनीकी की विधिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक कि० ग्रा०	(1) 10 पैसे प्रति इकाई पहली 500 इकाइयो के लिये, (2) 5 पैसे प्रति इकाई 501वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिये।
	वाणिक्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय (नागरिक पूर्ति विभाग)	भाग II, खंड 3 उपखंड (ii) दिनाक 1980-06-14	एस घो 1609 विनांक 1980-06-19	कारबेरिल तकनिकी	lS: 75391975 1 काबेररिल तकनीकी की विकिष्टि		(1) ६० 10.00 प्रति इकाई पहली 1000 इकाइयों के लिये, (2) ६० 5.00 प्रति इकाई 1001 से 2000 तक की इकाइयों के लिये, (3) ६० 2.00 प्रति इकाई 2001वी भीर इससे ऊपर की इकाइयों के लिये।

S.O. 3101—In supersession of the notifications, details of which are given in Col. 1 to 4 of the following Schedule, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fees pertaining to various products referred to in Col. 5 and 6 have been revised as mentioned in Col. 7 and 8 thereof. The revised rate of marking fees shall come into force with effect from 1981-01-01:

SCHEDULE

			BOILE	DOLL		
Sl. Name of t No. Ministry		Reference to Notification No.	Product	IS: No. & Title of the Specification	Unit 1	Marking fee per Unit
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(1)	(8)
1. Ministry of Industrial Development	Section 3,	S.O. 4057 dated 1972-11-23	BHC, technical and <b>refined</b>	IS: 560-1969 Specification for BHC, technical and refined. (second revision)	One Tonne	(i) Rs. 3.00 per unit for the first 200 units; (ii) Rs. 1.50 per unit for the 2001st to 4000 units; and (iii) Rs. 1.00 per unit for the 4001st unit and above.
2do-	-do-	-do-	DDT, technical	IS: 563—1973 Specification for DDT, technical. (second revision).	One Tonne	
3. Ministry of Industrial Development Science and Technology	Part-II, Section-3, 5, Sub-section (ii) dated 1974-10-05	S.O. 2581 dated 1974-09-23	Copper Oxy- chloride, technical	IS: 1486—1969 Specification for Copper Oxychoride, technical, (first revision)		
4. Ministry of Industry and Civil Supplies		S.O. 1684 dated 1975-05-21	Phenyl mercury acetate, technical.	IS: 2126—1973 Specification for Phenyl mercury acetato technical, (first revision)	-	30 Paise.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
] (	Ministry of Industry and Civil Supplies (Deptt, of Industrial Development)	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1976-07-10	S.O. 2471 dated 1976-06-21	Dichlorvos, technical.	lS: 4929-1978 Specification for Dichlorvos, technical (first revision)	One kg	(i) 10 Paise per unit for the first 500 units; and (ii) 5 Paise per unit for the 501st unit and above
(	Ministry of Commerce and Civil Supplies (Deptt. of Civil Supples')	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1980-06-14	S.O. 16909 dated 1980-05-19	Carbaryl, technical	IS: 7539-1975 Specification for Carbaryl, technical.	100 kg	(i) Rs 10.00 per unit for the first 1000 units; (ii) Rs. 5.00 per unit for the 1001st to 2000 units; and (iii) Rs 2.00 per unit for the 2001st unit and above
		<del></del>	<del></del>				[No. CMD/13:10]

## नई दिल्ली, विनांक 1982-08-13

का॰आ॰ 3102.--समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) के विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के भनुषार भारतीय मानक संस्था की भोर से भिष्मूणित किया जाता है कि जिस मानक की डिजाइन भीर उसके शाब्दिक विवरण तथा तस्संबंधी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे भनुसूची में दी गई है, वह भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित की गई है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) प्रधिनियम 1952 और उसके प्रधीन बने नियमों और विनियमों के निमित यह मानक चिन्ह 1982-04-01 से लागू होगी ।

#### अनुस् ची

(1) (2)	(3)	(4)	(5)
1. বিংকা	ारेमन के कटे <b>धा</b> गे (का <b>ते हु</b> ए)	IS: 3566-1966 विस्कॉस रेयन के कटे धार्ग (काले हुए) की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें। IS1 शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली भीर अनुपात में तैयार किया गया है भीर जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की भोर भारतीय मानक की पदसंख्या श्रीर वर्ष शंकित किया गया है।

[सं० सी एम डी/13:9]

## New Delhi, the 1932-08-13

S.O. 3102.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1982-04-01:

# SCHEDULE

SI. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1,	(گا)	Viscose rayon cut staple spun (yarn)	IS: 3566-1966 Specification for viscose rayon cut staple spun (yarn)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2) the number of the Indian Standard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

कार आर 3103.--भारतीय मानक सम्था (प्रमाणन किन्ह) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक सस्था द्वारा अधिसूचिन किया जाता है कि निस्कॉस रेयन की प्रति इकाई मुहुर लगाने की फीस अनुसूची में दिये गये ब्यौरे के अनुसार निर्धारित की गई है। यह फीस दिनांक 1982-04-01 से लागू होगी।

## अनस् ची

कम संख्या उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सबद्यी भारतीय मानक की पदसंख्या स्रोर शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फी.स
(1) (2)	(3)	(4)	(5)
1. विस्कॉस रेयन के कटे धारो (काने हुए)	IS: 3566-1966 विस्कॉस नेयन के कटे द्यांगे (काते हुए) की विणिष्टि	100 কি০য়া০	<ul> <li>(1) रु० 1 00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाइयो के लिये,</li> <li>(2) 50 पैसे प्रति इकाई 3001वीं से 6000 तक की इकाइयों के लिये; झौर</li> <li>(3) 25 पैसे प्रति इकाई 6001वीं झौर ऊपर की इकाइयों के लिये</li> </ul>

[स॰ सी एम डी/13: 10]

S.O. 3103.— In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Merks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee per unit for viscose rayon cut staple spun (yarn) details of which are given in the Schedulchereto annexed, has been determined and the fee shallcome into force with effect from 1982-04-01

## SCHEDULE

Sl. Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
(1) (2)	(3)	(4)	(5)
1. Viscose rayon cut staple spun (yarn)	IS:3566-1966 Specification for viscose rayonstaple spun (yarn)	on 100 k	g (i) Re 1.00 per unit for the first 3000 units; (ii) 50 Paise per unit for the 3001st to 6000 units; and (iii) 25 Paise per unit for the 6001st unit and above.

[No. CMD/13:10]

का० आ० 3104.--समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के मनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा घिष्ठसूचित किया जाता है कि नीचे घनुसूची में जिन 84 लाइसेंसों के क्यौरे विये गये हैं। लाइसेंसधारियों को मानक संबंधी मुहर लगाने का मधिकार माह जनवरी 1980 से स्वीकृत किया गया है।

## अनुसूची

कम` संख्या सी एम/एल	<b>वै</b> धनाव 	शि अविबि ——— ——	लाइसेसबारी का नाम <b>ग्री</b> रपता -	लाइसेंस के अधीन वस्तु प्रक्रिया ग्रौर तस्तंबंबी
	से	संक		IS : पवनाम
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. सी एम/एल-8281 1980-01-02	80-01-16	81-01-15	विश्व इंजी नियरिंग वक्सें, 62-ए हाजरा रोड, कलकत्ता-700019 (प० बंगाल)	निम्निलिखित प्रकार के ऊर्ध्य एक सिलिंडर चार स्ट्रोक वाले <b>जसकी</b> स डीजस इंजन भाउटपु चक्कर अस्ति लागू मिनट
				3.73 (5 हापा) 1500 वर्ग बी एस एफ सी 265 किवा प्रति घंटा IS: 160 1-1960
2. सी एम /एल~8282 1981-01-02	80-01-01	80-12-31	स्टेंडर्ड मिलिडर्स प्रा० लि॰, 15 एच एम बाई डी सी इडस्ट्रीयल एस्टेट, पालम गुड़गांव रोड, गुड़गांव-122006 (हरियाणा)	भ्रत्य वाथ द्रवणीय गैसों के लिये 33.3 लिटर पानी की समाई वाले वेल्डकृत भ्रत्य कार्बन इस्पान के गैस सिलिडर— IS: 3196—1974
3. सी एम/एल-8283 1980-02-04	80-01-16	81-01-15	लाल सजा, बी-139, डीडीए शेड घोखला इंडस्ट्रियल एरिया फेज-I नई दिल्ली-110020	साकेतिक साइजवाले 15 मिमी, 20 मिभी व 25 मिमी के उच्च वाव झौर झल्प वाब श्रेणियो के बाल बाल्य- IS:1703-1977

(1) (2)	( )	(1)	(5)	(6)
4 मीएम/एल-8284 1980-01-01	90-01-16	81-01-15	लाल सन्ज व =139 डो डिंग राड घोषाला ः इंडिस्ट्रियल एरिया, फोज-। नई विलिय =110020	जल वितरण के लिए एगिल स्टाप बाल्व व फैस्स। बिस टोटिया नथा स्टाप बाल्व (साइज केवल 15 सिमी।)
5 सी(एम/एल-8285 1980-01-04	80-01-16	91-01-15		जलिवतरण के लिए सामेनिक संइज 15 मिमी भौर 20 मिर्मः वे फैरल - !S 2692-1978
6 स्≀ण्म/्पल-५2९० 1981-01-04	40 01-16	81-01-15		जल विसरण प्रतोजन के लिए केवार 15 मिमा साइज की पिलर टाटिया - IS 1745-1974
7 सीएम/एक-४२४७ 1981-10-05	80-01-16	91-()[-[5		15 मिर्म। में 25 मिर्म। माइज के खिवटाटिया व 15 मिर्म। में 50 मिर्म। माइज के स्टापवाल्व IS 781-1977
8 मीएम/एन-8288 1981-01-04	81-03-16	81-01-15		जल वितरण के लिए केवल 15 सिमी साइज के पैस्सी पिसर टोटिया IS 8934-1978
9   मी(एम/पन्त-8289 1980-01-01	80-01-16	80-0[-15	न्पूर्वीम प्लास्टिबम लिमिटेड 54 इडस्ट्रियल एरिया फ <sup>र्श</sup> वाबाद (श्लरियाणा)	प्लाई बृड के लिए भ्रम नो प्लास्टिक वर्ग के संक्लिक्ट रेजिन भ्रासजक IS 848-1974
10 सी:१म/४ल-8290 1980-01-10	\$0 OI-16	NI-01-15	दी मैसूर इलैक्ट्रिकल इंडस्ट्रीण लिमिटेड तुमकुण राड पास्ट बॉक्स न० 2231 बरालौर-560022	सिम्निलिखित के लिए ज्वालास है। खाल  (1) एम एफ एस भी वर्ग के स्टीटर कन्ट्रोल पैनल  (2) एम एफ ई। सी वर्ग के इम कन्ट्रोलर  (3) एम एफ झार वी वर्ग, श्रेणी-ॉ के प्रतिरोधिना बादम
11 सीएम/एल-8291 1980-01-10	80-01-16	91-01-15	पावर वैपेसं,टरर्स पोस्ट <b>बाव्</b> स म <b>० 4</b> 4 निकट रेलवे स्टेणन, शिक्षोगा-57720।	IS 2148-1968 2 और 3 के बी आरए, 440 बोल्ड पावर तर् के लिए गड कैपेणिटर IS 2834-1964
1.2 सः(एस/एम-8292 1980-01-10	79-02-01	80-11-30	गौरी पुर क० लिमिटेड गरीका-74.3166 जिला 24 परगना प० बगाल इनका कार्यालय 2, फैयरली प्लेस कलकला-700001	ए-टिवल जूट बोरे IS 19431964
13 मी।एम/एल-९२९३ 1980-01-10	79-12-01	80-11-30	है किंद्र रज मि० लि०, (जूट मिल विभाग) डाक रिशारा-712348 जिला हुगला (प० बगाल इनका कार्यालय 14 नेताज मुभाष राइ कलकला-700001	•
14 सं(एम/एल-8291 1981-01-10	40 01-16	80-01-15		निम्नलिखित प्रकार का सादी बुर्न सूर्ता बनियान टाइम गाल गले स्रोर गोल गले बाजू घाली साहज 75 मेमी से 100 मेमी गेज 24 IS 4964 (भाग II)-1975
15 सीएिम एल-8295 1980-01-10	7 9-1 2-0 [	30-11-30	ए स्पायर जूट क० लि०, 15 की० टी रोड, डाकघर लालपुकुर-743187 जिला 24 परगना (पं०यगाल) इनका कार्यालय 8, फ्रांट्ड कार्टहाउस स्टुटकलकत्ता-700001 में हैं।	ए-दिबल्ल जृट मोरे IS 1943-1964
16 <b>मे</b> (एम/जिल-४296 1980-01-10	79-12-16	80-12-15	जनरल इष्टास्ट्रियल सोमाइटी लिमिटेड, (गोम्बल पाषा ज्ट मिल पूनिट डाक, जन्द्र नगर,पोस्ट अफिस गोम्बलपाडा-712137 जिला हुगली (प० अगाल) इनका कार्यालय 8 डडिया एक्सचेज प्लेस कलकला-70000 मे हैं।	15 1943-1964
17 सी्एम∫एल-8297 1980-01-10	79-12-01	80-11-30	100	JS 1943-1961
९ मा∪म ∪ल-8298   1980-01-10	79-12-01	80-11-30		IS 2874-1964

(1)_	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	.म/एल-8299 .80-01-10	79-12-01	80-11-30	गौरोपुर क० लि०, गर फा-743166 जिला 24 परगना (प० बगाल) इनका कार्यालय 2 फीयरलाई प्लेस कलकसा-700 मे हैं।	
	.स/एल-8300 १80-01-10	79-12-01	80-11-30	D	मक्का भरने का गटमन का बारिया और कपड़ा 18 : 2875-1964 और !S : 3750-1966
	१म/एल-8501	80-01-16	81-01-15	मार्द। स्ट्रील मोर्द। नगर जिला मेरठ (यू०पॅ.०)	कवचदार केवल के लिए मृद्यु इस्पात के तार IS : 3975-1967
	[म/एल-8302  80-01-11	80-01-16	81-01-15	ठाकुर इंडर्न्ट्) जप्लाट 53/4, सातबी गर्ल , एस प्रार्ट डार्स, प्रत्येरा, बस्बई-400093	नांबं के चालको याले 1100 बंल्ट नक की कार्रकारी बाल्टना के लिए पंज्ये ज्मी राद्यिन (भारी) काम वाले ) बिजलो के केवल IS : 1554(भारा-I) 1976
	र्म/एल-8303 180-01-11	79-12-01	80-11-30	कैलेडोनियन जूट एड इडस्ट्रेज, 18 मेहता रोड, बडे थाल नगर डाक बज-743319 इनका आफिस 9, बैबोर्न रोड, कलकत्ता-700001 में हैं।	ए-टिबल्ल पटमन् <b>बॉ</b> रें ⊶ ∮\$ 1943 •1964
	.म/एल-8304 80-01-11	80-01-16	81-01-15	सेबोक प्लार्डवृड टडस्ट्राज प्राप्तलिय सालु- मुरेष्ठा, सिला गुडी डाक, एकतीशैल, जिला जलपादग्डी (प बंगाल) इनका कार्यालय 1 स्कृत रोड, हाल्फू कलकता से हैं।	
	(म/एल-8305 80-01-11	80-01-16	81-01-15	ठाकुण इडस्ट्रूज, प्लाट 53/4, मातवी गर्ला एस प्राई डी सी गरील इडस्ट्रूज एरिया ग्रंबेरी (पूर्व) बम्बई-400093	स्रोल रहित भावे के चालकों के 1100 घोल्ट तक की कार्यकारी बोल्टना के लिए पः वेत्सी रोधिन केवल IS : 894-1477
	,म/एल-8306 980-01-11	80-01-16	81-01-15	टलाई फर्रानिशाग कॅ० XIII/888 जैही रोड, घल्लेपी-688001 केरण	प्लाईबुड चाय पेटी के लिए पट्टिया IS . 10(भाग III)1974
	ग्म/ग़ल-8307 980-01-11	80-01-16	81-01-15	स्टैडर्ड बायर्ज एड केबल्ज, डिं-110. इंडिस्ट्रियल फोकल पाइंट, खन्ना (पंजाब)	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी बोस्टता के लिए पीवी सी रोधित भारी काम के लिए केबल TS: 1554(भागी)1976
	र्म/एल-8308 980-01-14	80-01-16	81-01-15	इ.डियन रोलिय मिन्ज, 79, फजलगज, कानपुर	सरचना इस्पान (मानक किस्म) IS . 226-1975
	एम/एस-8309 980-01-17	80-01-16	81-01-15	समित लैंबोरेट्टंफ, प्लाट न० 313-214, जवाहर को० भ्रो० इंडम्ट्रियल इस्टेट, पानवेल- 410206 जिला कोलाबा (महाराष्ट्र)	डायमिथोण्ट पायसनीय सान्द्र (र्र.पॅकिंग) IS ३७७ 1975
	ग्म/ग्ल-8310 980-01-15	8 0-0 1-1 6	81-01-15	विश्य हजी नियरिंग वस्सँ 62-ए, हाजरा रोड, कलकला-700019 (प० बगाल)	कृषि प्रयोजन के लिए सफ ठडे नाशे जल के स्नेनिज अपकेन्द्र। पस्प, केवल निम्नलिखित विवरण वाले साइज $75 \times 65$ सिमी सकत प्रति मिनट $1500$ वर्ग/माइल/ $V-2$ उगूर्टः/पाइंट $12.2$ माटर हैंड जिल्लार्ज $15$ 7 एस पी एस कार्यदक्षता $56$ प्रतिशत पस्प उनकुट $3$ 4 किवा— $1S$ $6595-1972$
	गुम∱पुल-8311 980-01-05	80-01-16	81-01-15	नदा एड कम्पनी (इजे नियरिंग) प्रॉ०लि०, 3/1, बी महेन्द्रा रोड कलकनी-700025	निस्नविवरण नाले कोयले भ्रीप पत्थापकी ज्वाला सहस् खोल फर्म का नर्ग किन्दा माडल-ए पूप-1 IS: 2148-1968
	एम/एल 8312 980-01-15	80-01-16	81-01-15	तिरूपुर टेक्सटाइल प्रा० लि०, (होजिर इयोजन) एसएफ ने० 324 ग्राफ 15 गाव वेलस्पलयम प्रनुष्ठपलयम डाक- घर तिरूपुर-638603 (तमिलनाड)	निम्न प्रकार की सादा बनी सूनी बनियान फेब्रिक गेज 24 व 26 IS: 4964 (भाग 1)-1975
	एम/एल−8313 980-01-15	80-01-16	81-1-15		वर्ग ई रोधन वार्मा, 2 2 किया, 3 7 किया, 5 किया व 7 5 किया की नोनंफोजकी प्रेरणमोटर – IS 325-1978

_ (	1) (:)	(3)	(1)	(5)	(6)
3	4 मी(एम/एल-8314 1930-01-05	80-01-16	81-01-15	फ डर बैलेन्सिंग डेयर। (प्रादेशिक की० ग्रा० डेयरें फेडरेशन लि०) का एक रूनिट संगोल रोड परतापुर मेरट (उत्तर प्रदेश)	JS. 1165-1975
35	सीएम/एल ६४15 1980-01-17	8 0- 0 2- 0 1	81-01-31	गय। इनपुटम प्रा० लि० कुमा स्पत्तनम इक 581123 गौब कवालेख्नु रानी- बेनर नालुक जिला धाखाए निकट हारहर रेलबे स्टेशन कर्नाटक इनका कार्णलय 87 थर्ड मेन रोइ स्प् नारागुपेट, बगलीर 560002 मे है।	
3 6.	र्स,एम/एल- 8316 1980-01-17	8 0-0 2-0 1	80-01-31	सुपर पेस्ट्स व कार्निशक्त, जूट, रोड गिराई।ह-815301, बिहार	बहिरम संक्षित ट इनैसल (1) निचर्ता परत देने का (2) फिनिक्ष देने का IS 2932-1971
37	मी एम/एल 8317 1980-01-18	7 %-1 2-0 1	80-11-30	प्रवर्तक जूट मिल्ज, वरकपुर ट्रंफ रोड, कमरहट्ट - 700058 जिला 24 परगना (प० बगाल), इनका कार्यालय . 5 सिनागोंग स्टूट	ए ट्विल पटमन के बोरे
38	मी.एम/एल~ 8318 1980-01-18	8 0-0 2-0 1	81~01-31	कलकता - 700001 में है। बैसक पाईष्ज प्रा० लि०, 5 मत्स्य इड- स्ट्रियल एरिया, झलबर (राजस्थाच)	संरचनात्मक प्रयोजन के लिए इस्पात । निम्न प्रकार की काली निलयां ग्रेड वाईएसटी 210 नाइज 80 मिमी एस- वीनक वर्ग क्लास- हुपकी
39	स्(एम/एल∽ 8319 1980-01-18	80-02-01	81~01-31	कुर रोड यंशवलपुर बंगलीर-560022	कर्कट प्रबलन के लिए ठंडी मरोड़ी इसात
40.	मी।एम/एल- 8320 1980-01-08	80-02-01	81-01-31	जैन स्टील रोलिंग मिल्ज, रेलवे स्टेशन के सामने मलेग्फोटल(~148023 जिलासगम्द (पजाब)	सरचना इस्पान (सानक किस्स)
41	मीता म/एल +8321 1990-01-18	8 0-0 2-0 1	81-01-31	जैन स्टाल रोलिंग मिरूज रेलवे स्टेणन के सामने मलेरकोटला • 148023 जिला संगर्भर (पजाब)	
	स(एम/एल~ ९३22 1980-01-18 सॅ एस/एल~8323	8 0-0 2-0 1 8 0-0 2-0 1	81-01-31 81-01-31	इडिम्ट्रियल इस्टेट कानपुर (यू०पी०)	सर्चना इस्पात (मानक किस्म)··· IS 226 1975 सरचना इस्पात (साधारण किस्म) ···
10	1980-01-18	30 02 01	01 01 31	11	IS . 1977-1975
44.	म.एम/५, र-४३४४ १९४० - ११-४४	80-02-01	81-01-31	मवरमन डी. 59-760 सेक्टर 1 नौएडा कम्पलेक्स जिला गाजियाबाद ।	कबिन/मनविचित्र एलुमिनियम चालको वाले 1100 वास्ट तक की कार्यकारी वोस्टमा के लिए पीवों से रोधित (भारी काम वाले) बिजली के केवल र
45	स.ए.स एल~ 83 35 1980-01-18	8 1-1 -01	91-01-31	u	खोलदार एनुमिनियम जानक वाले 1100 बालद नक की कार्यकारी योग्टना के लिए पार्वासी राधिन केंबन्ज (ऋतुमह केंबनाको छोष्टकर) TS 694-1977
46	र्मः(एम/एल+ 8326 1980-01-18	80-02-01	81-01-31	हैकोड पेस्टे.साइष्टस (हारयाणा राज्य का॰को॰ सप्लाई व मारकोटरा फेंड- रेणन की यूनिट) ज ०ट० रोड, तरावडी, जिला करनाल (हरियाणः)	षा जन्दर

(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
47 साएम/ग्य 8327 1980 01-18	80-02 01	81 01 31	मैटलमैन पाइप मैन्यूफैक्चरिंग कस्पनः प्राच्णिच 17/19 मुकः लिया इड- स्ट्रियल एरिया इपर राड इन्दौर – 452003 (मध्य प्रदेश) ।	सरधनात्मव प्राधित में लिए इस्पात का निम्न प्रकार का मामा नालया विद्युत प्रतिराध यत्क्षिण ग्रह यार्डणसट 210 माइज ७५ मिम एनका नक वर्ग ज्लाम
48 म(एम/एल- ≤328 1980-01-22	50-02-01	91 01-31	यूनाईटिंड कैमाक्ल इडस्ट्रज गाब दाष्ट्र फैक्टर। एरिया इ।मधर मडियाला जिला द्राणियारपुर पजाब।	पैराकान सोस टाइप- ४ 3S 4654 1974
49 स(एम/एल-8329 1980-01-27	80-02 01	81-01 31	कामधेनु रेस्टामाईडम २०-गि/51 हेडपसर इडम्ट्रिया इस्टेंग पुणे-४11013 (सह राष्ट्र) इनका कायिलया क्षि भवन, भवाना पठ, पुणे-४11002 संहै।	डाईक्लाबास पायमनीय मान्द्र - !S 5277-1978
50 सं(एम/एल- 8 330 1 980-01-22	80-02-01	91-01 31	दंबादयाल मेल्ज प्रा० लि० 50 ए ज श्र ईडामा इस्टेंट बलोल ४८९५३० जिलापधमहल गुजराम	
51 सें⊓म्∦ाल-8≀31 1980-01 23	S + 02-01	81 01-31	इ इस्ट्रेयल इस्टेट सर्व ला- 241204 जिला तरदोई (यू॰पा॰)	सरचनात्मक प्राजन के निए निम्न प्रकार का इम्पान का निलयां म(किनक छेद साइज 15 मिम। से 65 मिम। (राजन) प्रड बाईएसट 210 IS 1161-1979
52 मीएम/गल-83+2 1980-01-23	79-1 <i>3</i> -01	80 11-30	इंडिया जट ६० लि० डाकवर सराम पुर-712201 जिला हुगली (प० सगाल) इनका कार्यालय 16 स्ट्रीड रोड कार्यका 700001 संहै।	IS 1943 1964
53 सीएम/एस 8333 1980-01-23	79 12-01	80-11-30		हैकी सा बार व कैवा सा क्यबा IS 2874 1964 व IS 3751- 1966
54 सीएम/गल- 5334 1980-01-23	791'01	80-11 30		मक्त भरत । उद्यत के बारिया और करडा IS 2875 1961 व IS 3750-1966
58 सीएम्।एस-833२ 1980-01-23	80-02 01	81 01 31	क्रोरियस्ट केंग्रल इंडस्ट्र्झ गात्र व डाक ज्यासः महभः र।हत्यभ राह विर्ली।	कर्जाश्वन/प्रकवित एलुमिनियम बालको बाले 1100 वाटट सक क कार्यकार। बोरटना के लिए प ब मा राधित (भार। काम वाल) सिजला के केवल 1S 1551 (भाग 1) ≈ 1976
56 सीणम/ <sup>7</sup> ल~ 8336 1980 01-23	90 02 01	81-01-31	गौतम कंबल इडस्ट्राज डब्ल्यू जैड-34/ 13ण सुखराम एक्सटेशन चौत्वड राड सिलकरोड नईदिया।	खासदार/खालरहिन चलक वाबे ने 1100
57 मोगम/गल - ९३३७ 19५(1-1)1-23	80-02-01	81-01-31		खालदार एलमिनियम चालन नान 1100 थाट तक का कार्यकारा बास्टला में लिए पावामी राधित केवस्त्र (ऋतुग्रह कवला काछाडकर) 1S 694-1977

[भाग 11 क्रम्ब ३(॥)]		<b>भ</b> ारत 	काराजाब सितम्बर 4 १९८४/साँद्र 13 1	904 3153
(1) (≥)	( 1)	(4)	(5)	( 6 )
58 मी,एम/ए य- ४४३8 1980-01-23	80-02-01	81-01-31	च जार्यात्र प्रतास्तिक इडस्ट्रज स - तुर्-र शेड न० ६, अन्तिका इड- स्ट्रप्रताइस्टटबतबा,जिलाश्रहमदीबादा।	खालरहित ताबे के चालको बाले 1100 बात्ट तक की कार्यकारी बात्टता के विषयावासी राधित कंबल- TS 694 1977
59 र्माणम <sub>ा</sub> जल ९३३९ १५९०-७१-४१	80-02-01	81-01-31	स्पैशल क्षत्रल इडस्ट्रज । -त्राई-४०४ ज धाईटीसा इस्टेट नियट ज्ञाक्षीर स पत्नीक टराध्यक्षेत्रक (गजरीत)	खाल रहित तात्र के चालका वाले 1100 प्राप्ट तक व कार्यकारा बात्टना के लिए प्रक्रम शाधित कंदल IS 694 1977
60 मीतम्। जन ९३४० 1980-01-25	\$ 0-0.2-0.1	81-03-31	नेतात्र। इडस्ट्रायतः वक्सं, बनिधाताहः, जिला बोद्दरा (पः वसला)	सरचार इस्पान (मानक किस्म) १S १७ १५७७
61 स्त्रीम्म√एल ५३41 1980-स्रा-25	80-02-01	\$1.01-31	वात्माः इज नियम्मि कः, प्रा० लि०, 75 सी। पार्तस्ट छा। सजिल, ब्लाकाई स्वक्ताः 700016	निस्त प्रकार के लिए ज्वाला सह खाल- इ श्रीएक स्टीटर टाइप एक 1, लाइटिंग ट्रागकीमर, टाइप एकटाएक 1 ड्रिल निएत्रण पैनल टाइप डीप एक-1 मिनी महिटक्षेकर टाइप एससी वाएफ-1 समूह-1 IS 2148-1968
6 ? सी पि≒/लिल-९३। ° 1980-0 -25	v 0-0 -0 1	81-01-11	पिता <b>स</b> घात्रभन् ए <b>ड</b> स्टील कि० पाः० लि०. जी टी राडा,जिलाबर <b>्ड</b> सोन् 1444021	पुनवस्ता से गरणनास्मा इस्पान (मानक करम) वनान के लिए काईन इस्पान के कल हुए क्षिलेट इंग्ड— IS 6914—1978
63 सी(एम/एल-8+13 1980-01-25	80-02-01	81-01-31	"	पुनर्बेल्पन में सरचनात्मक इम्पान (कामन्य विष्मा) बनाम के लिए कार्बन इस्पान के ढल हुए विलेट इंगट—— IS 6915——1978
64 सीलम्/ए४—8344 1980-01-38	80 01-01	80-13-31	नौर्य पृथ जट य० लि०, चाँपद नी पास्ट आफ्तिम भैजबाटी-712/32 जिता हुनली (ग० वगाल) इमका फार्यालय 6 चर्च लेन कलकता सं है।	ए टिबल पटमन बारे IS 1943—1964
65 की लम पल8345 1980-01-28	b 0-0 1-0 1	8 0-1 2-3 1	п	हैमा सी बॉर्ट फीर हैंबी सी कपड़ा IS :8741964 व IS :7511966
66 मीलम/एल \346 1980-01-24	80-01-01	80-17-31	•	हेर्ने। मीबार व हैकी से। कपका IS 871 – 1964 IS ₹757~– 1966
67 सीतम्   ा 9347 1980-01-28	\$ 0-0 1-0 1	S 0-   2- 3 1	ŋ	संस्थाभनेन के पटसन की बोरियां स्रोर कपडा IS 3794—1966 IS 3665—1966
68 सीतम्/एस५34९ 1980-01-१8	3 0-0 2-0 1	% 1−0 t− 3 1	স্থেপৰ। কংঘ্নী ধিও ভাও নত হীত।গৰু জিপা 14 গণগদা দুও হুগালে ছাক। কাথেলিন 7 উছপান জীম (पুৰাণ নাম 7 বিজেকী 'পান') কলকেল। 700001 মুটি।	ा ए हिजल्ल पटमान बोर्ट । 18 - १९४३+-४, १५४ ।
6९ मी(एम/ॉल ५३४० 1९५०-०)- '९	\$11-1) 2-11	41-02-15	स्पैणल केवल्ज इडस्ट्रंग्ज ए-पाई 501 जी कार्ड डीसी इस्टेंट की घाडिडीसी बाटर टैक्क्केनजदीक ग्राहमाखर (गजरा	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
70 मीएस/एल-५ 50 1980-01 स	80-02-03	81-91-31	सनगर्देश इलिन्द्रिक भारपारणने प्रताट ने ५ १४, ए-बी. कोट्यांबली इजीर्द्रे बल इस्टेट भाई बिनावस्बर्टन १०००६७	े केवी भार 115 बास्ट पावर तन के (लिए
71 सीलम्/ल्ल २१२१ 1980-01-31	80-92501	401.31	नारम स्थापन एंड स्टात कमानीप्रा० लिप्यविशासिक धनपाद (लेखार)	

$(1) \qquad (2)$	(3)	(1)	(5)	(6)
7% स्त्रीम्√णल४३६३ १९९०-०४-४४	90-02-01	81-01-31	सद्भा इ.च. केवल सन् 14 इडॉस्ट्रेयल एरास (१०) जवलप143000	ए गु।मानेयम चाला वाल 1100 घाल्ट तक क प्रेसर्व घाटना क लिए प्रेतिकाल — IS ७११197
73 साम/णिय8353 1980-01-41	\$ 0-0-2-0-1	84-01-31	दहर्लः स्टील रामिन मिटज लोनी राड रामनगर गाहदरा डिन्ली	कभीट प्रबंधन के सिएं टा सरोर्ट्र इस्पान की भारता (टोंग मारता) ग्रुप(11) 18 17661466
74 संजन}लल—8351 1930-01-31	80-02-01	91-01-31	पीरक्षर एन।ईनुड इत्थिय मुद्दिकल्ल पेरा रघर भिलाणशरिक्षम नेरल	चायपेटी के लिए प्लाईबुड वे सम्म IS 10 (सार II)1975
75 र्म्स्पम् ाल५३५५ 1980-01-11	\$ 0~ 0 2~ 0 1	8 (*01-31	हारत प्रथम एड क्स्प्रैंभमं लिं∘ नेनी इक्ष्यांक्षा द (१०)० यु०पी०	इाह्रग मध्या पंत्रासी/जीसी/(इक्ल्यूमी / 8- 1 प्डिंके प्रमुसार ६९ लटर समधा वाले एक्फेजी कि विकेटर— 1S अप०1474
76 र्मा एम/एल-९३5७ 1980-01-31	90-03-03	81-01-31	क्षप्रसंग्रस्टील प्रा० लि० मौराश्रीनगर 1900 !1 (जम्मृण्डवण्यसिं?)	स्टेन तस इस्पात की आदर—— IS 6911—1972
77 सीएम/एच५३57 19४०-०१ ३१	8 0-0 <b>2-</b> 1 1	81-10 31	पाद्यपट डांड्या सादल चीक जलन्दरणहर	5 नबीश्चार ।15 बान्ट पावर सन्न क लिए शटकीपाउर—— 1 <b>S</b> 2434—1964
78 中で中/ワオー~8358 1990-01-31	8 0- 11 ?- 1 6	91-03-91	अमरावनी निर्देश मिल्ग 89-एक (16बी) श्रमराज रोड, िन्दुर 638601 (निमलनादु)	निम्न प्रकार की माडी बुनी सूती अनियान टाइप साल गल की व राल गले बाजू वाली माडेज 75 सेनी से 100 सेनी माप 16 1S 4964न(भाग II)1975
79 को [म/एल—-९३59 1980-91-31	80-02-16	61-0 <i>2</i> -15		निम्न प्रकार की सादी बुनी सूती वास्यान टिइए गोल गले व गाल गले वामू बाली साइगं 75 सेमी से 100 सभा माप 26 माप 26 IS 1964 (भाग II)1975
80 सीएम/एस8360 1980-01-31	80-02-16	81 02-15	एक्सलेच निटर्म ४९ एक (15) कासराज विष्णुर -634604	निम्न प्रकार की सादी कुनी सूनी सनियान टाइप गोल गने व गाल गने बाज वाली भाइज 75 सेमी से 100 सेमी माप 36— US 4961 (सान II)——1975
81 मान्म/एक8361 1950-01-31	8 0- 0 <i>2</i> - 1 6	81-0°-15	एरीज एयोबेट इंडस्ट्रीज प्रा० लिं० 98 का पा इंडस्ट्रियल इंस्टेंट, बाला: नगर देवराबाद 500037 (प्राध्नप्रदेश)	
83 मीलम्/गल—836२ 1980-01-31	80-0 ?-16	81-02-15	र्षेस्ट इाउचा कर्माणात्त करु प्रार्थाल व् पदाक्षाणा श्री कृष्ण जट मिल्ज एन्ह इ. १८०७ विता सैंस्ट गोदामरी (भार प्रक्रमा)	IS 2565-1965
83 मीताम/एष	80-02-16	81 -0 2-1 5	नार्थं पीटमं फार्मीस्युटिलकं कस्पनी 17-1 २००मेवाबाद नैवराबाद-५००८ ६० (श्राध्य प्रवेश)	निस्त प्रकार के रोगाणुनाशक काल सरल पदार्थ वर्ग ए टाइप नामेल ग्रेड ४ य ३ IS 10611975
84 क्लिम्/लब——8361 1980-01-31	80-02-16	81-07-15	जन्त्री र्टब्सटाइन एण्ड इक्क्ट्रीज घो० वि इडियन रेयन कन्पोरेशन) शिरा रा १२४८ जिलाहुगली (प० बमाल)	

S.O. 3104 In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that eightyfour licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of January 1980 authorising the licensees to use the Standard Marks.

SCHLDULE Aticle/Process covered by the Licences Sl. Licence No. Name and Address of the Licensce Period of Validity and the Relevant IS: Designation (CM/L-) From To 5 6 2 3 1 4 Vertical, single cylinder, four strcke 1. CM/L-8231 80-01-16 81-01-15 Viswa Engg Works, 62-A, Hazra water cooled, diesel engines of the 1980-01-02 Road, Calcutta-700019 (W.B.) following rating: Output: 3.73 kw (5 HP)-Speed: 1500 RPM governing class B SFC 265 g/kW/h IS: 1601--1960 Welded low earten steel was evlinders 80-12-31 Standard Cylinders Pvt. Ltd., 15 H.S. 2. CM/L-8282 80-01-01 I.D.C. Indl. Estate, Palam Gurgaon of 33.3 lities water capacity for 1980-01-02 low pressure liquefiable gases-Road, Gurgaon-122006 (Haryana) IS: 3196 - ·1974 81-01-15 Lalsons, B-139, DDA Shed, Okhla Ball velves of reminel sizes 15 mm, 3, CM/L-8283 80-01-16 20 mm and 25 mm of high pressure 1980-01-04 Indl. Area, Phase I, New Delhi-110020 and low pressure classes only--IS: 1703-1977 4. CM/1 -8284 Fancy bib taps and stop valves for 80-01-16 81-01-15 -do-1980-01-04 water services, 15 mm only and angle stop valve, size 15 mm only-IS: 8931—1978 80-01-16 81-01-15 Fertules for water services of nominal 5. CM/L-8285 -dosizes 15 mm and 20 mm only---1980-01-04 IS: 2692--1978 Pillar taps for water supply purposes, 6. CM/L-8286 80-01-16 81-01-15 -dosize 15 mm only-1980-01-04 IS: 1795-1974 Bib taps sizes 15 mm to 25 mm and 7. CM/L-8287 80-01-16 81-01-15 -do-1980-01-04 stop valves sizes 15 mm to 50 mm-IS: 781-1977 8. CM/L-8288 80-01-16 81-01-15 Fancy pillar taps for water services -do size 15 mm only-1980-01-04 IS: 8934-1978 9. CM/L-8289 80-01-16 81-01-15 Nuchem Plastics Ltd., 54, Industrial Synthetic resin adhesive for plyword, 1980-01-07 Area, Faridabad (Haryana) Type--Aminoplastic--IS: 848-1974 10. CM/L-8290 80-01-16 81-01-15 The Mysore Electrical Industries 1.td., I lameproof enclosure for a 1980-01-10 Tumkur Road, Post Box No. 2211, (1) Starter control panel Type Bangalore-560022 (ii) Drum controller Type MFDC; (iii) Resistance box Type MFRB Group I-IS: 2148--1968 11. CM/L-8291 80-01-16 81-01-15 Power Capricitors, P.B. No. 44, Near Shunt capacitors for power system 2 1980-01-10 City Railway Station, and 3 KVAR, 440 V-Shimoga-577201 IS: 2834-1964 12. CM/L-8292 79-12-01 80-11-30 Gurepore Co. Ltd., Garifa-743166, A-twill jute bags 1980-01-10 Distt. 24 Parganas (W.B.) (Off: 2 IS . 1943 - 1964 Fairlie Place Calcutta-700001) 13. CM/L-8293 79-12-01 80-11-30 Hestings Mill Ltd., (Jute Mills Divi-A-twill jute bags 1980-01-10 sion), P.O. Rishra-712248, Disti IS: 1943-1964 Hooghly (W.B.) (Off: 14, Netaji Subhash Road, Calcutta-700001) 14. CM/L-8294 80-01-16 81-01-15 Gagan Knitting Mills, 9/7, Kongu-Plain knitted cotton vests 1980-01-10 nagar, Main Road, Tirupur-638602 Type: RN & RNS (I,N)Size : 75 to 100 cm Gauge: 24 IS · 4964 (Part II)- 1975

l 2	٦ 	-4	5	6
5. CM/L-8295 1980-01-10	79-12-01	80-11-30	Empire Jute Co. Ltd., 15, B T. Road, P.O. Talpukur-743187 Disti 24 Parganas (W.B.) (Off: 8, Old Court	A-twill jute bags— 1S: 1943- 1964
6. CM/L-8296 1980-01-10	79-12-16	80-12-15	House Street Calcutta-700001) General Industrial Society Ltd., (Unit: Gondalpara Jute Mills), Chandernagore, P.O. Gondalpara-712137 Distr. Hooghly (W.B.) (Off: 85, India Exchange Place, Calcutta-700001)	A-twill jute bags— JS: 1943 - 1964
7. CM/L-8297 1980-01-10	79-12-01	80-11-30	Fort William Co. Ltd., (Jute Mills Division), 47/48, Rajnarain Roy-chowdhury Ghat Road, Sibpur-711102 Howrah (W.B.) (Off: 14 Netaji Subhas Road, Calcutta-700001	IS : 1943- · 1964
18. CM/L-8298 1980-01-10	79-12-01	80-11-30	Empire Jute Co. Ltd., 15, B.T. Road, P.O. Talpukur-743187 Distr. 24 Parganas (W.B.) (Off Old Court House Street, Calcutta-700001)	Heavy cee bags—- 1S: 2874—1964
19. CM/L-8299 1980-01-10	79-12-01	80-11-30	Gourepore Co. Ltd., Garifa-743166 Distt. 24 Parganas (W.B.) (Off: 2, Fairlie Place, Calcutta-700001)	Heavy cee jute bags and heavy cee cloth. IS: 2874-1964; and IS: 3751-4966
20. CM/L-8300 1980-01-10	79-12-01	80-11-30	-do-	Jute corn sack & cloth - 1S : 2875—1964; and 1S : 3750—1966
21. CM/L-8301 1980-01-11	80-10-16	81-01-15	Modi Steels, Modi Nagar, Distt. Meerut (U.P.)	Mild Steel wires for armourh g cables IS: 3975—1967
22. CM/L-8302 1980-01-11	80-01-16	81-01-15	Thakur Industries, Plot No. 53/4, 7th Street, MIDC Andheii, Bombay- 400093	PVC insulated (heavy duty) electric cables for working voltages up to and including 1100 volts (with copper conductors)—  1S: "54 (Part I)—1976
23. CM/L-8303 1980-01-11	79-12-01	80-11-30	Caledonian Jute & Inds., 18, Mehta Road, Badekalı Nagar, P.O. Budge- 743319 Distt. 24 Parganas (W.B.) (Off: 9, Brabourne Road, Calcutta- 700001)	A-twill jute bags— JS: 1943—1964
24. CM/L-8304 1980-01-11	80-01-16	81-01-15	Sevoke Plywood Inds. Pvt. Ltd., Salu- gurah, Siliguri, P.O. Ektieshel, Distt. Jalpaiguri (W.B.) (Off: 1, School Road, Halpu, Calcutta).	Tea-chest plywood parels— IS: 10 (Paul II)—1976
25, CM/L-8305 1980-01-11	80-01-16	81-01-15		PVC insulated trunsheathed cables for working voltages up to and includin 1100 volts— IS: 694—1977
26. CM/L-8306 1980-01-11	80-01-16	81-01-15	Palai Turnishing Co., XVIII/880 Jetty Road, Alleppey-688001 (Kerala)	8, Tea-chest plywood tatter—
27. CM/L-8307 1980-01-11	80-01-16	81-01-15	Standard Wires & Cables, D-110, Ind Focal Point, Khanna (Punjab)	<ol> <li>PVC insulated (I cavy Cuvy) electricables for working voltages upth and including 1100 voltage.</li> <li>15: 1554 (Part 1) -1976</li> </ol>
28. CM/L-8308 1980-01-14	80-01-16	81-01-15	Indian Rolling Mills, 79, Fazalçan Kanpur	<li>j. Structural steel (stancard quality) IS: 226—1975</li>
29. CM/L-8309 1980-01-15	81-01-16	81-01-15	Samvin Laboratories, Plot No. 213-214 Jawahar Co-op, Indl. Estate, Pam 410206, Distt. Kolaba (Maharasht	4, Dimethoate EC (Repacking)—
30. CM/L-8310 1980-01-15	80-01-16	81-01-15		d Horizontal, centrifugal pumps f clear, cold, fresh water for agr cultural purposes of the following izes: Size: 75 x 65 mm;
				Speed: 1500 RPM; Speed: 1500 RPM; Type/Model: V-2; and Daty Point: Heed 12.2 M, Discharge 15.7 lps, Efficiency 56°, and Pump Input 3 kW—
				IS: 6595—1972

[भाग I!खण्ड 3(ii)]			भारत का राजप <b>स्न . सितम्बर</b> 4, 1982 <b>/भाद्र</b> 13,	1904 3157
1 2	3	4	5	6
31. CM/L-8311 1980-01-15	80-01-16	81-01-15	Chanda & Co. (Engg) Pvt. Ltd., 3/1-B, Mahendra Road, Calcutta-700025	Flameproof enclosures for coal/stone, drill (firm's type 'CHANDA', Model 'A', Group I)— IS: 2148—1968
32. CM/L-8312 1980-01-15	80-01-16	81-01-15	Tirupur Textile Pvt. Ltd., Hosiery Division, SF No. 324 of 15, Velam- palayam Village, Anupparpr layam, P.O. Tirupur-638603 (T.N.)	Pl in kni ted - corten vesto, fabric, Gauge: 24 & 26 IS: 4964 (Port 1)-1975
33. CM/L-8313 1980-01-15	80-91-16	81-01-15	Navyug Electric Corpn., Plot No. 3 & 4, GIDC, Phase I, Vatva, Ahmedabad- 382445	Three-phase induction motors, 2.2 kW, 3.7 kW, 5 kW and 7 5 kW with Class 'E' insulation— IS: 325-1978
34. CM/L-8314 1980-01-15	80-01-16	81-01-15	Feeder Balancing Dairy, (A Unit of Pradeshik Co-op. Dairy Federation Ltd.), Gangol Road, Partapur, Meerut (U.P.)	Skimmed milk powder— IS: 1165—1975
35. CM/L-8315 1980-01-17	80-02-01	81-01-31	Agro Inputs Pvt. Ltd., Kumarapattanam Post-581123 Kavalettu Village, Ranibennur Taluk, Distt. Dharwar, Near Harihar Rly. Station (Karnataka) (Off: 87, III Main Road, New Tharagupet, Bangalore-560002)	DDT emulsifiable concentrates— IS: 633—1975
36. CM/L-8316 1980-01-17	80-02-01	81-01-31	Super Paints & Varnished, Jundi Road, Giridih-815301 (Bihar)	Enamel, synthetic, exterior:  (a) undercoating; and (b) finishing—  IS: 2932—1974
37. CM/L-8317 1980-01-18	79-12-01	80-11-30	Prabartak Jute Mills, Barrackpore Trunk Road, Kamarhatti-700058, Distt. 24 Parganas (W.B.) (Off: 5, Synagogue Street, Calcutta-700001)	A-twill jute bags— IS: 1943—1964
38. CM/L-8318 1980-01-18	80-02-01	81-01-31	Bansal Pipes Pvt. Ltd., 5, Matsya Indl. Area, Alwar (Rajasthan)	Steel tubes for structural purposes black, Gsade: Yst 210, Size: upto and including 80 mm NF Class: Light— IS: 1161—1979
39. CM L-8319 1980-01-18	89-02-01	81-01-31	Nandi Steel Works Pvt. Ltd., 69/2, Tumkur Road, Yeswanthpur. Bangalore-560022 (Off: 35, Shaw- thappa Lane, Bangalore-560002)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement Size: 20 mm (nominal) dia only— IS: 1786—1966
40. CM/L-8320 1980-01-18	80-02-01	81-01-31	Jain Steel Rolling Mills, Opposite Railway Station, Mallerkotla, Distt. Sangrur-148023 (Pb)	Structural steel (standard quality IS: 226—1975
41. CM/L-8321 1980-01-18	80-02-01	81-01-31	~do~	Structural steel (ordinary quality)—IS: 1977—1975
42, CM/L-8322 1980-01-18	80-02-01	81-01-31	Pradhan Strip Mills, C-12-B, Panki Indl. Estate, Kanpur (U.P.)	Structural steel (standard quality)—IS: 226—1975
43. CM/L-8327 1980-01 18	80-02-01	81-01-31	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS:1977—1975
44. CM/L-8324 [980-01-18	80-02-01	81-01-31	Mother Son, D-59-60, Sector VI, NOIDA Complex, Distt. Ghaziabad	PVC insulated (heavy duty) electric
45. CM/L-8325 1980-01-18	80-02-01	81-01-31	-do-	PVC insulated cables for working voltages upto and including 1100 volts, she whed, cluminium conductors (except weathe -proof cables)—1S: 694—1977

1 2	3	4	5	6
46. CM/L-8326 1980-01-18	80-02-01	81-01-31	Hafed Pesticides (A Unit of Haryana State Co-op. Supply & Marketing Federation Ltd), G.T. Road, Taraori, Distt. Karnal (Haryana)	BHC (HCH) water dispersible powder concentrates— IS: 562—1978
47. CM/L-8327 1980-01-18	80-02-01	81-01-31	Metalman Pipe Mfg. Co. Pvt. Ltd., 17/19, Sukalia Indl. Area, Sanwar Road, Indore-452003 (M.P.)	Steel tubes for structural purpose black, Type: 'ERW': Grade: Yst 210; Size: upto and including 65 mm NB; and Class: 'Light' IS: 1161—1968
48. CM/L-8328 1980-01-22	80-02-01	81-01-31	United Chemical Inds., Factory Area, Village Dhah, P.O. Mandialan, Distt. Hoshiarpur (Punjab)	Paraffin wax, Type 3— IS: 4654—1974
49. CM/L-8329 1980-01-22	80-02-01	81-01-31		Dichlorvos e-mulsifiable concentrates— IS: 5277—1978
50. CM/L-8330 1980-01-22	80-02-01	81-01-31	Devidayal (Sales) Pvt. Ltd., 50-A, GIDC Estate, Kalol-389330, Distt. Panch- mahals (Gujarat)	Dicofol emulsifiable concentrates— IS: 5279—1969
1. CM/L-8331 1980-01-23	80-02-01	81-01-31	U.P. Metal Inds. Ltd., Sandila Indl. Estate, Sandila-241204, Distt. Hardoi (U.P.)	Steel tubes for structural purposes nominal bore size 15 mm to 65 mm only Grade Yst 210— IS: 1161—1968
52. CM/L-8332 1980-01-23	79-12-01	80-11-30	India Jute Co. Ltd., P.O. Serampore-712201, Distt. Hooghly (W.B.) (Off: 16, Strand Road), Calcutta-700001	A-twill jute bags— IS: 1943—1964
53. CM/L-8333 1980-01-23	79-12-01	80-11-30	-do-	Heavy cee bags and Heavy cee cloth— IS: 2874—1964; and IS: 3751—1966
54. CM/L-8334 1980-01-23	79-12-01	80-11-30	-40-	Jute corn sacks and Jute corn sack cloth— IS: 2875—1964 and IS: 3750—1966
55. CM/L-8335 1980-01-23	80-02-01	81-01-31	Orient Cable Inds., Village & P.O. Mundka, Rohtak Road, Delhi	PVC insulated (heavy duty) electricables for working voltages upto and including 1100 volts armoured and unarmoured with aluminium and copper conductors—  IS: 1554 (Part I)—1976
56. CM/L-8336 1980-01-23	80-02-01	81-01-31	Gautam Cable Inds., W/Z-34/13-A, Mukhram Extn., Chokhandi Road, Tilak Road, New Delhi.	PVC insulated (heavy du(y) electricables for working voltages upto and including 1100 volts armoured and unarmoured with copper conductors— 1S: 1554 (Part I)—1976
57. CM/L-8337 1980-01-23	80-02-01	81-01-31	<b>∸</b> do-	PVC insulated cables for working voltages upto and including 1100 volts sheathed with altiminium conductors only including weather-proof cables— IS: 694-1977
58. CM/L-8338 1980-01-23	80-02-01	81-01-31	V. R. Cables & Plastics Industries, C-I-A, Shed No. 5, Vatva Indl. Estate, Vatva, Distt. Ahmedabad.	PVC insulated cables with copper conductors for working voltage upto and including 1100 volts—a IS: 694—1977
59. CM/L-8339 1980-01-23	8 <b>-</b> 02-01	81-01-31	Special Cable Inds., A-1-404, GIDC Estate, Near GIDC Water Tank, Ankloshwar (Gujarat)	PVC insul ted unsher thed cables with copper conductors for working vol- tages upto and including 1100 volts IS: 694-1977

(1	)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
60.	CM/L-8340 1980-01-25	80	0-02-01	81-01-31	Notaj Industrial Works, Beliatore, Distt. Bankura (W. B.)	Structure 1 steel (standard qu. lity 1S: 226-1975
61,	CM/L-8341 1980-01-25	8	80-02-01	81-01-31	Volga Engg. Co. Pvt. Ltd., 75-C, Perk Street 6th Floor, Blok 'E', C lcutt 700016	Flame proof enclosures for D. O.L
62.	CM/L-8342 1980-01-25	8	80-02-01	81-01-31	Punjab Iron & Steel Co. Pvt. Ltd. G. T. Road, Jullundui Cantt-144024	Carbon steel cast billet ingots for re-
63.	CM/L-8343 1980-01-25	8	0-02-01	81-01-31	-do-	Carbon steel cast billet for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS: 6915-1978
64,	CM/L-8344 1980-01-28	8	30-01-01	80-12-31	North Brook Jute Co. Ltd., Champdany, P. O. Baidyabati-712222, Distt. Hooghly (W. B.) (Off: 6, Church Lane, Calcutta)	A-twill jute bags— IS: 1943—1964
65.	CM/L-8345 1980-01-28	8	30-01-01	80-12-31	North Brook Jute Co. Ltd., Champdany, P. O. Baidyabati-712222, Distt. Hooghly (W. B.) (Off: 6, Church Lane, Calcutta)	Heavy cee b gs and Heavy cee cloth- IS: 2874—1964; and IS: 3751—1966
66.	CM/L-8346 1980-01-28		80-01-01	80-12-31	-do-	Jute corn sacks; and Jute corn sack cloth— IS: 2875—1964; and IS: 3750—1966
67.	CM/L-8347 1980-01-28	8	30-01-01	80-12-31	-do-	L-twill bags and L-twill cloth— IS: 3794—1966; and IS: 3668—1966
68.	CM/L-8348 1980-01-28	8	0-02-01	81-01-31	Khardah Co. Ltd., P. O. Titagarh-743188, Distt. 24-Perganas (W. B.) (Off: 7 Red Cross Place, Formerly 7, Wellesley Place, Calcutta-700001)	A-twil jute begs-
69.	CM/L-8349 1980-01-28	8	30-02-16	81-02-15	Special Cables Inds., A-I-404 GIDC Estate, Near GIDC Water Tank, Ankleshwar (Gujart 1)	
70.	CM/L-8350 1980-01-31	8	0-02-01	81-01-31	Sunrise Electric Corpn., Plot No. 92, A-B, Kandivli Indl. Estate, Kandivli, Bombay-400067	Shunt capacitors for power systems 2 KVAR, 415 Volts— IS: 2834—1964
71.	CM/L-8351 1980-01-31	8	30-02-01	81-01-31	Narang Iron & Steel Co. Pvt. Ltd., Barwa Ro d, Dhanb d (Bihar)	Cold twisted deformed steel baron concrete !einforcement— IS: 1786—1966
72.	CM/L-8352 1980-01-31	1	0-02-01	81-01-31	Central India Cables, S-14, Indl. Aten Richhn, Jabalpur-482009	, PVC insulated cables with aluminium conductors for working voltages upto an 1 including 1100 volts— IS: 694—1977
73.	CM/L-8353 1980-01-31	8	0-02-01	81-01-31	Delhi Steel Rolling Mills, Loni Ro d, Ram Nagar, Shahdi ra, Delhi	Cold twisted deformed steel bits (to steel bars) for concrete reinforcement (Group II)— 1S: 1786—1966
74.	CM/L-8354 1980-01-31	8	30-02-01	81-01-31	Periyar Plywoods, Mudickel P. O. Perumbayoor, Ern kulam Disti, Ker la (Korala)	Tex-chest plywood panels IS: 10 (Pert l1)- 1976
75	CM/L-8355 1980-01-31	8	30-02-01	81-01-31	Bh rat Pumps & Compressors Ltd., Nain, Allah bad-211010 (U.P.)	o8 Litres cap city LPG cylindors a per drawing No. BPC/GC/WC-87 14/D IS: 3196-1974
76.	CM/L-8356 1980-01-31	80	)-02-01	81-01-31	Srinaghr-190011 (J & K)	Stainless steel sheets→ IS: 6911 – 1972
77.	CM/L-8357 1980-01-31	8	0-02-01	81-01-31		Shunt capacitors for power system 5 KVAR, 415 Volts-18: 2834-1964

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
- 78,	CM/L-8353 1980-01-31	80-02-16	81-02-15	Amaravati Knitting Mills 88-F (16-B) Krmr: jRo d, Thupur- 638604 (T. N.)	PI in knitted cotton vests Type: RN& RNS; Size: 73 to 100 cms; and Gruge 26 IS: 4964 (Pert II)—1975
79.	CM/L-8350 1980-01-31	80-02-16	81-02-15	S. celakshmi Textiles, 74 Kumaran Rord, Tirupur-638604 (T. N.) (Off: 12, Chickkanne Chet- tier Street, Tirupur-638604)	Plein kaitted cotton vests Type: RN & RN/7S; Jize: 75 to 100 cms; and Gauge: 26— IS: 4964 (Part II)—1975
80.	CM/L-8360 1980-01-31	80-02-16	81-02-15	Exlan Knitters, 88F (15) Kemrey Road, Tirupur-638604 (T. N.)	Pl in knitted cotton vests Type: RN & RNS; Size 75 to 100 cms; and Gauge: 24—1S 4964 (P. rt II)—1975
81.	CM/L-8361 1980-01-31	80-02-16	81-02-15	Aries Agro-Vet Industries Pvt. Ltd., 98, Co-op. Indl. Estate, Balanagar, Hydera b. d-500037 (Andhra Pradesh.)	Mineral mixtures for supplementing poultry feeds— 1S: 5672—1970
82.	CM/L-8362 1980-01-31	80-02-16	81-02-15	East India Commercial Co.; Pvt. Ltd., Lesseo: Sti Krishna Jute Mills, Eluru-534002, West God vari Distt. (A. P.)	B-(will jute b gs— IS: 2566—1965
83.	CM/L-8363 1980-01-31	81-02-16	81-02-15	Nath Peters Phermaceutical Co., 17-1-200 Saidabad, Hyderabid- 500659 (A. P.)	Disinfectant fluids, black, Class: A Type: Normal Grade: 2 and 3 IS: 1061-1975
84.	CM/L-8364 1980-01-31	80-02-16	81-02-15	Jayashree Textiles & Inds. (Prop.: The Indin Rayon Corpn. Ltd.) Rishre- 712248, Distt Hooghly (W. B.)	Pl <sup>-</sup> iding cloth— IS: 7610 (Part IV)—1976

[No. CMD/13:11]

## नर्द दिल्ली, 1982-08-17

कारुआार 3105.—सारत के राजपत भाग II, खंड 3, उपखड (ii) दिनांक 1970-04-14ण्डौर 1971-08-14 में प्रकाणित तत्कालीन धौद्यांगिक विभास, अतिरिक व्यापार तथा अस्पनी मामलों का मंत्रालय (भीद्योगिक विभाग) धौर धौद्यंगिक विभाग अंकालय (भारतीय मानक संस्था) अधिमूचना सुंख । एसझी 1232 दिनांक 1970-03-12 और एसझी 3022 दिनांक 1971-07-14 का प्रतिक्रमण करने हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिमूचिन किया जात. है कि सामान्य कार्यों के लिए प्रधन्त्वक सूर्वयां की नामक चिह्न में कुछ संशोधन किया गया है। मानक चिह्न की यह संशोधन डिजाइन तन्यम्बन्धी भारतीय मानकों के शीर्षक धौर डिजाइन का शाब्दिक विवरण सहित नीचे प्रमुक्षी में दिए गए हैं।

भारतीय मानक सम्या (प्रभाणन जिह्न) प्रधिनियम 1952 तथा उसे प्रधीन बने नियमों श्रीर विनियमों के कार्यों के लिए यह मानक चिह्न 1982-02-16 ने लागू होगा:

#### प्रमसूची क्र∘सं० मानक चिह्न की **ग्रि**जाइन उत्पाव/उत्पाद की श्रेणी तन्सबधी भारतीय मानक की सं० श्रीर भानक चिह्न के डिजाइन का शाब्दिक विवरण (4) (3)(5) सामान्य कार्यों के लिए प्रधीस्त्वक LS 3236-1980 सामान्य कार्यों के लिए भारतीय मानक संस्था का मानोग्राम जिसमे 'ISI' शब्द होते हैं, स्त्रभ्भ (2) में दिखाई भ्रधोस्त्वक सूइयो की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) गई गौली कार अनुपास में तैयार किया गया है भीर जैसा डिजाइन में दिखाय। गया है मोनोग्राम ते वाई क्रीर भारतीय मानक की पदसंध्या भीर दाई मोर वर्ष भंकित किया गया है।

New Delhi, 1982-08-17

SO 3105—In supersession of the then Ministry of Industrial Development, Internal Trace and Composity Affairs (Deptito of Incustrial Development) and Ministry of Industrial Development (Indian St. indians Institution) notifications from the SO 1 12 detect 1970 03 12 and SO 3022 dated 1971-07-19 published in the Gazette of India, Part-II, Section, 3, Sub-section (ii) dated 1970-04 04 and 1971-08-14 respectively, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Marks for hypocetimic systematics for general purposes. Find been revised. The revised designs of the Standard Marks together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the designs are given in the following Schedule.

These Standard Marks, for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act 1952, and the Rules and Regulations framed thereunder shall come into force with effect from 1982-02-16

#### **SCHEDULE**

Sl Design No Standard	of the Mark	Product/Class of Product		No. and Title of the Relevant	Verbal Description of the Design of the Standard Marks
(1)	(2)	(3)		(4)	
[] 15 3234		Hypodermic syringes for general purposes	IS	3236-1980 Specification for hypodermic syringes general purposes (first revision)	in) sisting of letters 'ISI drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2), the number of the Indian Standard Leing superscribed on the left hand and right hand sides alongwith its year, of the monograms as indicated in
_		and the second s			the designs [No CMD/13 9]

का अा 3109—भारत के राजपत्न भाग II, खंड 3, उपखंड (11) दिनाक 1977-03-17 में प्रकाशित तत्कालीन वाणिज्य एवं उद्योग मतालय (भारतीय मानक सम्था) ग्रिधिसूचना सख्या एसग्रो 748 दिनाक 1962-03-05 का श्रातिक्रमण करते हुए भारतीय मानक सम्या दवारा श्रिधिसूचिन किया ज ता है कि बेकर द्वारा श्र्युक्त खमीरे की मानक चिह्न में कुछ सशोधन किया गया है। मानक चिह्न की मशोधित डिजाइन तत्सबधी भारतीय मानक का शीर्षक ग्रौर डिजाइन के शाब्दिक विवरण महिन नीचे ग्रिसुसूची मंदी गई है।

भारतीय मानक सम्था (प्रमाणन चिह्न) ग्रिधिनियम, 1952 तथा उसके ग्रिधीन बने नियम ग्रौर विनियम के कार्यो के लिए यह मानक चिह न 19९2-01-71 से लाग हागा

4 11 6		<b>श्रन्</b> सूची	
क्र०स० मानक चिह्न की डिजाइन	न उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सबधी भारतीय मानक की स० ग्रौर शीर्षक	मानक चिह्न के डिजाइन का शाब्दिक विवरण
1) (2)	3)	(4)	(5)
Type bye	वेकरा द्वारा प्रयुक्त खमीरा	IS 1320-1991 बेकरो द्वारा प्रयुक्त खमीरे की विणिष्टि (द्सरा पुनरीक्षण)	मारतीय मानक सम्या का मानाग्राम जिसमें ISI णब्द होते हैं स्तम्भ (2) म दिखाई गई शैली और रुनपान म तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन म दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ग्रार भारतीय मानक की पदसख्या तथा वर्ष दिए गए है और मोनोग्राम के नीचे की ओर तत्सबधी टाइप का पदनाम ग्राकित किया गया है।

[सीएमडी<sub>/</sub>13 9]

S.O 3106—In supersession of the then Ministry of Commerce and Industry (Indian Standards Institution) notification number S O 748 dated 1962-03-05, published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1973 03-17, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark of baker's yeast have been revised. The revised designs of the standards Marks together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the designs are given in the following Schecule.

These Standard Marks for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1982-01-01

					SCHEDULE						
SI. No.	Design Standard	of	the Mark	Product/Class of Product	No. & Title of the Relevant Indian Standards	Verbal Description of the Design of the Standard Mark					
(1)	_		(2)	(3)	(4)	(5)					
1.		. — -		Baker's yeast	IS: 1320-1981 Specification for baker's yeast (second revision)	sisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number of the Indian Standard, alongwith its years, being superscribed on the top sides and the relevant types designations being subscribed					
	TYPE BYD					under the bottom sides of the monograms as indicated in the designs.					

[No. CMD/13:9]

का०आ० 3107: समय समय पर संगोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन
जिहन) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के <b>अनु</b> सार
भारतीय मानक संस्था द्वारा ग्रधिसूचिन किया जाता है कि जिन 279
लाईसेंसों के ब्यौरे नीचे प्रनुसूची में दिए गए हैं, उनका दिसम्बर 1981
में नर्द(करण किया गया है ।

# अनुसची

— — ऋम संख्या	— मो₁एम/एल मंख्या		 धि	
सम्ब	मुख्य।	म	नुक	(15) (1) (3) (3)
- · (1)	- <del></del> (2)	(3)	(4)	(5)
1.	0003612	81-11-16		IS : 398
				ाग 1 <b>झौ</b> र 2)—1976
2.	0003713	81-11-16		IS: 434
			١,	ाग 1 स्रोर 2)—1964
	0018827	81-11-16		IS: 1184—1977
4.	0036122	81-12-16		IS: 916—1975
5.	0036930	82-01-01		IS: 9161975
6.	0038934	81-11-16		IS: 684—1977
7.	0059841	81-12-01	82-11-30	IS: 694—1977
8.	0061626	81-10-16	82-10-15	
			( भ	ल J <b>झो</b> र 2)—1976
9.	0065432	81-03-01	82-02-28	IS: 5611978
10.	0069642	81-11-16	82-11-15	IS: 1554
				(भाग I)1976
11.	0083939	81-12-01	82-11-30	IS: 1221—1971
12.	0097748	81-12-01	82-11-30	IS: 220-1972
13.	0109426	81-12-16	82-12-15	IS: 226—1975
14.	0120919	81-12-01	82-11-30	IS: 398
				(भाग 2)—1976
15.	0121921	82-01-01	82-12-31	IS: 814
			( )	भाग <b>1 ग्र</b> ौर 2) 1974
16.	0143224	81-11-16		IS: 1596—1977
17.	0143628	81-11-01	82-10-31	IS: 7452—1974

	<u>(I)</u>	(2)	(3)	(4)	(5)
	18.	0154532	81-11-16	82-11-15	IS: 325—1978
	19.	0169848	81-11-16	82-11-15	IS: 226—1975
		0169949	81-11-16	82-11-15	IS: 1977 –1975
	21.	0170328	81-11-16	82-11-15	IS: 2037—1962
	22.	0170732	81-11-16	82-11-15	
				(भाग	1 ग्रं(र 2)—1976
		0171532	81-12-16	82-12-15	IS: 226—1975
		0171633	81-12-16	82-12-15	IS: 1977—1975
	25.	0173435	81-11-01	82-10-31	IS: 417
				(भाग	1,2 फ्रौर 3)—1974
		0188246	82-01-01	82-12-30	IS: 3196—1974
	27.	0215526	81-10-16	82-10-15	IS: 10
				(भाग 3)	1974
	28.	0225428	81-11-01	82-10-31	IS: 1989
					(भाग 1) 1978
		0231322	81-11-01	82-10-31	IS: 36861966
		0243632	81-11-16	82-11-15	IS: 2593 -1964
		0245636	81-11-16	82-11-15	IS: 11651975
		0269044	81-11-16	82-11-15	IS: 325—1978
	33. (	0273843	81-12-01	82-11-30	IS: 1554
	2.4	0054443			(भाग 1)—1976
		0274643 0281034	81-12-16	82-12-15	IS: 2548-1967
		0281034 0283846	81-11-16		IS: 780—1969
		0286044	81-12-16 82-01-01	82-12-15 82-12-31	IS: 1786—1966 IS: 398
		200011	02-01-01	02-12-31	
	38. (	0303927	81-10-16	82-10-15	(মাণ 1)1976 IS: 398
	,		01.10-10		13 . 398 ਪ <sup>ਾ</sup> ਸੀਵ 2)1976
	39, (	0310520	81-12-16		IS: 10111968
	40. (	0312625	81-12-01		IS: 2082—1978
	41. (	0319336	81-11-01	82-10-31	IS: 398
					गर्ग <b>प्रभी</b> र 2)—1976
		0320725	81-12-16		IS: 694—1977
	43. 0	)324430	81-12-16	82-12-15	IS: 10
		-			(भाग 2) —1976
-					

[भाग I	[खण्ड 3 (i	iɪ)] 	<del>-</del>	भारत का राजपत — -	सित्मबर 4, 1993 — —	2/भ। ===	द्र 13, 1904 	<del>-</del>		<del>-</del>	3	163 
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1	)	(2)	(3)	(4)		(5)	
44	0328438	82-01-01	82-12-31	IS · 694—1977	7	35.	0484654	81-12-01	82-11-30	Is:	1079—1	973
	0328539	82-10-01		IS: 1554			0484755	81-12-01	82-11-30			
73.	0320337	02-10-01	(,, ,,, ,, ,	(भाग 1) —1			0484856	81-12-01	82-11-30			
46	0340226	81-11-01	82-10-31				0484957	81-12-01	82-11-30			
40.	0340220	01-11-01		ाग 1 स्रीट 2)— 1			0485050	81-12-01	82-11-30			
47	0.2.37.1.40	01 13 14		IS: 1786 -19			0485555	81-12-01	82-11-30			
	03 36140	81-12-16		IS: 6438-198			0487761	81-12-16	82-12-15			
	0358851	81-11-16					0488056	81-12-16	82-12-15			-
	0359045	81-11-16		IS: 5423 –19	, .,		0500323	82-01-01	82-12-31			07
50.	0359651	81-12-01		IS: 1726						(भाग		76
		01.11.16		4,5 6 खण्ड 2 —19		94.	0501/3 25	81-11-16	82-11-15			975
	0360030	81-11-16		IS: 564 –1975	-		0501527	81-11-16	82-11-15			
	0360535	81-12-01		IS: 187219	1.7		0527949	81-12-16	82-12-15			968
	0360939	81-12-01		IS: 5455-190	0,		0533843	81-12-16	82-12-15			
	0382141	81-11-01		IS: 3975 –19			0533944	81-12-16	82-12-15			
55	0384852	81-12-16	82-12-15	IS: 1554			0554845	81-12-16	82-12-15			
				(भाग 1)197	**		0550136	82-01-01	82-12-13			
56.	0387252	81-08-16	82-08-15									
				(भाग 4)—197			0556148	81-11-01	82-10-31			
57.	0401927	81-11-01	82-10-31	IS: 398			0559356	81-12-01	82-11-30			
				(भाग 2)—197			0562648	81-11-16	82-11-15	IS:	10 (भाग 2	)-1976
	0403224	81-12-01		IS: 2548—19			0583044	81-11-16	81-11-15	IS:	419-1961	7
	0405733	81-11-16		IS: 633—197			0563145 0563246	81-11-16 81-12-01	81-11-15 82-11-30	18;	1308-191	74
60.	. 0406129	81-12-01		IS: 398	1		0563852	81-12-01		1S:	10 (ana 4	00 N-1976
				ग 1 फ्रीर 2 —191	/o) l		0564046	81-12-01	82-11-30	IS:	325 - 19	970
	0408032	81-12-01		IS: 335 –197		09	0564248	81-12-01	82-11-30	IS:	10	
	0410827	82-01-01		IS: 4246—19			0555055	01.11.14		(	भाग4) -	1976
	. 0437544	81-11-16		IS: 2567—19			. 0565957 . 0566656	81-11-16 81-12-01	82-11-15	IS:	171 - 19	975
	. 0458350	81-12-01		IS: 419—196			. 0569561	81-12-10	82-11-30 82-11-30	15 : 15 :	1011: 171:	1968 275
65.	. 0461036	81-12-01	82-11-30	) IS:10	1		0571649	81-12-01	82-11-30	is:	633 19	975
			00.11.10	(भाग 4)191		14	. 0573047	82-01-01	82-12-31	IS:	1239	
	. 0469658	81-11-16		S IS: 1848—-19							(भाग I)—	
	. 0471544	81-10-01		) IS: 1848—19			0581147		82-11-15			
	. 0472950	81-10-16		IS: 1165—1			. 0597869	81-12-01 81-12-01	82-11-30 82-11-30	18 :	6914—	1978
	. 0473043	81-11-16		5 IS:633—197			. 0607846	81-12-01	82-11-30	IS:	· 436 - 1 · 2339—	971 1963
70	. 0474752	81-11-01	82-10-3	1 IS: 10	74	19	. 0609547	81-11-16	82-11-15	15	: 1005 —	1976
	0.45.40.53	01 11 01	00.10.2	(भाग 3)—19			. 0609749	81-12-01	82-11-30	IS:	: 171—1	973
71	. 0474853	81-11-01	82-10-3	l IS : 3055 (भाग 1) —197			. 0626446	81-11-16 81-12-01		IS.	: 3903—	1973
	0.47575.4	ο1 11 Δ1	02.10.2	,			. 0637956	81-12-01	82-11-30 82-11-30	12	: 313—1 : 164—1	973 051
72	. 0475754	81-11-01	82-10-3	I IS: 10			. 0642848	81-11-16	82-11-15	İS	: 4984—	1980
	0.476756	01 10 16	07 10 1	(भाग 3) –19° 5 <b>1S</b> : 814			. 0643345	81-10-01	8 <b>2-</b> 09-30	IS	: 6047	1970
/3	. 0476756	81-10-16		२ । <b>५</b> , ८१४ (भाग ी भौर2) —			0643547	81-10-01	82-09-30	IS	: 5430—-	1969
71.4	0477353	81-11-01		IS: 829—19			. 0644751 . 0650039	81-12-01 81-11-01	82-11-30 82-10-31	15	: 133- T : 2566	975 1065
	. 0477253			5 IS: 1660	, .		0650342	81-12-01	82-11-30		. 2300 — . 5986   -	1905
/5	5. 0478659	0)-11-10	0 2-11-1	. (भाग 1) 190			0651344	81-11-16	82-11-15	IS	: 633—1	975
76	5. 0478760	81-11-01	82_10_3	1 IS: 916—19	7.5		. 0851445	81-11-01	82-10-31	IS	: 6914 -	1978
	5. 0478760 7. 0479257			5 IS 325 —19			2. 0651546 3. 0651647	81-11-01 81-11-16	82-10-31	IS	: 6915 —	1978
	3. 0479237			0 IS: 1221—19			. 0652043	81-11-01	82-11-15 82-10-31	IS	: 2580 — [	978 1065
	3. 0479001 3. 0480949			O IS : 2865- 19	978	135	6. 0652952	81-11-16	82-11-30	15	: 3652-	1974
	), 0480949 ), 0481042			) IS : 2005 - 10 ) IS : 204			0653550	81-11-16	82-11-15	IS	: 6914—	1978
o.	, U+01U+2	01-17-01	17 5- 1 1-21	) 13 . 504 (भत्म 2)—19			7. 0653651 8. 0653752	81-11-16 81-12-01				1978
Q1	. 0482852	81-11-16	82-11-1				0. 0654653	81-12-01	82-11-30 82-11-30	15	. 700- l : 4964—	709 1980
	2. 0483854				73	140	). 0654855	81-12-01	82-11-30	IS	: 6914-	1978
	3. 0484452				075		. 0654956	81-12-01	82-11-30	IS	: 6915	1978
	4. 0484553			0 IS · ºol 19	TE.		2. 0655150	81-12-01	82-11-30			
						140	3. 0655453	81-11-16	82-11-15 	12	. 134/—	1968

609 GI/82—9

=======================================	<del></del>			<del></del>						
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	SCHEDULE						
		<del></del>		SI.	CM/L	Va	lid	Indian Standard Secifi-		
246. 0913954			S: 6121971	No,	No.	From		cation No.		
247. 0914047			S: 226—1975					<del>_</del>		
248. 0914148			S: 1786—1966	1)	(2)	(3)	(4)	(5)		
249. 0914249			S: 8960—1978		0003612	81-11-16		IS: 398 (Part I &II)-1976		
250. 0914653			S: 158—1968	2.	0003713	81-11-16	82-11-15	IS: 434 (Part I & II)—		
<b>251</b> . 0914754	81-12-01	82-11-30 1	S: 341—1973	3	0018827	19,11 14	97.11 1 <i>z</i>	1964 TS: 11-84-1977		
252. 0914855	81-12-01	82-11-30 IS	S: 694—1977		0036122			IS: 916-1975		
253. 0914956			S: 562—1978		0036930	82-01-01		IS: 916-1975		
254. 0915049			S: 1161—1979		0038934			IS: 694-1977		
255. 0915150	_		S: 1554 (भागा)		0059841	81-12-01		15:694-1977		
200. 0715150	01-12-01	02-11-30 1	—1976	8.	0061626	81-10-16	82-10-15	IS: 398 (Part I & II)-		
			<i>—1970</i>			0.4.8.0.4	05.00.00	1976		
256, 0915352	2 81-12-01	87_11_30_T	S: 565—1975		0065432			IS: 561-1978		
257. 0915352					0069642 0083939	81-11-16 81-12-01		IS: 1554 (Part I)—1976 IS: 1221-1971		
			S: 371—1979		0083939			IS: 220-1972		
258, 0915756	81-12-01	82-11-30 1	S:10 (भाग 4)					IS: 226-1975		
			1978		0120919			IS: 398 (Part II)-1976		
259. 0916253	81-12-01	97 11 20 T	S: 9128—1979		0121921			IS: 814 (Part I & II)-		
								1974		
260 0916354			S: 4250—1980		0143224			IS: 1596-1977		
261. 0916556			S: 1786—1979		0143628			IS: 7452-1974		
262. 091665			S: 1977—1975			81-11-16	82-11-15	IS: 325-1978		
<b>2</b> 63. 0916758	8 81-12-01	82-11-30 1	IS: 226—1975		0169848			IS: 226-1975		
264. 0916960	81-12-01	82-11-30 I	S: 1391—1971	20.	0169949	81-11-16	82-11-15	IS: 1977-1975		
265. 0917154	4 81-12-01	82-11-30 J	S: 2208—1962			81-11-16 81-11-16		1S: 2037-1962 IS: 398 (Part I & II) -		
266. 0916560			S: 694—1977	22.	01/0/32	01-11-10	ر ۲۱۲-۳۵	1976		
267. 091866			S : 1554 (भाग 1)	22	0171532	81.12 16	82-12-15	IS: 226-1975		
	0		1976		0171633			IS: 1977-1975		
					0173435			IS: 417 (Part I, II & III)		
<b>2</b> 68. 0918964	4 81-12-16	82-12-15 I	S : 2713 (भाग 2)	_5.	÷ ,= -==	-		<b>—1974</b>		
			1980	26.	0188246	82-01-01	82-12-31	IS: 3196-1974		
	_						82-10-15	IS: 10 (Part III) -1974		
269. 091986			IS: 4159—1976		0225428		82-10-31	IS: 8969 (Part I)—1978 IS: 3686-1966		
270. 0920850			S: 3447—1965		0231322 0243632			IS: 3680-1960 IS: 2593-1964		
271. 092224	8 81-12-16	82-12-15 I	IS: 758—1975		0245636		82-11-15	IS: 1165-1975		
272. 922753	81-12-16	82-12-15 I	IS: 1786—1979			81-11-16	82 -11-15	1S: 325-1978		
273. 092325	0 81-12-16		IS: 4431—1978	33.	0273843	81-12-01	82-11-30	IS: 1554 (Part I)-1976		
274. 092395			S: 3854—1966	34	. 0274643	81-12-16	82-12-15	IS: 2548-1967		
275. 0924050			S: 694—1977		. 0281034			IS: 780-1969		
276. 092415			lS: 1554 (भाग 1)		. 0273846		82-12-15	1S: 1786-1966		
<u></u>	- 52 0(-01	V# 1#"J1 1	—1976		. 0286044		82-12-3b 87:10:14	IS: 398 (Part I)—1976 IS: 398 (Part I & I I)—		
			-1770	38	. 0303927	97-10-10	04-10-13	1976		
277. 092465	6 81-12-16	82-12-15	IS: 8631969	20	. 0310520	81-12-16	82-12-15	IS: 1011-1968		
278. 092635			IS: 8737 भाग 2		. 0310520		82-11-30	IS: 2082-1978		
#101 07#0JQ	, 52-51-01	O√-1 <u>#</u> "J1 .	1978		. 0319336			IS: 398 (Part I & II)-		
270 002245	E 07 07 01	02 01 21						197.6		
279. 093345	5 82-02-01	83-01-31	IS: 4246—1978			81-12-16	82-12-15	IS: 694-1977		
		€11 - +	ती०एम०डी० 13: 12}		0324430			IS: 10 (Part II)-1976		
		-	•		0328438		82-12-31 82-12-31	IS: 694-1977 IS: 1554 (Part I)-1976		
		ए० पी० ४	वनर्जी, अपर महानिवेशक		6. 0328539 6. 0340226	82-01-01 81-11-01		IS: 133# (Part I & II)-		
			-	40	), US4U420	, 01-11-AT	φ <b>2-10-</b> 31	1976		
				47	0356140	81-12-16	82-12-15	IS: 1786-1969		
S.O. 3107.	-In pursuanc	e of sub-regn	lation (1) of Regu-		0358851	81-11-16	82-11-15	IS: 6438-1980		
lation 8 of th	e Indian Sta	andards Instit	tution (Certification		0359045	81-11-16	82-11-15	IS: 5423-1978		
Marks) Regul	ations, 1955, a	s amended fro	m time to time, the		0359651	81-12-01		0 IS: 1726 (Part II, IV, V,		
Indian Standa	rds Institution	i, hereby, noti	fies that 279 licences					V1/Sec. 2)—1974		
particulars of v	which are give	n in the follo	wing Schedule have		. 0360030	81-11-16		IS: 564-1975		
been renewed	auring the mo	nth of Decemb	ber 1981 :	52	. 0360535	81-12-01	82-11-30	JS: 1879-1975		

<i>c</i>									
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
~		81-12-01		IS: 5455-1969	116.	0597869	81-12-01	82-11-30	1S: 6914-1978
	0360939			IS: 3975-1975	117.	0607442	81-12-01	82-11-30	IS: 458-1971
	0382141	81-11-01 81-12-16		IS: 1554 (Part I)-1976	118.	0607846	81-12-01	82-11-30	IS: 2339-1963
	0384852			IS: 10 (Part IV)1975	119.	0609547	81-11-16	82-11-15	IS: 1005-1976
	0387252	81-08-15			120.	0609749	81-12-01	82-11-30	IS: 171-1973
	0401927	81-11-01		IS: 398 (Part II)—1976	121.	0626446			IS: 3903-1973
	0403221	81-12-01		IS: 2548-1967		0627549			IS: 513-1973
	0405733	81-11-16		IS: 633-1975	100	0637956	81-12-01		IS: 164-1951
60.	0406129	81-12-01	82-11-30		•	0642848	81-11-16		IS: 4964-1980
				1976		0643345	81-10-01		IS: 6047-1970
	0408032	81-12-01		IS: 335-1972		0643547	81-10-01		IS: 5430-1969
	0410827	82-01-01		IS: 4246-1978		0644751	81 12-01	_	IS: 133-1975
	0437544	81-11-16		IS: 2567-1978		0650039	81-11-01		IS: 2566-1965
	0458350	81-12-01		IS: 419-1967		0650342	81-12-01		IS: 5986-1970
	0461036	81-12-01		IS: 10 (Part IV) -1976					
	0469658	81-11-16		IS · 1843-1971		0651344	81-11-16		IS : 633—1975
	0471544	81-10 01		IS: 1848-1971		0651445	81-11-01		IS: 6914 1978
68.	0472950	81-10-16		IS: 1165-1975		0651546	81-11-01		IS: 6915—1978
69.	0473043	81-11-16		IS: 633-1975		0651647	81-11-16		IS: 561—1978
70.	0474752	81-11-01	82-10-31	IS:10 (Part III)-1974		0652043	81-11-01		IS: 2580—1965
71.	0474853	81-11-01	82-10-31	IS: 3055 (Part I)—1977		0652952	81-11-16		IS: 3652—1974
<b>7</b> 2.	0475754	81-11-01	82-10-31	IS: 10 (Part III) -1974		0653550	81-11-16	82-11-15	IS: 6914-1978
73.	0476756	81-10-16	82-10-15	IS : 814 (Part I & II)-		0653651	81-11-16		IS: 6915—1978
•				1974		0653752	81-12-01	82-11-30	Is: 780—1969
74.	. 0477253	81-11-01	82-10-31	IS: 829-1978		0654653	81-12-01		IS: 4964—1980
	0478659	81-11-16		IS: 1660 (Part I)-1967		0654855	81-12-01		IS: 6914-1978
	0478760	81-11-01		IS: 916-1975	141.	0654956	81-12-01	82-11-30	IS: 6915—1978
	0479257	81-11-16		IS: 325-1978	142.	. 0655150	81-12-01	82-11-30	JS: 4964-1980
	0479661	81-12-01		IS: 1221-1971		0655453	81-11-16		IS: 1547-1968
	0480949	81-12-01		IS: 2865-1978	144	. 0656354	81-12-01		IS: 226 1975
	. 0481042	81-12-01		IS: 204 (Part II)-1978	145	0656556	81-12-01		IS: 1786—1966
	. 0482852	81-11-16		IS: 1848-1971	146.	. 0658762	82-01-01	82-12-31	IS: 1161-1979
	. 0483854			IS: 171-1973	147.	0690556	82-01-01	82-12-31	JS; 8052—1976
	. 0484452			IS: 1977-1975	148	. 0692863	81-11-01	82-10-31	IS: 4250-1967
	0484553	81-12-01		IS: 961-1975	149.	. 0697873	81-11-16	82-11-15	<b>15</b> : 285–1974
	0484654	81-12-01		IS: 1079-1973	150	. 0703236	81-12-16	82-12-15	IS: 2834-1964
	. 0484755			IS: 2002-1962	151	. 0715647	80-10-01		IS: 781—1977
	. 0484856	81-12-01		IS: 2062-1969	152	. 0715849	80-10-01	82-09-30	IS: 1703—1977
	. 0484957	81-12-01		IS: 6240-1976	153	. 0718249	81-09-01	82-08-31	JS: 8268—1976
	. 0485050			IS: 226-1975	154	. 0719554	81-11-16	82-11-15	IS: 2567 1973
	. 0485555			IS: 6003-1970		. 0726147	81-10-16	82-10-15	IS: 3652-1974
	0487761	81-12-16		5 IS: 4964-1980		. 0726955	81-10-16		IS: 561-1978
92	. 0488056	81-12-16		5 IS: 419-1967	157	. 0727755	81-11-01		IS: 829 1978
	0500323			1 IS:398 (Part I)-1976	; 158	. 0729658	81-11-01		IS · 4985—1968
94	. 0501325			5 IS: 633-1975	159	0731847	81-11-16		IS: 694—1964
95	. 0501527	81-11-16		5 IS: 7122-1973	160	0731948	81-11-16		IS: 226—1975
	. 0527949			S IS: 2148-1968		. 0734853	81-12-01		IS: 565—1975
	. 0533843					. 0735047	81-12-01		IS: 1251—1973
98	. 0533944	81-12-16	82-12-1:	5 IS:6915:1978		. 0735249	81-12-01		lS: 1786 1966
99	. 0534845	81-12-16		5 IS: 561-1978		0736756	81-12-01		IS: 226 1975
100	. 0550136	82-01-01	82-12-3	I IS: 1786-1979		0736857	81-12-01		IS: 1977—1975
101	. 0556148	81-11-01	82-10-3	IS: 561-1978		5. 0737051	81-12-01		IS: 1977 1975
	. 0559356		82-11-3(	IS: 2906-1969		, 0737152	81-12-01		IS: 1239– (Part I)– 197
103	. 0562648	81-11-16	82-11-1	S IS: 10 (Part II)-1976	-	3. 0737253			IS: 1320-1981
104	. 0563044	81-11-16		S IS: 419-1967		0. 0737354			IS: 694-1977
	. 0563145		82-11-1	5 IS: 1308-1974		). 0737859			1S: 694-1977
106	. 0563246	81-12-01		D IS: 3747-1966		1. 0738053			IS: 633-1975
	. 0563852			0 IS:10 (Part IV)-1976	6 172	2, 0738558	81-12-01	82-11-30	IS: 398 (Part I & II)-
	0564046			0 IS: 325-1970				g2 11 20	1976 IS:1879—1975
109	. 0564248	81-12-01		0 IS:10 (Part IV)-197		3. 0739055 4. 0739257			IS: 565-1975
110	0. 0565957	81-11-16		5 IS: 171-1973		5. 0741244		82-12-15	IS: 7452-1974
	. 0566656			0 IS: 1011-1968		6. 0742751		82-12-31	IS: 1970 (Part J)- 1974
	. 0569561			0 IS:71-1973		7. 0743248			IS: 4654 1974
	. 0571649			) IS : 633-1975	17	8. 0744250	82-01-01	82-12-31	IS: 1601—1960
	. 0573047			I IS: 1239 (Part I)-1976		9. 0744351		82-12-31	IS: 1601-1960
115	. 0581147	81-11-14		5 1S:1307-1973		0. 074696	1 81-11-16	82-11-15	5 IS: 4964 1980
_	<del></del>		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·						

2	3	4	5 4	(1) (2) (3) (4) (5)
1. 0747054	81-11-16	82-11-15	IS: 4964-1980	241. 0911647 81-11-16 82-11-15 IS: 2567—1978
2. 0749664	81-12-01	82-11-30	IS: 694-1977	242. 0912144 81-11-16 82-11-15 IS: 8249—1976
33. 0752047	81-11-16	82-11-15	IS: 4964-1980	243. 0912548 81-11-16 82-11-15 1S: 2567—1978
84, 0768971	81-04-16	82-04-15	IS: 1977 1975	244. 0913045 81-11-16 82-11-15 1\$:565—1975
85. 0776768	81-09-16	82-09-15	(S: 5410-1969	245. 0913348 81-11-16 82-11-15 15 ; 4964—1980
B6. 0788472	81-11-01		IS: 226-1975	246. 0913954 81-12-01 82-11-30 I\$: 612—1971
87. 0792968	81-09-01		IS: 4989-1974	247. 0914047 81-12-01 82-11-30 IS: 226—1975
88. 0799376	81-09-16		IS: 1051—1973	248. 0914148 81-12-01 82-11-30 IS: 1786—1966
89, 0803947	81-10-16		IS: 3906 (Part J)-1974	249. 0914249 81-12-01 82-11-30 IS: 8960—1978
90. 0804040	81-10-16		IS: 4654—1974	250. 0914653 81-12-01 82-11-30 IS: 158—1968
90. 08040 <del>4</del> 0 91. 0804343	81-10-16		IS :398 (Part I & II)-	251. 0914754 81-12-01 82-11-30 1S: 341—1973
91. 0604345	01-10-10	10-13	1976	252. 0914855 81-12-01 82-11-30 IS: 694—1977
92. 0804747	81-10-16	82-10-15	IS: 6595→1972 &	253. 0914956 81-12-01 82-11-30 IS: 562—1978
,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,			IS: 7538- 1975	254. 0915049 81-12-01 82-11-30 IS: 11611979
93. 0805042	81-10-16	82-10-15	IS: 8054-1976	255. 0915150 81-12-01 82-11-30 IS: 1554 (Part I)197
94. 0806650	81-11-01		IS: 774-1974	256. 0915352 81-12-01 82-11-30 IS: 565—1975
95, 0808048	81-12-01		IS: 3536-1966	257. 0915453 81-12-01 82-11-30 IS: 3711979
96, 0808149	81-12-01		IS: 3537- 1966	258. 0915756 81-12-01 82-11-30 IS: 10 (Part IV)—1976
97. 0808957	81-11-01		IS : 1786 1966	259. 0916253 81-12-01 82-11-30 IS: 91281979
				260. 0916354 81-12-01 82-11-30 IS: 4250—1980
98. 0809151	81-11-16		IS: 8500—197;	261. 0916556 81-12-01 82-11-30 JS: 1786—1979
99. 0809454	81-11-16		IS: 226—1975	262. 0916657 81-12-01 82-11-30 IS: 19771975
00. 0809555	81-11-16		IS: 1977—1975	263. 0916758 81-12-01 82-11-30 IS: 226—1975
01. 0809959	81-11-16		IS: 226—1975	264. 0916960 81-12-01 82-11-30 IS: 13911971
02. 0810035	81-11-16		IS: 226—1975	265. 0917154 81-12-01 82-11-30 IS: 22081962
03. 0811138	81-11-16		IS: 133—1975	266. 0918560 81-12-16 82-12-15 IS: 694—1977
204. 0811441	81-11-16	82-11-15	IS: 6595—1972	267. 0918661 81-12-16 82-12-15 JS: 1554 (Part I)—197
05. 0813849	81-12-01	82-11-30	IS: 2932—1974	268. 0918964 81-12-16 82-12-15 IS : 2713 (Part II)—19
06. 0814750	81-11-16	82-11-15	IS: 1786—1966	269, 0919865 81-12-01 82-11-30 IS : 4159—1976 270, 0920850 81-12-16 82-12-15 IS : 3447—1965
07. 0814851	81-11-01	82-11-15	JS: 17861979	271. 0922248 81-12-16 82-12-15 IS: 758—1975
08. 0814945	81-11-16	82-11-15	IS: 633—1975	272. 922753 81-12-16 82-12-15 IS: 17861979
209. 0815247	81-12-01		IS: 1135—1973	273. 0923250 81-12-16 82-12-15 IS: 4431—1978
210. 0815348	81-11-16		JS: 1786—1976	274. 0923957 82-01-01 82-12-31 IS : 3854—1966
211. 0815550	81-12-01		IS: 7121—1973	275. 0924050 82-01-01 82-12-31 IS: 694—1977 276. 0924151 82-01-01 82-12-31 IS: 1554 (Part I)—197
212. 0816148	81-12-01		IS: 1785—(Part II)— 1966	277. 0924656 81-12-16 82-12-15 IS : 863—1969 278. 0926357 82-01-01 82-12-31 IS : 8737 (Part II)—
213. 0816350	81-12-01	82-11-30	IS: 1554 (Part 1)—- 1976	279. 0933455 82-02-01 83-01-31 IS: 4246—1978
214, 0816653	81-12-01	82-11-30	IS: 22081962	[No. CMD/13:1
215. 0816855	81-12-01	82-11-30	IS: 226 1975	A. P. BANERJI, Addl. Director Gene
216. 0819861	81-12-16	82-12-15	IS: 7122—1973	
217. 0820644	81-12-16	82-12-15	IS: 4964—1980	
218. 0821747	81-12-16	82-12-15	IS: 1554(Part I)1976	स्वास्थ्यः और धरिवार कल्याण संत्रालय
219. 0823549	82-01-01	82-12-31	IS: 4654—1974	(स्थास्थ्य विभाग)
220, 0826353	82-01-01	82-12-31	IS: 10611975	•
221. 0826959	82-01-01		IS: 1554 (Part I)-1976	मई विल्ली, 16 भगस्त, 1982
22. 0828256	82-01-01	82-12-31	IS: 3196—1974	क(०आ० ३108यतः भारतीय श्रायुविज्ञान परिषद ग्रधिनिय
223. 0892063	81-09-01		IS: 1977—1975	1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उप-धारा (1) के ख
224. 0900339	81-10-01		IS: 1554 (Part I)—	
			1976	(था) के उपबन्धों का पालन करते हुए कश्मीर विश्वविद्यालय की सी
225. 0902646	81-10-16	82-10-15	IS: 2052—1979	द्वारा मनोनीत प्रा० सयीव जहूर ग्रहमव को 1 जून, 1982 से भार
226, 0903951	81-10-16		IS: 8748—1978	मापुर्विशाम परिषद का सदस्य मिर्वाचित किया गया है,
	81-10-16		IS: 7121—1973	
227. 0904751				भारत भार उक्त भधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के भनुस
228, 0906654	81-11-01		IS : 3901—1975	में केर्न्द्रीय सरकार एतद्द्रारा तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरक
229. 0908052	81-11-01		IS: 398 (Part I & II)→ 1976	की 9 जनवरी, 1960 की श्रिधिसूचना संख्या 5-13/51-एम-1 मे नि िखिस ग्रीर संगोधन करनी है, ग्रथिन :
230, 0908153	81-11-01		IS: 398 (Part J & II)— 1976	जन्ह मधिसूचना में "धारा 3 की उप-धारा (1) के खा <b>ः (व</b> )
	81-11-16		IS: 6941977	प्रधीन मनोनीत <sup>ें</sup> शीर्ष के घस्तर्गत कम संक्या 51 ग्रीर उससा है।
	81-11-16		IS: 158—1968	प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिश्वित ऋम संख्या ग्रीर प्रविच्टियां प्र
	81-11-16		IS: 4654—1974	
232. 0908658	Q1-11-1()		IS: 1786—1979	स्थापित की जाएं, धर्थात् :
232. 0908658 233. 0908860	81-11-16	04-11-13		"51, डा॰ मयीद ज <b>ूँ र</b> म्रहमव,
232. 0908658 233. 0908860 234. 0909054			IS: 88281978	
232. 0908658 233. 0908860 234. 0909054 235. 0909256	81-11-16	82-11-15	IS: 8828—1978 IS: 398 (Part I & II)—	, pr
232. 0908658 233. 0908860 234. 0909054 235. 0909256	81-11-16 81-11-16	82-11-15	IS: 8828-1978 IS: 398 (Part I & II) 1976	त्रधानाचार्ये,
232. 0908658 233. 0908860 234. 0909054 235. 0909256 236. 0909357	81-11-16 81-11-16	82-11-15 82-10-31	IS: 398 (Part I & II) 1976	त्रधानाचार्यः, राजकीय मेडिकल कालेज,
232. 0908658 233. 0908860 234. 0909054 235. 0909256 236. 0909357 237. 0909660 238. 0909963	81-11-16 81-11-01 81-11-16 81-11-16	82-11-15 82-10-31 82-11-30 82-11-15	IS: 398 (Part I & II)— 1976 IS: 1786—1979 IS: 8960—1978	त्रधानाचार्ये,
231. 0908557 232. 0908658 233. 0908660 234. 0909054 235. 0909256 236. 0909357 237. 0909660 238. 0909963 239. 0910544 240, 0910847	81-11-16 81-11-01 81-11-16	82-11-15 82-10-31 82-11-30 82-11-15 82-11-15	IS: 398 (Part I & II)— 1976 IS: 1786—1979	त्रधानाचार्यः, राजशीय मेडिकलः कालेज,

# MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (Depairment of Health)

New Delhi, the 16th August, 1982

S.O. 3108.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. Syed Zahoor Ahmad had been elected by the Senate of Kashmir University to be a member of the Medical Council of India with effect from the 1st June, 1982.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the head "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", for serial number 51 and entries relating thereto, the following serial number and entries shall be submitted, namely:—

"51. Dr. Syed Zahoor Ahmad, Principal, Government Medical College, Srinagar, Jammu & Kashmir."

> [No. V. 11013/10/82-M.E.(Policy)]. P. C. JAIN, Under Secy.

## परमाणु अर्जा विभाग

## बम्बई, 26 जुलाई, 1982

काल्आा 3109. — केन्द्रीय भरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत प्रिष्ठिभीगियों की वेदल्ली) प्रधिनियम, 1971 (1971 का 40वा) की धारा 3 द्वारा प्रदस्त शिक्तयों की प्रयोग करते हुए, नीचे सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखिन अधिकारी को, जो सरकार के राजपितन प्रधिकारी के समतुन्य है, उक्न प्रधिनियम के प्रयोजन के लिए सम्पद्दा अधिकारी नियुक्त करती है तथा, उक्त प्रधिकारी उक्त श्रेष्ठिनियम द्वाराया उसके प्रधीन सम्पद्दा प्रधिकारियों को प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग और प्रधिरोधित कर्तव्यों का पालन उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों के संबंध में प्रपनी प्रधिकारिता की स्थानीय सीमाग्रो में करेगा।

#### मा रणी

<b>ग्रधि</b> कारी का पदनाम	सरकारी स्थानों की श्रेणियां तथा प्रधिकारिता की स्थानीय सीमाए	
1	2	
प्रणासनिक अधिकारी (iii) भाभा परमाणु भ्रनुमधान केन्द्र सम्मिश्र तारापुर, जिला थाना (महाराष्ट्र)	महाराष्ट्र के धाना जिले में पालधर भधा दहानु नालुकों में स्थित भाभा परमाणु भनुसंखान केन्द्र के भ्रपने या उसके प्रबन्धना- धीन स्थान।	

[फा॰ स॰ जे॰एस॰पी॰/ए॰एम॰टी॰/एस॰एम॰डी०]

राजीष प्रग्रवाल,

भवर सविव

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

Bombay, the 26th July, 1982.

S. O.3109:—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971, (40 of 1971), the Central Government

hereby appoints the Officer mentioned in column (1) of the Table below, being an Officer equivalent to the rank of a gazetted Officer of Government to be the Estate Officer for the purpose of the said Act, and the said Officer shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on Eatate Officers by or under the said Act within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

#### **TABLE**

Designation of the Officer	Categories of public premises & local limits of jurisdiction
(1)	(2)
Administrative Officer III BARC Complex Tarapur District Thane (Maharashtra).	Premises belonging to or under the management of Bhabha Atomic Research Centre in Palghar and Dahanu Taluka, Distt. Thane, Maharashtra State.
R	[File No. JSP/AST/LND] AJIV AGARWAL, Under Secy.

## ऊर्जा मंत्रालय

## (विद्युत विभाग)

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1982

का० आ० 3110.--केन्द्रीय सर्कार, वामोदर माटी निगम प्रधिनियम, 1948 (1948 का 14) की धारा 48 की उपधारा (1) द्वारा प्रदल्त मिक्सियों का प्रयोग करने हुए और भारन सरकार के ऊर्ज स्वालय (विज्ञुत विभाग) की श्रिक्षिमूचना संख्या का० श्रा० 2212 तारीख 12 मई, 1975 तथा का० श्रा० 1232 तारीख 24 मार्च, 1981 के प्रधीम जारी किए गए श्रनुदेशों के श्रितिरक्त, दामोदर बाटी निगम को यह अनुदेश देती है कि उसके उपभोक्तामों के लिए विश्रुत के प्रदाय की प्रभार-भनुसूची में सम्पूर्ण दर में 7 पैसे प्रति किलीबाट की वृद्धि की जाएगी।

[एफ सं∘ 17/29/80-डी॰ 1ा/डी॰बी॰सा॰ (पाटं)] की॰ कें॰ सूद, उप समिव

#### MINISTRY OF ENERGY

## (Department of Power)

New Delhi, the 31st July, 1982

S.O. 3110.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 48 of the Damodar Valley Corporation Act, 1948 (14 of 1948) and in addition to the instructions issued by the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Power) under notification Nos. S.O. 2212, dated the 12th May, 1975, and S.O. 1232 dated the 24th March, 1981, respectively, the Central Government hereby instructs the Damodar Valley Corporation that the schedule of charges for the supply of electricity to its consumers shall be enhanced by another 7 paise per kwh, in overall rate.

[F. No. 17/29/80-D.II/DVC (Pt.)] V. K. SOOD, Dy. Secy.

# कृषि मंत्रालय

## (क्षाग्र विमाग)

मई दिल्ली, 10 अगस्त, 1982

#### भादेश

कार श्राठ 3111 .--यन के द्रीय मरकार ने खाद्य विभाग, केनीय खाद्य निर्देशालयों, उपान्ति निर्देशालयों और खाद्य विभाग के जैनन तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाने खाद्याश्रों के श्रय, भण्डारकरण, संज्ञलन, परिवहन, त्रितरण तथा विश्य के कुत्यों का पालन करना बंद कर विया है जो कि खाद्य निगम श्राधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के स्राधीन भारतीय खाद्य निगम के नृत्य हैं:

भीर यतः खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निवेशालयो, उपानि निवेशालयो भीर खाद्य विभाग के देतन नथा लेखा कार्यालयो में कार्य कर रहे भीर उपरिवर्णित अध्यों के पालन में लगे निम्नलिखिन अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 ब्राप्तैल, 1971 के परिपत्न के प्रत्युक्तर में उसमे विनिविद्य तारीख के प्रत्युक्त भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के भपने भाग्य को उक्त प्रक्षित्यम की छारा 120 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा अपोक्षत मूचना नहीं वी है।

भनः भव व्याद्य निगम धिनित्यम, 1964 (1964 का 37) यथा अधासन मणोधित की धारा 12ए द्व.रा प्रवत्त शिक्षमी का प्रयोग करते हुए केस्त्रीय सरकार एतद्शारा निम्नलिखित कर्मचारियो को प्रयोक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानास्तरित करती है .---

श्रम ० सं०		केन्द्रीय सरकार के प्रधीन स्थामी पद	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के प्रधीन पद	भारतीय खाद्य निगम मे स्थामान्तरण की तारीसा
	 तर्रासह तो शीराम	ला	गीवांम लिपिक	1-3-69

[सङ्गा 52/1/82-एफ०सी०-[[]]

मार० के० सिंह, उप सचिव

## MINISTRY OF AGRICULTURE

# (Department of Food) ORDER

New Delhi, the 10th August, 1982

S.O. 3111—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of food-grains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the procurement Directors and Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under section 13 of Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India.

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not in response to the circular of the Cantral Government dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-section (I) of Section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by s tion 12A of the Food Corporation Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

S. Name of the No. Officer employee	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	·
1. Sh. Attar Singh S/o Sh. Ram Saran	Weighman	Godown Clerk	1-3-69
		[No. 52/1/82-	FÇ- III)

## शौबहन और परिवहन संत्रालय

हिन्दी ग्रनुभाग)

मई विल्ली, 17 अगस्त 1982

का० आ० 3112 भारत सरकार, राजभाषा (सघ के शायकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण मंतीबहन और पर्ष्यहुन मन्नालय के प्रशासनिक नियन्नण में स्थित बस्बई पोर्ट ट्रस्ट, बस्बई कार्योलय को जहां 80 प्रतिशम और उससे प्रधिक कर्म-चारियों ने हिन्दी का कार्यभाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, प्रधिमूजिन करनी है।

[स० एच० पी० यू०/14 7/82] चन्द्रभाग जङ्गुजर,निदेश क

R.K. SINGH, Dv. Sccy.

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

## (Hindi Section)

New Delhi, the 17th August, 1982

S.O. 3112.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for the official purpose of the

Union) Rules, 1976, the Government of India hereby notifies the office of Bombay Port Trust, Bombay under the administrative control of Ministry of Shipping and Transport, 80% staff whereof have acquired working knowledge of Hindi.

[No. HPU/147/82]

C. B. BUDGUJAR, Director

# आंतरिक विभाग

बंगलौर, 16 जुलाई, 1982

का० आ० 3113 राष्ट्रपति, स्विधान के अनुच्छेद 309 के परम्पुक द्वारा प्रदक्त सक्तियों का प्रयोग करने हुए, अंतरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंक्षण और अर्थाल) नियम, 1976 में और संशोधन करने के लिए निस्त लिखन नियम बनाने हैं, अर्थात:---

- (1) इन नियमों का नाम भंतरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण भौर भ्रणील) संशोधन नियम, 1982 है।
- (2) मेराजपत में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत होगे।
- ग्रंतिरक्षि विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण ग्रौर प्रपीरा) नियम,
   1976 के नियम 11 के उपनियम (8) के स्थान पर निम्निलिश्वन उपनियम प्रतिस्थापित किया आयोग, ग्रंथीत्ः --
  - "8(क) कर्मकारी अपनी ब्रोर से मामला उपस्थापित करने के लिए किसी अन्य कर्मकारी या महकारी सेवक की महायता ले सकेगा, किन्तु इस प्रयोजन के लिए कोई विधि व्यवसायी सब तक नहीं नियुक्त कर सकेगा जब तक कि अनुशासनिक प्राधिकारी द्वारा नियुक्त उपस्थापित अधिकारी विधि व्यवसायी न हो, या अनुशासनिक प्राधिकारी, मामले की परिस्थितियों को ब्यान में रखते हुए, ऐसी अनुका न वैं:
- परन्तु ग्रन्थ कर्मचारी यासरकारी सेवक के हाथ में ऐसे दो श्रनु-शासनिक सामले, जिनमें उसे सहायना देनी है, लम्बित नही होंगे।
  - (ख) कर्मचारी प्रपनी ग्रोर से मामला उपस्थापित करने के लिए निम्नलिखित गर्तों के भधीन सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी कीभी सहायता ले सकता है:--
  - (i) सेवानिवृत्त सरफारी कर्मचारी केन्द्रीय सरकार के अधीन सेवा से सेवानिवृत्त हो चुका हो ;
  - (ii) सेबानिवृत्त सरकारी कर्मचारी के हाथ में ऐसे तीन धनुशासनिक सामले, जिनमें उसे सहायना देनी है, लस्बिन नही होंगे;
  - (iii) सेवानिकृत सरकारी कर्मचारी तब ६क विधि अवसायी नहीं होगा जब तक कि अनुशामनिक प्राधिकारी द्वारा नियुक्त उपस्थापक अधिकारी विधि अवसायी न हो, या अनुशामनिक प्राधिकारी, मासले की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, ऐसी अनुज्ञा न दें;
  - (iv) सेवा निवृत्त मरकारी कर्मचारी की सेवानिवृत्ति की तारीख के पण्चात् तीन वर्ष व्यतीत नहीं हो चुके हो ।"

[सं० 2/8(1)81<sup>\*</sup>] पी०ए० मेनन, सचिव

#### DEPARTMENT OF SPACE

Bangalore, the 16th July, 1982

- S.O. 3113.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Rules, 1976, namely:—
  - (1) These rules may be called the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Amendment Rules, 1982.
    - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In rule 11 of the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Rules, 1976, for subrule (8), the following sub-rule shall be substituted, namely:—
  - "(8) (a) The Employee may take the assistance of any other employee or a Government servant to present the case on his behalf, but may not engage a legal practitioner for the purpose unless the Presenting Officer, appointed by the disciplinary authority is also a legal practitioner, or the disciplinary authority having regard to the circumstances of the case, so permits:
  - Provided that the other employee or the Government servant shall not have two pending disciplinary cases on hand in which he has to give assistance.
  - (b) The employee may also take the assistance of a retired Government servant to present the case on his behalf, subject to the conditions that—
    - (i) the actired Government servant should have retired from the service under the Central Government;
  - (ii) the retired Government servant does not have three pending disciplinary cases on hand in which he has to give assistance;
  - (ni) the retired Government servant may not be a legal practitioner unless the Presenting Officer, appointed by the disciplinary authority is also a legal practitioner, or unless the disciplinary authority, having regard to the circumstances of the case, so permits;
  - (iv) three years have not elapsed after the date of retirement of the retired Government servant".

[No. 2/8(1)/81-I]

P. A. MENON, Dy. Secy.

बंगलीर, 12 बगस्त, 1982

कार आर 3114 — केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (प्रप्राधिकृत प्रधिमी-गियों की बेदखली) प्रधितियम, 1971 (1971 का 40) की धारा-3 द्वारा प्रवन्त गमितयों का प्रयोग कदने हुए, नीचे दी गई सारणी के स्तंभ (1) में विणित प्रधिकारी को जो सरकार के राजपितत प्रधिकारी की पिनत के समनुत्य का भिकारी है, उकत प्रधितियम के प्रयोजन के लिए सम्पदा प्रधिकारी के रूप में नियुक्त करती है, जो उक्त मारणी के स्तंभ (2) की तत्र्यांनी प्रविधिट में विनिद्दिट सरकारी स्थानों की बाबत प्रपनी प्रधिकारिता की स्थानीय सीमामों के भीतर उक्त प्रधित्यम द्वारा या उसके प्रधीत सम्पदा प्रधिकारी को प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग ग्रीर भिंघरीपित कर्तव्यों का पालन करेगा:

#### सारएी

म्रश्चिकारी का पदाभिधान	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग ग्रीर स्थानीय प्रधिकारिता की सीमाएं	
(1)	(2)	
प्रशासन ग्रधिकारी- <b>I,</b> प्रधान नियंत्रण सुविधा, ग्रंतरिक्ष विभाग, हसन, कर्णाटक	(1) हमन जिले में कंचमारनहरूल के सर्वे स० 119, 13 श्रीर 52 में हमन स्थित प्रधान नियंत्रण मुनिधा कम्प्लेक्स का	

## मीमाएं:

उत्तर में हसन हेलाबिड रोड, दक्षिण में मोजे मुगनहिल्ल, पश्चिम मे गोबिन्दपुरा, पूर्व में सर्वे सं० 119 का शेष भाग।

(2) हमन जिले में मोजे हरलाह्ल्लि के सर्वे सं० 22 और 24 में अंतरिक्ष विभाग का आवासीय कालोनी का परिमर ।

## सीमाए.

पूर्व में मोंजे चिक्कुहरतहरिल, उत्तर में सर्वे सं० 21035, पश्चिम में सर्वे सं० 34, 2528, 26 श्रीर 27 तथा कोप्पालू, दक्षिण में सर्वे सं० 651

[#o 9/2(2)/82-III]

के० भार० रामनाथ, भवर संजिम

## Bangalore, the 12 August, 1982

S. O. 3114.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoint the Officer mentioned in column (1) of the Table below, being an officer equivalent to the rank of Gazetted Officer of Government to be Estate Officer for the purpose of the said Act. who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on Estate Officer by or under the said Act, within the local limits of his jurisidiction in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table:

Table :	ГАВLЕ
Designation of	Categories of public premises
the Officer	and local limits of the jurisdiction
(1)	(2)
Administrative Officer-I,	(1) Premises of Master Control
Master Control Facility,	Facility Complex at Hassan
Department of Space,	in Survey Nos. 119, 13 & 52
Hassan,	of Kenchamaranahalli in
Karnataka	Hassan District,
	Boundaries:
	Hassan Halebid road on North
	Monje Muganahalli on South Govindapura on West. Remaining area of S. No. 119 on East.
	(2) Premises in the Department of Space Housing Colony in Survey Nos. 22 & 24 of Monje Harlahalli in Hassan District.
1	Boundaries :
	Monje Chikkuharanahalli to East
	S. No. 21035 to North
	S. No. 34, 2528, 26 & 27
	and Koppalu to West.
	S. No. 65 to South.

[No. 9/2(2)/82-III]

K.R. RAMNATH, Under Secy.

# सचना और प्रसारण संत्रालय

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1982

का(०आ१० 3115 - केन्द्रीय सरकार, राजधापा (संघ के णासकीय प्रशोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में, निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर निया है, अधिसूचित करती है: --

- (1) राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि०, सम्बर्ध (सूचना भीर प्रसारण मंत्रालय के नियंत्रणार्धान एक उपकम)।
- (2) क्षेत्रीय कार्यालय, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि०, नई विल्ली:

[संक्या ई०-11011/5/82-हिन्दिः] इस्दु भूषण कर्ण, अवर सचिव के रूप में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मैं इस के द्वारा इस विभाग की दिनांक 30 जुलाई, 1982 की धिंधसूचना संव 1(14)/विशेष सैल/ 82-एसएस-11 (क) द्वारा हरियाणा राज्य के लिए नियुक्त महास्रिक्षक निद्यान्त सम्पत्ति को महा अभिरक्षक की निम्नलिखिन शक्तियों सौंपना है :--

- (1) प्रधिनियम की धारा 24 भीर 27 के प्रधीन शक्तियां।
- (2) अधिनियम की धारा 10(2)(0) के अश्रीन किसी भी निष्काल सम्पत्ति के हस्तानरण के अनमोदन की शक्तियां।
- (3) निष्यान्त सम्पत्ति प्रशासन (केन्द्रीय) नियमावली, 1955 के नियम 30-क के प्रशीन मामलों के इस्तांतरण की शक्तियाँ।

इससे अधिसूचना सं० 1(8)/विशेष सैन/77-एसएस- $II(\mathbf{q})$  दिनांक 11 फरवरी, 1982 का अधिक्रमण किया जाता है।

[सं० 1(14)/विशेष सैल/82-एसएस-II(ख)] एस० के० यस्, महा प्रभिरक्षक

## MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 16th August, 1982

S.O. 3115.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi:—

- (1) National Film Development Corporation Ltd., Bombay (An Undertaking under the control of the Ministry of Information and Broadcasting).
- Regional Office, National Film Development Corporation Ltd., New Delhi.

[No. E-11011|5|82-Hindi]
I. B. KARN, Under Secy.

# पूर्ति ग्रीर पुनर्वास मंत्रालय

(पूनर्वास विमाप)

नई दिल्ली, 30 गुलाई, 1982

का॰ आ॰ 3116.—-निष्कास्त सम्पत्ति प्रशासन मधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 55 की उपधारा (3) हारा महा म्रिक्सक

## MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

### (Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 30th July, 1982

- S.O. 3116.—In exercise of the powers conferred on me as Custodian General by sub-section 3 of Section 55 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), I do hereby delegate to the Assistant Custodian General for the State of Haryana, appointed vide Notification No. 1(14)/Spl. Cell|82-SS-II(A), dated the 30th July, 1982, the following powers of the Custodian General:—
  - (i) Powers under Section 24 and 27 of the Act.
  - (ii) Powers of approval of transfer of any evacuee property under Section 10(2)(0) of the Act.
  - (iii) Powers of transfer of cases under Rule 30-A of the Administration of Evacuee Property (Central) Rules, 1955.

This supersedes Notification No. 1(8)/Spl.-Cell/77-SS.II (B) dated the 11th February, 1982.

[No. 1(14)/Spl. Cell/82-SS.II(B)]

S. K. BASU, Custodian General

# श्रम मंत्रालय आवेश

नई विल्ली, 19 जुलाई, 1982

का०आ० 3117.--केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिदिष्ट विषय के बारे में स्टील आधीरिटी आफ इंडिया लि० के राउरकेला स्टील प्लांट के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध एक भौग्रोगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है,

भीर केन्द्रीय सरकार उक्त विदाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशिन करना बांछनीय समझती है.

भनः, केन्द्रीय सरकार, भौद्योगिक विवाद भिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की बारा 7क भीर धारा 10 की उप-धारा (1) के खंड (य) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, एक भौधोगिक भिधिकरण गठित करती है जिसके पोठानीन भिधिकारी श्री जै०एम० महापान्ना होगे, जिनका मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा भीर उक्त विवाद को उक्त भिधिकरण को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशिन करती है।

# अनुसूची

"स्या स्टील प्रयोरिटी प्राफ इंडिया लिमिटेड के प्रकीत राउरकेला स्टील प्लांट के प्रवास तस्त्र की श्री प्रानख प्रसाद राय, लायबेरियन -मडार सहायक, बरसुधा प्रायरन माईन्स को सेवा की प्रविच्च का लाभ व लिकड पर्सनल ग्रेंड योजना न देने की कार्रवाई न्यायोजिन हैं ? यदि मही तो कामगार किम धनुतोष का हकदार है ?"

[म॰ एल॰ 29012/12/81 शि॰की॰/III(B)]

कंवर राजिला सिंह, ग्रवर सचिव

# MINISTRY OF LABOUR

#### ORDER

New Delhi, the 19th July, 1982

S.O. 3117.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited, and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri J. M. Mahapatra shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bhubaneshwar and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### **SCHEDULE**

"Whether the action of the management of Rourkela Steel Plant, Steel Authority of India Limited, in not giving the benefit of services, linked personal grade schemes to Shri Alekh Prasad Ray, Librarian-cum-Stores Assistant, Barsua Iton Mines is justified? If No, to what relief is the concerned workmen entitled?".

[No. L-29012/12/81-D.HI(B)]

# New Delhi, the 16th August, 1982

S.O. 3118.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Resident Chief Executive, Duliajan, Assam and three others and their workmen which was received by the Central Government on 10th August, 1982.

# CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

#### Reference No. 3 of 1982

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of:

- Resident Chief Executive, Oil India Limited, Duliajan, P.O. Duliajan, Assam.
- Messis Duliajan Commercial Co-operative Society Limited, Contractors, Oil India Limited, Duliajan, Assam.
- Messrs Kheremia Samabai Samity Limited, Contractors, Oil India Limited, Duliajan.
- Messrs Singh Brothers and Co. Contractors, Oil India Limited, Duliajan, Assam.

#### AND

#### Their Workmen.

#### PRESENT:

Mr. Justice M. P. Singh-Presiding Officer,

STATE: Assam

INDUSTRY: Oil

#### AWARD

By Order No. L-30011/10/80-D.III(B) dated 15 January, 1982 the Government of India, Ministry of Labour, sent an industrial dispute existing between the management of Resident Chief Executive, Oil India Limited, Dullajan, Assam and three others and their Workmen, to this Tribunal for adjudication. The dispute mentioned in the Schedule to the Order of Reference reads as:

- "Whether the non-employment of Shri Anil Das engaged by the Resident Chief Executive, Oil India Limited, Duliajan through Messrs Duliajan Commercial Cooperative Society Limited, Contractors, Oil India Limited, Duliajan from the 11th June, 1979 is justified? If not to what relief is the workman entitled?"
- "Whether non-employment of Sarvashri Balli Dass, Ranjan Dev and Kartick Nag workmen engaged by Resident Chief Executive Oil India Limited, Duliajan through Messrs Singh Brothers, Contractors, Oil India Limited, Duliajan from the 18th October, 1979, the 1st May, 1979 and the 1st July, 1979 respectively is justified? If not to what relief these workmen entitled?"
- "Whether non-employment of Shri Kanai Das engaged by Resident Chief Executive, Oil India Limited, Duliajan through Messrs Kheremia Samabai Samiti Limited, Contractors Oil India I imited, Duliajan from the 30th June, 1979 is justified: If not, to what relief is the workman entitled?"
- 2. On receipt of the reference due notices were served upon the parties for submission of their respective written statement. But instead of submitting any written statement the parties negotiated the matter amongst themselves and arrived at a settlement and sent copies of such settlement to this Tribunal to record the same and to pass a "No dispute" award in terms of the said settlement. I have gone through the settlement and find the same to be legal and genuine.
- 3. In the result, I pass a "No dispute" award as prayed for by the parties in terms of the settlement which will form part of this Award as Annexure "A".

  Dated, Calcutta, the 30th July, 1982.

M. P. SINGH, Presiding Officer

# ANNEXURE 'A'

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

#### In the Matter of:

An Industrial Dispute under Government order of Reference No. 3 of 1982

#### **BETWEEN**

- Resident Chief Executive, Oil India Limited, Duliajan, Assam.
- M/s. Duliajan Commercial Co-operative Society Limited. Duliajan.
- 3. M/s, Kheremia Samabai Samity Limited, Duliajan.
- M/s. Singh Brothers and Co., Contractors, Oil India Limited, Duliajan, Assam.

#### AND

Their workmen represented by the Oil India Contractor's Workers' Association, Duliajan.

The humble petition of the above-named Association most respectfully—

#### SHEWETH:

- 1. The above Reference No. 3 of 1982 was taken out at the instance of the workmen represented herein by the Oil India Contractor's Workers' Association, Dullajan, the Association abovenamed.
- 2. Sometime after the Reference, parties enterd into negotiations as a result whereof the workman represented by the said Oil India Contractor's Workers' Association, Duliajan, decided not to further prosecute the present adjudication. All the disputes and differences inter se the parties in respect of the adjudication under reference have been finally set at rest.
- 3. The Association accordingly submits that it would be just and proper to make a non-dispute award as the Association is not willing to contest the Reference.
- 4. It has been ascertained that the Resident Chief Executive, Oil India Ltd., Duliajan, M/s. Duliajan Commercial Co-operative Society Ltd., Duliajan, M/s. Kheremia Samabai Samity Ltd., Duliajan, and M/s. Singh Brothers and Co. Contractors Oil India Ltd., Duliajan, Assam have no objection to the prayer being granted.
- 5. This application is made bonafide and in interest of justice. In the premises your petitioners humbly pray that your Honour will graciously he pleased to pass a no dispute award and answer accordingly this reference and pass such other order as may appear fit and proper to your Honour.

And your petitioners as in duty bound shall everpray.
(NIRPEN BARUAH)

For M/s. Duliajan Commercial Co-operative Society, Duliajan (PRATAP HAZARIKA)

For M/s. Kheremia Samabai Samity Duliajan (ANANDA BFZBARUAH)

Industrial Relations Manager For Resident Chief Executive.

> Oil India Liimted. (SHYAM BAHADUR SINGH)

For M/s. Singh Brothers and Co., Duliajan (KSHITISH SARKAR)

For Oil India Contractors' Workers' Association, Duliajan.

[No. L-30011/10/80-D.III(B)]

New Delhi, the 18th August, 1982

S.O. 3119.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay in the industial dispute

between the employers in relation to the management of M/s. Chowgule and Co. Pvt. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 10th August, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 BOMBAY

#### Reference No. CGIT-2/25 of 1981

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of M/s. Chowgule and Co. Pvt. Ltd.,

#### AND

#### Their workmen.

#### APPEARANCES:

For the Employers—Shri D. P. Sinha, Manager, Industrial Relations.

For the Workmen-No appearance.

INDUSTRY: Mines STATE: Goa, Daman and Diu Bombay, the 2nd August, 1982

#### AWARD

By their order No. L-29012/28/80-D-III(B) dated 30-9-1981/3-10-81 the Central Government has referred the following dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947:—

- "Whether the management of M/s. Chowgule and Co. Pvt. Ltd., is justified in terminating the services of Shri Raghunath Masurkar Watchman working at Gavanem Mines, when the union raised an industrial dispute demanding his confirmation, if not, what relief the workman is entitled to?"
- 2. The dispute as is evident from the reference relates to one Shri Raghunath Masurkar alleged to be in the service of M/s. Chowgule and Co. Pvt. Ltd., as a Watchman working at Gavanem mines, whose services, it is alleged, were terminated by the management illegally. It appears that the dispute is espoused by the Union but after the reference was made, neither the alleged workman nor the Union showed interest in the reference and despite notice they remained all along absent.
- 3. Against this it is the contention of the management that Masurkar was never in their service or employed by them as a watchman but being a resident of a place where the company had constructed certain quarters for their employees, after the mines were closed sometime in the year 1978, Shri Raghunath Masurkar was asked to look after those quarters on a consideration of Rs. 300 per month and that when it was found that no useful purpose was being served by appointing a caretaker at Gavanem, the contract was terminated with effect from 6th October, 1980.
- 4. Of course when once Rs. 300 per month were being paid to Shri Masurkar the question would arise whether what was being paid was wages or by way of contract money and if the finding was in favour of wage the relationship of workman and employer would stand established. Yet for the said purpose some assertion on the part of the workman was necessary which the Union or the workman has fuiled to do. There is therefore on record only the written statement filed by the management denying the very relationship of employer-employee subsisting between the parties and since there is no statement of claim on behalf of the Union or the workman repudiating these allegations requiring clear proof the only course left is to hold the said relationship not established with the result when the contract was terminated, no grievance can be made out. The findings therefore which is to be noted is that the same is justified with the result the workman concerned would not be entitled to any relief. The reference therefore fails. No order as to costs.

M. A. DESHPANDF, Presiding Officer

[No. L-29012/28/80-D.III B]

S.O. 3120.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Shantilal Khushaldas & Bros. Pvt., Gosalia Building, Margao, Goa and their workmen, which was received by the Central Government on 17th August, 1982.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 BOMBAY

#### Reference No. CGIT-2|16 of 1982

#### PARTIES:

Employers in Relation to the Management of M/s.
Shantilal Khushaldas & Bios. Pvt. Ltd., Gosalia
Bullding, Margao, Goa.

#### V۶

#### Their Workmen

#### APPEARANCES:

For the Employers-No appearance

For the workmen-No appearance

STATE: Goa, Daman and Diu INDUSTRY: Mining Bombay, dated the 3rd August. 1982

#### AWARD

By their order No. L-29011/50/81-D.III(B) dated 15-2-1982 the following dispute has been referred for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes:—

- "Whether the action of the maangement of M/s. Shantilal Khushaldas & Bros. Pvt. Ltd., in relation to their Thatodi Iron Ore Mine, Goa in dismissing Shri Narayan Parulekar, Mechanic Helper from service is ju tified. If not, to what relief is the workman entitled?"
- 2. Although the matter is repeatedly being adjourned for the statement of claim and although at one stage some proposal of compromise was made by the Union, who is espousing the cause of the workman, statement of claim in support of the demand never materialised with the result that on behalf of the Union there is absolutely nothing to substantiate the reference and the cause pleaded. Against this the management has put in their written statement dated 14-7-1982 contending that since no claim statement has been filed the reference cannot be proceeded and the same deserved to be disposed of. There is great force in this say of the management that despite several adjournments to get the statement of claim on record the Union never cared to file the same, the only conclusion possible is that neither the Union nor the workman is interested in prosecuting the proceedings.

The reference therefore is rejected.

No order as to costs. 5-8-1982.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer.
[No. L-29011/50/81-D.III(B)]

KANWAR RAJINDER SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 प्रगरन, 1982

का अो 3121 - - चूना पत्थर ग्रीर होलोमाहट खानश्रम कल्याण अधिनियम, 1973 के नियम (3) के उप-नियम (1) के साथ पठिन चूना पत्थर ग्रीर होलोमाहट खान श्रम कल्याण निधि श्रिधिनियम, 1972 की धारा 7 द्वारा प्रदस गिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केलीय सरकार भारत के राजपत्न, भाग दी, खंड 3, उप-खंड (11) तारीख 31 मन्तुवर

1981 के पृष्ठ 3583 पर प्रकाशित भारत सरकार, श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का का 3005 तारित्य 15 श्रक्तूबर, 1981 में निम्नलिखिन संशोधन करती है, प्रश्रात्:---

उक्त मधिसूचना में, कमांक 5(ii) मीर 5(v) के मामने निर्दिष्ट प्रविष्टियों के लिए निम्नलिखिन प्रविष्टियां रखी जाएगी, प्रथात् :---

- 5(ii) श्री झार० एम० शास्त्री,
  वि बिमरा स्टोस लाइम कम्पनी लिमिटेड,
  पो० बाक्स म० 46,
  चार्टरड बैंक खिल्डिंग,
  कलकत्ता-700001 ।
- 5(V) श्री सं।०एस० ब्रह्मा, प्रबंध निवेशक, नार्थ बंगाल डोलोमाइट लिमिटेड, मीलम्बर हाउम, 28 बी, गोक्सपियर सारणी, कलकत्ता।

[फाइल सं० यू ·23018/10/80-एम०बी०] र्टा० डी० मल्होता, ग्रवर सचिव

New Delhi, the 21st August, 1982

S.O. 3121.—In pursuance of the powers conferred by section 7 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Act, 1972 (62 of 1972) read with sub-rule (1) of rule 3 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Rules, 1973, the Central Government hereby makes the following amendments in the notification number S.O. 3005 dated the 15th October, 1981, of the Government of India in the Ministry of Labour published at pages 3583 to 3584 of the Gazette of India, Part-II Section 3, Sub-section (ii) dated 31st October, 1981, namely:—

In the said notification, for the entries against scrial numbers 5(ii) and 5(v), the following shall respectively be substituted namely:—

"5(ii) Shri R. S. Sastry,
The Bisra Stone Lime Company Limited,
Post Box No. 46,
Chartered Bank Building,
Calcutta-700001.

"5(v) Shri C. S. Brahma,
Managing Director,
North Bengal Dolomite Limited,
Neelambar House,
28B, Shakespeame Sarani,
Calcutta-17."

[F. No. U-23018/10/80-M.V.] T. D. SALHOTRA \*\*Inder Secy.

#### आवेश

नई विल्ली, 17 जुलाई 1982

का आ 3122:--- इससे उपाबद अनुसूची मे त्रिनिदिष्ट भौग्रोगिक विवाद श्री बी० प्रसाद राव, पीठासीन अधिकारी, भौग्रोगिक अधिकरण, हैवराबाद के समक्ष लंबिन हैं,

ग्रौर श्री की० प्रसाद राज की सेवाएं मज उपलब्ध नही रह गई हैं,} ┃

मतः, केन्द्रीय सरकार भौद्योगिक विवाद भश्विनियम, 1947 (1947

	33-ख की जनधारा (1) के साथ पठित		3	4
गटिल करती है जिल् जिनका मुख्यालय हैद- पीठासीन अधिकारी, उक्त विवादों से सम् एस०वी० रामन रैंड	क्लियों का प्रयोग करते हुए, एक धौद्योगिक प्रधि कि पीठासीन प्रधिकारी श्री एस०वी० रामन रैड्डि तबाद में होगा भौर उक्त श्रा बी० प्रसाद पौद्योगिक भ्रधिकरण, दरदराबाद के समक्ष र बद्ध कार्यवाहियों को वापस लेती है भौर उ इडी, पीठासीन भ्रधिकारी, घौद्योगिक भ्रधिक	होगे, 8. झाइ०डा०स० राव 13/81 रॉबित से की	भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, ५६ विल्ली गा ग्रादेश सं० एल~ 17012/6/81-की- 4 ए तारीख 29-6-81	भारतीय जीवक बीमा, किगम, हैदराज़ाद का प्रबन्धतंत्र और कर्मकार।
भ्रागे कार्यवाही उस प्र	हेश के साथ अन्तरित करती है कि उक्त अधि कम से करेगा जिस पर वह उसे अन्तरित की। र उनका निषटान करेगा। अनुसूची अधेश सुरुषीर पक्षकारों के नाम		भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का श्रादेश स० एल— 13011/3/80-की~ 3 बीतारीख 29-7-81	नेल श्रीर प्राकृतिक गैन प्रायोग, राजामुन्दरी का प्रयम्बतंत्र भीरकर्मकार।
संख्या	तारीख	— 10. श्राई०की० सं०	भारत सरकार, श्रम	
1 2 1 সার্হিতস্থী চন ০ ৪/৪০	3 4 भारत शरकार, श्रम एस० सी० कम्पनी मंत्रालय, नई दिल्ली येथेच्डू खम्माम जि का प्रादेश सं० एल- प्रबन्धतन्त्र 31011/18/79-डो- कर्मकार।	16/81 foro,	मारा सरकार, अभ मंत्रालय, नई दिल्ली का भावेश सं  एल – 12012/253/80– की – 2ए द्वारीख 1-8-81	भारतीय स्टैट बेंक, हैदराबाद (ककिनाडा साधा) का प्रबन्धतंत्र स्रोर कर्मकार ।
2. श्राई०र्डा०सं० । ५/80	IV बी तारी ख 7-7-1980 भारत सरकार, श्रम सिकीकेट बैंक और मंजालय, नई दिल्लीका श्रन्थ बैंको का प्र श्रादेश सं० एल- तन्त्र और कर्मका 12011/47/79-डी-	बन्ध-	भारत संग्कार, श्रम मंत्रालय, नई विस्ली का भावेश सं० एस- 12011/41/80-की 2ए नारीख 30-7-81	भारतीय स्टैंट वैंक, हैदराबाद का प्रबन्धतन्न भीर कर्मकार ।
3. <b>अर्द्ध</b> ेशी०सं० 20/80	II ए, वारीख 3-10-1980 भारत सरकार, अम एस० सी० कम्पनी मंत्रालय, नई दिल्लीका कोठागुडम का प्र श्रीदेश सं० एल— तंत्र भीर कर्मकार 12013/12/80-की—	बम्ध-	भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का भारोग सं० एल 42012/26/77~डी~- 2 बी तारीख़ 21-2-81	भारतीय खाद्य निगम, टाडेपल्लीगुडेम का प्रबन्धतंत्र झौर कर्मकार ।
	4 बी तारीख 15-12-80	13 भाई०की०सं०	भारत सरकार, श्रम	एस०सी० कम्पनी क्षि०,
4. সাई⊙জীও শৃঁও 3/80	भारत सरकार, श्रम एम०सी० कम्पनी मंत्रालय, नई दिल्ली का बैलामपल्ली डिग् श्रावेश स०एल— II श्रादिलाका 21011/13/80-को— जिला (श्रा०प्र०) त बी तारीका 13-3-81 प्रबन्धतंत और	ीजन द । मा	मंत्रालय, नई दिल्ली का भादेश सं० एल— 21025/1/80—डी— 4 नी तारीख 29-9-81	सोमागुक्षम किलीजन 1 का प्रथम्बतस्य क्रीर कर्मकार।
5. <b>भा</b> ई ० की ० स० 4/81	कारी। भारत सरकार, भ्रम छावना वां, सिक मंद्रालय, नई दिल्ली का बाद का प्रवस्थतंत्र भादेश सं० एल- कर्मकार। 13011/1/78-की- 2 बी सरिख 31-3-81		भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई विल्ली का धावेश सं० एख- 21012/4/81	एस०सी० कस्पनी लि०, बेलमधस्ती काक्यर पादिलाबाद जिसा (धा० प्र०) का प्रबन्धतंत्र धीर कमेकार।
6. आई० ०क्की०सं० 7/81	भारत स्रकार, श्रम यूनियन बैंक ग्राफ इं महालय, नई दिल्ली का विजयशाहा का ! श्रादेश मं॰ एल— तन्न और कर्मकार 12012/265/80— डी-2 ए तारीख 22-4-81	ार्वध- 27/81	भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का मादेश सं० एल- 21011/8/81-श्री-4 बी सारीचा 31-10-81	एस०सी० कम्पती लि०, कोठागृडेम का प्रबन्धतंत्र घौर कर्मकार ।
7. श्राई०डी० सं० 1 0/81	भारत सरकार, श्रम विशाखायटनम पोर्ट मंद्रालय, नई पिल्ला का विशाखायटनम भावेश सं० एल - प्रबन्धतंत्र भीर कर्मक 34011/2/81-डी- 4 ए तारीख 5-6-91	कत् 28/81	भारत संरकार, अम मंत्रासय, नई दिल्ली का आवेश सं० एल- 12012/44/81-डी- 2 ए, तारीख 6-11-81	धान्ध्र वैक, हैवरायाय का प्रवन्धतंत्र घीर कर्मकार।

1 2	3 4	1 2	34
17. माई०की० सं० 30/81	भारत मरकार, श्रम — यथोक्त — मंत्रालय, नर्ड दिल्ली का धावेश संग्रल— 12012/118/81— बी-2 ए क्षारीख	27. भाई-ब्री ० सं० 10/82	भारत संरकार, धम एम०सी० कं०, लि० कोठा- मंत्रालय, नई दिल्ली का गुडम (भाष प्रवेश) प्रा'श्वासं० एस० खम्माम जिला का 21012/10/81-डी- प्रबंधतंत्र भीर कर्म कार। 4 की तारी ख 20-2-82
.8. <b>ঘাই</b> ংহীও র্ধও 31/81	28-11-81 भारत सरकार, श्रम एस०सी० कं० लि०, बेलम- मंत्रालय, नर्ड दिल्ली का पल्ली डिवीजनII ग्रादेश सं० एल- का प्रबन्धतंत्र ग्रीर 21012/8/81-की- कर्मकार ।	28. द्याई०डी० सं० 11/82	भारक्ष सरकार, श्रम एस० सी० कं० लि०, मंत्रालय, नई विल्ली का गोवावरीखानी, करीम- श्रावेण सं० एल- ५गर (घा० प्रवेश) का 21011/14/81बी प्रवन्धतंत्र भीर कर्मश्तर। 4 भी तारीख 20-2-82
19. भाई०बी० सं० 1/82	4 बी सारीख 1-12-81 भारत सरकार, श्रम मैससं एम०सी०कं० लि०, मंत्रालय, ५६ विल्ली का बेलभपस्ती केत, प्रादि- भादेण सं० एल- लाबाद जिला का 21012 5/81-डी- प्रबन्धतंत्र भीर कमेंबार	29. <b>भाई</b> ०डी०सं० 12/82	भारत सरकार, श्रेम एस० सी० कं० लि०, मंत्रालय, नई दिल्ली का रामागुंडम डिवीजन- ग्रादेश सं० एल०- II का प्रबंधतंत्र भीर 21011/1/81-डी- कर्मकार । 4 बी तारीख 27-2-82
20. भाई०डी० सं० 2/82	4 जी नारीका 15-1-82 भागत सरकार, श्रम एस०सी० कं० लि०, मंजालय नई विल्लीका बेलमपल्ली का प्रबन्ध- आवेश सं० एल⊸ तंत्र और कर्मकार	. 30. माई० की० . सं० 13/82	भारत सरकार, श्रम भारतीय घटेट बंक, मंद्रालय नई विल्ली हैंदराबाद का प्रबंधतव का भादेश सं० एल०- भीर कर्मकार 12012/188/81-डी० 4ए० तारीख 3-3-82
Z1. माई-∨की० सं० 3/82	21011/13/81-डी- 4 बी तारीचा 2-2-82 बारत सरफार, धम —यथोक्त- मंत्रालय, ब्रिंदिल्ली का घावेण सं∘ एल— 21011/9/81-डी- }	31. माई० डी० सं० 14/82	भारत सरकार, श्रम मै० बेरियम कैमिकस्स मंद्रालय, नई विल्ली लि०, कोठागुडम खम्माम का पादेश सं० जिला (श्रीध्र प्रदेश) एल०-29011/3/81- का प्रबंधसंत्र ग्रीर कर्मे- डी० 3 बी० तारीख कार 20-3-82
22. <b>भाई०डी</b> ० सं० 5/82	4 बी तारीख 3-2-82 भारत सरकार, श्रम एस० सी० कं० लि० जंशमरी मंजालय नई विल्ली का एंड रामकृष्णपुर केंद्र, प्रादेग सं० एल- पाविलावाद का प्रबन्ध- 21012/2/81-डी- नंज प्रोर कर्मकार।	32- <b>माई०डी०</b> सं० 15/82	कारत सरकार, श्रम विशाखापटनम पत्तन ग्यास, मंत्रालय, गई दिल्ली विशाखापटनम का प्रबंध- का बादेश मं० एल०- नंत्र भीर कर्मकार 34012/3/81-डी० 4 ए० दिनांक 23-3-82
23. भाई०डी०सं० 6/82	4 बी तारीला 18-1-82 भारत सरकार, भम एस० सी० कं० लि०, मंत्रालय, नई बिल्ली का रामागृंडम डिवीजन-II भावेश सं० एल गोवावरी जाली 21011/15/81-डी- जिला, करीमनगर, का	33; <b>माई∘ डी</b> ० `सं० 16/82	्रभारत सरकार, श्रम एस० सी० कं० लि० मेत्रालय नई दिल्ली के कोठागुडम आग्माम जिला चार्येग सं० 20011/ (ग्रान्ध्र प्रदेश) का 16/81-डी० 4 बी० प्रबंधतंत्र ग्रीर कर्मकार तारीख 23-3-82
24. <b>भाई०डी०</b> सं० 7/82	4 बी सारीख 23-1-82 प्रबन्धतम्य भीर कर्मकार। -भारतः सरकार, अम एस०सी० कं० लि०, मेलालय, नई विल्ली का बेलमपल्ली का प्रबंध- भादेगसं० एल- तंत्र भीर कर्मकार। 21011/10/81-की- 4 बी दारीख 15-2-82	34. <b>घाई० डी०</b> सं <i>०</i> 17/82	भारत सरकार, श्वम भारतीय खाध निगम मंत्रालय नई विल्ती जिला नैहलोर, (भारध का भादेश सं० एल० प्रवेश) का प्रशंधतंत्र भीर 42011/7/81-ए०सी० कर्मकार। भाई०डी० 4-का ता० 26-3-82
25. घाई०डी०सं० 8/82	भारत भरकार, श्रम एस० सी० कं०, बें लमपस्ली संद्रालय, नई दिल्ली का डि॰— िका प्रबन्धतंत्र श्रादेश सं० एल	35. <b>घाई० डी०</b> सं० 18/82	भारत सरकार, अम एम० सी० क० लि० मंत्रालय नई दिली कोठागुडम, खम्माम का घोदेश सं० एम- जिला (घान्ध्र प्रदेश) 12011/20/81-डी० का प्रदंधतंत्र घीर कर्म 4 मी० तारीख 13-4-82 कार।
26. धाई०डी० सं० 9/82	भारत सरकार, श्रम स्टेट बैंक प्राफ हैकराबाद मजालय, नई दिल्ली का का प्रबन्धतंत्र घोर कर्म- भादेश सं० एल- कार। 12011/41/81-बी- 4 ए सारीख 19-2-82	36. <b>बाई० डी०</b> सं० 19/82	भारत सरकार, श्रम एस० सी० कं० लिं० मंत्रालय नई दिल्ली बेलमपुरूली बिलीजन-1 का प्रादेश सं० एल०- प्रादिलाबाद जिला क 21011/81-डी० 4 प्रवंधतंत्र धौर कर्मकार बी० तारीख 20-4-82

1 2	3 4	1 2 3	
37. ब्राई० डी० सं० 20/82	कारत सरकार श्रम मैसर्स एस० सी० कं० लि० मंत्रालय नई दिल्ली बेलागृडम डिबीजन-[ का धादेश सं० गोदावरीखानी 21012/2/82-डी० का प्रबंधतंत्र भीर कर्म-	10 आई० डी० मिडिकेट बैंक घोर सं० 14/80 मे अन्य बैंकों के कर्मक वि० या० स० 14/82	
38. माई०डी०	4-जी० तारीख कार । 23-4-82 भारत सरकार, श्रम भारतीय, खाद्य निगम	11. माई० डी० —यंथोक्त—— सं० 1.4/80 में वि० या०	
30. MINUWIO	का मंत्रालय नई दिल्ली नाललोडा का प्रवधनंत्र	स० 15/82	
	<b>ग्रा</b> वेश सं० एल० प्रीरकर्मकार।	12 माई० डी० भारतीय स्टेट	श्चेक
	42011/27/81-81o	स॰ १६/८१ में हैदरबाद के कमका	
	4 ए० हारी <b>ख</b>	वि० या०	
	1 3-5-8 2	सं० 71/82	
केस्बीय	मरकार की लंबित विविध याचिकांए	13 मार्ड० डी० झाध-प्रदेश बैक सं० 14/80 में कमीशन एजेंटस	,
1 2	3 4	विङ्या० यूनियन	
া মাই০ ছী০	डिविजनल ग्रध्यक्ष, बनाम श्री ग्री० सोमेश, कोल	सं॰ 73/82	
र्सo 12/79 में	एस० सी० कं० लि० फिलर गेग स० 1 जी०,	14. माई० डी०	- 5
वि० या०	येलेन्त्र, जिला येलेन्ड् पालमपल्ली खान डाक	सं० 14/80 में जिल्लामा	
111/80	घर येलु-ब्	वि० <b>या०</b> म० 14/82	
2. भाई० डी०	एस० सी० कं० लि०, बनाम श्री सहीवोइना वेंकटी,	· ·	
सं 12/79 में	मामृगुरू का कोल पिलर पी० के०-2	15. माई० डी० ——यथोक्स	-
वि० या०	प्रबंधमंत्र इत्मलादम	र्मं० 14/80 में कि.सम्ब	
सं∘ १८/८१	मानुगुरु ।	वि० या० स० 75/82	
3. माई०डी०	प्रान्ध्र प्रदेश, मुलतान <b>अ</b> नाम श्री <b>जे</b> ० दक्षिणम्ति	16 <b>ग्राई० डीं० —</b> यथोक्न——	
सं ० 18/71 में	बाजार का 2, इंकलाइन, संपत्तनगर	16 भाइ० ७।० — यथाभा सं० 14/80 में	
् किं० या०	गर्जसम्बद्धः १ अस्य १०००।	वि० या०	
सं० 116/81	प्रबंधतंत्र गुदुर 522004	सं॰ 76/82	
4. भाई० डी०	भाध्य बैंक सुल्तान बनाम श्री एल० पांडुरंगाराव,		
सं० 18/71 में वि• या०	बाजार का प्रबंध-गणेश बस्ती कोठागुडम. तत्र खम्माम जिला।	सं० 1 1/80 में .	
विश्यार संह 118/81		बि० या	
5. মা <b>র্ছ০ খ্রী</b> ০	एस० सी० के० लि० वनाम एस० सी० के० बेल-	सं० 77/82	
5. साइ० जार सं० 11/81 मे	बैलमपल्ली जिला मण्लली का प्रबंधतंत्र		
वि० या०	मादिलाकाद के कर्म-	18 धाई० डी० एस० सी० के० नि०	
सं० 117/81	कार।	स० 98/81 में मानुगुरू के कर्मकार	1
ह. भा <b>र्य० ४</b> ००	सिडीकेट वैंक भीर बनाम वेश्य बैकका प्रबंध-	वि॰ या॰	
सं० 14/80 में	10 घन्य वैकों के कर्भ- तंत्र	मं॰ 80/82	
ৰি০ যা০	कार	[स॰ ए	<del></del> +
सं• ६/८2		ORDE	
7. माई० डी०	∸यथोक्त.–− बनाम धानध्य बैंक का	New Delhi, the 1	
सं० 14/80 मे	प्रबंधतंत्र	•	
ৰিও মাণ		s.O. 3122:—Whereas the Inc. the Schedule hereto annexed are pe	
सं∘ 10∤82		Rao, the Presiding Officer, Indust	
8. माई० डी०	– ∽यथोक्तं–– बनाम स्टेट अॅंक प्राफ	And Whereas the services of	
र्स० 14/80 में	हैदराजाद का प्रसंधतस	longer available;	
वि॰ मा॰		Now, Therefore, in exercise of	the
सं० 11/82		section 7A read with sub-section (	(1)
9. भाई० डी०		Industrial Disputes Act, 1947 (14 vernment hereby constitutes an Inc	
सं० 14/80 में	प्रबंधत्य	ding Officer of which shall be Shri	
षि०या०		headquarters at Hyderabad and wit	hdr
, स॰ 12/92		tion to the said disputes pending be	tore

बनाम कनारा वैंक का प्रबंध-नंत बनाम भारतीय स्टेट बैक का प्रबंधतंत्र क, बनाम भारतीय स्टट बैक, हैवराबाद का प्रबंधतंत्र बनाम प्रान्ध बैंक का प्रबंधतन्त्र बनाम विजय बैक का प्रबंधतन्न बनाम स्टेट बैक ग्राफ हैदरा-बाद का प्रयंधसक बनाम सिडीकेट बैंक का प्रयंधतंत्र बनाम वैश्य शैक का प्रबंधतंत्र बनाम एम० सी० क० लि०, मानुगुरू का प्रवंधतंत्र

# -11025(2)/82-**डी० 4**ৰী০]

1

h July, 1982.

istrial disputes specified in ling before Shri B. Prasada al Tribunal, Hyderabad;

ri B. Prasada Rao are no

he powers conferred by of the section 33B of the f 1947), the Central Gostrial Tribunal, the Presi-V. Ramana Reddy with lraws the proceedings in rela tion to the said disputes pending before the said Shri B. Presada

Rao, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Hyderabad and transfers the same to Shri S. V. Ramana Reddy, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Hyderabad, with the direction that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same pecording to law.

#### **SCHEDULE**

Sl. f. D. No. No.	Number & Date of the Order.	Name of the parties
1 2	3	4
1, 1.D. N°, 8/80		Workmen and the managerment of S. C. Co. Ltd., Yellandu, Khammam Distt
2. I.D. No. 14/80	Order No. L-12011/47/79. D. II. A dt. 3-10-80 f. om Gc vt. of India Ministry of Labour, New Delhi.	Weikmen and the merry, ment of Syr- dierte Benk and 10 others Barks.
3, I.D. No. 20/80	Order No. L-21012 (12)/80-D. IV B dt. 15-12-80 from Gevt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Weikmen and the management of S.C. Co. Ltd., Kethagudem.
4; I.D. N · 3/80	O der No. L-21011/ 13/80D. IV B. dt. 13-3-81 from Gevt of Irdia, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the management of S.C. Co. Ltd., B. llampe fill Divi. II, Adilabed Dist. (A.P.).
5. I.D. No.4/81	Order No. L-12011/ 1/78-D. II B. dt. 31-3-81, from Gevt. of Irdir, Ministry of Labour, New Lelhi.	Workmen and the maragement of Cattenment Board, Securder bod.
6. I.D. Na, 7/81	Order No. L-12012 (265)/80-D. II. A, dt. 22-4-81 f.om Gryt, Of India, Mi- nistry of Labour New Delhi.	Workmen and the mane gement of Union Bank of Indie, Vij: yawade.
7. I.D. No. 10/81	Order No. L-34011 (2)/81-D. IV A, dt. 5-6-81, from Gevt. of India, Ministry of Labour, New Delh	
8. I.D. No. 13/81	Order No. L-17012 (6)/81-D.IV A, dt. 29-6-81, f.cm Gcvt. of India, Ministry of Labour, New Delhi	tion of Irdia, Hyde-

4, 1982/मात्र 13, 1 <u>।</u>		
1 2	3	4
9. I.D, No. 15/81	Order No. L-30011/3/80-D. III. B, dt. 29-7-81, from Govt, of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the management of Oil and Natural Gas Commission, Rajahmundry.
0. I.D, No. 16/81	Order No. L-12012/ 253/80-D, 11. A, dt. 1-8-81, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the management of State Bank of India Hyderabad. (Kakina nada Branch)
1. I.D. No. 17/81	Order No. L-12011/ 41/80-D.II. A, dt, 30-7-81, from the Govt. of India, Mi- nistry of Labour, New Delhi.	Workmen and the management of State Bank of India, Hyderabad.
2. I.D. No. 21/81	Order No. L-42012 (26)/77-D. II. B, dt, 21-2-81, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the management of Food Corporation of India, Tedepalligudem.
3. I.D. No. 24/81	Order No. L-21025/ 1/80-D.IV B, dt. 29-9-81, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the management of S.C. Co. Ltd., Somagun dam Division-I.
14. I.D. No. 25/81	Order No. L-21012/ 4/81-D. IV B. dt. 16-10-81, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the management of S.C. Co. Ltd., Bellampa- lli Post Office Adi- labad Distt, (A.P.).
5. I.D. No. 27/81	Order No. L-21011/ 8/81- D. IV B, dt. 31-10-81, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi	Workmen and the management of S.C. Co. Ltd., Kothagudem,
6. I.D. No. 28/81	Order No. L-12012/ 44/81-D. II A, dt. 6-11-81, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the management of An- dhra Bank, Hydera- bad.
17. I.D. No. 30/81	Order No. 12012/ 118/81-D. II. A, dt. 28-11-81, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	
18, I.D. No. 31/81	Order No. L-21012/ 8/81-D. IV B, dt. 1-12-81, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the management of S.C. Co. Ltd., Bellampalli Division-II.

Order No. L-21012/ Workmen and the 5/81-D. IV. B. dt. management of M/s. 15-1-82, from Govt. S. C. Co. Ltd., Beof India, Ministry of Uampalli Area, Adi-Labour, New Delhi. labad District.

19, I.D. No. 1/82

1 2	3	4	1		2	3	4
20. I.D. No. 2/8	13/81-D. IV. B., dt	Workmen and the management of S.C. f Co. Ltd., Bellamf palli.	32.	I.D. No. 1	15/82	Order No. L-34012/ 3/81-D. IV. A, dt. 23-3-82, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Management of Visakhapatnam Port
21. I.D. No. 3/8	Order No. L-21011/ 9/81-D. IV. B. dt., 3-2-82, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	management of S.C. Co. Ltd., Bellampa-	33.	I.D. No. 1	6/82	Order No. L-22011/ (16)/81-D. IV. B, dt. 23-3-82, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the Management of S.C. Co. Ltd., Kothagudem, Khammam District (A.P.).
22. I.D. No. 5/8	2 Order No. L-21012 (2)/81-D. IV B. dt., 18-1-82, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Co. Ltd., Mandamari and Rama-Krishna-	34.	1.D. No. 1	7/82	Order No. L-42011/7/81-FCI/D. IVA, dt 26-3-82, from Govt. India, Ministry of Labour New Delhi.	Food Corporation
23. 1,D. No. 6/8	Order No. L-21011/ 15/81-D. IV B., dt. 23-1-82, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	management of S.C. Co. Ltd., Ramagun- dam Div-II. Coda- varikhani, Karim	35.	I.D. No. 1	8/82	Order No. L-21011/20/81-D. IV B, dt. 13-4-82, from Govt. of India Ministry of Labour New Delhi.	Workmen and the Management of S.C. Co. Ltd., Kothagudem, Khammam District (A.P.).
24, I.D. No. 7/8	10/81-D. IV B., dt. 15-2-82, from Govt. of India, Ministry of	management of M/s. S.C. Co. Ltd., Be-			Ť	Order No. L-21012/ 1/82-D. IV B, dt. 20-4-82 from Govt. of India, Ministry of Labour New Delhi.	Workmen and the Management of S.C. Co-Ltd. Bellampall Divin-I, Adilabad District.
25. I.D. No. 8/82	Labour, New Delhi.  Order No. L-21012/ 14/81-D. IV. B., dt. 16-2-82, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the management of S.C. Co. Ltd., Bellampalli Divin-I.	37	I.D. No. 20		Order No. 21012/ 2/82-D. IV. B. dt., 23-4-82, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the Management of M/s. S. C. Co. Ltd., Ramagundam Divn-I, Godavarikhani, Karimnagar Distt. (A.P.).
26. I.D. No. 9/82	Order No. L-12011 (41)/D. II. A, dt. 19-2-82, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the management of Sta- te Bank of Hydera- bad.	38. I	.D.No	:	Order No. L-42011/27/81 D. IV. A, dt. 13-5-82, from Govt. of India, Ministry of Labour New Delhi.	Workmen and the Management of Food Corporation of India, Nalgonda.
27, I <sub>1</sub> D. No. 10/	82 Order No. L-21012/ 10/81-D. IV. B, dt. 20-2-82, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Co. Ltd., Kothagu- dem, Khammam	CE:		OVE	- <u></u>	ing miscellane-
28. I.D. No. 11/8		Workmen and the management of S.C. Co. Ltd., Godavari-	- 1, 1 8		lo. 12	The Divisional Sup- /arintandent, S.C. Co Co. Ltd., Yellandu, Divn. P.O. Yellandu.	
29. I.D. No. 12/8	2 Order No. L-21011/ 1/81-D. IV. B, dt. 27-2-82, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the management of S.C. Co. Ltd., Ramagundam Divn. II.	8	M.P. No. 9 81 in I.D. N 2/79.	No.	The Management of S.C. Co. Ltd., Manuguru.	llandu. Vs. Sri Sandiboina Venkati, Coal Filler, P. K. No. 2 Incline, Manu-
30. I.D. No. 13/8	2 Order No. L-12012/ 188/81-D. II A, dt. 3-3-82, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the management of State Bank of India, Hyderabad.	8		No.	The Management of Andhra Bank, Sultan Bazar.	Murthy, 2nd line, Sampatina- gar, Guntur-
31. I.D. No. 14/8	2 Order No. L-29011 (3)/81-D. III. B, dt. 20-3-82, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the manaegement of M/s. Barlum Chemicals Ltd., Kothagudem, Khammam Dist. (A.P.).	8	M.P. No. 1: 11 in I.D. N 8/71.	No.	The Management of Andhra Bank, Sultan Bazar.	522004, Vs. Mr. L. Panduranga Rao, Ganesh Basti, Kothagudem, Khammam Distt.

_/	2 -	3		
-	-			
5.	M.P. No. 117/ 81 in 1 D. No 11/81	The Workmen of S.C Co Ltd, Bal- lampalli, Adilabad Dt.		of S. C. Co. Ltd., Ballampalli.
6.	M.P. No. 6/82 in I.D. No. 14/80	The Workman of Syndicate Bank & 10 other Banks	Vs	The Manage- ment of Vysya Bank.
7.	M.P. No 10/82 in 1,D.No, 14/80	The Workmen of Syndicate Bank & 10 other Banks	V٩	The Management of Andhia Bank.
8.	M.P No. 11/82 in I.D. No. 14/80	The Workm n of Sydnicate Bank & 10 other Banks.		The Management of State Bank of Hyderabad.
9.	M.P. No. 12/82 in I.D. No. 14/80	The Workmen of Syndicate Bank & 10 other Banks.	Vs.	The Management of Indian Bank.
10,	M.P. No. 14/82 in 1 D. No. 14/80	The Workmen of Sydincate Bank & 10 other Banks.	Vs.	The Management of Cainara Bank.
11	M.P. No 15/82 in I.D. No. 14/80	The Workmen of Syndicate Bank & 10 other Banks.	V۶	The Management of State Bank of India.
12.	M.P. No. 71/82 m I.D. No. 16/81	The Workman of State Bank of India, Hyderabad	۷۶.	The Management of State Bank of India, Hydera- bad.
13.	M.P. No. 73/82 m I.D. No. 14/80	A.P. Banks Commmission Agants Union.	Vs.	The Management of Andhra Bank.
14.	M.P. No. 74/82 in I D. No. 14/80	A.P. Banks Commission Agents Union.	V۶.	The Management of Vijaya Bank.
15.	M.P. No 75/82 in I.D No. 14/80	A P. Banks Commission Agents Union.	Vs	The Management of State Bank of Hyderabad.
16.	M.P. No. 76/82 in I.D. No. 14/80	A.P. Banks Commission Agents Union.	Vs.	The Management of Syndicate Bank.
17.	M.P. No 77/82 in I.D. No. 14/30	A.P. Banks Commission Agents Union.	Vs.	The Management of Vysya Bank.
18	M.P. No. 80/82 in I.D. No. 98/81	Workman of S.C. Co. Ltd , Manuguru	V۶	The Management of S.C. Company Ltd., Manuguru

[No. S-11025(2)/82-D.IV(B)]

#### New Delhi, the 19th August, 1982

S.O. 3123—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Khottodih Colliery, and their workman, which was received by the Central Government and their workmen, which was received by the Central Government on the 17 August, 1982.

609 G1/82--11.

# CENTRAL, GOVERNMENT-INDUSTRIAL TRIBUNAL :

#### Reference No. 47 of 1980

#### PARTIES

Employers in relation to the management of Khottadhi Colhery P.O. Khottadia, Dt. Burdwan.

#### AND

Their Workman.

#### APPEARANCES

On behalf of Employers--Mr, R.N. Tewari Deputy Personnel Manager.

On behalf of Workmen—Mr. R. Das Gupta Org. Secretary, with Mr. B.S. Azad. Genl. Secretary of the Union.

STATE · West Bengal

INDUSTRY: Coal Mine

#### AWARD

By its Order No. 1.-19012 (14)/80-L. IV (B) dated 1st July 1980 the Government of India, Ministry of Labour, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of khottadih Colliery and their workman to this Tribunal for adjudication. The dispute mentioned in the Scheduled to the order of reference reads as:—

"Whether the action of the management of Khottadih Colhery of Messrs Eastern Coalfields Limited, Post Offi e Khottadhi, District Burdwan, in superannuating Shri Udit Narayan Singh, Havildar on 30th December, 1979 is justified ? If not to what relief is the concerned workman entitled?"

- 2. The sole question involved in the case is whether the conterned workman Udit Narayan Singh, a Havildar was boin on 1st July 1928 as alleged by him or he was aged 59 years on 12th December 1978 as found by the Appellate Medical Board, Sanctoria. This Havildar was appointed on 8-9-1958 at Ramnagar colliery in the permanent vacancy. He was superannuated with effect from 31st December 1979 on completion of 60 years age. In support of his case reliance has been placed on his behalf on the Identity Cand, Fxt. W-1, No. 26-1582 issued by the management: It is not possible to rely on this document. As against column "Date of Birth" the age is 59 years on 15-11-76 and then again the date of birth has been shown as 1-7-1928 as per CMPF record. The figure 1-7-1928 clearly seems to be an over-writting. Below that expression there is something which appears to have been rubbed out, WW-1 Udit Narayan Singh says in his evidence that Mr. Chandra (probably he means the Labour Officer) disputed his signature on the identity card when it had been shown to him. The order-sheet of this case does not show that the converned workman ever pressed for sending the signature of Mr. Chandra to be examined by any hand-writting expert. His identity card does not bear any seal. A portion of it has not been attested by any one 1, therefore, do not rely upon Fxt W-1, the identity card, My impression is that it has been forged and fabricated for the purposes of this case and that it should not have been filed or used in this case.
- 3. It was vehemently contended on behalf of the concerned workman that Form A register which is maintained by the CMPF mentions the date of birth as 1st July 1928 and the same should be called for by this Tribunal. In my eminion it is not necessary, to call for it at this stage when no prayer for the same was made earlier Any way, it will appear that the late of birth as mentioned in this register had been called by the Assistant Labour Commissioner (Central) by letter dated 16-11-1979 during the conciliation moderedings. The Regional Commissioner, CMPF, Asansol sent a reply by letter dated 5th December 1979 which is Annexure 'K' to the written statement of the workmen. It is as follows

Office of the Regional Commissioner Coal Mines Provident
Fund

Asansol.

CPF|56|Misc|Files|SRC, 7|365/3334 Asansol, the 10-12-1979

Το

The Assit. Labour Commissioner (Central) Raniganj, D st. Burdwan.

Sub: Age in respect of Sri Udit Naryan Singh holding A/C No. B/391687

Sir,

With reference to your letter No. 1/108/79/alcr dated 16-11-79 I am to state that as per this office record (Form 'A') the member's age is 1st July 1928. The Form 'A' has been signed by C.I.W.O. of Kendra Colliery on 17-3-1959. We cannot confirm whether the signature of the C.L.W.O. in the form 'A' is genuine or not.

Yours faithfully,

Sd/-B. K Sinhi, Regional Commissioner 5-12-79

From the above it is obvious that it purports to have been signed by the C.L.W.O. on 17th March 1959 and it not confirmed whether this signature was genuine or not. Its authen'icity or genuineness cannot therefore be accepted. The circumstance shows that there has been some manour-vering in the CMPF office. Udit Narayan Singh, Havildar was appointed by the management of Ramnagar Colliery on 8-9-58. A form B Register is admittedly maintained there in which the name, father's name and other particulars including the date of birth of the concerned work-man are mentioned. WW-1 Udit Narayan Singh himself accepted in cross-examination that such a register is maintained by the management. This register has been produced in this case. The relevant entry concerning Udit Nrayan Singh Is Sl. No. 1357 (Fxt. M-7). In this entry the age of Udit Narayan Singh have been recorded as 59 years on 15th November 1976 as had been found on examination by the Regional Madical Board, In this very entry of Form B Register the age of Udit Narayan Singh has again mentioned as 59 years on 12th December 1978 after examinations by the Appellate Medical Board, Sanctoria, done at the instance of the Colliery Max Coor Congress (HMS). It appears that on the basis of the first entry in which his age had been recorded as 59 years on 15-11-76 Udit Narayan Singh was asked to retire on 15-11-77. But heprotested. The Colliery Mazdoor Congress (HMS) of which Udit Narayan Singh was at that time a member took up the matter with he management on 14th July 1978 and then this man was re-examined by the Appellate Medical Board of San toria on 12-12-1978 and his age was then found to be 59 years. So the concerned workman was allowed to rejoin on 30th December 1978. He had thereafter been superannuated with effect from 31-12-1979. The correctness of the entry in B form register has not been challenged and cannot be challenged. It has been signed by Udit Narayan Singh who has admitted his signiture put there. The witness has said in his evidence that if a workman is transferred from one colliery to another, the past extract from the raleyant register is sent to the transferred place. Udit Narayan Singh was transferred sometime in 1978 from Ramnagar to Khottadih colliery from where he has been superannuated with effect from 31st De ember 1979. The management has stated in pura 11 of its written statement that it was astonishing as to how the date of birth was inserted in Form 'A' of CMPF office when there was no entry of the date of birth in the earliest register namely the Form B register, I think that the monacement his rightly thought so I have already said that the date of birth should have been noted in the earliest register from B at the time of appointment if the same was available. If it had not been so noted in that register then it is really surprising how subsequently the date of birth will be mentioned in form A register maintained in the office of the Coal Mines Provident Fund. To me it appears that somebody in collusion with some staff committed the mischief there also. It was during the conciliation proceeding that it was made out by the concerned workman that is date of birth was 1st July 1928. It was after a number of discussions during the ocnciliation proceedings that form A register was produced from the office of CMPF. The Labour Offices who is said to have signed has not been examined. No one from CMPF office has come to say that the entry in form A register was genuine. It may be mentioned that the Appellate Medical Board was constituted with several specialist Medical Officers of different branches of the company and it is not possible to believe the assertion of the concerned workman that he was forsibly taken there for examination. There is no doubt that in a situation when the exact date of birth is not available the opinion of the Medical Board is relevant and should be accepted vide case of Jiwan Kishore of Delhi Tarsport Corporation and Another, (1982) ILLJ 271. In my opinion WW-1 is wholly an unreliable witness.

- 4. The other documents on record are not of assistance for proving the date of birth of the concerned workman and therefore it is not necessary to discuss them. The management has argued that the sponsoring union is not competent to take up the cause of Udit Narayan Singh as it had no following whatsoever in the colliery and there is no resolution entitling it to sponsore the dispute on behalf of the concerned workman. I do not think it necessary to go into this question in the view which I have already expressed about this case.
- 5. In the result, I hold that the concerned workman Udit Narayan Singh was aged 59 years on 12-12-1978 as found by the Appellate Medical Board, that the action of the management of Khottadh Colliery of Messers Eastern Coalfields Limited in superannuating Udit Narayan Singh, Havildar with effect from 30th December 1979 is perfectly justified and that Udit Nrayan Singh, Havildar is not entitled to any relief.

This is my award

547

M. P. SINGH, Presiding Officer [No. L-19012 (14)/80-D.IV (B)] S.S. MEHTA, Desk Officer

Dated, Calcutta,

The 3rd August, 1982.

New Delhi, the 19th August, 1982

S.O. 3124.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishe, the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Messrs Darabshaw B. Cursetjee's Soms (Bombay) and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th August, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

Reference No. CGIT-2/19 of 1981

PARTIES:

Employers in relation to the management of Messrs

Darabshaw B. Cursetjee's Sons (Bombay) Private
Limited, Bombay

AND

Their workmen APPEARANCES:

For the Employers-Shri V. D. Gokhale, Advocate

For the Employees—I. Shri M. N. Bhatkal 2, Shri K. R. Dengle, Advocate.

STATE: Maharashtra INDUSTRY: Ports & Docks Bombay, dated the 19th July, 1982

# $\Lambda WARD$

By their order No. L-31012(1)/81-D.IV( $\Lambda$ ) dated 19-8-1981 the Central Government has referred the following dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947:—

"Whether the action of the management of Messrs Darabshaw B. Curstjee's Sons (Bombay) Private Limited, Bombay in terminating the services of Shri Naval Kishore, Cargo Supervisor, with effect from the 1st March, 1980 is justified? If not to what relief is the concerned workman entitled?"

- 2, The contention of the Union on behalf of the workman concerned by their written statement Ex. 3/W is that the workman who was serving as a Cargo Supervisor with the Respondent company was wrongfully cashiered from the service without stating any reason and without holding any enquiry as not the law and therefore their prayer is for reinstatement with all the back wages.
- By their written statement Ex. 2/M the contentions of which are reiterated in their rejoinder Ex. 4/M management question the status of the employees concerned as a workman and since according to them, Shii Naval Kishoic was working as a Dock Supervisor drawing Rs. 1,052.28 as emoluments, he cannot fall under the category of workman as defined in the Industrial Disputes Act and as such the whole reference must fail. It is further urged that the Port Trust authorities for their own reasons cancelled the Dock Entry permit issued in favour of Shi Naval Kishore and insisted upon its suirender, as a result of which the Cargo Supervisor could not have entered the dock area. thus frustrating the contract of service between the employer and employee. It is alleged that despite the instructions issued by the Port Trust authorities, the employee failed to surrender the permit and further that though he was direct ed to attend the head office, the company was not satisfied with his attendance or attitude and therefore although repeated attempts were made by the Respondent Company to get the order of cancellation of the permit revoked there was no concrete result and therefore the Respondent Company had to terminate the services. It is alleged that the Port Trust authorities found Shri Naval Kishote not a desirable person to enter the Docks and to handle cargoes because of his alleged complicity in certain thefts from the Docks/Bunders and in these circumstances acting bona fide they brought about the severence of the relationship.
- 4. The Union has filed rejoinder Ex. 5/W whereby the plea that the employee is a workman has been reiterated and further it wants to east the responsibility on the employer to find out as to why the Dock entry permit was cancelled or to procure the same for the workmen concerned in the light of these proceedings and having regard to the nature of the dispute the following issues arise for consideration:—

Issues

Findings

- (1) Does the management prove that Yes as Cargo Sup-because the Entry Pass of Shri Nav-alkishore was cancelled by the Port Trust authorites and therefore, he could not have carried on his normal duties as employee of Darabshaw B.Cursetjee's Sons, Bombay. (IA) Whether Shri Naval Kishore Yes is a workman
- (2) If so, whether the contract of service No automatically came to an end on account of frustration and there remained no relationship of employeremployee between the parties
- (3) If not, whether the termination of ser- Yes vices of Shri Naval Kishore amounted to retrenchment as defined under Section 2(00) of the Industrial Disputes Act ?
- (4) Whether the retrenchment was valid No and legal?
- (5) If not, whether the services of Shri No Naval Kishore were validly ter-minated?
- To what relief the employee is entitled. No reinstatement Whether of reinstatement or compensation?
- (7) If compensation is a relief, what Rs 15,000/—quantum?

but compensation

only.

(8) What Award As per order.

5. The employee was serving as a Cargo Supervisor is a tact which stands admitted. Similarly it is a fact that he was drawing emoluments exceeding more than Rs. 500/per month. I inking these two facis together it was urged
on behalf of the employers that the employee being performing what is known as supervisory duties and further being drawing salary of more than Rs. 500 cannot fall under the definition of working under Section 2(s) of the Industrial Disputes Act and therefore the reference cannot survive and if there is any wrong, the employee may have to chose some other forum. Now whether a particular employee employed in a supervisory capacity and therefore not falling under the definition of workman would be simply a question of facts and the same would depend upon the proof or otherwise of the nature of work or duties performed by the persons concerned. It was purely a question of evidence but as the record goes neither the management nor the workman or the Union on his behalf has adduced any oral evidence on record and that duting the arguments there was reference to the duties performed, but since there is no evidence as such on record, merely what was argued particularly when what is contended by the Union was denied by the management and vice-versa, no conclusion can arrived at because the argument cannot take place of proof. Although there is no oral evidence on record there is one Award which is Ex. 33/W based upon a settlement between the Bombay Stevedores' Association and their work-men whereby all the benefits of the settlement were extended to Cargo Supervisors whether Grade 'V' or Grade 'B' and the Supervisors of these two grades were treated as workmen employed under the members of the Association. Consequently when as long back as in the year 1959 the Cargo Supervisors by the consent of the parties were treated as workmen, unless there was some material to hold that the subsequently the nature of duties changed, that too to such an extent that the employee no longer came within the definition of workman, the force of settlement and the facts admitted shall be treated as still existing and when viewed accordingly, no other conclusion is possible than to hold that the Cargo Supervisor though drawing more than that the Cargo Supervisor though drawing more than Rs. 500/- per month is still a workman. Salary exceeding Rs. 500/- would only be a dtermining factor if the employee is employed in a supervisory capacity in other words he falls under Section 2(s)(iv) of the Act, for which there's no proof on record. The contention that Shri Naval Kishore is not a workman and therefore the reference is bad must

REASONS

6 What happened at about the relevant time which ultimately led the company to terminate the service of the workman is borne out from the copies of correspondence produced by the employers at Fx. 6/M of the list dated 20-1-1982. From the pleadings as well as from the exchange of letters, especially between the management and the Port Trust authorities, as well as the from the communication received from the Port Trust on tecephal at Fx. 22/M. cation received from the Port Trust on record at Ex. 32/M, there is every reason to believe that the Port Trust authorities felt that Shri Naval Kishore was responsible for the loss of original tally sheets and this must have occasioned with certain ulterior motive. I am not called upon to determine here in this proceeding whether the conclusions arrived at by the Port Trust authorities were supported by any evidence or not, but the fact remain that though they were authorised to isssue dock entry permits, for their own reason ultimately were constrained to cancel the same. Union has brought on record Fx. 34/W a specimen copy of the application for dock entry permit where the particulars required to be fill in in the application have been mentioned but in the application form almost at the beginning we notice a note where it has been stated that this administration reserves the right to refuse, withdraw or cancel the number of dock Entry Permits applied for or granted without assigning reasons."

7. In exercise of the powers vested in the Port Trust authorities when they cancelled the Dock Entry permits of Shri Naval Kishore and when despite letters written by the employers to the Port Trust authorities, the decision to cancel the permit was not rescinded, the management must be deemed to be helpless in the matter.

8. It is tried to be urged that the procurement of Dock Unitry permit was a joint responsibility of the workman and the management and because the management did not challenge the order of Port Trust authorities, they subsequent

to passing the order of cancellation shall be deemed to have not taken any steps in the matter. To suggest that it was a joint responsibility, my attention was again drawn to the specimen application form Ex. 34/W where the employer is expected to give certain gentificate and propriety of the employee to hold the permit entitling him to enter the Bombay Dock and the protected area. However, merely because such a certificate was expected, it does not cast any duty on the employer so as to hold him jointly responsible for moving in the matter. If Shri Naval Kishorc of the Union on his behalf was aggrieved by the cancellation of the Dock entry permit, the primary duty to get the order resembled either by convincing the Port Trust authorities or by approaching the court of law rested with the employee himself, without following such a course, they merely tried to throw the entire blame on the employer which would never be permissible. When the management drew his, attention of the Port Trust authorities to take early action in the matter, and wrote atleast more than two letters, nothing more was expected of the management in the absence of action on the part of the employee concerned, and no mala fide can be attributed as tried to be done in the present case. The Port Trust authorities were satisfied about the undesirability of the workman concerned in the Dock area, and the said order was never challenged. In the absence of any Dock Entry permit, Shri Naval Kishore was not entitled to enter the dock area or to perform his duties as a Cargo Supervisor. Therefore all the arguments advanced on pehalf of the workman that the ultimate action taken by the management was not bonarde or that management connived at such action cannot but tail.

9. Once we arrive at this conclusion it means that there was ground for the management to bring about the severence. Therefore, the next question posing for determination will be whether the said severence is validly done, for, even if the soid act is found to be justified, the question would still remain whether it was legally and validly performed and if the termination is required to be effected in a particular manner under the Industrial Disputes Act, unless the requirem nts of law are fulfilled no seal can be put on such action. Even the written statement of the management indicates that after the cancellation of the Dock Entry permit the employee was asked to work in the head office. It is not therefore the case of the management that the employee was singularly a Cargo Supervisor holding no other status independently of the Dock Entry permit but admission in the written statement indicates that even after the cancellation of the array permit because that the cancellation of the entry permit according to the management themselves the relation ship of employer-employee continued and there was attempt on the part of the employer to provide the employment somewhere else. In this connection the plea in the written statement is that the employee was reluctant to work in the nead office and was not regular in his attendance Events in chronological order would be the cancellation of the Dock Entry permit, posting of the employee in the Head Office and lastly the termination of service. Now if the intervening stage is taken into account when the employee was posted in the head office and if the employer wanted to contend because of the reluctance and irregular attendance they were not satisfied with the work of the employee it would mean nothing else but attribute some misconduct on the part of the employee in which case certain action could have been taken either an enquiry was recessary or some proof in support was essential before the Tribunal. There is no such proof therefore remains the word of the employer saving something else against Shri Naval Kishore.

10. With the result that there is no proof of misconduct as such and at the same time there is proof that after the cancellation of the Dock Entry permit by the Poir Trust authorities, the employee was unable to perform his duties as Cargo Supervisor and in that case the management could have terminated the services.

-11. If there was no misconduct and there is no proof to that effect, and if the management was bringing about soverence of the relationship, what was necessary was the compliance of the provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act, for, any termination whatsoever reason barring exceptions under Section 2(00) of the Industrial Disputes Act amounts to retrenchment and such retrenchment can be brought about only by following Section 25F of the Act of

which management, the record goes, failed to do. Neither there being any notices or notice pay nor any compensation as supulated under the provisions of Section 25F are not followed, the termination is tendered inavild.

12. Once it is so held, what is to be considered is whether coinstatement is to be ordered or any compensation. It was tried to be urged on behalf of the Union that in the light of the finding to which the Tribunal has arrived at, there is no other order legally permissible except the order of reinstatement. However, the facts of the instant case are such that because of the action of the Port Trust authorities which acion they could legally take by virtue of the contents of the application form itself, the employee was not in a position to render the service to the employer, the service for which he was appointed. If there is no Dock Entry permit, Shi Naval Kishore cannot enter the Dock and if he cannot enter the dock he cannot supervise the loading and unloading of cargo. Therefore, the order of reinstatement in case is passed would create a vaccum, there would be no work to the employee to carry on his normal duties expected of his post. In these circumstances in my view reinstagement is not at all possible.

13. Even in Hindustan Steels Limited Vs. A. K. Roy, AIR 1970 Supreme Court 1401, (1970 LAB, I.C. 1166)) in the case of illegal discharge or dismissal of a workman, on the stiength of the facts on the said case no order of reinstatement was passed but that of compensation only. It is not therefore that in each and every case the order of reinstatement is a must as tried to be urged on behalf of the Union. In my view for the reasons already stated no reinstatement is possible. This shall bring us to the question of compensation. The services of the workman were terminated from 1st April, 1980. On record there is nothing to show that he was in anybody's service or he was gainfully employed of not. Having regard to these facts at the same time having found the order of termination as invalid on account of nen-fulfilment of Section 25F, the ends of justice would be workman.

Award Accordingly.

Sd/-

M. A. DESHPANDF, Presiding Officer
[No. L-31012/1/81-D.IV(A)]

S.O. 3125.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Messis Gordon Woodroffe Limited Madras, and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th August, 1982.

BEFORE THIRU T. SUDARSANAM DANIEL, B.A.,B.L. PRESIDING OFFICER

Industrial Tribunal, l'amil Nadu Madras. (Constituted by the Government of India) Tue day, the 31d day of August, 1982 Industrial Dispute No. 78 of 1981

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Messrs. Gordon Woodroffe Limited and Stevedores Association, Madras.)

#### BETWEEN

The workmen represented by The General Secretary, Madras Harbour Workers Union, No. 204, Broadway Madras-600 001.

## AND

- The Managing Director. Messrs. Gordon Woodroffe I imited, Rajaji Road, Madrus-600 001.
- The Secretary, Madras Stevedores Association, MDI B Buildings, Rajaji Road, Madras-600 001.

\_<u>\_\_\_</u>\_\_\_\_\_\_\_

# REFERFNCE:

Order No. L-33011/3/81-D. IV(A) dated 22-10-1981 of the Ministry of I abour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Fuesday, the 27th day of July, 1982 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru P. I. Seetharaman, Advocate for the workmen and of Thiru N. Kannan, Assistant Secretary of Employers' Federation of Southern India, Madias-1 for Management No. 1 and Thiru R. Arumugham for Thiruvalargal Aiyan and Dolia and R. Arumugham Advocates for Management No. 2 and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following:

#### AWARD

This is an Industrial Dispute between the workmen and the management of M/s. Gordon Woodroffe Limited, Madras and Madras Stevedores Association, Madras referred to this Tribunal for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in Order No. 33011/3/81-D. IV(A), dated 22-10-1982 of the Ministry of Labour, in respect of the following issue;

"Whether the non-inclusion of the undermentioned 10 Watchmen of Messrs, Gordon Woodroffe Limited, Madras, in the Watchmen Pool un by the Madras Stevedores Association is proper and justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled and from what date?

#### Name of the Watchmen

- 1. Shri K. Dhakshinamurthy
- 2. Shri R. Jayendran
- 3. Shri V. Kothandan
- 4. Shri D. Kannaiah
- 5. Shri V. Mariasoosai
- 6. Shri M. Mchboobkan
- 7. Shri V. Rangiah
- 8. Shrì M. Thirumalai
- 9. D. S. Viswanathan
- 10. Shri M. Chandran."

(2) Facts leading upto this dispute are as follows: The reference made by the Government of India Ministry of Labour is made at the instance of Madras Harbour Workers Union, No. 204, Broadway, Madras-600 001, Tamil Nadu. The 10 workmen mentioned in the reference are employed by Messrs. Gordon Woodroffe I imited, Rajaji Road, Madras-1. The case of these aggreived watchmen briefly stated is that their non-inclusion in the Watchmen Pool run by Madras Stevedores Association is unjustified. There is no controversy that these 10 watchmen were employed by Messrs. Gordon Woodroffe Limited, Madras at any rate from even piloi to 1968 as casual workmen. The labour employed in the Madras Docks are under the overall con-tiol of the Madras Dock Labour Board either as direct employer or as the statutory authority to regulate and supervise the functions, service conditions etc. of the labour engaged in the Dock areas for the labour engaged by or under the control of Dock I abour Board.—vide The Madras Dock Labour Scheme. The Madras Stevedores Association representing the body of the above the resulting the poly of the above the resulting the poly of the above to the resulting the poly of the above the resulting the poly of the above the resulting the poly of the above the resulting the poly of the resulting the resu Association representing the body of stevedores has entered into various settlements/agreement on various issues relating to this labour. It is common case that in 1968, there was a proposal that the Clerks and the Watchmen attached to the godowns of Messis. Gordon Woodloffe Limited in the Madras Harbour area should be brought within the scope of rool of listed labour. This was in conformity with the position obtaining in respect of other companies However, when the pool was prepared, the clerks and watchmen of Messrs. Gordon Woodroffe Limited were excluded. Therefore, the Petitioner-Union raised a dispute as early as 1973. The tematks of the Gordon Woodroffe Limited are found in Ex. W-15. At that stage, the Madras Statesform Posticin very in the groundlighten and Stevedores As ociation participated in the conciliation and agreed to examine the claim of these workmen. Meanwhile, the clerks have since been absorbed by Messis Gordon

\_\_\_\_\_ Woodroffe Limited and therefore the ten watchmen mentioned in the present reference along remained unabsorbed. It is true that during the conciliation proceeding discussions took place between the Petitioner-Union of the Gordon took place between the Petitioner-Union of the Gordon Woodroffe Limited and the Steveders Association in the presence of Thiru V. Karthikeyan, TA.S., the then Chairman of Madias Port Truel Most of the relevant facts are found in Ex. W-4. Eventually on 30-3-1968 the Chairman of Port Tru t has passed the following order which Is seen at paragraph (12) in page 3 or Ex. W-4. The Chairman observed that "if Gordon Woodrolle & Co., were not drawing men from the stevedores and utilising their own watchmen as in the past, they cannot be expected to draw men from the pool." Mt. h water has flowed under the bridge ever since. bridge ever since.

- (3) The Madras Dock Labour Board has considered amendments to the Dock Labour Scheme to cover and to include the workmen cmpl yed in Clearing and Forwarding. include the workmen cmpl yed in Clearing and Forwarding, viz, under the stevedors, within the framework of "the Madras Registered Dock Clearing and Forwarding Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1980." In terms of the settlement reached on 5-11-1969 before the Regional Labour Commissioner (Central), Madras to which Messrs. Gordon Woodroffe and Madras Stevedores Association were also parties it was agreed that the poll of calual workmen run by Madias Stevede es Association under the Madias unregistered Dock Workers' (Regulation of Employment) Scheme, 1957 as amended in 1968 covered certain categories of workmen including watchmen and such workers would be entitled to the benefits admissible to the listed dock workers with effect from 3-3-1969. The Stevedores Association has agreed to give all benefits as per the minutes of discussion held in 1973 before Thiru Karthikeyan, the then Chairman of the Madius Poit Trust. On the facts so far stated, it should appear that the Madras Stevedores Association had agreed to take these 10 watchmen also to be included in the list of pool workers.
- (4) At this juncture, I may refer to the stand taken up by the Company, namely, Gordon Woodroffe Limited and also the Madras Stevedores Association. The Company maintains that the workmen concerned in the dispute should maintains that the workmen concerned in the dispute should be absorbed in the Watchinen Pool run by the Madrast Sevedores Association. But Mesus. Gordon Wodrosself Limited also takes up the stand that there was no industrial dispute as such between the Company and the workmen and therefore there is no proper dispute against the Company and therefore the reference made by the Government of India including the Company as a party is misconceived. To a similar effect is the main stand of Stevedores Association that as between the 10 watchmen concerned in the dispute and the Stevedores Association, there is no jural relationship as such and therefore there is no industrial dispute as contemplated under the Industrial Disputes Act, 1947 between these 10 workmen and the Stevedores Association would come forward with a plea at held to be incompetent. Regard being had to the claim of these watchmen to be included in the list even from 1968 onwards and taking into consideration the attempted arbitration by the Chairman of the Madras Port Trust in the presence of Messis. Gordon Woodroffe Limited as well as the Madras Stevedores Association it is rather surprising that Gordon Woodroffe Limited and much more the Madras Stevedores Association would come forward with a plea at this stage that there is no industrial dispute as such as con-templated, under the Industrial' (Disputes Act, 1947, Aq pointed out by the Petitioner-Union and the Gordon Woodroffe Limited, even during the conciliation proceedings the Madras Stevedores Association adopted unhelpful attitude and refused to participate in the conciliation proceedings and therefore the conciliation failure report Fx. W-1 clearly indica es the non-participation of others excepting Messis. Gordon Woodroffe Limited. On receipt of this conciliation failure report, the Madias Stevedores Association has made its remarks to the Government of India under the original of Ex. M-4 on 26-5-1981. According to the stand of the Madras Stevedores Association it annears that the claim of three 10 workmen became a closed chapter even by about August, 1968. On a total appraisal of all the materials, I am unable to accept the stand of the Madias Stevedores Association that the claim of these 10 watchmen was given a quietus by the observation of the Chairman of the Madras Port Trust in the Proceedings

dated 30-8-1968, extract of which is found at page 2 of Ex. M-4. All that the Chairman has stated at that stage was, because Gordon Woodroffe Limited were not drawing men from the Stevedores and utilising their cwn watchmen as in the past, they cannot be expected to draw men from the rocl. That cannot be any exception to this observation. However certain other developments had taken place. As seen from Ex. W-7, the shipping agency of M/s. Gordon Woodroffe Limited, namely, Clan Line was terminated by the principals towards the end of the year 1977 and although the work men became used under the Management though the workmen became redundant the Monagement purely on compassionate grounds continued to retain them in service. The stevedoring business of the Company has now taken by another Company International Services, which however refused to employ these 10 workmen, But the hard fact remains that the International Agency draws the hard fact remains that the International Agency draws the workmen from the pool maintained by Madras Stevedores Association Therefore, in view of changed situation when International Services is drawing mun from the pool, certainly the watchmen already employed and who had agitated their rights even from 1968 onwards must be included in the pool maintained by the Madras Stevedores Association It is true that there is no direct contractual obligation between these 10 workmen and the Madras S evedores, Association but in view of the legal duty and obligation cast on the Madras Stevedores Association to employ any workman rendered surplus or reduce out for employ any workman rendered surplus or reduce out for any reason, it is just and proper that these watchmen must be included in the pool maintained by Medras Stevedores Association. Even if the exterme stand taken up by the Gordon Woodroffe Limited and also the Madras Stevedores Association that there is no industrial dispute and as such as against them, still their presence before this Tribunal on the facts of the case is perfectly justified as coming within Section 18(3) (b) of the Industrial Disputes Act, 1947. By no stretch of imagination can it be said that Messis Gordon Woodroffe Limited or Madras Stevedores As ociation has been summoned by this Tribunal without proper cause. In Ex. M-4, the Madras Stevedores Association has also pounted out that the Government of India in the has also pointed out that the Government of India in the Ministry of Transport and Shipping is considering the inclusion of Madras Stevedores Association Pool Jabour, within the fold of Madras Dock Labour Board, Regard being had to the claim of these witchmen even from 1968 onwards to be included in the pool, their non inclusion by Madras Stevedores Association cannot be held to be justified. However, there is no question of any retrospective effect to be given for the inclusion of these workmen. It is stated at the bar that the Madias Stevedores Association can employ considerable work force to implement the duty and obligation cast on it. Therefore, there cannot be any practical difficulty to Madras Stevedores Association to include these 10 workmen in the pool list and give them employment as and when necessity arises.

(5) In the result, an Award is passed holding that the non-inclusion of the watchmen of Messrs Gordon Woodroffe Limited in the Watchmen Pool run by the Madras Stevedores Association is improper. These 10 workmen would be deemed to be included in the Watchmen Pool of Madras Stevedores Association from the date of this Award and will be offered employment as and when sultable occasion arises. In the peculiar circumstances, I direct all the parties to bear their respective costs.

Dated, this 3rd day of August 1982.

T. SUNDARSANAM DANIFL, Presiding Officer, Industrial Tribunal

Witnesses Examined

For both sides. None.

Documents Marked

For workmen

- Ex. W-1/8-5-81—Conciliation failure report. (True copy)
- Ex. W-2/21-1-61-Letter from the Madray Dock Labour Board to the Union and Management No. 1 sending copies of letters received from Thiru P. C. Tilak. (true copy).
- Ex W-3/14-11-80- Letter from the Madras Steamer Agents Association to Management—I regarding pool of casual workers at Madras Port. (True copy)

- Ex. W-4-Note egarding formation of casual pool at Madras Port. (True copy)
- Ex. W-5/5-11-80—Letter from Management-I to the Madras Dock Labour Board unging to embrace the casual workers in the employment of Steamer Agents. (True copy)
- [1x. W-6/1-7-80—Tetter from the Union to Management No. 1 for confirming the serivces of some clerks. (true copy)
- Ex. W-7/1-11-79—Statement of remarks submitted by Management No. 1 to the Assistant Conmissioner of Labour (C), Madras, in reply to the charter of demands of the Union. (True copy)
- I'x. W-8/12-10-79—Letter from the Union to Management No. 1 regarding increase in minimum guarantee period and payment of weekly off to the casual clerks and watchmen. (True copy)
- Ex. W-9/36 1-79—Letter from Management No. 1 to the Union about the enrollement of casuals into Dock Labour Board. (True copy)
- Ex. W-10/11-12-78—Letter from Management No. 1 to the Madras Port Trust requesting to get International Services to take over the casuals or arrange for the casual pool to absorb them for employment. (True copy)
- Fx. W-11/1-11-78-Letter from Management No. 1 to the Union regarding charter of demands dated 24-10-77 of the Union. (True copy)
- Ex. W-12/30-5-75—Memorandum of settlement u/s. 12(3) of the I.D. Act, 1947 between the Union and Management No. 1. (True copy)
- Fx. W-13/16-8-73—Conciliation report of the Labour Commissioner (C)/I, Assistant Madras. (True copy)
- Fx. W-14/10-8-73—Letter from the Union to Management No. I requesting for payment of overtime wages to the clerks and watchmen. (True
- Lx W-15/1-11-72-Letter from Management No. 1 to the Assistant Labour Commissioner (C), Madras in reply to the representation dated 11-10-72 of the casual clarks and watchmen. (True copy)
- Cx W-16/23-10-72—Letter from the Assistant Labour Commissioner (C), f, Madras to the Management-1 sending the representation dated 11-10-72 of the casual clerks and watchmen for comments. (True copy)

For Managements:

- Fx M-1/21-6-73—Conciliation notice issued to the Union and Management No. 2 by the Assistant Labour Commissioner (C), Madras-1, (True copy)
- Fx. M-2/30-6-73-Letter from Madras Dock Labour Board to the Madras Steamer Agents' Association. (True copy)
- Fx M-3/3-3-69—Memorandum of settlement u/s. 12(3) of the 1D Act, 1947 between the management No. 2 and the Madrus Port and Dock Workers Progressive Union, Madrsa. (cony)

Fx M-4/26-5-81—Letter from Management No. 2 to the Government of India regarding non-inclusion of the view, of Management in the conciliation report. (copy)

1. SUDARSANAM DANIFI, Industrial Iribunal

[No, I-33011(3)/81-D  $IV(\Lambda)$ ]

T. B. SITARAMAN, Desk Officer

S.O. 3126.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of United Bank of India, Calcutta and their workman, which was received by the Central Government on the 10-8-82.

# CENTRAL GOVERNMEN'T INDUSTRIAL TRIBUNAL : CALCUTTA

Referen e No. 38 of 1978

PARTIES.

Employers in relation to the management of the United Bank of India, Calcutta

#### AND

#### Their Workmen

# APPEARANCES:

On behalf of Employers—Mr. C. I. Ganguly, Advocate
On behalf of Workmen—Mr. S. Das Sharma, General
Secretary of the Union

STATE: West Bengal INDUSTRY: Banking

### AWARD

Government of India, Ministry of Labour by Order No. F. No L-12011/48/77-D.H.A dated 5th April, 1978, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of the United Bank of India, Calcutta and their workmen, to this Tribunal for adjudication. The Schedule to the Order of reference reads:

- Whether the action of the management of the United Bank of India, 16, Old Court House Street, Calcutta-I, in refusing to declare S/Shri Jahar Kanti Sen and Buburam Pal their representatives at the Clearing House, Calcutta as permanent incumbents is justified? If not, to what relief are these workment entitled?
- 2. The case as pleaded on behalf of the concerned workmen may be briefly indicated. Sti Jahar Kanti Sen and Sri Baburam Pal were appointed in the services of the United Bank of India on 6th May, 1971 and 8th September, 1972 in the clerical cadre. They were allotted the duties of clearing house representative of Reserve Bank of India building, 15-Netaji Subhas Road, Calcutta on regular assignment on 1-8-71 and 28-3-1973 respectively. The above duties of clearing house attracted a special allowance of Rs. 91 per month along with usual dearness allowance by virtue of para 5.2 and para 5.6 of the Bipartite Settlement dated 19-10-66. The concerned workmen made a claim to the Bank for payment of the special allowance and "letters of permanency" on the posts. The management paid the arrears of special allowance but did not concede the other demand.
- 3. The claims of the conceined workmen were based on the decision of the Central Government Labour Court, Calcutta in Srinivasan vs. First National City Bank in 1967 which was confirmed in the dispute between the Bank n anatements vs. Workmen in a consolidated case in 1969 contested by the representatives of the Banks Association. In appeal to the Sumeme Court by the Central Bank of India, the decision of the Labour Court was upheld by the judgment of the Supreme Court delivered on 8th October, 1975.

- 4. That the management failed to treat the concerned workmen as permanent incumbents of the above posts and although the management has been paying the full special allowance of Rs 91 plus usual dearness allowance per month to the concerned workmen, the management has not made them permanent. A dispute was raised before the Assistant Labour Commissioner (Central). The conciliation failed and resulted in the present reference. That the management acted in violation of the provisions of the Bipartite Settlement dated 19-10-66. The payment of special allowance to the concerned workmen is being made from May, 1978 by separate vouchers and not by salary sheets, so long as they are in the clearing house without confirming them as permanent special assistants and withdrawing their previous letter dated 5-1-78 under which the management confirmed them as Special Assistants. The conduct of the management is mala fide. It is further said that by virtue of their regular posting at the clearing house as representatives of the Bank and having legard to their long tenure of service at the clearing house the concerned workmen ought to have been designated as Special Assistant-cum-clerks by the management. The action of the management in not treating them as permanent incumbents is in violation of the provisions of Settlement dated 19-10-1966. In conclusion it was submitted on behalf of the concerned workmen that the management should be directed to treat them as permanent Special Assistants on regular assignment at the Clearing House.
- 5 The Bank has contested the claim of the workmen. Short of verbiage the case of the Bank is that the clerks concerned have no right to be made permanent incumbents and as per clauses 5.8 and 5.9 of the Bipartite Settlement dated 19th October, 1966 they are entitled to special allowance only so long as they perform the job in the Clearing House and not if they are withdrawn by the Bank from the clearing house and ceave to work. It is said that these two clerks are doing the job in the clearing house and they are getting the special allowance payable to Special Assistants. It is also pleaded by the Bank that seniority is taken into consideration as the criterion to designate special assistants from amongst the existing clerical staff, that the two concerned workmen are junior clerks and there are many clerks who are senior to them. The Bank submits that these two concerned workmen are not special Assistant. It is said, however, that the Bank has decided to give special allowance and not to discontinue it in the case of these two workmen even if they are withdrawn from the clearing house.
- 6 Firstly it is contended by the workmen that the two concerned workmen used to draw special allowance while on leave and as admitted by the bank in its written statement and this can be done only if they are permanent incumbents. My attention has been drawn to clause 5 10 of the Bipartite Settlement which provides: "The Special allowance would continue to be drawn by permanent incumbent while on leave". It is true that this clause contemplates the existence of permanent incumbent but it does not say that if any clerk permanent or temporary does the work of clearing house he will automatically be permanent incumbent. No rule or any clause in the Settlement has ben shown to me as to how a clerk is made permanent incumbent. There is also on rule that if a person draws up special allowance while on leave he will automatically become permanent incumbent. In Rohtas Industries I tel v Brij Nandan Pandey, AIR 1957 CS 38 it has been observed that a circumstances that a worker enjoys some benefits of permanent employees will not make them permanent. The contention, therefore, must be repelled
- 7 It is next contended that it is a case of victimisation because the bank with a mala fide motive wants to deprive the concerned workmen of the special allowance after the decision of the Supreme Court in Central Bank of India 11d. v Sisir Kumar Shaw (1976) IIII 90. The argument has no substance. It impeats that the Bank has already decided to pay special allowance even if the two concerned workmen are transferred. Moreover it is to be noted that whitever he the motive of the bank if it has right to transfer and if transfer is made in exercise of that right in the interest of the bank, the motive is of no significance. In Oil & National Gas Commission v Md. S. Iskandar Ali, AIR 1989 SC 1242. (1980 I ab. IC 698) it was hell: "The short history of the service of the respondent clearly shows that his work had never been satisfactory and he was not found suitable for being retained in service and that is why even

though some sort of an enquity was started, it was not proceeded with and no punishment—was inflicted on him. In these circumstances, therefore, if the appointing authority considered is expedient to terminate the services of the respondient, a prabtioner, it cannot be said that the order of termination attracted—the provision of Art. 311 of the Constitution. "Their Lordships added that in such a case, even if misconduct, negligence inefficiency might be the motive of the induing factor which influenced the employer to terminated the services of the employee, a power which the employer—possessed; even—or—tunder the term of appointment of the employee such a power flowed from the contract of strvice, the termination of service could not be termed as penalty or punishment." In my opinion the principles faild down by the Supreme Court will apply to the present case. So the point has no force and it fails.

- 8. The third contention advanced on behalf of the workmen is that caluse 5.13 of the Bipartite Settlement has been violated. I do not agree. That clauc runs as follows:
  - "5.13. The standardization of nomenclatures as afore-said should not by itself lead to withdrawal of special allowance from persons already drawing them except where specifically provided in this Settlement. Subject to this, banks will be free to reallocate the duties of any workman to bring them in conformity with the duties specified in the Appendix B' hereto. Where for the first time a special allowance provided for in this Settlement is introduced in an offlice, in reallocating the duties, preference will be given from among those who are already performing the appropriate duties. In specifying the duties it is not the intention that in each office/branch posts should be created in each category for which special allowance has been agreed to."

On a perusal of the above it is clear that the clause nowhere says that a clerk doing the job in the clearing house will become permanent incumbent. The contention is, therefore, rejected.

The fourth contention argued by the workmen is that the bank has conceded in the written statement that the two concerned workmen are permanent incumbents. I have read the written statement. The bank has not admitted this fact Therefore no question of passing any order in favour of the workmen on admission arises. The contention is rejected.

- 10. The fifth contention of the workmen is that each of the two clerks is discharging additional duties and functions requiring greater skill or responsibilities in the clearing house for a pretty long time, both having record of splentiid work and therefore they should be made permanent incumbents. It is argued that Sri Jahar Kanti Sen is discharging that duty with effect from 1st August 1971 and Sri Baburam Pal from 29th March 1973 and for that reason they should be made permanent incumbents. I am not inclined to agree with this contention. Mere performance of the job for a number of years will not entitle a clerk to become permanent incumbent unless there is a rule or contract to that effect. There is therefore on force in this submission.
- 11. It will not be out of place to mention here that simifar point arose recently before my predecessor in office Mr. Justice R. Bhattacharya in Reference 49 of 1978 which was decided on 25th March 1981. It was held in that case that the bank has the right to withdraw the concerned clerk from the clearing house and place him for doing usual duties of his own cadre for which he cannot claim special allowance which he was getting for work in the clearing house and that such cossation of special allowance does not attract Sec. 9A of the Industrial Disputes Act. 1947. In that case one Asoke Kumar Mukherjee was performing the job of the clearing house. He was withdrawn by the bank, Mr. Justice Bhattacharya the then Presiding Officer held that the action of the bank was legal and justified. The union leader appearing for the two concerned workmen placed reliance on Central Bank of India v Sisir Kumar Shaw's case (1976) LLJ90 but that case is of no assistance to him. In that case it was held that paragraph 5.6 of the Bipartite Settlement did not refer to a special assistant only being entitled to special allowance and that other workmen though not special assistance were also entitled to special allowance provided

they discharge certain additional duties and functions requiring greater skill or responsibility over and above their routine duty and functions. It was emphasised that the fact that the claiment was not called a special assistant did not make any difference in the situation. There is nothing in that decision to show as to how a clerk could become permanent incumbent. No rule or any agreement has been placed before me to show that the two concerned workmen are entitled to be made permanent incumbents.

12. My award, therefore, is that the concerned workmen have acquired no right to be declared as permanent incumbents in the clearing house and they have no right to be kept or posted at the clearing house permanently or to be allowed to discharge the clearing house work. It follows that the bank has every right to withdraw them at any time and to place them in any branch of the bank in its own interest unless there is a contract or rule to the contrary. The two concerned workmen are not, therefore, entitled to any relief. Their claim is disallowed.

Dated, Calcutta,

The 31st July, 1982.

M. P. SINGH, Presiding Officer [No. L-12011(48)/77-D.II(A)]

S.O. 3127.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of United Bank of India, Calcutta, and their workman, which was received by the Central Government on the 10-8-1982.

# CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

#### Reference No. 99 of 1980

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of United Bank of India

AND

Their workmen.

# APPEARANCES:

- On behalf of Employers—Sri Anjan Chatterjee, Asstt. Chief Officer of the Bank.
- On behalf of Workmen—Shri Sudhir Das Sharma, General Secretary of the Union.

STATF: West Bengal INDUSTRY: Banking

#### AWARD

By Order No. L-12012/190/79-D.11A dated 16th December, 1980 the Government of India, Ministry of Labour, sent an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of United Rank of India and their workmen, to this Tribunal for adjudication. The dispute as mentioned in the Schedule to the order of reference reads as:

- "Whether the action of the management of United Bank of India, 16 Old Court House Street, Calcutta-1 in re-designating Shri Alok Kumar Sinha, Telephone operator of the Head office of the Bank as Telephone Operator-cum-Receptionist without providing special allowance or adequate financial benefits is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"
- 2. The short facts are that Alok Kumar Sinha, the workman concerned was appointed as a Telephone Operator, elerical cadre through Bank's letted dated 7/8 June 1972. He was entrusted with the duties of Telephone Operator and he got special allowance for that as per provisions of the Bipartite Settlement dated 19 October 1966. His services were confirmed with effect from 18 December 1972 and thereafter he was nosted in the 5th floor of the Head office at Calcutta relieving Sunil Kumar Monda, another Telephone Operator. By the Bank's letter dated 17/18 August

1978 he was redesignated as Telephone Operator-cum-Receptionist with effect from 18th August 1978. It was stated in that letter that Sri Sinha would not be entitled to any special allowance for the change of designation. Sri Sinhan claims additional allowance for working as a receiptionst also in addition to his duties as Telephone Operator. The Bank has refused to provide special allowance or any adequate financial benefits for re-designating him. The question is whether the action of the Bank is justified. I think the answer should be "yes".

- 3. Firstly, Sri Sinha rehed on clause (5) of the terms of appointment dated 7/8 June, 1972 which runs as below: "Your duty will include all work of Telephone operating as may be allotted to you from time to time". On the basis of this clause it is argued that the only job (technical in nature) which Sri Sinha was required to perform was telephone operating and that ofter about six years the Manager of the Bank was not competent to ask nim to do additional job of Receptionist without providing special allowance for the same. The contention is not correct. In the said clause (5) the duties are inclusive and not exhaustive. His duty includes work of telephone operating. It cannot be construed to mean that the only job to be performed was one of telephone operator. His duty rather includes the work of telephone operator. He did that work as being in the elerical cadre and he cannot refuse to perform the routine duty of clerical cadre in addition to his duty of telephone operator if called upon by the Bank to do so. It seems from a letter dated 19th February 1981 filed before this Tribunal by the Union that Sri Sinha was doing such job since the very date of his posting in the 5th floor though he had not been redesignated as such in the beginning. The point thus has no force.
- 4. So far as redesignation as "Telephone Operator-cum-Receptionist" from 18th August, 1978 is concerned, the same is not in violation of any rule or any provision of any award or settlement. It rather appears to be a long practice of the Bank in view of the provisions contained in clause 20(1) and (2) of the Bipartite Settlement dated 19th October. 1966 of giving double designation to clerks from time to time. As for example, Cashier-cum-General clerk, Typist-cum-clerk, Telephone Operator-cum-clerk etc. in cletical cadre and Dafty-cum-peon, Diiver-cum-cash peon, Bill collector-cum-cash peon, Liftman-cum-peon and Armed guard-cum peon in subordinate cadre. These facts have been state, in the written statement of the management and have not been shown to be wrong by the workinen. In fact this fact has not been challenged. Thus, there has not been any material change in respect of his duties. Moreover, the nature of work of Receptionist is simple one. At most he is to be counteous to an out sider and if any enquiry is made by the outsider he is to point out the proper place or proper person. Sri Sinha has to work only for four to four-half hours a day with intermittent rest, although as Telephone Operator he was to work for 61|2 hours a day. He has already got special allowance for operating the telephone. His salary in December 1980 was as follows:

Basic pay	Rs. 515/-
D. A.	. Rs. 398.71
Special Allowance	Rs. 31.00
H. A.	.Rs. 40.04
CCA	Rs. 46.35
	TotalRs 1031.10

In my opinion, he is not entitled to double allowance simply because he has been asked by the employer to do the work of Receptionist also.

- 5. It was next urged on behalf of Sri Sinhi that technical hand can be asked only to perform particular job and not any other additional job and reference wis made to Para 5.292 of Desai Award and Para 163 of Sastry Award and also to clause 145 of the Binartite Settlement. Being an industrial court it will not be right to generalise any moposition of law. Suffice it to say that the work of telephone operator is not of such a type that the clerk concerned cannot be asked to do the duty of Receptionist.
- 6. The third submission on behalf of Sri Sinha is that the provisions of clause 20(1) and (2) of the Bipartite settlement apply only to general clerks and not to technical hands 609 GI/82—12.

- It is not necessary to go into the validity of this general argument in the facts and circumstances of this case. In the instant case Sti Sinha was appointed as a clerk and it was made known to him by the term of appointment that his dity will include all the work of telephone operator. So the above provisions apply to his case also.
- 7. It was lastly argued that the duties and functions of a Receptionist are of higher responsibility and require greater skill and so special allowance should be paid to Sri Sinha on the principles laid down in the case of Central Bank of India Ltd. v Sisir Kumar Shaw, (1976) I LLJ 90. The argument is misconceived because that was a case of performing the job at the Clearing House and undoubtedly that duty requires greater skill and higher responsibility. Special allowance was, therefore, ordered to be given. That case therefore is of no assistance to Sri Sinha.
- 8. In the result, I hold that the action of the management in re designating Alok Kumar Sinha, Telephone Operator as Telephone-Operator-cum-Receptionist without providing special allowance or adequate financial benefits is justified. Srl Sinha is, therefore, not entitled to any relief.

This is my award.

M. P. SINGH, Presiding Officer.

Date, Calcut'a. The 2nd August, 1982.

> [No. L-12012(190)/79-D.Π(A)] N. K. VERMA, Desk Officer.

#### New Delhi, the 21st August, 1982

S.O. 3128.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of All India Radio, Chhatarpur (M.P.) and their workman, which was received by the Central Government on the 11th August, 1982.

BEFORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS (RETD.) PRFSIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSRIAL TRIBUNAI -CUM-I ABOUR COURT, JABALPUR (M.P).

CASE NO. CGIT/LC(R)(51)[1981.

## PARTIES:

Employers in relation to the management of All India Radio, Chhatapur (M.P.) and their workman Shri Santosh Kumai Gupta S/o Shri Shobhalal, Clerk, Hithayai Marg, 285, Sabnigar Muhalla, Chhatarpur (M.P.)

# APPEARANCES:

For Workman—Shri R. K. Gupta, Advocate. For Management—Shri G. P. Chaube, Advocate.

INDUSTRY: A.I.R. DISTRICT: Chhatarpur (M.P.)

Dated: August 2, 1982

## ΛWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide Notification No. L-42012(38)/81-D. II. B Dated 15th December, 1981, for the adjudication of Fe following dispute by this Tribunal:—

- "Whether the action of the management of of All India Radio, Chhataipur (M.P.) in terminating the services of Shi Santosh Kumar Gupta Sjo Shobhalal, Clerk, with effect from 31-12-1980 without assigning any reason is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"
- 2. Facts which are not in dispute giving rise to this reference are these. On 4-5-1979 Shri Santosh Kumar Gupta, hereinafter referred to as the workman, was appointed by the Station Director, All India Radio, Chhatarpur, hereinafter referred to as the management, as a Grade II clerk in

temporary capacity and on an adhoc basis. The vacancy was notified to the Local Employment Exchange and the workman was referred to the management through it. The workman joined his duties on 14-5-1979 and continued to work in the aforesaid capacity till 31-12-80 without any break. During this period he was granted one annual increment also. After 31-12-1980 the employment was not continued.

- 3. The workman contends that he was appointed against a clear vacancy; that when he worked continuously from 14-5-1979 to 31-12-1980 he had acquired the status of a continuous workman that both on the facts as well as in law the termination amounts to retenchment; that such a retrenchment without proper compliance of Sec. 25F was illegal and void and that he is entitled to be reinstated with all benefits of back wages etc. etc.
- 4. As against this claim made by the workman, the first objection by the management is that All India Radio is not an industry as its main functions are to educate, to broadcast information, creation programmes, etc. etc.; that any dispute between the management and its employees cannot be said to be dispute relating to industry and that for this reason this Tribunal has no jurisdiction to adjudicate upon the dispute referred to it by the Government.
- 5. The second contention is that the appointment of the workman was on an adhoc basis; that grant of annual increment during the period of employment does not confer any right on the workman; that as this appointment was on an adhoc basis the management was within its rights to terminate it without any liability either for reinstatement or for future payment of wages. It is also contended that the claim made by the workman is not tenable.
- 6. Rejoinder was filed only by the workman in which he made the same claim as was made in the statement of claim.
- 7. The first contention of the management is that the All India Radio is not an industry within the meaning of the Industrial Disputes Act, hereinafter referred to as the Act. This contention cannot, in the light of the decision of their Lordship of the Supreme Court in the matter of Bangalore Water Supply Works Vs. A. Rajappa and others (A.I.R. 1978 SC. p. 548) be accepted. The contention of the management therefore must at the outset be rejected.
- 8. On the aforesaid rival contentions of both the parties on merits the following issues were framed:—

#### **ISSUES**

- Whether the 'ermination of the service of Shri Santosh Kumar Gupta by the management of All India Radio, Chhatarpur was justified?
- 2. To what relief are the parties entitled to ?
- 9. My findings on the aforesaid issues are that:
  - the termination of the services of the workman, Shri S. K. Gupta, by the management of All India Radio was not justified; and
  - (2) the workman, Shri S. K. Gupta, is entitled to the relief of reinstatement, back wages and other consequential benefits.

Reasons for the aforesaid findings:

- 10. Before proceeding further it may be stated that in this case neither party led any oral or documentary evidence. The reference was, therefore, heard only on the facts as they are admitted in the respective claims and rejoinder of the parties.
- 11. It is an admitted fact that from 14-5-1979 to 31-12-1980 the workman was in the employment of the management continuously without any break. After completion of one year of service the management granted one increment also to the workman, Calculated backward from 31-12-1980 it is evident that the workman had completed more than 240 days' employment under the management when his services were terminated after 31-12-1980.
- were terminated after 31-12-1980.

  12. Industrial Disputes Act, 1947 in Clause 2(00) defines "retremenchment" as under :—
  - "(oo) "retrenchment" means the termination by the

- employer of the service of a workman for any reason whatsoever, otherwise than as a punishment inflicted by way of disciplinary action, but does not include —
- (i) voluntary retirement of the workman; or
- (ii) retirement of the workman on reaching the age of superannuation if the contract of employment between the employe, and the workman concerned constains a stipulation in that behalf; or
- (iii) termination of the service of a workman on the ground of continued ill-health."
- 13. When the services of the workman are terminated it has to be seen as to whether he has been retrenched or not within the meaning of the aforesaid provisions of the Act. It is not alleged that the workman voluntarily retired or that retired on reaching the age of superannuation or that his services were terminated on the ground of continued ill health. In the decisions of the Supreme Court (1) State Bank of India Vs. N. Sundermony (AIR 1976 SC p. 1111); Santosh Gupta Vs. Bank of Patiala (AIR 1980 SC p. 1219); and Mohan Lal Vs. Bharat Electronics (AIR 1981 SC. p. 1255) it has been repeatedly held by the Supreme Court that if the termination of a workman does not fall into any of the three exceptions specified in the moresaid Section 2(00) then any retrenchment without proper compliance of the Sec. 25F of the Act would be illegal and void. In the instant case, it has not even alleged that there was even a formal compliance of the provisions of Sec. 25F of the Act. Consequently, it must be held that the termination of the services of the workman, Shri S. K. Gupta, was not justified either on facts or in law. The workman having completed 240 days of employment under the management from 14-5-1979 to 31-12-1980 could not have had terminated in the manner in which it has been done in this case. Accordingly it is held that the termination of the services of the workman, Shri S. K. Gupta, by the management of the All India Radio, Chhatarpur, was unjustified both on facts as well as in law. Issue No. 1 is decided in favour of the workman.
- 14. Issue No. 2:—In the light of the view taken and the reasons given above the workman is entitled to reinstatement with full back wages, annual increments etc. from 1-1-1981 and all other consequential benefits to which he would have become entitled had he remained in service upto the date of reinstatement.

#### ORDER:

15. The management of the All India Radio, Chhatarpur shall reinstate the workman. Shri S. K. Gunta, on the post from which his services were terminated on 31-12-1980. The management shall further pay him all the back wages with annual increments and such other benefits to which the workman would have become entitled had his services been not terminated. In the circumstances of the case, both the parties are directed to bear their own costs as incurred in these proceedings.

S. R. VYAS, Presiding Officer [No. L-42012(38)/81-D.  $\Pi(D)$ ] S. S. PRASHER, Desk Officer

# नई दिल्ली, 17 घगस्न, 1982

का०आं० 3129:—मैसमें महेन्द्र एंड महेन्द्र लिसिटेड. सेटेंक ब्रिलंडग, ध्रापालो बंदर, मुस्बई—400039 (एस०एच०/4435) (जिसे इसमें इसके पप्रचात् उकत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निश्चि धीर प्रकीर्ण जपबन्ध ध्रिधिनयम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उकत ध्रिधिनयम कहा गया है)की धारा 17 की उपधारा (2क) के घ्रधीन छुट दिए जाने के लिए ध्रावेदन किया है;

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृयक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा रकीस के अशीन जीवन बीमा के रूप में फायवे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायवे उन फायवों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्क्रीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्यान् उक्त स्क्रीम कह, गया है) के अधीन उन्हें अनुक्रेय हैं;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उकत श्रिधिनयम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए श्रीर इससे उपाक्षद्ध श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट शतौं के श्रिधीन रहते हुए, उक्त स्थापन का तीत वर्ष की श्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपत्रों के प्रवर्गन से छूट देती है।

#### अतस्चिं∤

- उक्त स्थापन के सबध में नियोजक प्रादेणिक भविष्य निधि भागुक्त, महाराष्ट्र को ऐसी विवरणिया भेजेगा घौर ऐसा लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जा केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्विट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की घारा 17 की उपधारा (3क) के खड़ (क) के प्रजीत समय समय पर निविष्ट करे।
- 3. मामूहिक बंगा स्कीम के प्रणामन में, जिसके प्रन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का प्रन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय प्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा प्रनुमोदिन सामृहिक बीमा स्कीम के नियमो की एक प्रति, ग्रीर जब कभी उनमें संशाधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का प्रनुवाद, स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्स प्रिप्रिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिस, सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा भीर उसकी बाबन प्रावण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबक्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्क्रीम के मधीन कर्मनारियों को उपलब्ध फायदे वढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्क्रीम के भ्रधीन कर्मन।रियां का उपलब्ध फायदों में समुजित स्प से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मनारियों के लिए मामृहिक बीमा स्क्रीम के भ्रवीत उपलब्ध फायदे उन फायदों में भ्रधिक भनुकूल हों. जो उक्त स्क्रीम के भ्रवीन भन्नेयहैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मूस्युपर इस स्कीम के भ्रधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उस दणा में संदेय होती जब बढ़ उसा स्कीम के भ्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिम/नामनिर्देणिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के भ्रन्तर के बर।बर रकम का सदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कं म के उपबन्धों में कोई भी संगोधन, प्रावेणिक भविष्य निधि प्रायुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व प्रनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकल प्रभाव पढ़ने की संभावना हो वहां, प्रावेणिक भविष्य निधि प्रायुक्त, अपना प्रमुसोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त श्रवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले भ्रपना-चुका है मधीन नहीं रह जाते है, या इस स्कीम के भ्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते है, तो यह छूट रह् की जा सकती है।

- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत सारी के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, श्रीमियम का संदाय करने में प्रसक्त रहता है, भीर पालिसी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्ति-त्रम की वणा में, उन मृत सवस्यों के नामनिर्देशितियों था विधिक वारिसां को जो यदि यह, छूट न वं। गई होती तो उनत स्कीम के झन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरदायिस्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के ध्रधीन ध्राने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्वेक्षितियों! विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का सदाय तत्परता से भौर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात विन के भीतर सुनिक्चित करेगा।

[सं॰ एस-35014/155/82-भ०नि०-2]

#### New Delhi, the 17th August, 1982

S.O. 3129.—Whereas Messrs Mahindra and Mahindra Limited, Gateway Building, Appollo Bundera, Bombay-400039 (MH/4435), (hereinafter referred to as the said establishment) have been applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said. Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

# **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available

under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Mahatashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are teduced to any manner, the exemption shall be liable to the cancelled.
- 10. Where, for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

INo. S. 35014(155)/82-PF, II'

का॰ आ॰ 3130 मिर्म धर्मपुरी डिस्ट्रिक्ट कोधापरेटिव मुगर मिल्म लिमिटेड पालाकोडे 636808 (तिम/8058) (जिमे इसमें इसके पश्चात् उकत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रवित्यम, 1952 (1952 को 19) जिमे इसमें इसके पश्चात् उक्त ध्रधिनियम, कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छट दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक धरिषवाय या प्रीमियम का सदाय किए विना ही. भारतीय जीवन बीमा निगम की सामहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से प्रधिक धनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें धनुकेय है;

भ्रतः केन्द्रीय भरकार, उक्त भ्रिभित्यम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवेस शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपाबद्ध भनुसूची में विभिधिष्ट शर्तों के मधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को तीन ,वर्ष की मुन्निध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट वैदी है।

# अनुसूची

1: जक्त स्थापन के सबंध में नियोजक प्रादेणिक भविष्य निधि प्रामुक्त, तमिलन डुको ऐसी विवर्णियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के निए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निविद्धं करे।

- 2. नियोजक, निर्दाक्षण प्रभारो ऐसे का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के ग्रिधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3 साम्हिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रस्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का प्रस्तरण, निरोक्षण प्रभारों का सवाय प्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रिय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामृहिक कीमा स्कीम के नियमो की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, नब उस संशोधन के प्रति तथा कर्मच।रियो की बहुमंख्य, की भाषा में उसकी मुख्य बासो का अनुवाद, स्थापन के सुचनापदट पर प्रदर्शित करिया।
- 5 यवि कोई ऐस कर्मचारी, जो कर्मचरी भविष्य निधि का या उक्त भिधिनयम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, तियोजित सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम मुरन्त दर्ज करेगा और उसको बाबन भावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को समृत्त करेगा।
- 6 यदि उकत स्कीम के प्रधीन कमेंबारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाएं जातें है तो, नियोजक समृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कमेंच रियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक प्रमुक्त हो, जो उक्षत स्कीम के प्रधीन प्रमुक्तिय हैं।
- 7 सामृद्धिक बीमा स्कीम में िकसी बात के होते हुए भी, यिव िकसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के प्रधीन संदेय रकत उस रकम से कम है जो कर्मचारा को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/तासनिर्देणिती को प्रतिकर के रूप में दानों रकमों के प्रत्तर के बराबर रकम का संवाय करेगा।
- 8 सामूहिक बीमा स्कीम के उपजन्धों में कोई भी सणोधन, प्रावेशिक मिल्य निधि प्राय्क्त, तिमलनाडु के पूर्व प्रनुमोवन के बिना नहीं किया जाएगा थ्रौर जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सभावना हो वहां, प्रावेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, प्रपता प्रमुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को घपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का यक्तियुक्त श्रवसर देगा।
- 9 यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन धीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह् की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का सदाय करने मे प्रसक्त रहता है, और पालिमी को व्ययगत हो जाने विया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियाजक द्वारा प्रोमियम के सदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की बणा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को यदि यह, छूट न दी गई होती तो उदत स्कीम के मस्तर्गत होते, बीमा कायदों के सदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्कोम के प्रधोन धाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नामनिर्देशितियों/विधिक

बारिसों को बीमाक्कत रकम का सदाय तत्परता से श्रौर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाक्कन रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर मुनिश्चित करेगा।

[स॰ एस-35014/160/82-भ०नि०-2]

S.O. 3130.—Whereas Messrs Dharmapuri District Cooperative Sugar Mills Limited, Palacod-636808 (TN/8058), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

#### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section  $(3\Lambda)$  of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, surmission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted, under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Izsurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Prevident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Lite Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to the cancelled.
- 10. Where, for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(160)/82-PF-II]

का॰ आ॰ 3131 — मैसर्स एम॰ जी॰ शाहानी एंड कम्पनी (दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड, 34, बी कनाट प्लेस, नई दिल्ली-110001 (दि०/741) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त सिधिनयम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए, जाने के लिए सावेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्राभिदाय या श्रीमियम का संदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की मामृहिक बीमा स्कीम के श्रधीन जोवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं श्रीर ऐमें कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से श्रधिक श्रनकूल है जो कर्मचारी निजेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कोम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें श्रनकेय है;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर इसने उपाक्षक श्रानमूची में विनिदिष्ट शर्ती के श्रिधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देनी हैं।

## म्र नुमूची

- उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि झायुक्त दिल्ली को ऐसी विवरणिया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केस्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारो का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भी तर सवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय समय पर निदिष्ट करे।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन मे, जिसके ध्रन्तगंत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, लेखाओं का ध्रनरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय ध्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा ध्रनुमोदित सामूहिक श्रीमा स्कीम के नियमो की एक प्रति, ब्रीर जब कभी उनमे सशोधन किया जाए, तब उस सशोधन की प्रति तथा कर्मेचारियों की बहुसंख्या की भाषा मे उसकी मुख्य बातों का धनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रविशत करेगा।

- 5 यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी शविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाना है तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत श्रायप्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदन्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि हो जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक प्रनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के प्रधीन प्रमुक्तेय हैं।
- 7 सामूहिक बीमा स्कीम मे किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कमंचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन सदेय रकम उस रकम से कम है जो कमंचारी को उस वशा में सदेय होती अब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक कमंचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशित को प्रतिकर के रूप में बोनो रकमों के प्रन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपयर्थों मे कोई भी, संशोधन, प्रावेशिक भविष्य प्रायुक्त, दिल्ली के पूर्व प्रनुमोदन के बिना नही किया जाएगा भीर जहां कहीं संशोधन के कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहा, प्रावेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, भपना भनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को भपना वृष्टिकाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त सवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवा, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस मामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चका है अधीन नही रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमिथम का सदाय करने में ससफल रहता है, भीर पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा मकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत मदस्यों के नामनिर्देखिनियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के ध्रन्तगंत होते, बीमा फायवों के संवाय का उत्तरदायिस्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन प्राने बाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितनियों/विधिक वारिसो को बीमाकृत रकम का संवाय तत्परता से धौर प्रत्येक बगा से भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं॰ एस॰ 35014(166)/82-पी एफ-II]

S.O. 3131.—Whereas Messrs M. G. Shahani and Company (Delhi) Private Limited 34-B, Connaught Place New Delhi-110001, (DL/741), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life

Insurance which are more tavourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

#### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi, and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy allowed to lapse the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of 'he member covered under the Scheme, the employer in relation to the sald establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S. 35014(166)/82-PF. II]

का॰ आ॰ 3132 — मैसर्स एमोसिएटिङ सीमेंट कम्पनी लिमिटेङ, सीमेंट हाउस, महर्षि कार्वे रोड, मुम्बई-400020 (एम॰एच॰/4095) (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध द्राधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चान उकत द्राधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के द्राधीन छूट दिए जाने के लिए द्रावेदन किया है;

भौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक ग्राभिवाय या प्रीसियम का सवाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के कप में फायदे उठा रहे है ग्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिये ये फायदे उन फायदों से प्रधिक ग्रनकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पण्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के ग्राधीन उन्हें ग्रनकीय हैं,

ग्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रिधिनियम की छारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीर इससे उपावड़ भनुसूची में विनिर्दिष्ट शतों के ग्रिधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की ग्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट वेती है।

# अनुसूची

- 1. उक्त प्यापन के मधंन में नियोजक प्राटेणिक भविष्य निधि प्रायुक्त मुख्य को ऐसा विवरणिया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी गुविधाएं प्रवान करेगा जो अन्द्रीय सरकार, समय-समय पर भिविष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐंसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक नाम की मनाष्ट्रि के 15 दिन के बीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उसत प्रधिनियम की धारा 17 की जागरा (अक) के खाए (क) के अधीन सनय-सनय पर निरिष्ट करे।
- र सामृहित बीका रजीन के प्रशासन में, जिसके धन्तर्मत लेखाओं का रखा जाना, निवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीका प्रीक्षिय का संदाय, लेखाओं का धंसरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी दें, होने वाले सभी व्ययों का यनन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा श्रमुसीदित सामूहिक के सा स्कीम के नियमों की एक पति, श्रीर जब कभी उनमें संशादन कियाजा, तब उस संगोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का श्रमुखाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करिया।
- 5. यदि कोई ऐसा समंचारा, जो समंचारी भविष्य निधि का या उक्त अधितियन के मधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन को पविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में तियोजित किया जाता है तो, नियोजित, सामूहिक सी त स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तूरण्त दर्ज करेंगा भीर उसकी मानत भावश्यक प्रीमियम भारतीय जावन बीमा निगम की संवर्त करेगा।
- 6. यदि उन- स्वीन के मधील कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे वहाएं जाते हैं तो, तियोजक सामूहिक होमा स्कीम के मधील कर्मचारियों को उपलब्ध पायद। में ममुजित रूप से वृद्धि को जाते को ध्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए मामूहिक बीना स्कीन के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन कायदों ते बाधिक धनुकूम हों, जो उनत रक्षीन के प्रधीन ममुहीय हैं।

7. भामृहिक सीका रकीम में फिसी बात के होंगे हुए भी, बिद किभी कर्मचारी की मृथ्य पर इस स्मीम के अधान सबैब रक्षन उस रक्षम से कम ने जो कर्मचारी को उस दणा में संदे। होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, निगोजक कर्मचारी के बिधिक ब्रान्सिश्तानिर्वेणियों को प्रांतिकर के एप में दोनों रक्षमों के अतर के बरादर किन का संदाब करेया।

- 8. सामृहिक वीमा स्कं.म के उपजन्तों में कोई मी मशोधन, प्रावैभिक सियाय निधि भागुकन, मुम्बर्ड के पूर्व अनुगोदन के जिना नहीं थिया जाएगा छोर जहां किमी संगोधन में कभैषारियों के हिं। पर प्रिनकृत प्रभाज पहने की संभावना हो वहा, प्रावेणिक श्रविष्य निधि श्रायुवन, प्रपना अनुगोदन देने से पूर्व भर्मजारियों को अपना दृष्टिकोण स्व ट करने का युक्तियुवन भवकर येगा ।
- 9 बींब किसी काण्णवंश, स्थापन के कर्मवारा, भारतीय जीवन बींना निगम की जम भामृहिक बींमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना श्वा है प्रधीन नहीं रह आते हैं, वा इस रकीम के अधीन कर्मवारियों को प्राप्त होने बाले का ये किसी रीति में कम हो आते हैं, तो तह खूट रह की जा सकती हैं!
- 10 अबि किसी कारणवण, नियातक उस नियन तारीव्य के भीतर, जो भारतीय जीवन बोमा निगम नियन करें, पीमियम का मंदाय करने सं असकत रहना है, और ग्रानिनी को व्यवस्थन हो जाने दिया जाता है तो, छुट रह की जा सकती है।
- 11 नियोजक कारा श्रीमिथम के तंबाब में किए गए किसी स्विक्तित्रम की दशा में, उन पून सबरवों के नामानदीं शिक्तियों वा विधित वारिसों को जो विद्यासह, खुट न दी गई होती यो उदन रहीम के द्यानरें। होते, बीमा फाबदों के सदाब का उदनरबाबिका नियोजक पर होगा।
- 12. उनन स्थापन के सर्बंध्र में नियोजक, इन स्कीम के संधीन आने बाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर हमके उकदार नामनिर्देशितियों/विधिक बारिमों की बीमाक्टक रकम का संख्य तत्परता से धीर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाक्टक रकार प्राप्त हुने से सात दिन के भीतर सुनिश्चिक करेगा।

S.O. 3132.—Whereas Mossis Associated Cement Company Limited, Cement House, Maharshi Karve Road, 400020 (MH/4095) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the Stid establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years

### **SCHEDULE**

1. The employer in relation to the said c tablishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Bombay maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3.x) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi, and where any amendment is likely to affect adversely the in erest of the employers, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life In-urance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shell be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy allowed to lapse the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of nremium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of decement members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-350134(177)/82-PF. II]

का॰आ॰ 3133.—मैसर्व टिन बाक्स कम्पनी बी-तश, रेबाडी लाइस्त, माधाप्री फीज-1, नई किल्ली-11000 (जिसे इसमें इसके गण्यात् उतन स्थापन कहा गया है) ने कमैबारी श्रावर विधि स्पेर प्रकीण उपवरक्ष अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके गण्यात् उपन प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के स्थीन छूट विए जान के निए साबेदन किया है,

शौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो नया है कि उन्न स्थापन के कर्मकार, किसी पृथा श्रीकदाय या श्रीमयन का गदाय किए बिना हो, भारतीय जाजन वें,मा निगम की भागू हिंक बोमा स्कीम के अभीन श्रीवन की भा के रूप में फायदे उटा रहें है और ऐसी कर्मवारियों के लिए ये फायदे उन फायदों ने श्रीक अनुकूल है को कर्मवारी निधीन महत्तद्व बीम। स्कीम 1926 (जिसे इसमें इसके पण्यात् उक्त स्कीम सहा गया है) के अधीन उन्हें अनुश्रीय है,

भतः केन्द्रीय सरकार, उसन प्रश्चितिनम की धारा 17 की उपधारा (2क) हारर प्रदरत प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपावज भनुमुची में वितिर्विष्ट शर्ती के बाधीन रहते हुए, उसन स्थापन को तील वर्ष की अविधि के लिए उसन स्कीम के सभी उनवंशों के प्रवर्तन से सूट देती है।

# अनुसूची

- 1. जम्त स्थापन के सबस में नियोजक प्रावेशिक भित्रप्य निधि श्रायक्त, दिल्ली को ऐसी विवरणियां भेजेगा भीन ऐसे केखा रखेना त्या निरीत्यण के लिए ऐसी मुनिधाएं प्रदान करेगा जो केखेय सन्धार, समय-पमय पर निदिब्द करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की क्षमादि के 15 दिन के भी र सदाब करेंग। जा केन्द्रीय सरकार, उसन प्रधिनिधम की धारा 17 की उपधारा (35) क खण्ड (क) के प्रधीन समय-र्भमय पर निविष्ट करें।
- 3. सामृतिक बीमा स्क्रीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विराणियों का प्रस्तुन किया जाना, कीमा श्रीमियम का संवाय, लेखाओं का धंनरण, निरोक्षण प्रमारी का संवाय श्रावि ती है, होने वाले सभी ब्यां का बहुत नियोजक ज्ञारा किया अल्या ।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय भरकार द्वारा यथा धनुमादिन सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, स्त्रीर कब कभी उनमें संशोधन त्या जाए, नव उस संशोधन की प्रति नथा कर्मबारियों की बहुमंख्या की साबा में उसकी मुक्त बातों का स्रनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रवर्शन करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मनारी, जो कर्मनारी भिष्ट, निधि का या उनत आधिनयम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भिष्ट सिधि का पहले ही सदस्य है, उभके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक, सामृहिक बोमा स्कीम के सदस्य के रूप में उमका नाम तुरन्त दर्ज करगा और उसकी बाबत श्रावश्यक प्रीमिधम भारतीय जीयन दीमा निगम को संदत्त करगा।
- 6 यदि उन्द स्कीम के अधीन कर्मवारियों को उपलब्ध फायद वदाएं जाने हैं हो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मवारियों की उपलब्ध पानदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करणा जिसमें कि कर्मवारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के ध्रशीन उपलब्ध फायद उन फायदों ये ध्रधिक अनुकूल हों, जो उन्ह स्कीम के प्रधीन अनुकृष हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए, भी, यदि किसी कर्मकारी की मृत्यु पर इस स्कीम के घंधीन संदेध उत्तर कम में कम है जो कम्बारी की उस दशा में मंदिय होती अब यह उक्त स्कीम के घंधीन होता हो, नियोजक कर्मकारी के विधिक घारिस/नामतिर्वेशिती को प्रतिकर के इस में दोनो रक्तारी के घंतर के बराबर रक्तम का संदाय करेगा।
- 8 नाम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी राणाधन, प्राविधक भविष्य निधि बायुक्त, दिल्ली के पूर्व अनुमंदन के विना नहीं किया जाएगा भीर जहां किसी संशोधन से कर्मकारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक अधिष्य निधि बायुक्त, धपना अनुमोवन दें। से पूर्व कर्मवारियों को अधना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देंगा।

- 9 4ि हिर्मा कारणश्रम, स्थापन के कर्मवारों, मारतंत्र्य प्रीवन बीमा शिगम की इस मामुक्तिक बीमा स्वीम की जिसे स्थापन पहले अपना चुका है ब्राधीन नहीं रह काते हैं, । इस स्थाप के ब्राधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायद किर्मा सीन में क्या हा जाते हैं। यो यह एट यह की जा सकती है।
- 10 याँक किसी कारणवण, नियोजक उस नियन नारीख के भीतर, जा भारतीय जीवन बीमा निशम नियम कर, प्रीमिक्षम का संदाय करनी में असकल रहता है और पालियी को व्यवस्थ हा जाने दिया आता है ना, छुट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजिक द्वारा पी। मधम के सदाय में किए गए किसी। व्यक्तियम की वक्षा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशिक्षियों ना विधिक वारिसों का जो यदि यह छूट न दी गई होती। तो उक्त स्वीम के श्रन्तर्गत होते, बीसा फायदों के मदान का उन्तरदानित्य नियोजिक पर हागा।
- 13 जनम स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्कीम के प्रशीन प्राप्ति वाल किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उनके हकदार नामनिर्देशिताता। विधिक वारिसां को बीमाकुन रकम का सदाय तत्परता से प्रीप प्रत्येक द्या में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकुन रकम प्राप्त होने के मान दिन के भीतर सुनिश्चिन करेगा।

[स॰ एस॰-२5014/180/83-पी॰एफ॰(H)]

S.O. 3133.—Whereas Messis Tin Box Company, B-68 Rewari Lines, Mayapuri Phase I, New Delhi-110064 (heremafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Finployees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more tayourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2 The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an 609 G. I./82--13

- establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to ennance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal helr/nomince of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi, and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse the exemption is liable to be cancelled
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomineo/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S. 35014(180)/82-PF, II]

का० आ० 3134-मैंसर्थ मौर्य धेरेटन, डिप्लांमेटिक एन्कलंब, नई दिल्ली-110021 (दि०4123) (जिसे इसमें इसके पश्चात उसत स्थापन करा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे ध्रममें इसके पश्चान उन्त श्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के श्रधीन छट दिए जाने के लिए श्रीबेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गथा है कि एका स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रीभवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन वीमा निगम की तामृहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं श्रीर ऐसे कर्मकारियों के लिए ये फायदे उन फायदों में श्रीधिक अनुकल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध श्रीम स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चान उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रीधीन उन्हें श्रनुत्रेय है:

अन केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त लिक्सी का प्रयोग करने हुए और ६ससे उपासद्ध

अनुसूची में विनिद्धिट णतीं के अधीन रहते हुए, अन्त स्थापन को नीन वर्ष की अवधि के लिए उपन स्कीम के सभी उपनधी के प्रवर्तन में छुट देती है

# अनुसृ**च**ि

- ाः उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि धायुक्त दिल्ली को ऐसी निवर्णधा भेजेगा धौर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐकी सुविक्षाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-सभय पर निदिन्द करे।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाधित के 15 दिन के भीतर दिश्य करेगा जा केन्द्रीय सरकार, उन्त प्रधिनियम की धारा 17 की रपधारा (3क) के खंड (क) के श्रधीन समय-समय पर जिल्लान के
- उ माम्हिक बीपा स्कीम के प्रशासन में, किसके शल्पान लेखाओं का रखा जगा, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का गवास लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय आदि भी है, शीन बाते सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4 नियोजक, कें. इं.य सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामृष्टिक सीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, भीर जब सभी उनमें गंगोधन किया जाए, तब उस संगोधन की प्रति तथा समैचारियों की बहुशस्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों को अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मचारी, को कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, 'नियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त दर्ज करेगा भौर उसकी वाक्षत श्रीवश्यक श्रीमियम भारतीय जीवद बीमा निगन को संदत्त करेगा।
- 6 यदि उनन स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढाए जाते हैं ती नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृचित यप से बिद्ध की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायद उन फायदों से अधिक अनुकूष हो जो उनत स्कीम के अधीन अनुकोग हैं।
- 7 सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बान के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृश्यार इस स्कीम के अधीन सदेय रक्षम उस एकम से क्षम है जो कमचारी का उस दशा में सदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होताता, नियोजक कमचारी के विधिक बारिस/नाम निर्देशिकी का प्रतिकर के रूप में दोनी रक्षमों के श्रीतर के बराबर रक्षम का संदाय कर्या।
- ४. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संगोधन, प्रादेशिक भिविष्य निधि सायुक्त, दिल्ली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संगोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृष प्रभाव पड़ने की समावना हो वहा, प्रारेशिक भिविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तयुक्त अवसर देगा।
- 9 यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्सचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है प्रार्थन नहीं रह जाते है, या इस स्कीम के ब्राधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जाने हैं, तो यह खूट रह की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत नारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन कीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संबाध करने से असफल रहता है, भीर पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाना है तो, छूट रहे की जा सकती है।
- 11. नियोजक बारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दणा में, उर मृत सदना के नानांत्रिण नियों या विधिक वारिमों को

जो यदि यह, छुट न दी गई होती तो उक्त स्कीस के ग्रन्भित होते, बीस<sup>र</sup> फायदों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सबध में नियानक, इस स्कीय के अधीन आने वाल किमी मदस्य की मृत्य होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितनियो/विधिक वारिमों को बीमाकृत रक्षम का सदाय नत्यरमा में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रक्षम प्राप्त होने के मान दिन के भीतर सन्तिरिक्त करेगा।

[सं० एम०-35014/186/82-भ० नि०-II]

S.O. 3134.—Whereas Messrs Maurya Sheraton, Diplomatic Enclave, New Delhi-110021 (DL/4123) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admiss ble under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHI DULF

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Delhi and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Covernment may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts submission of acturns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group In urance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the

said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment of the benefits to the emfloyees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10 Where for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S. 35014(186)/82-PF, 1]]

का० आ० 3135 — मैसर्स कंट्रोल्स एड स्विचियित कंपनी प्राइवेट लिसिटेड 222, ब्रोखला एस्टेट, तर्द दिल्ली-110020 (दि०/2689) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उक्त उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19), जिसे इसमें इसके पश्चान अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपश्चारा (2क) के अधीन छट दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगमकी सामृहिक बीमा स्कीभ के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे है और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उने फायदों से अधिक अनुकृष है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें जनुक्रीय है,

अत. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त जिल्लामी का प्रयोग करते हुए श्रीर क्रगमे उपाबद्ध अनुसूची में विनिदिष्ट शर्ली के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन में छूट देती हैं!

# अनुसूची

- । उक्त स्थापन के समक्ष में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निश्चि आयुक्त, दिल्ली की ऐसी विधरणिया भेजेगा ग्रीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निविष्ट करे।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक सास की समाध्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करगा जो केन्द्रीय सरकार, उसल अधिनियम की धारा 17 की उपजारा (उक) के खड़ (क) के अधीन समय-समय पर निदिष्ट कोरे।

- 3 सामूहिक बीसा स्कीम के प्रणासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का एखा जाना, विवर्णणर्या का प्रस्तुत किया जाना, बीसा प्रीमियम का सदाय, निस्वाधों का बहुत निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाल सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4 नियंजिक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामृहिक बीका स्कीम के नियमों की एक प्रति, स्रौर जब कभी उनमें सशोधन किया जाए तब उस सशाधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसक्या की भाषा में उसकी मुख्य बाना का अनुवाद, स्थापन के सुचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5 यदि कांई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निश्चि का या उक्त श्रीधिनियम के श्रीधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भावण्य निश्चि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो, नियाजक, सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त दर्ज करेगा श्रीर उसकी बावन श्रावण्यक श्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम का सदत्त करेगा।
- ७ यदि उक्त रकीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाएं जाते हैं तो, नियाजक सामृहिक बीमा स्कीम के अबीत कर्मचारियों का उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से बुद्धि की जाते की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारिया के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अबीत उपलब्ध फायदे, उन फायदों से अधिक अनुकृष हो, जा उक्त स्कीम के अधीन अनुकृष होने हैं।
- 7 सामृहिक बीमा स्काम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मभारी की मृत्यु पर इस स्काम के अधीन सदेय रकन उस रकम में कम है जा कर्मचारी का उस दशा में सदेय होती जब बह उक्त स्काम के अधीन होता ता, नियानक कर्मचारी के विधिक वारिसीनामानिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमा के अन्तर के बराबर रहन का सदाय करेगा।
- इ. सामुहिक बीमा स्कीम के उपत्था में काई मी सणाबन, प्राक्षणिक भविष्य निधि प्रायुक्त, दिल्ली के पूर्व प्रनुमोदिन के बिना नहीं किया जाएगा ध्रीर अहा किसी सणाबन से कम्लारिया के हिन पर पिति ल प्रभाव पड़ने की सभावना हो बढ़ी, प्राक्षणिक भिया निध्य प्रायुक्त, प्रस्ता धनुमोदिक देने से पूथ कर्मलारियों का प्रप्ता द्विष्टकींग स्वप्ट करने का युक्तियुक्त प्रवसर देगा।
- 9 यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीम। निगम की उस सामहिक बीमा स्काम के, जिसे स्थापन पहले ध्रपता चुका है भ्रधान नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के श्रयोंन कर्नवारिया का प्राप्ति होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जान है, तो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवंश, नियाजक उस नियन न.रे.जू के भीतर जा भारतीय जीवन बीसा]निगम नियत कर, प्रीमियम का संदाप करन में प्रमफल रहता है, ग्रीर पालिसी का ज्यपगत हा जाने दिया जाता है ता, छूड़ रह की जा मकती है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीमियम के सदाय में किए गुए किनी बर्गानकर की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिमा को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के प्रन्तित होते, बीमा फायदों के संदाय का उनरदायित्य नियोजक पर हागा।
- 12 उनम स्थापन के सबस्य में नियोजक, इस स्हीम के अबीन आन बाल किसी सदस्य की मृत्य होने पर उसके हकदार नामिनिर्देशितिया/ विधिक बारिसो का बीमाकृत रक्त का सदाय नत्तरता से ब्राह | प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निराम से बीमाकृत स्हीस प्रात हाने के सान दिन के भीतर सुनिष्चिम करगा।

[Ho 74-33014/187'8: Notho-11]

S.O. 3135.—Whereas Messrs Controls and Switchgear Company Private Limited, 222, Okhla Industrial Estate, New Delhi-11002 (DL/2689) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.
- 4 The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the stud Acr, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the available under the G-oup Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme,
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment of the benefity to the

- employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to the cancelled.
- 10. Where for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees of the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheine shall be that of the but for grant of this exemption, employer.
- 12. Upon the death of the member covered under Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Lif: Insurance Corporation of India.

[No. S. 35014 (187)/82-PF-II]

कार्जार 3136 - भमैसर् कपरी इटरनेणनल प्राइवेट लिसिटेइ, ए-138, ब्राखला ब्रीधोगिक क्षेत्र, फेज-11, नई विल्ली-110020 (डी एस/4080) (जिसे इसमे इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि प्रोर प्रकीणं उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 को उपधार। (2क) के प्रधीन भट दिए जाने के लिए प्रावेदन किया <del>ਨੈਂ</del> ,

ग्रीर केर्न्ड।य सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम को मामहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे है और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से प्रधिक धनुकृत है जो कर्मजारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्क.म. 1976 (जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें अनुक्षेय है,

भ्रत केर्न्द्राय सरकार, उक्त भ्रधिनियम को धारा 17 को उपधारां (७क) द्वारा प्रदत्ता शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद श्रनसचो मे बिनिविष्ट शर्नो के ब्राधीन रहने हुए, उक्त स्थापन का तीन वर्षकी भ्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छट देती है।

# अनुपृषी

- उक्स स्थापन के सबन्ध में नियोजक प्राद्रशिक भविष्य निधि भ्रायक्त, दिल्ली को ऐसी विवरणिया भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट कर।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाध्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जा केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (?क) के खण्ड (क) के प्रश्रीन समय-समग्र पर निर्दिण्ट करे।
- 3 सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसक प्रस्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्मृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संबाय, लेखाओं का प्रन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय ग्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययो का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा भ्रानुमोदिन सामुहिक बीमा रकीम के नियमों की एक प्रति, ग्रीर जब कभी उनमें स्थोधन किया जाए, तब उस संगोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसख्या की भाषा में उसकी मध्य आतों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रवर्णिन क्रंगा।

- 5 यदि कोई ऐसा कमचारी, जा कर्मचारा शिवस्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधिन छूट प्राप्त किया क्यापन है। भिवाय निधि का पहले ही सदस्य है उसके स्थापन में नियाजित किया जाता है तो नियाजिक मामृहिक बीमा स्क्रम ने सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त देज करणा और उसकी बाबन आवण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम का सदन करणा।
- 6 यदि उक्त रकीम कं प्रश्लीन कमनारियों का उरलब्ध फायदे बढ़ाएं जात है तो नियोजक मामूहिक बीमा स्कीम के प्रश्लीन कमनारियों का उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से बिंद्ध की जात की व्यवस्था करेगा जिससे कि कमेंचारियों के लिए सामृद्धिक बीमा स्काम के प्रश्लीत उरलब्ध फायदे उन फायदों में प्रधिक धनुकल हा जा उक्त स्कीम के प्रश्लीत प्रमुक्तय है।
- 7 सामृहित बीमा स्काम में किसी लात ने हाते हुए भी यदि किम। वर्मचारी का मृत्यु पर रस स्कीम के प्रधीन सेदेय रसन उस रसन में कम है जा वर्मचारी को उस दशा में सदेय होतो जब बहु उक्त स्कीम के प्रधीन होता जो बहु उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो नियाजक कर्मचारी ने विधिक धारिम/नामनिर्देशिनी ना प्रतिवर के रूप में दोनो रकमा ने प्रस्तर के बराधर रक्षम का सदाय करगा।
- 8 साम्हिन बीम। स्कीम न उपबन्धा में वाई भी समावन प्राईशिक्ष भिक्य निश्चि आयुक्त दिली न पूर्व अनमादन के बिता नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशाधन से क्याचारियों के हित पर शिंतकूत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां प्रादेशिक मंबिर्य निधि आयुक्त प्रमान अनुमादन देने से पूर्व कर्मचारियों का अपना वृत्तिकाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- ९ यदि किसी कारणवण स्थापन क बमचारी, भारतीय जीवत बांमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिस स्थापन पहले ब्राता जुवा है अधीन नहीं रह जाते हैं या तस स्कीम वे अप्रीत कमचारियों का प्राप्त हाने बाले फायद किसी रीति से क्या जात है ता यह कृट रद्द की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवर्ण नियाजक उस नियन तरिया के भीतर जा भारतीय जीवन बीमा निगम नियन कर प्रीमियन का सदाय करन म भ्रमफल रहना है और पालिसी का रयागन हा जाने दिया जाता है ता भूट रह की जा मतानी है।
- 11 नियाजक द्वारा प्रीमियम के सद य में लिए गए किसी व्यक्तिकम की दणा में, उन मृत सदस्यों क नामितर्देशितिया या विश्विक वारिया का जा यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अस्तर्या होते बीमा फायदों के सदाय का उत्तरवायित्व नियाजक पर होगा।
- 12 उक्त स्थापन क सबन्ध में नियाजक इस स्कीम के श्रक्षीन आन वाले थिमी सदस्य की मृत्यु होते पर उसके हक शर नामनिर्देशितिया/ विधिक्त वारिसी को श्रीमाइत रक्षम की सशय कत्परता से श्रीर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाइत रक्षम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर मुनिष्चित वरणा।

[#º ₱#0-3501 1/19 1/52-40 ff0-]]

S,O 3136.—Whereas Messis Kapii International Private Limited, A 138 Okbla Industrial Area, Phase II, New Delhi-110020 (DL/4080) (hereinafter referred to 15 the Said establishment) have applied for exemption under sub-section (2 %) of Section 17 of the Employees Provident Full d, and Miscellaneous Privisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act)

And where is, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life

Instrance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit linked Instrance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government bereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years

#### SCHEDULE

- I The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Delhi and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2 The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month
- 3 All expenses involved in the idministration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc shall be borne by the employer
- 4 The employer shall display on the notice board of the est blishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees
- 5 Where the employee, who is already a member of the Imployees Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Choup Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits ivailable to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7 Notwithstanding anything contained in the Group Insurence Scheme it on the death of in employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme the employer shall pay the difference to the legal hen nominee of the employee as compensation
- 8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without he prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval rave a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view
- 9 Where for any reison the employees of the establishment do not remain coviced under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already do pt d by the establishment of the benefit, to the employees under this Scheme are reduced to any manner the exemption shall be liable to the cancelled
- 10 Where for any reason the employer tails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse the exemption is liable to be cancelled
- If In case of default, if my made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the normnees of the legal heirs of doesed members who would have ben covered under the

said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12 Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal bens entitled for it and any case within 7 days of the neceipt of the sum assured from the lafe Insurance Corporation of India.

[No. S 35014 (193)/82-PF-III

कार आर 3137.—मैसर्स नेणनल फटिलाइजर्स लिमिटेड, 20, कस्युनिटी सेटर, ईस्ट झाफ कैलाश नई दिल्ली-110024(डी एल/3657) (जिसे इसमें इसके पश्चान उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मधारी शिवटप निधि और प्रकीण उपबन्ध श्राधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त श्राधिनयम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के श्रधीन छूट दिल् जाने के लिए श्रावेदन किया है:

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधात हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रासदाय या श्रीमियम का सदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निराम की सामृष्टिक बीमा स्कीम के श्राबीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों में श्राधिक श्रमुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके प्राथात् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्राधीन उन्हें श्रमुजीय है.

श्रत केन्द्रीय सरकार, उक्त श्राधिनयम की धारा 17 की उपदारा (2क) इंग्रिंग प्रदत्त एक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपदास श्रत्-सूची में विनिद्धिट शर्ती के अर्धान रहते हुए, उक्त स्थापन को नीन वर्ष की श्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवन्धी के प्रवर्तन से छुट देनी है।

#### अनुसूची

- 1 उक्त स्थापन के सबस्ध में नियोजक प्रादेशिक भीवाय निधि आयुक्त दिल्ली को ऐसी विवरणियां भेजेंग। ग्रीर ऐसे लेखा रखेग। तथा निरीक्षण के लिए ऐसा सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर निर्दिग्द करे।
- 2. नियाजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारा का प्रत्येक मध्य की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त ध्राधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय समय पर निदिष्ट करे।
- 3 सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रस्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, वियरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियम का सदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारों का सदाय प्रादि भी है हाने वाते सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4 नियाजक, केन्द्रीय सरकार द्वार। यथा अनुमादित मामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, भीर जब कभी उनमें मशोधन किया जाए तब उम मंशोधन की प्रति तथा कर्मचारिया की बहुमख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के मुखना-पट्ट पर प्रविशत करेगा।
- 5 यदि काई ऐसा कर्मचारी भिविष्य निधि का या उक्त प्रधितियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन को भिविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियाजक, मामहिक बीमा रकीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरत्त दर्भ करेगा श्रीर उसकी बाबत श्रीवण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम का सदत्त करेगा।
- 6 यदि उक्त स्कीम के प्रयोग कमेनारियों को उपलब्ध पायद वहार जाते है हो, नियाजक सामृद्रिक बीमा स्कीम के प्रयोग कमेनारियों का उपलब्ध फायदों में समजित रूप से बिंद की जाते को ध्वप्रयोग करण। जिसमें कि कर्मचारिया के लिए सामृद्रिक बीमा स्काम के प्रयोग उपलब्ध

फायदे उन फायदा सं श्राधिक श्रानुकल हो, जो उस्त स्क्षीम के श्रशी<sup>न</sup> श्रानुक्रेय है।

- 7 सामिहिक बीमा स्कीम में किमी बात के होते हुए भी मदिकान कर्में बारी की मृत्य पर इस स्कीम के झिद्यीन सदेय रक्षम उप रक्षम में कम है जो कर्मवारी को उस दक्षा में सदेय हाती जब वह उक्ष्म स्वाम के झिद्यीन हाता ता, नियाजक बर्मचारी के अधिक बारिस/नामनिर्देणिनी को प्रतिकर के १२ में दोनी एकमो के अन्तर ने बराबर रक्षन का सदाय करेगा।
- ५ सामृहिक बीपा स्त्रीम के उपबन्ता में कोई भी समाधन, प्रादेशिक मितित्य निधि, धायुक्त, दिन्ती के पूर्व प्रमुमोदन के जिला नहीं किया नात्या प्रीर जहा किसी संशोधन से पर्मचारियों के हिन पर प्रारुक्त प्रभाव पढ़ने की सभावना हो बहा, प्रादेशिक भिवत्य निधि प्रायक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रथमा दृष्टिकाण स्पत्य करने का यक्तियकत प्रवस्त देना ।
- 9 यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर वारो, भारतोत्र जावन बोमा निशम का उस सामृहिक बोता स्कीस के, जिसे स्थापन पहुचे अवता चुका है प्रदोन नहीं एष्ट्र जाने हैं, या इस स्काम के प्रतीन कर्षचारियों को प्राप्त होने बाले फायदै किसी सीति से कम हो जाने हैं; तो यह रह की जा सकती है।
- 10 यांद्र किशी कारणश्या नियोजक उस नियन नारीख के भानर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियन करें, प्रीतियम का सदाय करने में असकल रहना है, ग्रीर पालिना का व्यागान हा जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किमो व्यक्तिश्व की दशा में. उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितिया या विधिक वारिसों का जा यांद्र यह, छट न दी गई होनों नो उन्तर्सभेम के प्रान्तर्गत होत, बीमा फायदों के सदाय का उत्तरदायित्व नियाजक अर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सबन्ध में नियाजक, इस स्कीम के अधीन काने वाले किसी सबस्य की मन्यु होते पर उसके हरूदार नामनिर्वे शिनियों/ विधिक श्रान्सों को बीमाकुन रक्तम का सदाय नत्परता से और प्रश्येक वर्णा से भारतीय जीवन बीमा निगम से बोमाकृत रक्तम प्राप्त होने के सान दिन के भीवर सुनिध्चित करेगा।

[एस० - 35014/194/82 - भ्रान्ट - 2]

S.O. 3137—Whereas Messis National Fertilizers Limited, 29, Community Centre, Fast of Kailash, New Delhi-110024 (DL/3657), (hereinafter referred to as the said establishment) have been applied for exemption under sub-section 12A) of Section 17 of the Imployees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoy ment if benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

## SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi maintain such accounts and provide

for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient teatures thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Lmployees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enchance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insusurance Scheme, if on the death of any employee the amount pavable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regioal Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of siew.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Instrumee Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to the cancelled.
- 10 Where for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse the exemption shall be liable to be cancelled
- 11. In case of default, if any mad eby the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said S heme but for grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S. 35014 194 82-PF-II]

का०आ० 3138.-—मैमर्स फुड स्पेशिलिटीज लिमिटेड, (एम-5ए) कनाट सर्कस, नई दिल्ली-110001 (डी० एल/139९) (जिसे इसमें इसके पश्चान उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी प्रविष्य निधि प्रौर

प्रकोणं प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इससे इसके पश्चात उक्तं ग्रिधिनियम कहा गया है) की द्वारा 17 को उत्थारा (2क) के अधीन छुट दिए जाने के लिए प्रायेदन किया है.

और केन्द्रीय मरकार का ममायान हा गया है कि उनन स्थापन के कर्मवार्ग, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सेदाय किए बिना है, भारतीय जी नेन बीमा निगम की मामहिक की संस्थीम के अधीन जी न बीमा के रूप में फायदे उठा रह है और ऐसे कर्मनियों के लिए बिये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकल है जो कर्मवारा निक्षेप सहबद्ध बीमा स्थीम 1967 जिसे इसमें असके पालाम् उना स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुकेष है;

श्रतः केन्द्रीय सरकार उक्त श्राधितियम की छारा 17 को उपधारा (2क) हारा प्रदल णिक्तियों का प्रयाग करते हुए और इसके उपाबद्ध श्रतमूची में अतिदिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रवधि के लिए उक्त स्कीम के नभी उपबन्धों के घवर्षन में छट देशी है।

# अनुसूची

- । उक्त स्थापन के सबस्य में नियोग्नेक प्रदेशिक प्रविध्य निधि प्राय्क्त, दिल्ली को एसी विर्णिया भेजेगा भ्रीर ऐसे लेखा रहेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविद्याए प्रश्न करेगा जा केलीय सरकार, साथ समय हर निदिष्ट करें।
- 2 नियाजक, एमें निरक्षण प्रमारों को प्रथम शाम की समाधि के 14 दिन के भीतर सदाय करना को केन्द्रीय गरकार उना आर्थनियम की प्राचा 37 की प्रद्वारा (3क) के खण्ड (क) के प्रद्वार समय समय पर निविष्ट करें।
- 3 सामूहिक कीमा स्कीम के प्रणासन, में जिसके करार्थि लेखाओं का रखा जाना त्रिवरणियों का प्रष्तुत किया जाता, व स प्रसंपात की संदाय, लेखाओं के प्रस्तरण, निरीक्षण प्रभारी का सदाय क्रांद भी है, होने क्षणे सभी अपयो का वहन नियोजक द्वारा किया जाण्या स
- 4 नि जिला, केन्द्रीय सरकार नारा यथा अनुमोदित सामित वासा स्कीम के नियमों की एक प्रात, और जब कमा उनमें सुगोबा किया जाए, नव उस सुगोधन को प्रति तथा कर्मचारियों की बहुमख्या की नाया में उसकी मुख्य बानों का अनुवाद, स्थान के सूचन-पर पर प्रदण्ति करेगा।
- उसद कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी स्टिंग िंग का या उक्त प्रधिनियात के प्रधीन छठ प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य का पहले ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियाजित किया जाता है ता, नियाजक, सामहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरत्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत प्रावश्यक प्रीमियम भारतीय जावन बीमा निगम का संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के प्रजीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बताए जाते है तो. नियोजक सामृष्टिक बीमा स्कीम के प्रजीन तर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से बृद्धि को जाने की ब्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृद्धिक बीमा स्काम के प्रजीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक प्रनुकल हो, जो उक्त स्कोम के प्रजीन प्रमृज्य है।
- 7. सामहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हु" भी, याँद किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के प्राचीन संदेय रकम उस रकम में कस है जा कर्मचारी की उस दणा में सदेय हो तो जब वह उत्तर काम के प्राचीन होगा हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वास्मि/नामनिर्देशिसी को प्रतिकर के हम में दोनों रकमी के प्रतिकर के वस्त्र एकम का सदाय करेगा।

- साम्हिक बीभा स्कीम के उपबन्धों से कोई भी संगायन, प्रादे। शक कृषिच्य निधि आयुक्त दिल**ी के पूर्व अनुसोदन के बिनानशी किया** जाएगा ह्यौर जहां किसी संशोधन ते कर्मजारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, आदेशिक भरिष्य निधि अध्यक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रवना ६ व्टिकोण स्वष्ट करने का युक्तिसुमन म्रावसर देगा ।
- यदि किसी कारणाशा, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीनन बीमा निगम की उस साम्बदिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है ग्रर्धान नहीं रह जाते हैं, का इस स्कीम के ग्रधीन कर्मचारियों का प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति ले कम हो जाते है, तो यह छट रह की जा सकती है।
- 10 यवि किसी कारणधण, नियोजक उस नियन नारीख के भीगर, जो भारतीय जीवन वीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने मे असफल रहता है, और पालिसी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो, छट पद्द की जा सकर्न' है।
- 1) नियोजक द्रारा प्रीमियम वे सदाय मे किए गए किसी व्यतिकम की दशा मे, उन मृत सदस्यों के नामनिर्दिशिनियों या विधिक वारिसी को जो यदि यह, छट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के प्रस्तर्गत होते, बी(मा क्।यदो के संवाय का उभारदायित्व नियानक पर होगा।
- 12 जक्त स्थापन के सबन्ध में नियोजिक, इस स्कीम के प्रधीन न्नाने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके ह्कदार नामनिवेशितियों/ विश्विक बारिसो को बोमाकून एकम का सवाय नत्परना से और प्रत्येक दशा मे भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिधित्तन करेगा।

[सं० एस० 35014(196)/82-ी एफ-II]

Limited. S.O. 3138.—Whereas Messrs Food Specialities M.5A, Cannaugh Circus, New Delhi-110001 (DL/4398), (hereinafter referred to as the said establishment) have been (DL/4398). applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Prevident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto. the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

# SCHPDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Schene including maintenance of accounts. submission of returns, paymen' of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Centual Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately corol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary p emium is respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under he Group Insuran e Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7. Notwithstarding anything contained in the Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Delhi and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reason ble opportunity to the employees to explain their
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/ legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No S. 35014 (196)/82-PF-1]]

का० आ०३139—मैसर्स पुरोलेटर इंडिया लिमिटेड, श्री अर्रावदो मार्ग, नई दिल्ली-110016 (बी०एल०/2538) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि स्रोर प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके परवात् उक्त भ्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छट दिए जाने के लिए ध्रावेदन किया है,

ग्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथ्क अभिदाय या प्रीमियम का सदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामुहिक बीमा स्कीम के ग्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे है भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन फायवों से प्रधिक प्रनुकृत है जो कर्मभारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के भ्रष्टीन उन्हें अनुशेष हैं,

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्न शक्तियों का प्रयोग करने हुए श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में विनिधिष्ट शर्तों के श्रधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रविधि के लिए उक्त स्काम के सभी उपबद्धों के प्रवर्तन से छूट देती हैं।

# धन सूची

- 1. उक्त स्थापन के मंबंध में नियोजक प्रादेणिक भविष्य निधि श्रायुक्त दिल्ली को ऐसी विवरणियां भेजेगा श्रीर ऐसे लेखा रखेगा नथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 विन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त ध्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधिन समय समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामृहिक बीम। स्कीम के प्रणासन में, जिसके प्रत्तर्गत लेखान्नों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखान्नों का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय द्यादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएन।।
- 4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा प्रनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, ग्रीर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बानों का ग्रानुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रविधित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मजारी, जो कर्मजारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजिन किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम नुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबत्न करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाने हैं तो, नियोजक मामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में ममृचिन रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदें उन फायदों से अधिक अनुकूष हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रेय है।
- 7 सामूहिक बीमा स्कीम मे किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्म आरी की मृत्यु पर इस स्कीन के अर्थन संदेय रक्षम उस रक्षम से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में सदेय होती जब वह उक्त स्कीम के ब्राधीत होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकार के कप में दोनों रक्षमों के प्रतिकार के बराबर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8 सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संगोधन, प्रादेशिक भिष्य निधि प्रायुक्त, दिल्ली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहा किसी सणोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भिवष्य निधि धायुक्त, ध्रपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले ध्रपना चुका है प्रधीन सही रह जाने हैं, या इस स्कीम के घर्धान कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रहूद की जा सकती है।

- 10 यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियम तारीख के भीतर. जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रढ्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दणा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिमों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती ता उक्त स्क्रीम के च्रत्नर्गत होते, बीमा फायदों के सदाय का उत्तरदायिख नियोजक पर होगा।
- 1.2. उनन स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्कीम के घ्रधीन आने थाले किसी सदस्य की मृन्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्वेशितियों/ विधिक वारिसो को बीमाकृत रकम का संवाय सत्परता से भीर प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम में बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[स॰एम॰-35014(199)/82-पी॰एफ-11]

S.O. 3139.—Whereas Messrs Pulorator India Limited, Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016 (DL/2538), (hereinatter referred to as the said establishment) have been applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nautre of Life Insurance which are more favourable to such employees Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

# SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the solient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available

690 GI/82-14

under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable epportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(199)/82-PF.II]

का० आ० 3140.--मैसर्स डियोर इंटरनेशल (प्राह्वेट) लिमिटेड, ए० 138 श्रोखला ग्रोबोगिक क्षेत्र, फेज-II, नई दिल्ली-110020 (डी गएल० 4856) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि ग्रोर प्रकीर्ण उपबन्ध ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 17की उपधारा (2क) के ग्रिधीम खूट दिए जाने के लिए ग्राबेदन किया है,

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक भिन्दाय या प्रीमियम का संवाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के भ्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायवे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से भ्रधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निभेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें अनुश्रेय हैं:-

धनः केन्द्रीय सरकार, जबन प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए भीर इससे उपावद्ध भनुसूची में विनिविष्ट सर्तों के प्रधीन रहते हुए, जक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रवधि के लिए जनन स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन में छूट देती है।

# भन्सूची

- उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि धायुक्त,
   विल्ली को एसी विवरणियां भेजेगा धौर ऐसे लेखा रखेगा तथा
   निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्देश्ट करे।
- नियाजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15
   दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्राधिनियम की धारा

- 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय समय पर निर्विष्ट करे।
- 3 सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके ग्रन्तर्गन लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले, सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय मरकार द्वारा यथा प्रमुमीदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, ध्रीर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति नथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का प्रमुखाद, स्थापन के सुचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक, सामूहिक बीमा स्कीम के मदस्य के रूप में उसका नाम पुरन्त वर्ज करेगा भीर उसकी बाबन भ्रावण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सवन्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मजारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाने हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मजारियों को उपलब्ध फायदों में समुखित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मजारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक प्रनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के प्रधीन प्रनुजेय है।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीन में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मजारी की मृत्य पर इस स्कीम के झक्षीन सदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मजारी को उस दक्षा में सदेय होती जब वह उक्त स्कीम के झक्षीन होता तो, नियोजक कर्मजारी के विधिक वास्मि/नामनिर्देणिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भिवष्य निधि धायुक्त, दिल्ली के पूर्व प्रनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधान से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रावेशिक भिवष्य निधि धायुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकाँण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसण् देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मन्ती, भारतीय जीवन बीामा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले भ्रपना चुका है भ्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के भ्रधीत कर्मविष्यों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवश, नियंजिक उस नियन तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में ग्रमफल रहता है, ग्रीर पालिसी को व्यपनत हो जाने दिया जाता है तो छट रखद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यतिकम की देशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती उक्त स्कीम के श्रन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उन्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 1.2. उक्त स्थापन के सबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामिन देंशितियों/विधिक वारिसों को बीमाक्कत रकम का सदाय तत्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाक्कत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर मुनिश्चित करेगा।

सिं॰एस॰ 35014(201)/82-पी॰ एफ-II]

S.O. 3140.—Whereas Messrs Dio: International (Private) Limited, A-138, Okhla Industrial Area Phase II, New Delhi-110020 (DL/4856), (hereinafter referred to as the said establishment) have been applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinalter referred to as the said Scheme):

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act. within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees

under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S. 35014(201)/82-PF.II]

का० आ० 3141—मैसमें इडियन कार्ड क्लांबिय कंपनी लिसिटेंड, मुस्बई पूर्ण रोड, पिस्परी, पुणे-411018 (महा-/3762)(जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मजारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध भिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है (की धारा 17 की उपधारा (2क) के भधीन छूट दिए जाने के लिए श्रावेदन किया है,

श्रीर केल्बीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मवारी, किसी पृथक श्रीभदाय या श्रीभियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा को रूप में फायदे उठा रहे हैं भ्रीर ऐमें कर्मवारियों के लिए ये फायदे उन फायदे में प्रधिक अनुकृत हैं जो कर्मवारी निक्षेप सहब्रद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्वात् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रुधीन उन्हें अनुबीय है;

भ्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त भ्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवन्त भ्रकितयों का प्रयोग करते हुए, भ्रीट इससे उपस्यद्ध भ्रनुसूची में बिनिर्दिष्ट भर्तों के श्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट वेसी है।

# अनुसूची

- ! उक्त स्थापन के सबध में नियोजक प्रविशिक भविष्य निधि ब्रायुक्त मजाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा श्रीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिग्ट करें \
- 3. नियोजक, ऐसे निरोक्षण प्रसारों का प्रध्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्राधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधोन समय समय पर निविष्ट करे।
- 3. सामृष्टिक बीमा म्लीम के प्रशासन में, जिसके धन्तर्गत लेखाओं का ग्रंखा जाना विवरणियों का प्रस्तुन किया। जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, तिरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने बाले सभी व्ययों की वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- ज. नियोजक केर्न्डाय सरकार द्वारा यथा श्रन्मोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, श्रीर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कमैचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का श्रनुवाद, स्थापन के सुषता-पट्ट पर प्रविश्वित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्जनारी, जो कर्मचारी भिषय्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भिषय्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक,

सामृहिक बीमा स्कीम के क्य में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा भीर उसकी बाबत भ्रायक्ष्यक प्रीमियम भारतीय जीवन कीमा निगम को संदर्भ करेगा।

- 6. यदि उनस स्कीम के अधीन कर्मवारियों की उपराध्य फायदे बढाए जाते हैं, तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मवारियों का उपलब्ध फायदों में समुवित कर से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिमसे कि कर्मवारियों के लिए सामूहिक बीमा कीम के अर्धान उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक बनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के ब्राधीन अनुकेय हैं।
- 7. सामृहिब बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मजारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रश्नीन सदेय रकम उम रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सदेय होती जब वह उक्त स्क्रीम के प्रश्नीत होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिम/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के स्थ में दोनों रकमों के ब्रन्तर के बराबर एक्स का स्वाय करेगा ।
- 8. सामृहिक वीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी सशोधन, प्रावेशिक मिलप्य निधि प्रायुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व प्रमुमादन के विना नहीं किया जाएगा श्रीर जहां किसी सशोधन में कमाचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो बहां, प्रादेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त, श्रपना श्रमुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को श्रपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त श्रवसर देगा ।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना भुका है ग्राधीन नही रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की आ सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवभ, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बामा नियम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में भसकत रहता है, ग्रीर पालिसी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सफती है।
- 11 नियोजक क्षारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किसी ध्यतिषम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों का जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उदत स्कीम के ध्रन्तर्गत होने, श्रीमा फायदों के सदाय का उत्तरक्षायित्व नियोजक पर होगा।
- 12 उपन स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की तृत्य होंने पर उसके हकदार नामनियंणितियो/विधिक वारिसो की बीमाइन रकम का सवाय नत्यरमा में और प्रत्येक दणा में भारतीय जीवन बीपा निगम से बीमाइन्त रकम प्राप्त होंने के सान दिन के भीनर गृनिश्चित करेगा।

[मं० एस०-३5014/203/82-५०नि०-🖺

S.O. 3141.—Whereas Messrs The Indian Cald Clothing Company Limited, Bombay Pune Road, Pimpri, Pune-411018 (MH/3762), (hereinafter referred to as the said establishment) have been applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto,

the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and maintain such accounts and provide for such lacilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges us the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insulance Scheme including maintenance of accounts, submission of leturns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nomince of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect aversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominec/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S. 35014(203)/82-PF-II]

का० आ१० 3142 — मैससं जय हिन्द इंडरड्रीज लिमिटेड, प्राकुर्ही, पुणे-111035 (एम० एन०/7319) (जिसमे इसमे इसके पश्चात् उकत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपवन्ध श्राधितियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त प्राधित्यम कहा गया है) की धारा 17 की उपवारा (२क) में श्राधीन '१ट विए जान के लिए प्रावेदन किया है,

श्रीर वंद्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि ज्वल स्थापन के कर्मचारों, किसी पृथक श्रमिवाय या प्रामियम का सवाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निशंग की सामृहिक बीमा स्कीम के श्रमीन जीवन बीमा के लग में कायद उठा रहे है श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायद उन कायदों से अधिक अनुकृष है जा कमचारी निक्षेप सहस्त्व बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पण्चान उक्ष्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें श्रमुजेय हैं;

श्रत केन्द्रीय सरकार, उत्तर श्राधितथम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदन्त प्राप्तियों का प्रयोग करते हुए श्रार हमसे उपायक असुमूची में विनिद्धित शर्मी के अधीन रहते हुए, उद्दन स्थापन को सोन वर्ष की धविध के थिए उपन स्क्रीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से खुट देते। है।

# अनुमृची

- 1 उक्त स्थापन के सबध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, महाराष्ट्र को ऐसी निवरणियां भेजेगा ग्रीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी जुनिधाएं प्रदान करेगा जा वेन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा औं केदीय सरकार, उन्हें अधिनियम की धारा 17 की उपारा (3क) के खाड़ (क) के प्रधीन समयसमय पर निविध्य करें।
- 3 सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके श्रन्तर्गत लेखाओं का क्या जाना, विवश्णियों का प्रस्तृत किया जाना, श्रीमा प्रीमियभ का संवाय, लेखाओं का अतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय ग्रादि भी है, होते वार्ष सभी ध्ययों का वहन निर्योजक द्वारा किया जाएन ।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा धनुमंदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, श्रीर जय कभी उनमें संगोधन किया जाए, तब उस संगोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसध्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का खनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि काई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उपत प्रधितियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन मे नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उमका नाम गुरन्त दर्ज करेगा भीर उसकी बाबत ब्रावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के श्रधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाएं जाते हैं तीं, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के श्रधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदों में समृचित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के श्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों में श्रधिक श्रनुकूल हों, नो उक्त स्कीम के श्रधीन श्रनु-क्षेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के प्रधान सदेय रकम उस रकम में कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सदेय होती जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिम/नामनिवेंशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के प्रश्तन के बरावर रक्तम का सदाय करेगा।

- 8 सामूहिक बामा स्कं.स के उपबन्धां में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि भाष्ट्रकत, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मकारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पत्ते की, संशोधन हो बहा, प्रादेशिक भविष्य निधि प्राप्नुकत, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मकारियों की अपना दृष्टिकीण स्पष्ट करने का प्रकित्यकत प्रवसर देगा।
- 9 यदि किया का प्राप्त शास्त्र स्थापन के कर्मचार, भारत य जीवन बीमा निगम की उस सामृहित बामा स्काम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुना है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्काम के अर्ध न कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायदे कियी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट न्व्व की जासकर्त है।
- 10 यदि किस, कारणवश, नियोजक उस नियंत तारीख़ के भीतिए, जो भारतीय जावन श्रीमा निगम नियंत करे, प्रीमयम का संवाय करने में फ्रांसकल रहता है, और पालिसा को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छुट रद्द की जा संकता है ।
- 11 नियोजक द्वारा प्रं'मियम के सवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दणा में, उन मृत सवस्पी के नामनिर्देणिति हो या विधिक वारिसों को जो यवि यह, छूट गर्दा गर्द होती तो उक्त स्कीम के श्रन्तर्गत होने बीमा कायदों के संदाय का उत्सरदायित्व नियोजक पर होगा।
- ) 2. उक्त स्थापन के सबध में ियोजक, इस स्क्रिंम के प्रश्नं न धाने वाल किसी सदस्य की मूल्ये होने पर उसके हकदार नामनियोगितियो/ विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का सवाय तत्परता से धौर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के मात दिन के भीतर सुनिध्वित करेगा।

[स॰ एस॰ 35014(205)/82-पीएफl]]

S.O. 3142.—Whereas Messrs Jai Hind Industries Limited, Akurdi, Punc-411035 (MH/7319). (hereinafter referred to as the said establishment) have been applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a preiod of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Comissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but of grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S. 35014 (205)/82-PF. II]

का० आ० 3143 --मैसर्स कलर केम लिमिटेड, रवीद्र अनेक्सी, वीनणाह रोड, 199, चर्च गेट रेक्लेमेशन, मुम्बाई-400020 (एम एच)/4094 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्म-चारी भविष्य निश्चि धौर प्रकीण उपबन्ध द्यक्षित्मम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त प्रश्चित्मम कहा गया है) की धारा 17 की उपकारा (2क) के प्रधीन छूट दिए जाने के लिए धावेदन किया है.

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पूथक अभिदाय या प्रीमियम का सवाय किए बिना ही, भारतीय जीवन वीमा निगम की मामूहिक बीमा स्कीम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से श्रधिक अनुकृत है जो कर्मचार निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें अनुजेय है;

श्रत केन्द्रिय सरकार, उन्न श्रिष्ठिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) इतरा प्रदल्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपाबद्ध भ्रमुसूबी में त्रिनिर्विष्ट शर्तों के अधान रहते हुए, उन्न स्थापन की तीन वर्ष की श्रवधि के निए उन्न स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट वर्ता है।

# अनुसूची

- 1 उक्त स्थापन के सबस में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निश्चि प्रायुक्त, महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेंग। बीर ऐसे लेखा रखेंगा तथा निर्दाक्षण के लिए ऐसी मुविधाएं प्रदान करेंगा जो केन्द्रीय मरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2 नियोजक, ऐसे निराक्षण प्रभारा का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतिर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3 सामूहिक बामा स्क्रिम के प्रशासन मे, जिसके प्रान्तगैन लेखान्नो का रखा जाना, विवरणियो का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रोमियम का सदाय, लेखान्नो का संतरण, निरीक्षण प्रभागो का संवाय श्रावि भी है, होने वाले सभी व्यवों का बहन नियोजक हाग किया जाएगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार हारा यथा प्रमुमोदित नामृहिक कीमा स्कीम के नियमो की एक प्रति, भीर जब कभी उनमें संशोधन किया आए, तब उस संशोधन की प्रति नथा कर्मजारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सुखना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि काँई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निश्चि का या उक्त अधिनियम के अकीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निश्चि का पहले ही सदस्य हैं, उसके स्थापन मे नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्य दर्ज करेगा और उसकी बांबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदस्त करेगा।
- 6 यदि उत्तर स्कीम के ग्रह्मेंत कर्मवारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए, जाने हैं तो, नियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के ग्रह्मीन कर्मवारियों को उपलब्ध फायदों में समुक्ति रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मवारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रश्नीत उपलब्ध फायदे उन फायदों से ग्रह्मिक ग्रम्हिक हो, जी उक्त स्कीम के ग्रह्मीन ग्रम्हिक ग्राह्मीन है।
- 7 सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की भृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन संदेय रकम उस रक्षम से कम है जो कर्मचारी की उस दक्षा में सदेय होती जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिम/नामिनदेशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के प्रतर के बराबर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक र्वामा स्कीम के उपबन्तों में कोई भी संगोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रामुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व प्रनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा ग्रीर जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिल पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि ग्राप्ट्वन, प्रपना ग्रानुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रवसर देगा ।
- 9 यदि किसी कारणवाग, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपत्तवुका है अधीन नहीं रह जाते है, या इस स्कीम के प्रवीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते है, तो यह छूट रहुद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवंश, नियोजक उस नियम नारीख के भीतर, जो भारतीय जोवन बीमा निगम नियम करे, प्रीमियम का सदाय करने में

श्रमफल रहता है, श्रीर पालिसी की व्यपगत हो जाने दिया जाना है तो यह छूट रदद की जा सकती है।

- 11 निलोजक द्वारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किसा व्यक्तिकम की दणा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वास्सिं की जो यदि यह छूट न द। गई होता तो उक्त स्कीम के धरनर्गन होते ई.सा फायवों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।
- 12 उक्त स्थापन के सबंध में निशीजक, इस स्कीम के अधीन प्राने वाले किसी सदस्य का मत्य होने पर उसके हकदार नामसिर्देणितियो/ विधिक व।रिसो को बीमाकृत रकम का सदाय तत्परता से भीर प्रत्येक दण। में भारतायाजावन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्रोप्त होने के साप्त दिन के भी। तर मूनिश्चित करेगा।

[मैं० एम० 35014(211)/82-पी एफ-]]]

S.O. 3143.—Whereas Messrs Colour Chem Limited Ravindra Annexe, Dinshaw Vachha Road, 194, Chunchgate Reclamation, Bombay-400020 (MH/4094), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act),

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nautre of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme): Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule Ennexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Comissional Melanature and account account and account account and account sioner, Maharashtra and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government any direct from time to time,
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under caluse (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient fea-tures thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employe in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme anpropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insutance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would he payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/ nominee of the employee as compensation.
  - 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the gional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
  - 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
  - for any reason the employer fulls to pay the 10. Where, premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
  - 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assuname benefits to the nominees of the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the
  - 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee|legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S. 35014 (211)/82-PF-II]

कार आर 3144.--मैमर्स केडमच मधीनरी कंपनी प्राइवेट लिभिटेड. 9037, मणिनगर, अहमद(माद (जी जे/6087) पांस्ट कोवस स० (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमे इसके पश्चात उक्त भश्चिनियम कहा गया है) की धारा 17 की जपधारा (2क) के घर्धन छट दिए जाने के लिए घावेदन किया है।

द्यीर केर्न्द्राय सरकार का समक्ष्यान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पुथक ग्रभिदाय या प्रीमियम का सदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन कीमा निगम की सामृहिक बैमा स्क.म के अर्धान जीवन बीमा के रूप में फायदे जुड़ा रहे है और ऐसे कर्मकारियों के लिये ये फायदे उन फायदों में अधिक अनुबूल हैं जो कर्मचार्यः निक्षेप महबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमे इसके परचात् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रद्धीन उन्हें ग्रान्शेय हैं।

ग्रत केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रक्षिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्न गक्नियो का प्रयोग करने हुए भीर इससे उपाबड ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के ग्रर्धन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की भ्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छट देनी है ।

### भनुसूची

- उक्त स्थापन के संबंध में निशोजक प्रादेशिक भविष्य निधि घायका, श्रहमदाबाद को ऐसी विवरणिया भेजेगा श्रीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरी-क्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रं य सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारो का प्रस्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रश्चिनियम की क्षारा 17 की जगहारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

- सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में जिसके अस्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियो का प्रस्तृत किया जाना, बँमा प्रीमयम का संदाय, लेखाओं का अनरण, निरंक्षण प्रभारा संदाय आदि भी है होने बाले सभी व्ययो का वहन निरोजक द्वारा किया जाएगा ।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार हारा ध्रनुमोदत सामृहिक बीमा स्कीम **के** नियमों की एक प्रति, ग्रीर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब जम मशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी महाय मानो का प्रनवाद, स्थापन के सूचना-पटट पर प्रदर्शित करगा।
- यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या छक्त ग्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, मामहिक कीमा स्कीम के सदस्य के रूप मे उसका नाम नुरन्त दर्ज करेगा भीर उसकी बाबन भाषायक प्रीमियम भारतीय जीवन दीमा निगम की **संद**त्त करेगा ।
- 6 यदि उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बहाए जाते है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियो को उपलब्ध फायदो मे सम्चित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामुहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदो से प्रधिक प्रतृकुल हों, जो उक्त स्कीम के अर्धान प्रतृज्ञेय है।
- सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते प्रूए भी, दृदि किसी। कुर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के ग्राधीन सदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त रकीम के ग्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के धिधक वारिस/नामनिर्देणिन। को प्रतिकर के रूप में दोनो रक्तमों के ग्रन्तर के बराबर स्कम का संदाय करेगा≀
- 8 सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी सणोधन, प्रादेणिक भविष्य निधि ग्रायुक्त, भ्रहमवाबाद के पूर्व ग्रनुमोदन के जिना नही किया जाएगा ग्रीर जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रक्षिकृल प्रभाव पडने की सभावना हो वहा, प्रावेणिक भविष्य निधि भ्रायुवत, भ्रपना धनमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को ग्रपना दृष्टिकोण स्पन्ट करने का युक्तियुक्त ग्रवसर देगा।
- यदि किसी कारणवम, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन मीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपनाच्का है प्रधीन नहीं यह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मकारियों को प्राप्त होंने वाले फायदे किमी रीति से कम हो जाने है, तो यह छुट रह की जासकती हैं।
- 10 यदि किसी कारणवण, नियोजक अस नियत तारीख के भीतर. जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का सदाय करने में द्यमफल रहता है, भीर पालिसी को व्यपन्त हो जाने दिया जाता है नो. छट रह की जा सकती है।
- 11 नियं। जरू द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यनित्रम की बगा में, उन मृत सबस्यों के नामनिर्देशितियो या विधिक बारिसो को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उनत स्कीम के ग्रन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के द्यधीन द्याने बाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशिनियो/विधिक बारिसों को बीमाकृत रकम का सवाय तत्परता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाक्टन रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[मं० ाम० 350(4/213/82-40नि०(]])]

S.O. 3144.—Whereas Messrs Cadmach Machinery Company Private Limited, P.B. No. 9007, Maninagar, Ahmedabad-380008 (GJ/6087), (hereinafter referred to as the said establishment) have been applied for exemption under subsection (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act;

And whereas the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits usder the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nautre of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Issurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said. Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, sub-mission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedahad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him aproval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already

adopted by the establishment of the benefits to the employers ander this Scheme are reduced to any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is lighter to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of piernium the restonsibility for payment of assuance benefits to the nominees of the legal heirs of decersed nemebers who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12 Upon the death of the member covered under the scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the sominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 lays of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

INo S-35014(213)/82-PF, II]

- ----

## नई दिल्ली, 19 ग्रागस्त, 1982

का० आ० 3145 — केन्द्रीय गण्कार, कर्मचारी राज्य कीमा अधिनिय, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के माथ पठिन धारा 87 द्वारा प्रवस्त गिक्तियों का प्रयोग कर्त हुए और भारत सरकार के अम मजालय की प्रिध्सूचना स० का० था० 1531, नारीख 2 मई 1981, ते अनुक्रम म मैसर्म सेन्द्रल इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड साहिबाबाद जो विज्ञान धौर प्रोब्योगिकी विभाग के अधीन एक पब्लिक सेन्टर उपक्रम है को उक्त प्रधिनियम के प्रवर्तन में 1 अलूई. 1981 से 30 जून, 1982 तक जिस में बह नारीख भी सम्मिलित है, की एक बा की प्रविद्य के लिए छूट देनी है।

- 2. उक्त छूट की शर्ने निम्निविष्यत है अर्थात् ---
- (1) उनम कारखाने का नियोजक उस प्रथित की बाबन जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त ग्रीधिनियम प्रवर्गमान था (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त ''ग्रविधि' कहा गया है) ऐसी विथिणिया ऐसे प्रकृप से भीर ऐसी विशिष्टियों सहित देगा चा कर्मवारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के श्रयीन उस उक्त प्रविधि की बाबन देनी थीं
- (2) निगम द्वार। उक्त प्रधिनियम की धारा 45 की उपधारा
  - (1) ने अधीन नियुक्त किया गया कार्ड निर्माक्षक या निराम का इस निमित्त प्राधिकृत कार्ड अस्य पदधारी,—— (1)धारा 14 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी का विणित्यियों को सन्यापित करने के अयाजनार्थ, या
    - (2) यह प्रसिनिध्यित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) दिनियम, 1950 द्वारा यथा प्रयोक्षित रिजस्टर प्रीर प्रसिलेख उक्त प्रविधि के लिए रखें गए थे या नहीं, या
  - (3) यह अिनिश्चित कण्ने के प्रयाजनाथी कि कर्मचारी नियोजक हार दिए गए उन फायदी को, जिसके प्रति-फलस्वरूप इस अधिसूचना हकदार बने हुए है या नही, या
  - (1) यह अभिनिधिवत वारने के प्रयोजनार्थ कि उस भ्रविध के दौरान जन्न उक्त कारखाने के सबध में प्राधिनियम के उपबंध प्रयुक्त थे. ऐसे किस्ही उपबन्धों का भ्रमुगलन किया गया था यो नशी

निम्निजिबित कार्य करने के लिए सशक्त होगा ---

-----

- (क) प्रधान या अध्यविद्य नियोजक अपेक्षा करना कि वह उपे जानकारों दे जो उपरोधन निरोक्षक अविष्यक समझे या
- (स) ऐसे प्रपात का श्रम्पाहित्य नियाजन के शिष्णभोगार्थान किसी बारखान स्थापन कार्यालय या श्रम्य परिसर में किसी भी युक्तिय्तन समय पर प्रवेश करना श्रीर उसके भारमाधक व्यक्ति से श्रप्ता करना कि वह व्यक्तिया के सिराजन श्रीर मजररी के सन्त में सर्वातन ऐसी लेखा तहिया श्रीर श्रम्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या श्रस्य पदधार्य के समक्ष प्रस्तुन करें श्रीर उसके पर्यक्षा करने दे या उन्हें के जनक रिशी वेश श्रीर श्रम्यक समझे वास सम्
- (ग) प्रधान श्रव्यवहित नियोजक की. उसके श्रिश्वकर्ता या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने स्थापन, कासीलय या श्रत्य परिसर से पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उकत निरीक्षक या श्रन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी रहा है, परीक्षा करना;
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखें गए किसी रिजस्टर लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नमल तैयार करना या उससे उद्धरण लेता ।

(स्रुगम् ३-३८०। 4/18/81- च्च आई०)

### स्पर्धाकरण ज्ञापन

इस मामले में, एट का भूतलक्षी प्रभाव देना भावण्यक हा गया है क्योंकि छूट के लिए श्रावेदन के प्रक्रमण में बिलम्ब हो गया है। तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि भूतलक्षी प्रभाव से छूट दिए जाने से किसी के द्वित पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

# New Delhi, the 19th August, 1982

- S.O. 3145.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. 1531 dated the 2nd May, 1981, the Central Government hereby exempts M/s. Central Electronics Limited, Sahibabad, a public sector undertaking under the Department of Science and Technology, from the operation of the said Act, for a further period of one year with effect from 1st July, 1981 upto and inclusive of the 30th June, 1982.
- 2. The above exemption is subject to the following conditions, namely ...
- (1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Imployees' State Insurance (General) Regulations. 1950.
- (2) Any inspector appointed by the Corporation under subsection (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
  - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
  - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General Regulations, 1950 for the said perfect) or

609 G1/82-15.

- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in each and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

#### be empowered to-

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises

[No. S-38014/18 81-HI]

# **CXPLANATORY MEMORANDUM**

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

कां कां कां 3146, — केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य श्रीमा श्रधिनियम, 1948(1918 का 34) की धारा 91क के माथ पठिन धारा 87 द्वारा प्रवत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के धम मंग्नालय की श्रधिसूचना संठ कां ज्ञारा 2695 नारीख़ 11 मितम्बर, 1981 के धनकम में भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड, गाजियाबाद, जो रक्षा मंत्रालय के श्रधीन एक पिक्तिक सेन्दर उपक्रम है, को उक्त श्रधिनियम के प्रवर्तन से, 1 जुलाई, 1981 से 30 जून, 1982 तक. जिसमें वह तारीख़ भी सम्मिलत है, की एक वर्ष की श्रविध के लिए ग्रुट वेती है।

- 2 उपन छट की गर्ने निम्नलिखित हैं, प्रर्थान्:--
- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मधारी नियोजित है, एक रिजस्टर रखेगा, जिसमे छूट प्राप्त कर्मधारियों के नाम और पदाधिधान दिखाए जाएगें .
- (2) इस छूट के होते हुए भी कर्मजारी उक्त प्रधिनियम के अधीन ऐसी प्रमुविधाएं प्राप्त करने रहेंगे, जिनको पाने के लिए के इस प्रश्निस्चना बाग वी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संदत्त अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते.
- (3) छूट प्राप्त प्रवधि के लिए यदि कोई प्रभिदाय पहले ही किए जा चक्के हों तो वे वापस नहीं किए जाएंगे,
- (4) उन्त कारखान का नियाजक, उस अविध की बाबत जिसके बौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इससे इसके पावान् "उक्त अविध कहा गया है), ऐसी विब-रिणया ऐसे प्रक्ष में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जा कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अविध की वाबत देय था ,

- (5) निगम द्वारा उक्त प्रश्चितियम की धारा अर की उपधारा
   (1) के प्रधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या निगम या इस निमित्त प्राधिकृत कोई श्रन्य पदधारी—
  - (1) उक्त श्रवधि की बात धारा 44 की उपधारा (1) कें श्रधीन दी गई किसी विवरणी की विणिष्टियों की सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या
  - (2) यह प्रभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा-प्रपेक्षित रिजस्टर भीर भ्रमिलेख उक्त भ्रवधि के लिए रखें गए थे या नहीं ; या
  - (3) यह प्रशिनिष्चित करने के प्रयाजनार्थ कि कर्मचारी नियंशिक द्वारा विए गए उन फायवों को, जिसके प्रति-फलस्वरूप इस प्रधिसूचना के प्रधीन छूट दी जा रही है, नकद श्रीर वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं , या
  - (4) यह प्रिमिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस प्रविधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के सबस्ध में प्रिधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्ही उपबन्धा का प्रनुपालन किया गय था या नहीं;

निम्नलिखिन कार्य करने के लिए सणक्त होगा '---

- (क) प्रधान या घ्रव्यविहन नियाजक से घपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या ग्रन्थ पदधारी धावण्यक समझता है,
- (अ) ऐसे प्रधान या प्रव्यविहित नियोजक के ग्रिंधियोगाधीन किसी कारखाने स्थापन कार्यालय या ग्रन्थ परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना भ्रीर उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन भ्रीर मजदूरी के सदाय से सबन्धित ऐसे लेखा, बहियां भ्रीर ग्रन्थ वस्तावेज ऐसे निरीक्षक या भ्रन्य पद्धारी के समक्ष प्रस्तुत करे भ्रीर उसे उनकी परीक्षा करने दे, या उसे ऐसी जानकारी दे जिसे बह ग्रावण्यक समझाता है। या
- (ग) प्रधान या प्रत्यविहन नियोजक की उसके श्रीभकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी घ्यक्ति की जो ऐसे कारखाने स्थापन कार्यालय या श्रन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या ग्रन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना ; या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या ग्रन्य परियर से रखे गए किसी रिजस्टर लेखाबही या ग्रन्य दस्तावेज की तकल नैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

[स० एस-38014/30/81-एच०भ्राई०]

## स्पष्टीकारक ज्ञापन

इस मामले, में छट को भृतलक्षी प्रभाव देना आक्ष्यक है। गया है क्योंकि छूट के लिए धावेदन में प्रक्रमण में विलिम्बिश हो गया है? तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि भृतलक्षी प्रभाव में छूट दिए जाने से किसी के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

SO, 3146.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of In Ua in the Ministry of 1 bour No. SO, 2695 dated the 14 h September, 1981 the Central Government hereby exempts Bharat Electronics Limited, Ghaziabad, a public Sector Undertaking under the Ministry

of Defence from the operation of the said  $Ac_1$  for a further period of one year with effect from the 1st July, 1981 upto and inclusive of the 30th June, 1982.

- 2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—
- (1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such purticulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950:
- (2) Any inspector appointed by the Corporation under subsection (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
  - verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
  - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
  - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
  - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

he empowered to --

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary, or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal of immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal of immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office of other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

{No. S-38014/30/81-HJ}

## EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

कारुष्ठार 3147-- मैसर्स कोयम्बतूर वायनियर मिलन लिमिटेड, बी मिल्स कोयम्बतूर-19 (तिमलनाड् 1038) (जिसे इसमें इसके पण्चास् उपन स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि धौर प्रकीणे उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उस्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन कृष्ट दिए जाने के लिए आयेदन किया है; श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रीभदाय या प्रीमियम का सदाय (कए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और एमें कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदा में अधिक श्रमुक्ल है जो कर्मचारी निक्षेप सहस्रख बीमा स्कीम 1976 (जिस इसमें इगके पण्चान् उक्त स्कीम कहा गया है) क अधीन उन्हें श्रमुक्त है.

श्रत केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त लक्तियों का प्रयोग करने हुए श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रमुसूची में विनिधिष्ट शर्तों के श्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वय की श्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन में छूट देती है।

## अमुसुचे(

- : उक्त स्थापन के सबन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि बायुक्त, तमिलनाडु का ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान कदेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निदिद्ध करे।
- 2 नियाजन, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेंगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के श्रधीन समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3 सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणासन, में जिसके प्रत्नर्गत लेखाओं कारखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमिथम का सदाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का सदाय आदि भी हैं होने वाले सभी व्ययों का वहन नियाजक द्वारा किया जाएगा।
- 4 नियोजक, वेन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, धीर जब कभी उनमें नणाधन किय जाए, तब उस सणाधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का प्रनुवाद स्थापन के सूचना-पहु पर प्रदर्णित करेगा।
- 5 यदि कोई ऐसा कमंचारी जो कमंचारी भीवरय निश्वि का या उक्त श्रिश्चित्तयम के श्रश्लीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निश्चि का पहले ही सदस्य है उसक स्थापन में नियाजित किया जाता है, ता नियाजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा श्रीर उसकी बाबत श्रावण्यक श्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निसम को सदस्य करमा।
- 6 यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढाए जात है तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में ममुखित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कि वर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों में अधिक अनुकृत हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकोय है।
- 7 सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बाल के हाने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन गरेय रकम उस रकम में कम है जो कर्मचारी को उस बणा में सदेय होती जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस/नामिनिर्देणिनी को प्रतिकर के रूप में दानो रकमों के धन्तर के बराबर रकम का सदाय करेगा।
- ४ सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रावेशिक भविष्य निधि श्रायक्त, निम्लनाष्ट्र के पूर्व श्रनुमोदन के विना नहीं किया जाएगा श्रीर पटा किसी संशोधन से कर्मजारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संशोधना हो बहा, प्रावेशिक भविष्य निधि श्रायक्त,

स्रपना श्रनुमादन देने ुमें पूर्व कर्मचारियों को भ्रपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का मुक्तियुक्त श्रथसर देगा।

- 9 यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्थाम के जिसे स्थापन पहले प्रपन। चुका है प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्वीम के ग्रधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले फायदे किसी राति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियन तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बोमा नियम नियन करे, प्रीमियम का सदाय करने से अमफल रहता है, और पालिसी को व्यवगत हा जाने दिया जाता है तो छुट रह को जा सकती है।
- 1.1. नियाजन क्वारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिद्दाशितयों या विष्धक वारिसों का जो यदि वह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्काम के प्रन्तर्गत होते. बीमा फायदों के सदाय का उत्तरदायित्य नियोजक पर होंगा।
- 12. उक्न स्थापन के सबन्ध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु हान पर उसके हकदार नामनिर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का सदाय तत्परता से श्रीर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बासा निगम में बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर भृतिश्चित करेगा।

[स॰ एस- 35014(42)/02-वी एस-11]

S.O. 3147.—Whereas Messrs Coimbatore Poincer Mills Limited, 'B' Mills, Coimbatore-19 (TN/1038) (hereinafter referred to as the said establishment) have been applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (heremalter referred to as the said Schme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, 10m time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All exepnses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Instrumce Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees

- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately emot him as a member of the Gorup Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arringe to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the deith of an employee the amount puyable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme the employer shall pay the difference to the lgal heir/nominee of the employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment of the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is hable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees of the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said S hence but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(42)/82-PE-H]

कार आर 3148.— मैसर्स कार्टबील स्पिनिंग मित्स प्राइवेट लिमिटड 50-मी, वेक्टस्थामी रोड वेस्ट, ग्रार एसर प्रमानकोयम्बतूर-641002 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारे भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रिशिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के ग्रिधीन एट दिए जाने के लिए ग्रावेदन किया है,

और केन्द्रीय सरकार ना समाधान हा गया है कि उनत स्थापन के कर्मचारी, निर्मा पृथक धाणिदास या प्रीमियम का सदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा गिगम की सामृहिक वीमा स्वीम के धयीन जीवन बीमा के ह्या रहे हैं और ऐसे कर्मचारिया के लिए य फायदे उन फायदों से आधिक अनक्ल है जो नर्मचारी निक्षेप सहबंद्ध बीमा स्थाम 1976 (जिसे इसके पण्चाय उक्त रंकी स कही गया है) के अधीन उन्हें धन्तीय हैं

े श्रत केन्द्राच गरकार, उसन श्राधिनयम की धारा 17 का उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शरिनयों का प्रयोग करने हुए यौर इससे उपीबद्ध श्रानुमुखी में श्रिनिदिष्ट प्रती के श्राधील रहत हुए, उथन स्थापन को तीन वर्ष की श्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी पवधी के प्रतिन से छुट देशा है।

# अन्युची

- 1 उक्त स्थापन के सबक्ष म नियाजक गार्दणिक श्रीवस्य निधि प्रायुक्त, तिमलनाइ वो ऐसी विवरणिया भेजेगा और में लेखे ररामा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाण प्रदान करेगा जो केन्द्राय संस्कार, संभव समुद्र पर निर्दिष्ट करें।
- 2 नियाजक, एसे निर्शाक्षण प्रभाग का प्रस्थेक मांग की समितित के 15 दिस के भीतर सक्षाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिशिनयम या धारा 17 की उपबारा (3य) के खण्ड (य) के सधीन समय समय पर निदिष्ट करें।
- 3 सामृहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके ग्रन्तर्गत नेवाधा का रखा जाना विश्वरणियों का प्रस्तृत किया जाना, श्रीमा प्रीमियस का सदाय, तेवाधों का धनरण मिरीक्षण प्रभारा का सदाय भादि भी हैं। होने याले सभी व्ययों का यहन नियोजक ग्रांग किया जाग्गा ।
- 4 तियाजक, केडीय सरकार द्वारा थय। प्रतृपादित सामहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति श्रीर जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, सब उस संगोधन की प्रति तथा कमेचारियों की बहुसख्या की भाषा में उमकी एएस बाता वा धनवाद, स्थापन के सुखना-पट्ट पर प्रदेशित करेगा।
- 5 यदि काई ऐसा कर्मभारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त प्रश्चित्तयम के प्रधीन छूट प्राप्त किसो स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक, सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नीम तुरस्त दर्ज करेगा धीर उसकी बावत ध्रावण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदल करेगा।
- 6 प्रदि उत्तन स्कीम के ग्रधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाय जाते हैं तो, नियाजक सामृहिक बीमा स्कीम के ग्रधीन वर्मचारिया को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से बृद्धि की जान को स्ययस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बामा स्कीम के ग्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से ग्रांतिक ग्रनुकृत हो, या उनत स्कीम के श्रधीन ग्रन जेय है।
- 7 सामृहिक बीमा स्वीम में किसाबार के होने हए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस रचीम के अधीन संदेय रक्षम उस रक्षम में कम है जा कर्मचारी की उस द्रणा में सदय होती जब यह उकत स्कीम के अधीन हाता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस/नामनिद्रणिती की प्रतिकर के रूप में दोनी रक्षमों ने अंतर के जराबर रक्षम का सदाय करेगा।
- प मामृहिक वीमा स्कीम के उपबन्धों में काई भी मंगोधन प्रदेशिक मिलप्य निधि ग्रायुक्त, तमिलनाडू के पूर्व धनमादन के विना नहीं किया आएगा श्रीर जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत ने भाव पटने की संभावना हो तहा, प्रादेशिक भविता निधि श्रीयुषा, श्राइना श्रान्मोदन दें। में प्रत कर्मचारिया को ग्रंपना दिष्टकोण स्पष्ट करने का युक्ति- युक्त ग्राम्पन ग्रंपन श्रापन देंगा।
- 9 प्रदि भिन्नी कारणवण, स्थापन के कमंत्र की, शक्तीय जीवन बीमा निगम की सामृत्रिक शीमा स्कीम भे जिसे स्थापन पत्री अपना चुका है अजीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के अधीन क्ष वारिया की प्राप्त होने याने फायदे किसी शीन से कम हा जाने हैं, ना स्य छठ रह का जा सकतें। हैं।
- ा। यदि किसी कारणवण, नियोजन ास नियन नारीय के शीनर, जा भारताय जाबन बीमो नियम नियत कर, प्रीमियम को सदाय करने स स्रमफल (हमा है, फ्रॉट पासिसी को व्यवस्थ हो जाने दिया जाना है ती. छुट रह की जा सकती है।

- .1 नियातक द्वारा शामियम वे संदाय में किए गए किसी प्यति .म का दणा में, उन गृत सदस्या के नामीलदीवनियों या विधिक वारिसों का जा यदि पर, छूट न दी गई हाती हा एक्न स्कीम के श्रव्यात होता, बीमा फायश के सदीय का उनश्वायित्व नियातक पर होगा ।
- 1.2. उनते स्थापन के सबध स नियाजक, इन स्वोम के ख्रुबीन खाने बाले किसी सबस्य की मृद्य हीन पर उसके हकता नाम निविधानिया/विधिक थारिनों का जीमाकृत रकम का सदाय तत्त्वरता ने ख्रीर प्रत्येक देणा में भारतीय जीवना बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्रात हान के सात दिन के भीतर सनिविधत करेगा ।

## [स॰ एस॰-35014(43)/82-पे. एक []]

S.O. 3148.—Whereas Messis Cordweel Spinning Mills Private Limited, 59-B, Venkataswamy Road West, R. S. Puram, combatore-641002, thereinafter referred to as the said establishment) have been applied for exemption under sub-section 2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter effected to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the ife Insurance Corporation of India in the nature of Life nsurance which are more favourable to such employees than he benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinalter referred to as the said Schme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2 N) of section 17 of the said Aut and subject to he conditions specified in the Schedule annexed hereto, the central Government hereby exempts the said establishment rom the operation of all the provisions of the said scheme or a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall ubmit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Timil Nadu and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2 The employer shall pay such inspection charges as the entral Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3 All expenses involved in the administration of the 'noup Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the stablishmen, a copy of the rules of 'he Group Insurance scheme as approved by the Central Gozennment and as and when amended along with a translation of the salient features hereof, in the language of the majority of the employees.
- 5 Where the employee, who is already a member of the Imployees' Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in its establishment, the employer shall in mediately ented him is a member of the Gorup insurance Scheme and pay necessity premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- to the employer shall alrange to cuhance the benefits vailable to the employees under the Group Insurance scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the enerties available under the Group In urance Scheme are note fevourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7 Notwithstanding anything container in the Group Inurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less, than the amount that

would be payable had employed been covered under the said Scheme, the employed shall pay the difference to the legal hear/nominee of the employed as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Lind Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Lind Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view
- 9 Where for any reason the employees of the sstablishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment of the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be hable to be cancelled
- 10 Where for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is hable to be cancelled
- If In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees of the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this examption, shall be that of the employer.
- 12 Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heits entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insulance Corporation of India.

[No. S-35014(43) /82-PI-JI]

कालआं 3149 - भीममं णिवकामी मित्स लिमिटेड, थेनूर, भदरैं (तिमलनान) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त स्थापन कहा गया है) ग कर्मचारी भियाय निश्चि और प्रकीण उपबन्ध श्रीधिनियस, 1952 (1952 वा 19) (जिसे इसमें इसके पश्चान उक्त श्रीधिनयस कहा गया है) की धारा 17 की उपभारा (2क) के अश्रीन छट दिए जाने के लिए श्रावेदन किया है,

श्रीर केन्द्रीय संस्थार का समाधान हा गया है कि उकत स्थापन के कमेचारी, किसी पाक श्राभदाय या श्रीमियम का सदाय किए विना ही, अरतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं श्रीर ऐसे वर्मनारियों के सियं ये कायद उन फायदों से शिधन श्रनुकल है जा वमचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1977 (जिसे इसमें क्सक पश्चान उनन स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें श्रनकेष है

श्रत केन्द्रीय सरकार उक्त श्रीधिनियम की प्रारा 17 की उपवारा (एक) द्वारा प्रदेश शक्तियां का प्रधान करते हुए और इसमें उपाबद्ध श्रतसूची में विनिधित शनौं के अधीन रतन हुए उक्त स्थापन का तीन क्यों की अवधि के लिए उक्त स्कीम वे सभी उपयक्षों के प्रवर्तन से एट देती हैं।

# अनस**च**ी

- । उबत स्थापन क सबध में निर्णाजक प्रार्थिक भूथिय निधि धायान, भूमिलनार का ऐसी विवरणिया गेरेगा धीर एसे लेखा रखगा सथा निर्णक्षण के निष्ण ऐसी मुखिबाए प्रदान करणा जो केरद्रीय संस्कार, समय-समय पर निविद्य करें।
- 2 नियाजक, एस निर्शक्षण प्रभाग का प्रत्येक माम की समापित थे कि दिन के भीतर सदाय करणा को केन्द्रीय गरकार, उस्त स्पर्धान्यम की धारा 17 की उपतारा (कि) के खाउ (क) के ध्रधीन समय समय पर निक्षित कर ।

- ं सामृहिक बीमा स्क्रम के प्रशासन सं, शिसके ग्रन्तपन लेखान्नों ना रखा जाना, त्रिवरणियों का प्रस्तुत निया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, लेखान्नों का प्रतरण, निरीक्षण प्रभाग का सदाय क्रादि भी है, उन वाने सभी व्ययों का बहन नियाजक द्वारा किया जाण्या।
- । निधाजक, कंन्दीय सरकार द्वारा यथा अनुमादित सामूहिक दीमा रक्षीम ने नियमा की एक प्रति, और जब कभी उनमें सणीधन किया जाए, तब उस सणाधन की प्रति सथा कर्मचारियों की बहुम्क्या के, भाषा भे उसकी भूक्य बानों का अनुवाद स्थापन के स्वना पट्ट पर प्रदर्भाणत करना ।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी श्रविष्य निधि का उन्नत्र प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की स्विष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है ता, नियोजिक, साम्हिक बीमा स्वीम क सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त देज करेगा भीर उसकी बाबत भावश्यक प्रीमियम श्रास्तीय जीवन बीमा निगम का सदस्य करेगा।
- ( यदि उनन रक्तिम के अधीन कमलारियों को उपलब्ध फायदे व 10 जात है तो, नियाजक मामृद्धिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदों में ममृद्धित रूप में युद्धि की जात की व्यवस्था फरगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृद्धिक दीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों में अधिक अनुकृत हो जा उनन स्वीम के अदीन अन्ज्य है।
- 7 साम्हिक शीमा स्कीम में किसी बात के होत हुए भी, यदि किसी कमवारी की मध्य पर इस स्कीम के अबीन मदैह रकम उस रकम में कम है की कमवारी का उस दक्षा में सदैह होती जब वह उक्ष्म स्कीम के अधीन होता ता, नियाजक कमवारी के विधिक वारिस्त/नामनिर्देणित। वा प्रतिकर के हा में दीनों रकमों के अतर के सराबर रकम का सदाय करना ।
- ५ सामहिक वीमा स्कीम के उपबंधा से काई भी सबोधन, प्रावेणिक स्वित्य निधि धायुवन, तीमलनार के पूर्व ध्रनुमोवन के बिना नर्श वित्या जाएगा और जहा किसी संशोधन से कर्मचारिया के हिन पर प्रतिकृत प्रसाय पटन की संशोबना हा वहा, प्रावेणिक ₊विष्य निधि सायुवन, ध्रपना ध्रप्तादन देन से पूर्व कर्मचारियों का ध्रपना द्वृद्धिकाण स्पष्ट करन का युवनियुवन ग्रवसर देवा।
- ५ यदि किसी कारणवश स्थापन के कमनारी, भारतीय जीवन शीमा निगम की उम सामृहिक बामा स्काम क, जिसे स्थापन पहले अपना क्वा है अजीन नहीं रह जात है या इस स्क्रीम के अर्थान कमशारियों की प्राप्त होने बाले फायर किसी राति से कम हा जाते है, सा यह छूट रहे की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवर्ग नियाजक उस नियन सारीख़ के भीतर, आ भारतीर जीता बारा तिस्त नियत को प्रास्त्रम की सदाय करते में ग्रमकल रहता है, श्रीर पालिसी का व्यवगत हा जाने दिया भाता है ता, छुद रह की जा सकती है।
- 11 नियाजक द्वारा पीमियम के मदाय में किए गए किसी व्यति-पम की दशा में, उन भूप सबस्यों के नामनिद्राणितिया या विश्विक वारिसा को जो यदि यह, एट न दी गई होती तो उक्त स्वीम के अन्तर्गत होते, वीमा फायदों के संदाय का उन्तरदायिस्य नियाजक पर हागा।

**S.O. 3149.**—Whereas Messrs Sivakami Mills Limited, Thenur, Madurat (Tamil Nadu), thereinafter referred to as the said establishment have been applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Vet 1952 (19 of 1952) thereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

#### SCHFDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of acturns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Gorup Instituance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 the employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more fivourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7 Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the sold 8 heme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nomnee of the employee as compensation.
- 8 No amendment of the provisions of the Group Insurance S heme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view
- 9 Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Schme of the Life Insurance Corporation of India as already extracted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manual, the exemption shall be liable to be cantilled.

10. Where for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

-- .-- -- ---

- --- .

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees of the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said S heme but for grant of this examption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India,

[No. S-35014(44)/82-PF-H]

का० आ० 3150— मैसर्स टेज मेडिकल स्टार्स (मैन्य्फैक्चिरिंग) लिमिटेड, 6/डी लिडेसे स्ट्रीट कलकत्ता-700016 (जिसे इसमें इसके पण्चात् उपन स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भिवष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध ग्रिधिनियम 1952 (1952 का 19 जिसे इसमें इसके पश्चान उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है कि धारा 17 की उपधारा (2क) के ग्रिधीन छट दिए जाने के लिए ग्रावेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीय गरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थानपन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के श्रवीन जीवन बीमा के स्प में फायदे उठा रहे हैं श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों में श्रधिक श्रनकृल हैं जो नर्मचारी निक्षेप सहस्रद्ध बीमा स्कीम 1976( जिसे इसमें पण्चान् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें श्रन्तोय है,

श्रृत केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रृष्ठिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदन्त णिवनियों का प्रयोग करते हुए और इपने उपाबद्ध श्रुत्पूची में बिनिदिष्ट शर्तों के श्रृष्ठीन रहते हुए, उक्त रथापन को तीन वर्ष की अविध के तिए उक्त स्थापन को नान वर्ष की अविध के तिए उक्त स्थापन के नान उपभा है प्रवर्तन में छूट देती है।

## अनुसूची

- उक्त स्थापन के संबंध में नियाजक प्रविधिक भविष्य निधि प्राय्क्त पश्चिम बंगाल को ऐसी विवरणिया भे जेगा श्रीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निविष्ट करे।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (अक) के खण्ड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिन्द करें!
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके श्रन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, वीभा श्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अतरण, निरीक्षण प्रभारों का सदाय श्रादि भी है, होने बाने सभी ब्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, श्रीर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसक्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का श्रनुवाद, स्थापन के सूचना पट् पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी मिलेप्य निधि का या उक्त अधिनयम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापन की भिशिष्य निधि का पहले ही सबस्य है उसके स्थापन में नियाजित किया जाता है तो, नियोजिक, सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के सप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वाबत अविषयक श्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदत्त करेगा।

- 6 परि उक्त स्कीम के युक्ति कर्ममारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में तमृचित रूप से युद्धि की अने की ध्यवस्था बड़ेगा जिससे कि कर्मचारियों है लिए संसृष्टिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनक्ष हो जो उक्त स्कीम के प्रधीन अनुजेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा जीम में किसी बात के होते हुए, भी यदि किसी कर्मजारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन सदेय रकम उस रकम में कम है जो कर्मजारी को उस दशा में सदेन होती जब बह उक्त रुर्कण के अधीन होता ता, नियानक कर्मजारी के विधिक बारिस / नामनिर्दाणनी का प्रतिकर के रूप में दोनी रकमा क अतर के बराबर रकम का भदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में काई भी सणाधन, प्रादेशिक भिष्यय निधि भ्रायक्त, पश्चिम बालि के पूर्व अन्मोदन के बिना नहीं किया जाएगा श्रीर जहां किसी सणोधन सं कर्मसारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सभावना हो वहां प्रादेशिक भिवच्य निधि भ्रायुक्त, यपना अनुमोदन देने से पूर्व करनी का स्रक्तियक्त भ्रयगर देगा!
- 9 यदि किसी कारणविषा, स्थापन के कर्मकारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहित बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपता अुका है प्रधीन नहीं रह जाते हैं, यह इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों का प्राप्त होने वाल फायदे किसी रीति से कम हा जाते है ता यह छूट रह की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत कर, प्रीमियम का सदाय करने से असफल रहता है, और पालिसी को व्यक्तक हो जाने दिया जाता है तो छट रहे की जा सकती है।
- 11. िनयोजक द्वार। प्रोमियम के सदाय में किए गए किसी व्यानिकम की दणा में, उन पून सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक बारिकों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उदत स्कीम के अन्तर्गत झोत. श्रीमा फायदी के सदाय का उत्तरस्यायित्व नियोजक पर हागा।
- 1.2 उक्त स्थापन के सबक में नियाजक इस स्कीम के अधीन आने थाले किसी सदस्य की मृत्य होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितिया/ विधिक थारिसी को बीमाकून रकम का सदाय तत्परता से और प्रत्यक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम भी बीमाकृत दिनम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिशिचित करेगा।

[स॰ एस-35014/55/82-**भा**० नि०-2]

S.O. 3150.—Whereas Messrs Dey's Medical Stores (Manufacturing) Limited, 6-D. Linds ay Street Calcutta-70-0016 (hereinafter referred to as the said establishment) have been applied for exemption under sub-vection (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the power, conferred by sub-section(2 V) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Cent al Government he eby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall subrit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner West Bengal and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the asid Act, within 15 day, from the close of every month.
- 3. All exceptses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4 The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees
- 5. Where the employee, who is already a membe, of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an es ab ishment exempted under the said Act, 15 employed in his establishment, the employer shall immediately errol him as a member of the Gorup Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Schme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Schme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Lafe Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assumace benefits to the nominees of the legal heirs of decreased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the

nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(55)/82-PF-11]

का० आ० 3151.—मैसर्स मैसूर सेल्स इन्टरनेणनल लिमिटेड, एम० आई० एस० स० हाउम 36, भनिगम रोड, अगलीर-560052 (फ० एन० / 3964) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इममें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छूट विए जाने के लिए प्रावेदन किया है;

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्ष्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रिभवाय या प्रीमियम का संवाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के भ्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं भ्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से श्रिधिक श्रनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पण्चान उक्त स्कीम कहा गया है)। के श्रधीन उन्हें श्रनुक्रेय हैं;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शतों के श्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

# अनुसुची

- 1 उक्त स्थापन के सबध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, कनार्टक को ऐसी विवरणिया भेजेगा घीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निदिष्ट करे।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय केरेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त धिक्षित्यम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय समय पर निदिष्ट करे।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके ध्रन्तर्गत लेखाद्यो का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमाप्रीमियम का सदाय, नेखाध्रो का ध्रंतरण, निरीक्षण प्रभारों का सदाय ध्रादि भी है होने बाले सभी ब्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुभोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमो की एक प्रति, भौर कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मजारी, जो कर्मजारी भविष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के अधीन क्कूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले हो सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक, मामूहिक सीमा स्कीम के सदस्य के रूप मे उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा स्रौर उसकी वावन श्रावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यवि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे वहाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से बुद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अमृक्ष स्मृत्य है।

609 GI/82-16.

- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी. यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के ब्राधीन सदेय रकम उस रकम में कम है जो कर्मचारी को उस बगा में सबेय होती जब वह उक्त स्कीम के ब्राधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिम/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोंनो रकमों के ब्रांतर के बराबर रकम का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त कर्नाटक के पूर्व प्रनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा धौर जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रावेशिक भविष्य निधि प्राक्यून, प्रपना प्रनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा तिगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपता चुका है प्रश्नीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह् की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत नारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमिथम का संवाय करने में ग्रमफल रहता है, ग्रीर पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रहू की जा मकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के ध्रन्तर्गत होते बीमा फायदों के सदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 1 2. उनन स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन प्रानं वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितियो/ विधिक बारिसो को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परना से प्रौर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमा कृत रकम प्राप्त होने के सात विन के भीतर मुनिश्चित करेगा।

[सं० एस० 35014 / 115 / 82-पी० एफ-2]

S.O. 3151.—Whereas Messrs Mysore Sales International Limited, MISL House, 36, Cunningham Road, Bangalore-560052 (KN/3964), (hereinafter referred to as the said establishment) have been applied for exemption under subsection (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schodule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Karnataka and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benets to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exmption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(115)/82-PF, II]

कार अगर 3152.— मैसर्स आई जी है (इंडिया) लिसिटेड निर्मेल 17वीं भंजिल, नारिमन पांइट, बन्बई-400521/एम०एच०/4043, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भिषय निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीम छूट थिए जाने के लिए धायेवन किया है;

ग्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पुथक ग्राभिवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के अश्वीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मवारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अश्विक अनुकूल है जो कर्मवारी निअप सहस्रक बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पण्यान् उक्त स्कोम कहा गया है) के अश्वीन उन्हें अनुक्षेय हैं;

भतः केन्द्रीय सरकार, उकत भिधितियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करके हुए भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में विनिधिट शर्तों के प्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापना को तीन वर्ष की भवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट वेती है।

## ब्रनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्राटेशिक भविष्य निर्धि भ्रायुक्त, महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रस्तांत लेक्नामों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय लेखामों का भंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय प्राप्ति भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नि जिक द्वारा किया जाएगा ।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा प्रनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति , घौर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो वर्मचारी भविष्य निधि का या उक्स श्रीधिनियम के श्रीकीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजिन किया जाता है तो, नि जिक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्न वर्ज करेगा और उसकी बाबन ग्रावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बोमा निगम की संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बहुए, जाते हैं सो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचरियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदें उन फायदों से प्रक्षिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन अनुक्षेप हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मवारी की मृत्यु पर इस स्कीम के घडीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मवारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के घडीन होता तो, नियोजक कर्मवारो के विधिष घारिस/नामनिर्वेशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के घंतर के बराबर रकम क, संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन , प्रावेशिक शिवच्य निधि भ्रायुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा ग्रीर जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि भ्रायुक्त, भ्रपना मनु-मोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-यक्त श्रवसर देगा।
- यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रथत। चुका

हैं अर्धीन नहीं रह जात है, या उस स्क्रीम के प्रधान कर्मवास्थि। का प्राप्त होने वाली फायदे किसी रीति स कम हो जात है, ता यह छट रदद की जा सकती है।

- 10- यदि किसो कारणयण, नियाजर उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत कर, प्रीमियम का सराय करने में श्रमकल रहता है, श्रीर पोलिसी को बन्यगत हो जाने दिया जाने हैता, छट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियाजक द्वारा प्रीमियम के सदाय में कि? गए किसो स्यितिकमी की बणा में, उन मृत सदस्यों के नामिनिर्देशियिया या विधिय प्रास्त्रितों का प्रायित यह, खुट ने दी गई होना ना उत्तर साम के चरनर्गत होने, बीमा फायदी के सदाय का उत्तरदायित्य नियाजक पर हागा।
- 12 उन्ने स्थापन के सबध में नियाजिक , इस स्कीम के क्षर्धान आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हरुदार न(मनिर्देणि वा/विधिक्ष वारिसो को बीसाकृत रक्षम को सदाय तत्यरता से श्रीर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन दीमा नियम से बीमाकृत रक्षम प्राप्त होते के लात दिन के भीतर मुनिश्चित करेगा ।

[स॰ एस-35014/117/82-पी॰एफ -2]

S.O. 3152.—Whereas Messis I, G. E (India) Limited, Nimal 17th Floor, Nariman Point. Bombay-400021 (MH/4043), (hereinafter referred to as the said establishment) have been applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nautre of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 1, of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

# SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice toard of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the stud Act, is employe in his establishment, the employer shall immediately emol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
  - 609 GI/82-17.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits as ulable to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything centained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insujance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be hable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the Policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the I ife Insurance Corporation of India.

[No. S 35014(147)/82-PF, III

का० आ० 3153 — मैंसर्स के० एत० राटी स्टील लिमिटेड, 3-ए, वंदता, 11, टालस्टाय मार्ग, नई विल्ली-110001 (दि०/3365) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) ने कर्मधारी भवित्य निधि ग्रीर प्रकीण उपवस्य ग्राधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्राधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रयोग छट विए जाने के लिए श्रावेदन किया है

त्रीर केन्द्रीय मरकार का ममाधान हो गया है कि उन स्थापत के कर्मचारी, किसी प्यक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए जिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के प्रश्नीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उटा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से प्रधिक अनुकल है जो कर्मचारी निश्रेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे रूपमें इसके पश्चान् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें श्रन्ज्ञय है;

अस केन्द्रीय मरकार उक्त अधितियम की धारा 17 की उपधारा (2क) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपावक अनम्बं। में विनिधिब्द णतीं के प्रधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की प्रविधि के लिए उक्त स्थीप के सभी उपविधों के प्रवर्णन में छूट देती है।

# अनुसूची

1 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायक्त, दिल्ल का ऐसी विवरणियां मेजेना प्रोर ऐसे लेखा रखेगा तथा निर्माक्षण के लिए ऐसी मुक्तियों प्रदान करना जा के होय सरकार, समय समय पर निदिष्ट करें।

- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागें का प्रत्येक मास की सभागि के 15 दिन के भीमर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (उक्त) के खण्ड (क) के प्रशीन सनय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन मे, जिक्को प्रस्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवर्णपयो का प्रस्तुन किया जाना, बीमा प्रीमियम का सवाय, लेखाओं का प्रभरण, निरीक्षण प्रभारों का सदाय प्रावि भी है, होने वाले सभी थ्ययों का बहुन नियोजन द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियं जक, केन्द्रीय सरकार द्वारा तथा अनुमोदित लामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, घौर जब कभी अनभे संबोधन किया जाए, तब उस संबोधन की प्रति तथा कौनारियों की बहुमध्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का श्रमधाद, स्थापन के सुनता-पट्ट पर प्रदीगत करेगा ।
- 5. यदि कोई ऐसा कमंत्रारी, जा कमंत्रारी भित्रष्य निधि का या उक्त श्रिक्षितियम के श्रिश्चीन छुट प्राप्त किसी स्थापन को भित्रण निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोति किया पाना है ता, नियोजक सामृद्धिक श्रीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्य के करेगा, श्रीर उसकी झालत आवण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम का सदन्त करेगा।
- 6 यदि उक्त स्कीम के प्राधीत कर्मणारियों का उपलब्ध फायरे बढ़ाएं जाते हैं तो, नियों जक सामृद्धिक बीमा स्कीम के प्राधीत कर्मणारियों की उपलब्ध फायशे में समिष्टित रूप में वृद्धि की जाते की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मणारियों के लिए सामृद्धिक बीमा स्कीम के प्राधीत उपलब्ध फायरे उन फायरों में प्राधिक प्रतकृत हों, जो उक्त स्कीम के प्राधीन प्राधीत है।
- 7 सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन सदेय रकत उस रकत से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक धारिस/नामनिर्देणिती को प्रतिकर के रूप में दोनो एकमों के अंतर के बराबर रक्तम का सदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में काई भी संशोधन, प्रादेशिक भिवण्य निधि, प्रायुक्त दिल्ली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रिकृत प्रभाव पड़ने की समावना हो बहा, प्रादेशिक भिवण्य निधि प्रायुक्त, प्रपत्। श्रनुमादन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रपत्ता दृष्टिकोण स्पष्ट करने का यूकिन्युक्त प्रवसर नेगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीसा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना लुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारि के आपल होने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, ता पह छूट रद्द की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवण, नियोजका उस नियन तारीख के भीतार, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियन करे, प्रीमियम का मंदाय करने में भ्रमंकल रहता है, भ्रौर पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यक्तिकम की द्वा में, उस मृत गदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जा यदि यह, छट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के श्रन्तगैन होते, बीमा फायबों के संदाय का उन्तरदायिन्व नियोजक पर होगा।
- 12. उबत स्थापन के सबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने बाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितियो/विधिक बारिसों को बीमाकृत रकम का सदाय नत्यरना से और प्रत्येक दणा में

भारतीय जीवन वीमा निगम से वीमाकृत स्वासप्राः होते के सः। दि । के भीतर गुनिभिचन करेगा ।

[मं० एम०-3501 4/188/82-स०नि०(ii)]

S.O. 3153.—Whereas Messrs K. L. Rathi Steels Limited, 3-A, Vandhna, 11, Tolstoy Marg, New Delhi-110001 (D1/3365), (hereinafter referred to as the said establishment) have been applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amendment along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favouable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall borne giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason the employer fulls to pay the premium within the due date as lixed by the Life Insurance Coropration of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, it any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemptions, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Coropration of India.

[No. S-35014(188)/82-PF. II]

# मई दिल्ली, 21 भ्रगस्त, 1982

का०आ० 3154 मौनर्स महेग्बरी मिल्स लिमिटेड, णाई।बाग मार्ग, भहमदाबाद-380004 (जी०जे०/309), (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध श्रिधिनियम, 1952 (1952 क. 19) जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त श्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के श्रिधीन छूट दिए जाने के लिए श्रिवेदन किया है;

श्रीर केस्त्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उसन स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक श्रीभदाय या प्रीमियम का सदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के श्रवीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उटा रहे हैं श्रीर ऐसे कमनारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से श्रीधक श्रमुकृल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहब्रद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पण्यान् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें श्रमुक्षेय है,

भ्रत. केन्द्रीय सरकार, उक्त भश्रिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर इसमें उपाबद्ध भ्रतुमूची में विनिर्दिष्ट णनों के श्रिशीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की भ्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन में छूट देती हैं!

## अनुसृचरि

- । उक्त स्थापन के सबध में नियोजक प्रादेणिक भविष्य निधि ग्रियुक्त, ग्रह्मदात्राव को ऐसी विवरणिया भेजेगा ग्रीर ऐसे लेखा रखेगा नथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुबिधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निविष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निर्राक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेंगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनयम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के श्रधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्काम के प्रणासन में. जिसके श्रव्यान क्षकाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदास, लेखाओं का श्रन्तरण, निरीक्षण प्रभारों संदास आदि भी है, होने बाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक हारा किया जाएगा।

- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमीदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमी की एक प्रति और जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, तब उस संगोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि काई ्रेसा कर्मचारी, जा कर्मचारी भविष्य निश्चि का या उत्तन अधिनियम के अधान छूट प्राप्त किया स्थापन के भविष्य निश्चि का पहले ही सवस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामृहिक वीमा स्कीम के सदस्य के चय में उसका नाम नुरस्त दर्ज करेगा श्रीर उसकी बाबत श्राधश्यक श्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निशम को सदल करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के यहीत कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाएं जीते है तो, नियाजक मामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदी में गमुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेग, जिससे कि कर्मच,रियों के लिए गामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदें उन फायदों से अधिक अनुकृत हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकेष हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अर्धात संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती जब बहु उतन स्कीम के अर्धीत होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में बोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संवाय करेगा।
- अ. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेणिक भिवष्य निधि प्रायुक्त, प्रहमदाबाद के पूर्व प्रनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा धीर जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भिवष्य निष्टि ध्रायुक्त अपना अनुसादन देने से पूर्व कर्मचारियों का श्रपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिमृत्रक श्रयसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उम सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अर्धान नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अर्धान कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियन नारीख के भीतर, जो भारतीय जोबन बीमा नियम नियन करी, प्रीमियम का संदाय करने में ग्रमकल रहता है, ग्रोर पालिसी की व्यवसन हो जाने दिया जाता है तो, छुट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक बारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिक क्षेत्र की देशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिमों की जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उत्तर भकीम के अस्तरीत होते, बीमा फायदी के सदाय का उत्तरकायिक नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सबध में नियांत्रक, इस स्कीम के अवीन प्राते वाले किसी। गदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देणिनियों/ विक्षित्र वारिमों को बीमाकुन रक्तम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दण। में भारतीय जीवन बीमा निगम में बीमाकुन रक्तम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर गुनिश्चित करेंगा।

[मं० एस-35014/146/82-पी०एफ०-2]

### New Delhi, the 21st August, 1982

S.O. 3154.—Whereas Messrs Maheshwari Mills Limited, Shahibagh Road, Ahmedabad-380004 (GJ/309), (hereinafter referred to as the said establishment) have been applied for

exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (heroinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is sair-fied that the employees of the said establishment are, without making any, separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of The Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shan submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmadabad and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges us the Central Government may, from time to time, direct undulates (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved an the administration of the Group Insurance Schome including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group In urance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majorny of the employees.
- 5. Where the employee, who is aheady a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the Lenefits available under the Group Insurance Scheme are more tavourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nomince of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedal-ad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establish ment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as abready adopted by the establishment of the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where, for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11 In case of default, if any made by thte employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal hears of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(146)/82-PF, II]

कः अर० 3155 मिससं उहुड इण्डिया सिसिटेइ, घरकादिया, 1441 सिजिन, नारिमन पाइंट, बम्बई-400021 (एम०एच०/14765) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कमचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधितियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे दमने इसके पण्चात् उक्त छितियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छूट दिए जाने के लिए छाबेदन किया है,

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक श्रीभदाय या श्रीमियस का संदाय किए बिना ही, भारतीय श्रीयन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के श्राधीन श्रीयन बीमा के च्या में फायबे उटा रहे हैं श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए यें फायदे उन फायदों में श्रीधक श्रमुकृल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चान उक्त स्कीम कहा गया है) के श्राधीन उन्हें अनुजेय हैं!

श्रत केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धार। 17 की उरधीर। (2का) द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करने हुए और इसमें उपाबद्ध धनुसूर्व। में विनिर्दिष्ट णती के प्रथीन रहते हुए, उक्त स्थापन को नान वर्ष की श्रविद्ध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से एट देती है।

# अनुसूचरे

- । उनन स्थापन के सबध में नियाजक प्रावेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त, महाराष्ट्र का ऐसे। विवरणिया भेजेगा श्रीर ऐसे लेखा रखेगा नया निर्मक्षण के लिए ऐसी सुविधार प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निविध्ट करें।
- ृ नियां जक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा को केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधि-नियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के ब्रधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- उ सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रत्यांत लेखाया का रखा जाना विवरणियां का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, लेखाया का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारा का संदाय प्रादि भी है, होने बाले सभी व्ययों का वहन नियाजक द्वारा किया जाएगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा श्रवमादिन सामृहिक बीम, स्कीम के नियमों की एक प्रति, श्रीर जब कभी उनमें संशोधन किया जार, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मजारियों की बहुमख्या की संपा में उसका मुख्य वानों का श्रन्वाद, स्थापन के सूचना-पटट प्रर प्रदिश्तिकरोगः।

- 5. यदि कोई ऐसा कमचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहिले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक, सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबन आवण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदन्त करेगा!
- 6. यदि उक्त स्कीम के प्रधीन कमंचारियों या उपलब्ध फायदे बहाए जाने हैं तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृज्ञित रूप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेंगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदी में प्रधिक प्रनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के प्रधीन अनुकोष है।
- 7 सामृहिक सोमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि (क्सी कर्मवार) की मृत्य पर इस स्वीम के प्राचीन सदेय रकम उस रकम में कम है जो कर्मवारी को उस द्या में सदेय होती जब यह उक्त स्वीम के प्रवीन होता हो, नियोजक कर्मवारी के विशिक वारिस/नामां में बिलो को प्रतिकर के क्या में दोशो रक्षमों के प्रतर के बराय रकम का सदाय करेगा।
- 8. सामूहिक विश्वा स्कीम के जाबन्धों में कोई भी स्थोधन, प्रादेशिक भिविष्य निधि प्रायुक्त, महाराष्ट्र के एके धनुगोदन के विना नहीं किया जाएगा श्रीर जहां किसी संशोधन में कर्मवारियों के हिन्न पर शिवकूल प्रभाग पड़ित की संभावना हो यहां, प्रादेशिक भविष्य निश्च धायुक्त, अपना अनुगोदन देरे से पूर्व कर्मवारियों को प्रथमा दृष्टिकाण स्माट करने का मुक्तियुक्त श्रयस्य देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण, न्यापन के यसैचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस गामृहिक बीमा न्कीम के, जिमे न्यापन पहले प्रपत्ता चुका है प्रक्षीन नहीं रह आते हैं, या इस स्लीम के श्राचीन कर्मचारियों की प्राप्त होने बारे पागि के किसी रीजि से कम हैं। जाने हैं, तो यह कुट रब्द की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवजा, ियोजक ७२ नियत तारीख के भीक्षर, जो भारतीय जीवन बीभा नियम नियत करे, प्रीमियम का सदाय करने में समक्तन रहता है, और पालिमी को न्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, भूट खुद की जा सकती है।
- 11. नियंश्वक द्वारा श्रीसियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिकत्तम की दणा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विश्विक वासिमों को जो यदि यह, छून न दो गई होती को उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते. वीमा कायवों के संदाय का उत्तरदायत्व नियोजक पर होगा।
- 12 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्वीम के प्रश्नित थाने वाले किसी मदस्य की मृत्य होने पर प्रकार नामनिर्देशिकियों/विधिक वारिमों की बीमाकुत रकम का मदास मुख्य प्रकार से और प्रवेष वहा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के साल दिन के भीवर मुख्यिकत करेगा।
  - [শ০ দ্যা০-35014/148/82-পাঁ০দ্য (ii)]
- S.O. 3155.—Whereas Messes Unde India Limited, Areadia 13th Floor, Nariman Point, Bombay-400021 (MII/14765) (hereinafter referred to as the said establishment) have been applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellameous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of he said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the

benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Governmen hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section  $(3\Lambda)$  of section 17 of the said  $\Lambda$ ct, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir] nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9 Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in pay ment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India

[No. S-35014(148)[82-PF, II]

कार आर 3156 — संसर्भ गीकी एसोस्पट्स, गोपाल बाग, 35, प्रविभागी रोड, कोबाबट्टा-18 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी अविष्य विश्वि प्रीर प्रकार्ण उन्बन्ध प्रधिनियम कहा गया है) का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट किए अति के लिए आवेदन किया है, और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक प्रधिवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना हो, आक्तीय जीवन बीमा निगम की मामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा किए ये कायदे उन प्रायदे उन प्रायदे उन प्रायदे उन प्रायदे उन प्रायदे उन प्रायदे उन प्रवाद वीमा स्कीम 1976 (जिसे इसके पण्चास उन्वन स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें प्रमुखेय है,

श्चन, केन्द्रीय संस्कार उक्त भिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा दल्न पाकित्यों का प्रयोग करते हुए श्वीर इसमें उपात्रद्व अनुमूली में निनिर्दिष्ट शर्तों के भश्चीन रहते हुए, उक्त स्थायन को तीन वर्ष की भ्रवति के लिए उक्त स्काम के भंगी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

## अनु सूची

- 1 जक्त स्थापन के सबाब में नियोजक प्राविक्षिक भवित्व निधि प्रायुक्त तिमिलनाडु को ऐसी विवर्णाणया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय संस्वार, समय समय पर निक्षित्व करे।
- 3. नियोजक, ऐसे निरोक्षण प्रकारों का प्रत्येक माम की ममाध्य के 15 दिन के भीतर मंदाब करेगा जो केन्द्रीय मरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के खधीन समय-समय पर निविद्य करे।
- उ मामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में , जिसके ब्रन्संगत लेखाओं का एखा जाना, विधाणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रभिथम का संवाय, लेखाओं का बीकणा, निरीकण प्रभागे का गवाय ब्रावि भी है होमें बाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाण्या।
- 4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा प्रनुमोदित साम्ब्रिक बीमा स्कीम के मिथमो की एक प्रति भीर जब कभी उसमें सर्गोधन किया जाति सब उस संगोधन भी प्रति तथा कमेचारियों की बहुसंख्या की भाषा से उसकी मुक्य बातों का प्रनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी मिष्ठिय निधि का या उक्त स्वधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की स्वित्य निधि का पहले ही सदस्य है उसके स्थापन में नियोजित किया जाना है तो नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम नुस्त वर्ज करेगा हारीर उसकी अञ्चल धावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम के सवस्त करेगा।
- 6 वर्ष उन्त रकीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाएं जाते हैं ता नियोजक सामृहिक जीम: स्वीम के अधीन कर्मचारियों को

- उपलब्ध फायदों में सभ्धित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिनमें कि वर्मचारियों के लिए सामृहिक वीमा स्कीम के खबीन उपलब्ध फायदें उन फायदों से प्राधिक अनुकृष्य हो जो उक्ष्म स्कीम के अधीन अनुजेय हैं।
- 7 सामृहिक बीमा स्कीम में किसी जान के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सदीय रकम उस स्काम के क्रम है जो कर्मचारी को उस दक्षा में सदेय होती जब वह उतन स्कीम के क्रमीन होता तो नियांगक कर्मचारी के विधिक वारियांगामिन के प्राप्तिक के क्रमी क्रमी के क्रमी क्रमी के क्रमी क
- 8. साम्ब्रिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक विवय विधि प्रायक्त व्यास्तिन के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं विधा जाएगा और जल्ला किसी संशोधन से कर्मचारीयों के हिन्न पर प्रकृत प्रभाव पहुने की संभावना हो वहां प्रादेशिक प्रविष्य निधि प्रायुक्त प्रपना अनुमोदन देने स पूर्व कर्मचारियों को प्रपना दृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9 यदि किसी कारणवण स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृद्धिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होंने वाले फायचे किसी रीति से कम हो जाते हैं, सो यह छूट रहाइकी जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में भसकल रहता है, श्रीर पालिसी को व्यागत हा आने दिया जात है सो छूट रद्द भी जा सकती है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रसिथम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिश्रम की देशा में अन मृत सदस्यों के भामनिर्देशितियों या विधिक वारिसी को जी यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीभ के भ्रम्भर्गन होते बीमा प्राथमों के संदाय ता उक्तरवायित्व नियोजक गर होता।
- 1.2 ऊक्त स्थापन के संबंध में नियोजिक इस स्कीम के अधीन आनि वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितियों/ विधिक वारिसी की वीमाकृत रकम का संदाय प्रत्यक्ता से और प्रस्थेक दणा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रक्तम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर मुनिश्चित करेगा।

[मण्यम् ०-८५६०१ ४/३४/१९४-भ०नित । II] ए० के० भुट्टाराई, अवर सचिव

S.O. 3156.—Whereas Messrs Gcode Associates, Gopul Bagh, 315, Avanashi Road, Coimbatore-18, (hereinafter referred to as the said establishment) have been applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees
- 5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estableshment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount

- payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisinos of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving him approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reaon the employer fails to pay the premium within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees of the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S. 35014(21)/82-PF-II] A. K. BHATTARAI, Under Secy.